प्रतिमाना हजु नहिं छपायेला एवा दोढ हजार लगभग लेखो बाकी छे. जे माटे कोइ गृहस्थो तरफथी उत्साही सहाय मळे बीजो भाग प्रगटकराशे. वर्तमान समये कागळनी मोंघवारी इत्यादीने लइ धार्या करतां अतिखर्च थवाथी अने सहायकोने योग्य नकलो भेट आपती होवाथी किम्मतमां वधारो करवो पड्योछे. तोपण तेना काम अने खर्च तरफ जोतां थोडी किंमत राखी छे.

आ ग्रन्थ वांची जे कंई सुचनाओ करवी जणाय ते वांचको लखी मोकलशे तो बीजी आवृत्ति समये, तथा बीजा भाग प्रसंगे उपयोगी थई पडशे, ते माटे विद्वानोए खास लक्ष राखवा जरुर छे.

चंपागली–मुंबाई
सं. १९७३ अषाड वदि ११

ली०
अध्यात्मज्ञानप्रसारकमंडळ.

उपकारपत्र.

(परोपकारायसतांविभूतयः)

नीचे जणावेला सद्गृहस्थोए साथे जणाव्या मुजब द्रव्यनी, आ ग्रन्थना प्रकाशार्थे सहाय आपी होवाथी तेओनो उपकार साथे नोंध लेवी उचित धारी छे. स्वद्रव्यनो उपयोग हरेक रीते थइ शके छे तेमां पण ज्ञानने प्रगट करवा माटे अने ज्ञाननो वधारो करवा माटे तेना जे जे साधनो होय तेने सहाय आपवी एज सर्वोत्तम होवाथी तेओ विशेष धन्यवादने पात्र छे. " ज्ञानदान एज सर्वोत्तम दान छे.

२५०) शेठ मुरीपाभाई जीवणचंद झवेरी. मुंबईवाळा तरफथी.
१०१) शेठ मगनलाल करमचंद. प्रांतिजवाळा तरफथी.
७५) शेठ माधवलाल अमथालाल. माणसावाळा तरफथी (तेमनी दीकरीना स्मरणार्थे).
२५) शेठ गीरधरलाल पुरुषोत्तमदास नारदीपुरवाळा तरफथी.
१५१) शेठ डाह्याभाई वेलाभाई. महेमाणावाळा तरफथी.

रु.६०२)

प्रस्तावना.

जैन धातुप्रतिमाओना लेखोथी जैन कोमने तथा जैनेतर कोमोनी ऐतिहासिक विषय संबंधी घणुं जाणवानुं मळी शके तेम छे एम जाणी धातुप्रतिमाओना लेखो लेवानो प्रयत्न कर्यो छे. जैन कोममां धातुप्रतिमाओपर लेखो कोतरवानो प्राचीनकालनो रीवाज होय एम जणाय छे. वि. सं. सातमा सैकाथी धातुप्रतिमाना लेखो मळी आवे छे एम मास्तर श्रीयुत केशवलाल हर्षदराय ध्रुवे पण अमारी वार्ता प्रसंगे अमने जणाव्युं हतुं. धातुप्रतिमाना लेखो मोटा भागे एक हजार वर्ष चाली शके छे. जैनेतर कोममां पण धातुनी प्रतिमापर लेखो लखवानो रीवाज प्रायः देखवामां आवे छे. परंतु जैनो ते माटे अग्रगण्यपद धरावे छे. वि. सं. नवसैनी साल्थी आ पुस्तकमां धातुप्रतिमाओना लेखनी प्रारंभता देखवामां आवे छे. धातुप्रतिमाओना लेखोथी नीचे प्रमाणेनी हकीकत जाणवानी विचार स्फुरणा प्रगटी नीकळे छे.

१ कई कई ज्ञातिवाळाओए प्रतिमा भरावी.

२ हालमां ते ज्ञातियोमांथी कई ज्ञातियो जैनो तरीके छे.

३ कया कया गच्छना आचार्योए प्रतिष्ठा करावी.

४ कया गच्छमां आचार्य प्रतिष्ठा करी शकता अने शकता नहोता !

५ ते गच्छो पैकी हाल कया गच्छो विद्यमान छे.

६ कया कया गाममां आचार्योनो वास हतो अने कया कया गाममां जैन गृहस्थोए प्रतिमा भरावी.

७ जूनामांजूनो लेख तथा अर्वाचीन लेख.

८ प्राचीन प्रतिमाओपर लेखो लखवानी प्रवृत्ति संबंधी विचार.

९ कया कया गच्छो उत्पन्न थया.
१० कइ कइ ज्ञातियो हाल जैन धर्मथी रहित थई.
११ जैन वणिकोनी पदवीओ.
१२ कया कया ग्रन्थोथी आ संबंधी अजवाळुं पडी शके छे?
१३ दिगंबर धातुप्रतिमाओ संबंधी विचार.
१४ अन्य जैन मुनियो तथा विद्वानोनो आ दिशामां प्रयत्न.

१ कइ कइ ज्ञातिओए जैन धातुप्रतिमाओ भरावी.

आ पुस्तकमां आवेला लेखोमांथी जे जे ज्ञातियोए जैन प्रतिमाओ भरावी जेनुं अत्र लीस्ट कर्युं छे ते जोवाथी जैन वणिक ज्ञातियोनुं ज्ञान मळी शके तेम छे.

लाडुआ श्रीमालीनात. अमरूथी जैनधर्म पाळती आवेली छे. जैनाचार्योए क्षात्र रजपुतोने वणिक बनावी लाडुआ श्रीमाळी तरीके प्रसिद्ध कर्या. लाडुआ श्रीमाळी वणिकोए तेरमा चौदमा सैकाथी जैन ग्रन्थो, मंदिरो प्रतिमाओ भरावी छे एम सिद्ध थाय छे. लाड वाणिआ अने लाडुवा वाणिआ ए बे जात भिन्न छे. सुरत, कानॅर वगैरे गामोमां लाडुआ श्रीमाळी वणिकोनी वस्ती छे तेओ जैन धर्म पाळे छे. लाडवणिको पण जैनो छे. पंन्यास मुनिश्री मेघविजयजी पूर्वे ते ज्ञातिना हता. जेओ विद्वान् छे. लाडुआ श्रीमाळीओए पूर्वे लाडुआमां सुवर्ण महोरोने गाळी गरीब जैनोने आपी होय वा तेओने अन्य जैनराजाओए लाडवामां सुवर्ण महोरो गाळीने आपी होय वा तेओए अन्य जनोने लाडुवानुं दराणुं आप्युं होय एम लागे छे तेथी तेओ लाडवा श्रीमाळी तरीके प्रसिद्ध थया छे. लाडवा श्रीमाळी ज्ञातिए जैनधर्मनी सेवामां जैनाचार्योनी सारी रीते भक्ति करी छे.

वायडज्ञाति—पाटण पासे वायड (वायट) गाममां जे वणिको ब्राह्मणो, क्षत्रियो रहेता हता ते वायट नामथी प्रसिद्ध थया,

पाटण पासे वायड गाम आवेलुं छे. ते पूर्वे एक मोटु नगर हतुं. वायु पुराणमां वायड वणिकोनुं वर्णन आवे छे. वायुपुराण प्राचीन नथी. वायड गाममां जैन मन्दिरो प्राचीन कालथी विद्यमान हतां. पाटणथी पण वायड, गांभू, मोढेरा वगेरे गामो प्राचीन छे. वायड गाममां सर्व वर्णना लोको एक वखते जैनधर्मी हता तेथी वायड गामना नामे त्यां वसता जैनाचार्यो पण वायडगच्छ नामथी प्रसिद्ध थया. वायड वणिकोए जैन धर्मनी आराधनामां मुख्य भाग भजव्यो छे. विवेकविलास, बाल भारत वगेरे ग्रन्थोमांथी वायड ज्ञातिनो इतिहास मळी आवे छे. प्रभाचंद्र सूरिए रचेल प्रभावक चारित्र तथा श्रीराजशेखर प्रणीत प्रबंधकोषमांथी वायडज्ञाति संबंधी इतिहास मळी शके तेम छे. वायुवाट शब्दपरथी वायड गाम अपभ्रंश तरीके प्रसिद्ध थयुं होय तेम जणाय छे. वायु पुराणमां अतिशयोक्तिथी केटलुंक वर्णन कर्युं छे. विक्रमना पांचमा शतकमां वायु पुराणनी रचना थएली केटलाको जणावे छे. पण ते सिद्ध थई शकती नथी, तेमां जैनोनुं वा जैन संबंधी कांई इतिहासनुं वर्णन नथी, तेटला मात्रथी पण जैन वायड वणिकनी पूर्वना कालनुं छे एम मानी शकाय तेम नथी. कारण के केटलीक बाबत पाछळथी जे पुस्तक लखवामां आवे छे तेमां पूर्वनी स्थितिनुं वर्णन मात्र प्राचीन पुस्तक सिद्ध करवा माटे करवामां आवतुं नथी. वायुवाट गाममां श्रीमाळी, ओसवाळ, पोरवाड, नागर, दिशावाळ वगेरे वणिकोए पाछळथी आवी वास कर्यो हतो. ते माटे अर्वाचीन श्लोक जुओ.

श्रीमाली उसवालाश्च पोरवालाश्च नागराः।
दिशावाला गुर्जरा मोढा, ये वायुपुरवासिनः॥

आ श्लोक पाछळथी रचाएलो लागे छे. जे स्कन्दपुराणमां आ श्लोक आवेल छे, आ प्रकारनो श्लोक रचाएलो ते प्रसंगे ते वायड गामना मूळ वणिको रहेता ओसवालो, पोरवाडो, नागरो, हर-

दिशावाड, गुर्जरा अने मोढो ते गाममां व्यापारादिक कारणे आव्या हता एम सिद्ध थाय छे.

जे ज्ञातो महेश्वर (महादेव) ने देव मानवा लागी ते माहेश्वरीय नामे प्रसिद्ध थई. वल्लभीपुरनो छेल्लो राजा तथा केटलीक वणिक ज्ञातियोए शंकराचार्य पछी महेश्वरनो धर्म स्वीकार्यो ते जैन मटीने **माहेश्वरीय** (मेसरी) तरीके प्रसिद्ध थई.

हाल पण महादेवने माननारा वाणियाओने **माहेश्वरीय** (महेसरी) कहेवामां आवे छे. गुजरातमां नवमा सैका पछी जैनो मटीने **महेश्वर** धर्मनां घणा राजाओ तथा वणिको **माहेश्वरीय**–महादेवना नामथी धर्म पाळवा माटे प्रसिद्ध प्रख्यात थएला तरीके ओळखावा लाग्या. पण ज्यारे वि. सं. सोळमा सैकामां वल्लभाचार्यनो धर्म विष्णुनी उपासना तरीकेनो गुजरातमां फेलायो, तथा वैष्णवी रामानुजनो धर्म फेलायो त्यारे **माहेश्वरीय वणिकोमांथी** केटलाक वैष्णव वाणिया तरीके प्रसिद्ध थया. अने जैन धर्म पाळनाराओ जैनवणिक तथा श्रावकवाणियाना नामथी प्रसिद्ध थया. पूर्वे तो चोराशी-ज्ञातना वणिको जैन धर्म पाळता हता अने तेनी पूर्वे तो शंकराचार्यनी पहेलां तो ब्राह्मण क्षत्रिय वैश्य अने शूद्र ए चारे वर्ण जैनधर्म पाळती हती. शंकराचार्य, रामानुज अने वल्लभाचार्यना प्रगटवा पछी माहेश्वरी. वैष्णव तरीके वणिको कहेवाया. परंतु पूर्वे तो ते सर्वे जैन वणिको तरीके प्रसिद्ध हता. वायडवणिको पूर्वे जैन हता. वनराजना वखतमां वायडज्ञाति विद्यमान हती. जैनग्रंथोमां वायडनुं मोटानगर तरीके वर्णन करवामां आव्युं छे. वायडमां पन्नरमा सैका प्रारंभमां वास बनेली छे. वायडमां वि. सं. सातमीनी सालमां सिद्धराजना गुर्जरराज जैन मंत्रीए महावीरप्रभुनुं देरासर बांध्युं हतुं. प्राचीन देरासरनो जीर्णोद्धार थया बाद मुसलमानोनी राज्यस्थापना पछी साका २६ मां नवुं देरासर बनाववामां आव्युं होय एम श्रीजिनविजयसूरिनी

प्रतिष्ठाथी सिद्ध थाय छे. वायडना देरासरनो नाश सं. १३५४ मां अल्लाउद्दीनना सुबाए कर्यो हतो तेथी पश्चात् १३७०–८० लगभगमां पाछुं नवीन देरासर बन्युं एम जीवदेवसुरिए प्रतिष्ठा करावी तेथी सिद्ध थाय छे. उदा महेतानें वायट गाममां वायट वणिक जैनज्ञातिए कथा-वैरा श्रीअजितसागरना देरासरमा रया वसवानी स्थिति माटे ते ज्ञातिए गुरुना कहेवाथी साहाय्य आपी हती. वर्णनो समय सं. ११२० थी ११९० नो छे. कर्णना वखतमां गुजरातमां कलोरु वायो बनेलो छे वायडमां पण ते समये वा ते पछी थाय बनेली लागे छे. टंक वायमा मातानी मूर्तिने गाम लोक तरफथी पधरावबामां आवे छे. तेने लोको देवी तरीके मान आपे छे. वायडमा वायड वणिकोना तथा वायडगच्छ संस्थापक तरीके रासिलसुरि प्रसिद्धि पाम्या छे रासिलसुरिना समयमां वायडमां जैनोनुं घणुं जोर हतुं. ते समये ब्राह्मणो जैन हता. पाछळथी तेओ वैदिक बन्या. वायट वणिकोए भरावेली प्रतिमाओ अमदावाद, पाटण, वडोदरा, सुरत, राधनपुर, वगेरे घणा गामोमां छे. वायट वंशमां देवपाल, धनपाल, शान्तड, आमल, पद्मश्री वगेरे मंत्रीओ थया छे. वायट ज्ञाति प्रायः सत्तरमा सैका सुधी जैन धर्म पाळती हती. सोळमा सैकामां तो केनो पोणो भाग जैन धर्म पाळतो हतो. वायड ज्ञातिना कुलगुरु जैन महात्माओ हाल पाणसमामां वसे छे तेओनी पासे वायडा वाणियानी वही छे तेथी ते ज्ञात एक वे सैकाथी वैष्णव तरीके बनेली जणाय छे. सोळमा सैका सुधी तो तेओए जैन प्रतिमाओ भरावी एम देखाय छे पण पाछळथी वल्लभाचार्यना पंथमां दाखल थएली लागे छे वायटवंशज्ञातिना स्थापक जैनाचार्यो छे अने तेमनो जैन ग्रंथोमांथी इतिहास मळी आवे छे. आ संबंधी विशेष हकीकत हवे पछी जणाववामां बनशे ते प्रयास करवामां आवशे.

उपकेश ज्ञाति—ओसा नगरीमां जैनाचार्यथी उपकेशवंशनी

स्थापना थई छे. ते संबंधी जैनाचार्योनी पट्टावलीमां लखवामां आव्युं छे जैनोनी प्राचीन अने अर्वाचीन स्थिति नामना पुस्तकमां अमोए ओशवालोनी उत्पत्ति संबंधी विवेचन कर्युं छे. हाल ओशवाल ज्ञाति जैन धर्मनो मुख्य भाग गणाय छे. जोधपुरपासे ओशानगरी हाल विद्यमान छे. उकेश–उपकेश ज्ञातिना प्रतिबोधक जैनाचार्यो पण उकेश–उपकेशगच्छीय आचार्यो तरीके हाल पण प्रसिद्ध छे. ओशवंशी वणिकोमां क्षत्रियनी विशेषता देखवामां आवे छे अने ते ओसवाल भुपाल तरीके हिन्दुस्थानमां प्रसिद्धिमान थया छे उकेशज्ञातिमनोए सिद्धाचल आदि तीर्थोना उद्धारो–जिनमंदिरो–उपाश्रयो–बांधवामां अगणित धन खर्यो छे. जोधपुर, उदेपुर, जयपुर, जेसलमेर, बिकानेर वगेरे राजपुतोनां राज्योमां एक वखत पूर्ण जाहोजलाली ओशवालोए प्रधान, दिवान, कोठारी राज्यनी महेता भंडारी वगेरेनी पदवीओ उपर रहीने भोगवी हती. उकेश ज्ञातिओ पण जैनाचार्यो उपकारो [illegible] अने जैनधर्मनी आराधना करी छे. हाल ओशवाल जैनो, जैनधर्ममां अग्रगण्य भाग ले छे. उकेश ज्ञातिओ [illegible] छे. ओशवाल ज्ञातिना बे भेद छे. १ वीसा ओशवाल २ दशा ओशवाल. पूर्वे [illegible] ज्ञातिओ थई छे. वीसा [illegible] मारवाड, मेवाड, गुजरात, [illegible] विगेरे देशोमां [illegible] छे, अने दशा ओशवालो कच्छ, गुजरात [illegible] छे. ओशवालोमां [illegible] बहुधा होय छे. [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्रसिद्ध थियावर्मां. ओसवाल लोको हवे पोतानी पूर्वनी माहोटमाली प्राप्त करवाने पुनः प्रयत्न करी रह्या छे

श्रीमालज्ञाति—श्रीमारवाडना भिन्नमालनगरमां श्रीमालीज्ञातिनी उत्पत्ति थयेली छे. श्रीमाली ज्ञातिना वडवाओ अमल राजाओ हता, अने तेओ भिन्नमाल नगरनी अन्दर तथा प्रदेशमां राज्य करता हता. विक्रम संवत् पूर्वे पण तेओनी मोटी माहोटमाली हती एम इतिहास परथी सिद्ध थाय छे. निवृत्ति मार्गना प्राधान्य उपदेशनी असरथी तेओए राजानां पदवीनो त्याग कर्यो अने मंत्री आदि विगेरे पदवीओ स्वीकारी. तेओनुं केन्द्रस्थान भिन्नमाल होइ तेओ आजुबाजुना प्रदेशमां विचरवा लाग्या. जैनाचार्योए तेओने वणिकना गुणकर्ममां योज्या. कालांतरे तेओ वणिक तरीके प्रसिद्ध थया. श्रीमालीना त्रण भेद छे. १ वीशाश्रीश्रीमाली, २ वीशाश्रीमाली, ३ दशाश्रीमाली ए त्रण भेद हता. तेरमा सैका पर्यंत वीशाश्रीश्री.ाली अने द.शाश्रीम.ली ए बे भेद हता. तेरमा सैकाना अन्ते गुज[illegible] तेजपाल थया. वस्तुपाल तेजपाले पाटणमां ८४ ज्ञातना वणिकोने जमवाने माटे नोतर्या हता. तत्समये पाटणमां नगरशेठनी पदवी वीशा.श्रीमालीने घेर हती. ते वखते नगर-शेठनो पुत्र नानो हतो तेथी तेने ८४ ज्ञातना जैन वाणीया भेगा थया ते अवसरे बोलाववामां आव्यो न्होतो. तेथी तेनी माताए पुत्रने उश्केर्यो अने कह्युं के वस्तुपाल तेजपालनी माताए पुनर्लग्न कर्युं छे ने तेना वस्तु-पाल तेजपाल बे पुत्रो छे. ८४ ज्ञातना वाणीयाओए ए वातनी तपास करी ते वात खरी ठरी तेथी जमणमां भंगाण पडवा मांड्युं. जे पोरवाड पक्षना वस्तुपाल तेजपालना पक्षमां रही जमणमां भाग लीधो ते सर्व वणिको दशाश्रीमाली, दशापोरवाड, दशाओशवाल तरीके प्रसिद्ध थया. अने जेओए जमणमां भाग लीधो नहि तेओ वीशा-श्रीमाली वगेरे तरीके प्रसिद्ध थया. त्यारथी वीशा ओशवाल, दशा

ओसवाल, वीशाश्रीमाली, दशाश्रीमाली, वीशा पोरवाड, दशा पोरवाड विगेरे ज्ञातिओना भेद थया. ए रीते वस्तुपालना समयमां बन्युं छे. अने विमलमंत्रिना समयमां तेओनां नाम पण आपवामां आव्यां नथी. तेमज बीजा अन्य ग्रन्थोमां पण नामो मळी आवे छे. अमारा बनावेला " जैनोनी प्राचीन अर्वाचीन स्थिति " नामना ग्रन्थमां पण नाम आपवामां आवेलां छे. वीशा श्रीमालीने वृद्ध शाखा. दशा श्रीमालीने लघु शाखा श्रीमाली कहेवामां आवे छे एम दरेक प्रतिमाना लेखोपरथी जणाय छे. चोहाण, राठोड, चावडा, सोलंकी विगेरे रजपूतो असल वीशा श्रीमाली तरीके प्रसिद्ध थयेला छे. पाटणनी गादीपर थयेला वनराज चावडानी संततिना बे पक्ष थया तेमांथी एक हाल जैनधर्म पाळे छे ने बीजो महेश्वर धर्म पाळे छे. वरसोडा तथा माणसाना चावडा राजाना पूर्वजो असल जैन धर्मी हता. वनराजनी पूर्वेना तेना वंशना १०–१२ राजाओ जैन धर्मी हता. एवुं छाडोळना जैन महात्मा मणिलालजीनी वहीमां लखेलुं छे अने ते वही जुनी छे. वनराज पछीना वंशजो जे जैन तरीके कायम रह्या ते वीशा श्रीमाळी कोममां भळेला छे. माणसामां उवसळीया वीशाश्रीमाळीओ छे ते असल वनराजना वंशना गणाय छे. वनराजनी २० मी के २१ मी पेढीए हाल माणसाना ठाकोर आवेला छे. ने उवसळीआ पण तेज पेढीए आवेला छे. आ उपरथी एम समजी शकाय छे के चावडा चोहाण विगेरे राजाओनां केटलांक कुळो जैन वीशाश्रीमाळी तरीके हाल विद्यमान छे. श्रीश्रीमाल नामनी वणिक ज्ञातिना लोको हाल मारवाडमां घणा छे. ते ज्ञातिना जैनोए असल जैन देरासरो ने जैन प्रतिमाओ कराववामां घणो भाग आप्यो छे जैन धर्मना आचारो पाळवामां पण तेओ श्रेष्ठ गणाता हता. वीशाश्रीमाळीनो बीजो भेद जे दशाश्रीमाळी तरीके गणाय छे ते सर्व लोको असल जैन धर्म पाळता हता ने तेमांथी हाल केटलाएक शानक छापगमां माहेश्वरी, वैष्णव थया छे. छाडोळना जैन पूनमीया

मध्यना महात्माओनी वस्तीओमां वीसाश्रीमालीने दसाश्रीमालीनी वस्ती छे तेमां तेओना गोत्र विगेरे घणी हकीकत छे. वीसाश्रीमाली जैनो मोटा भागे वेपार, राजाओनुं कारभारीपणुं विगेरे करे छे. मोटा भागे वेपार करे छे. मारवाड, मेवाड, गुजरात, काठियावाड, बंगाल, दक्षिण, खानदेश मध्यप्रान्त कच्छ, वागड वगेरे घणे स्थाने वीसाश्रीमालीनो मोटो भाग छे. पाटण, राधनपुर विगेरे स्थळोमां नगरशेठ वीसाश्रीमाली छे. वीसाश्रीमाली जैनधर्म पाळवामां चुस्त छे. वीसाश्रीमाली, दसा-श्रीमाली, ए बे श्रीमालीना भेद छे. वीसाश्रीश्रीमालीमां जैनाचार्यो, उपाध्यायो, साधुओ घणा थयेला छे ने विसाश्रीमालीओए सिद्धाचलना उद्धारो पण कराव्या छे. गुजरातना अमदावाद शहेरमां वीसाश्रीमाली ने दसाश्रीमालीनी वस्ती घणी छे. वीसाश्रीमालीओ हवे अत्यन्त स्थिति जाळवी राखवाने माटे मंडळो वगेरे भरी पूर्ण प्रयत्न करी रह्या छे. पूर्वना व्यापारो अने सत्ता पुनः प्राप्त करवाने माटे तेओ अभिमान पूर्वक प्रयत्न करी रह्या छे. हवे तेओ पोतानी ज्ञात-जातमां उन्नति माटे अनेक प्रकारना सुधारा करवा लाग्या छे वीसा-श्रीमालीनी वस्तीमां गामोगाम कंटक घटाडो थवा लाग्यो छे. अने रांडी रांडोनी वस्ती वधवा मांडी छे. तो हवे तेओए पोतानी कोमनी संख्यावृद्धि माटे योग्य उपायो लेवा जोईए.

डीसावालज्ञाति—पालणपुरनी पासे आवेला डीसा गाममां रहेनार वणिकोना नामथी डीसावालज्ञातिनी उत्पत्ति थयेली छे. डीसावाल वणिको असल जैनधर्मी हता. वादिवेताल शान्तिसूरि, नन्नसूरि, अभयदेवसूरि वगेरे आचार्योए डीसावाल जैन वणिकोनी साहोसाली करवामां आगेवानी भर्यो भाग लीधो हतो. डीसावाल जैन कोममांथी अनेक आचार्यो, उपाध्यायो ने साधुओ थया छे. डीसावाळ वणिको वडगच्छ ने तपागच्छना श्रावको कहेवाय छे. आ पुस्तकना पत्रमां -१७-७७-

२३३-६४३-१०६०-१०६४-१०८३-१५०८-१६२१ विगेरे लेखोनी प्रतिमाओ डीसावाल (देसावाल) जैन वणिकोए भरावी छे. म्हेसाणाना डीसावाल जैन वणिको शा. वीरचंद जादवजी विगेरे १९२९ नी साल सुधी जैनधर्म पाळता हता. अने ते लहुडी पोशाल गच्छना हता. तेमना बापाए तेमनी पालीताणानी देरी सं. १९२८ लगभगमां समरावी हती. म्हेसाणामां चगोठीया अने माटवाडा आगळ तेमनो उपाश्रय हतो. हालपण वीरचंद जादवजीना वंशजो दशा डीसावाल वाणीयाओ श्रीपद्मप्रभुना देहेरे वरकन्यानो कंकणदोरो छोडवाने माटे जाय छे. १९४० लगभगनी सालमां तेओने वैष्णव थवाथी नोकारशीमांथी दूर कर्या. पालीताणानी टुंकमां दशा डीसावालना बंधावेलां देहरां छे. सं. १९२१ लगभगनी सालमां ते देहराने तेमना तरफथी समरावबामां आव्युं हतुं. म्हेसाणा, माणसा, कोलवडा, गोजारीयां, लांघणज विगेरे गाममां डीसावालनी वस्ती छे. दिगंबरोमां डिसावाल जैनो हाल पण छे. जैन साधुओनो उपदेश बराबर नहि मळवाथी वल्लभाचार्यना पंथीओनी उपदेशनी असर थतां तेओमांथी केटलाक अन्य धर्म पाळवा लाग्या छे. दशा डीसावालनी वस्ती थोडी छे, अने तेओ व्यापार करे छे.

नागरज्ञाति—नागर ज्ञाति असलथी जैनधर्म पाळती आवेली छे पत्र ३-१०-३४-६४-४६-९६-११२-२१९-२५० मां नागरज्ञातिना श्रेष्ठिओए भरावेली जैन प्रतिमाना लेखो आप्या छे ते उपरथी सिद्ध थाय छे के १६मा सैकामां नागरज्ञातिना वणिको जैन धर्ममां चुस्त हता. अंचलगच्छना, तपागच्छना ने वडगच्छना श्रावको तरीके नागर वणिको प्रसिद्ध हता. देवर्द्धिगणिक्षमाश्रमणना वखतमां वडनगरना रहीश वणिको ने नागर (नगरमां उत्पन्न थनार ते नागर) पद आपवामां आव्युं हतुं. नागर वणिकोमांथी घणा आचार्यो, उपाध्यायो ने साधुओ थया त्यारथी नागरगच्छनी उत्पत्ति थइ. नागरगच्छमां श्रीजिनेश्वरसूरिनामे महा

आचार्य थया छे अने तेमना संतानोमां पण घणा आचार्यो थया छे. नागरज्ञातिमां घणा वणिकोने मंत्रिपद मल्यां छे. अंचलगच्छीय श्रीजय-केशरसूरिना उपदेशथी नागरज्ञातिना मंत्रि भामानी भार्या दूवी तेना पुत्र वाछामंडण तेमणे श्री संभवनाथनी प्रतिमा भरावी हती. संवत् १५२६ नी सालमां कुडवाडा गाम वास्तव्य नागरज्ञाति शेठ राजा सुत नाथाकेन संभवनाथनी प्रतिमा भरावी हती के जेनी प्रतिष्ठा तेमना गच्छगुरु वृद्ध तपापक्षी श्रीरत्नसिंहसूरि, श्रीउदयवल्लभसूरि, श्रीज्ञानसागरसूरि विगेरे आचार्यो थया हता तेमणे प्रतिष्ठा करी हती. वड-नगरमां अंचलगच्छेश श्री जयकेशरसूरिना उपदेशथी वडनगरना नागर व्यवहारी शेठ राणाना पौत्र आंबा स्त्रीआए श्री संभवनाथनी प्रतिमा भरावी हती. वि० सं० १४८९ नी सालमां नागरज्ञाति शेठ गोत्री मा-जन तेमना पुत्र शेठ गोवी सामले महावीर स्वामिनी प्रतिमा भरावी ने तेनी प्रतिष्ठा श्री जैनसिंहसूरिए करी. सं. १९१४ मां पेथापुरवासी नागरज्ञातीय दोसी हीरा भार्या मेनू पुत्र दोसी राणाक भार्या पूरी प्रमुखकुटुंबे वृद्ध भार्या कालीना कल्याण माटे सुमतिनाथनी प्रतिमा भरावी अने प्रतिष्ठा श्रीरत्न-सिंहसूरिए करी इत्यादि. नागर ज्ञातिए भरावेली प्रतिमाना घणा लेखो छे. वि. सं. १७ मी १८ मी सदी सुधी नागरवणिको जैनधर्म पाळता हता ने पश्चात् तेमांना केटलाक महेश्वरी अने विष्णु धर्म पाळवा लाग्या अने हाल तो ते ज्ञाति, जैन धर्मथी भ्रष्ट जेवी दशावाळी थई गई छे. वडनगरमां संवत् १९३०–४० नी साल सुधी नागरवाणियानां २०–३० घर जैन धर्मी रहतां हता, परन्तु बीजा वैष्णवधर्मी नागरवणिकोए जैनधर्म पाळनार नागरज्ञाति उपर दबाण कर्युं के जो तमो जैन धर्म पाळशो तो कन्या आपवामां नहीं आवे. आथी तेओ अमदा-वादमां श्रीआत्मारामजी, श्रीरविसागरजी, श्रीमोहनलालजी महाराज वगेरेने विनंति करी के अमोने अन्य बीसा श्रीमाली वणिक कोममां

दाखल करावो पण ज्यारे जैनज्ञातिए ते वात नहीं मानी त्यारे ते लोकोए नाडलाजे वैष्णवनी कंठी बांधी. हाल वडनगरमां देवी नागर लोकोनां बंधावेलां देहरां छे अने तेमांना केटलाक जिनमंदिरमां छानामाना दर्शन करवाने माटे जाय छे. हजी पण तेओमां जैनधर्मनो जुस्सो छे.

नागर वणिकोनी वस्ति माणसा, वडनगर, वसद, पीलवाइ, अमदावाद, सुरत वगेरे ठेकाणे छे. शीलगुणसूरि, बप्पभट्टसूरि, हरिभद्रसूरि, हेमचंद्रसूरि जिनदत्तसूरि, जिनकुशलसूरि, जयसिंहसूरि वगेरे आचार्योए नागरज्ञातिनी उन्नति करवामां महाभाग लीधो हतो. अंचलगच्छना अने वृद्ध तपागच्छना आचार्यो ए नागरज्ञातिना गुरु हता. दिगंबरोमां तथा श्वेतांबरोमां मध्यप्रांत दक्षिण वगेरेमां केटलाक नागरो जैन धर्मी छे. नागरज्ञातिनो इतिहास जैन ग्रंथो अने जैन महात्माओनी वहीओमांथी नीकळी आवे तेम छे.

गुर्जरज्ञाति—ज्यारे सौराष्ट्र वगेरे देशोमां सिथियन अने गुर्जर लोकोए सवारीओ करी त्यारे आनर्त देशनुं नाम गुजरात पड्युं. अने गुजरातना नामे प्रसिद्ध थयेला जैन वणिको काळांतरे गुर्जर ज्ञाति तरीके प्रसिद्ध थया. अथवा गुर्जर लोकोनी सवारीओनी साथे जेओ अहिं आव्या ते गुर्जर वाणीआओ तरीके अत्र प्रसिद्ध थया. गुर्जर वणिकोने जैनाचार्योए जैनधर्ममां दाखल कर्या. वडनगर, वीसनगर, पाटण, प्रांतीज, सुरत वगेरेमां गुर्जर ज्ञातिनी वसति छे. आ जैन प्रतिमा लेखसंग्रहना पत्र ६–११–६१–६७–१०२–१८४–२०७–२१०–२२३–२३६ पत्रोमां गुर्जर ज्ञातिए जैन प्रतिमा भरावी छे तेना लेखो छे. वि० सं० १६मा सतरमा सैका सुधी गुर्जरवणिको श्वेतांबर जैनधर्म पाळता हता एवुं लेखोथी सिद्ध थाय छे. अने उपरना पत्रांकना लेखो वांचवाथी पण वांचकोने विदित थशे एम आशा राखवामां आवे छे. विजापुरमां गुर्जर वणिको १९२० नी साल सुधी जैनधर्म पाळता हता. पश्चात् तेओ वैष्णव धर्ममां भळवा लाग्या. पहेलां तेओ जैन मोकारशीमां जमता अथवा

हता ने हाल तेओ विजापुरमां रहाणुं ले छे आ उपरथी सिद्ध थाय छे के तेओ जैनधर्म पाळता हता. वृद्ध तपापक्षना आचार्योना अने आगम-गच्छना आचार्योना तेओ श्रावको हता. गुजरातमां वल्लभाचार्यनो पंथ फेलाया पछी २०० वर्षे तेओ वल्लभीपंथमां दाखल थवा लाग्या. तेओनी वसती घणी सांकडी छे. तेओ आचार विचारमां घणा सांकडा थता जाय छे. तेथी तेथी कदाच तेओनुं अस्तित्व कायम न रहे तेवो भय रहे छे. जैन महात्माओ पासेथी गुर्जर ज्ञातिनो इतिहास मळी शके तेवो संभव छे. जैन कोममांथी गुर्जर ज्ञाति जुदी पड्या बाद ते संकीर्ण थइ गइ छे. दुनियामां सुधारा वधाराना साथे ते विशाळ वणिक कोमनी साथे भळती नहि रहे तो तेओने घणुं नमवुं पडे तेम छे. दिगंबर जैन तरीके गुर्जरज्ञाति हजी हयात छे.

पोरवाडज्ञाति—मारवाडना भिन्नमाल नगरनी पूर्वदिशामां वसनार क्षत्रियोने जैनाचार्योए वणिक तरीके स्थापन कर्या. गुजरातना जैन महात्मा वहीवंचाओ पासे पोरवाडज्ञातिनी उत्पत्तिनी वही छे. तेमज अन्य जैन ग्रंथोमां पण पोरवाड ज्ञातिनी उत्पत्तिनुं वर्णन आपवामां आवेलुं छे. चोहाण, राठोड, सिसोदिया वगेरे रजपूतोनुं पोरवाड ज्ञातिमां मिश्रण थयुं छे. पोरवाडना मूळवंशमां अमुक राजाओ हता ने तेओ मारवाड देशमां राज्य करता हता, पण कालांतरे तेओ राजा तरीके रही शक्या नहि. विमलमंत्रि, धन्ना पोरवाड, अने वस्तुपाले तेजपाले, पोरवाडकोममां आगेवानी भर्यो भाग लीधो छे. विमलशाहे चंद्रावतीनुं (आबुनुं) राज्य कर्युं छे, अने तेणे कुंभारिया उपर पांच देहरासर बंधाव्यां छे तेनी कोरणी जोवालायक छे. कुंभारिया पासे एडाद गामडुं देहरासर पण तेणे बंधावेलुं छे. पोसीनामां आवेलां केटलांक देहरासर पण तेणे बंधावेलां छे. आबुनी देलवाडामां तेणे एक मोटुं देहरासर बंधाव्युं छे अने तेनी कोरणी एटली बधी सुंदर छे के तेने जोवाने माटे सर्व देशना विद्वानो आवे छे अने तेनी नोंध ले छे. आबुजीनां देहरासरनां दर्शन करवाने माटे हिंदुस्तानना सर्व जैनो आवे

छे, अने पुरोहीतनो पण आवे छे. तेनी कारीगरी जोई घणा खुशी थाय छे. आबुजीना देहरासर पासे वस्तुपाल तेजपालना बंधावेलां देहरासर छे, तेनी कारीगरी पण अत्युत्तम छे. वस्तुपाले अने तेजपाले बीजे घणे ठेकाणे देहरासर कराव्यां छे तथा २१ जैनज्ञानभंडार कराव्या हता अने सिद्धाचलनो संघ काढीने १२॥ यात्राओ करीने करोडो रुपियानो खर्च कर्यो हतो. तेनी संततिनी दशा पोरवाड जैन वणिको छे. वीशापोरवाड जैनो पैसेटके सुखी छे. तथा जैन कोममां आगेवान छे. ते कोमे घणा जैनज्ञान भंडारो तथा देहरासरो ने प्रतिमाओ करावीने जैनधर्मनी घणी जाहोजलाली दर्शावी छे. पोरवाड कोमे जैन धर्मनी उन्नति करवा माटे घणा आचार्यो उपाध्यायो ने साधुओने घणी मदद करी छे ते ते कोममांथी घणा जैनाचार्यो, उपाध्यायो अने साधुओ थया छे. वीशा तथा दशा पोरवाड जैनोए घणां देहरासर तथा घणी जैन प्रतिमाओ भरावी छे. ते संबंधी हमारो लेखो मळी आवे छे. वीशापोरवाड मां जैनधर्म पाळे छे अने दशापोरवाड पण जैनधर्मी छे. हाल केटलाक दशापोरवाडो थोडी पेढीमां वैष्णवधर्मी वैष्णव थया छे तेम छतां तेओ जैन साधुओने मान आपी हजी सुधी जैन आचार विचार पाळे छे. दशापोरवाडनो मोटो भाग जैन धर्म पाळे छे अने तेओ जैन धर्मोन्नतिमानी सारी लागणी धरावे छे.

उपकेशज्ञाति—उपकेशज्ञाति संबंधी विशेष हकीकत वांचवामां आवी नथी. अन्य लेखोमां जे संबंधी हकीकत मळशे तो तेनुं भविष्यमां विशेष वर्णन करवामां आवशे.

पल्लीवालज्ञाति—जैनपल्लीवाल पल्लीवालज्ञाति अने ब्राह्मण पल्लीवाल [illegible] पल्लीमां (पालीमां) पल्लीवाल वणिकोना [illegible] पल्लीवाल ज्ञाति प्रसिद्ध थयेली जणाय छे [illegible] पल्लीवाल, [illegible]

ज्ञाति संबंधी विशेष माणसानी हकीकत मळी शकती नथी. मारवाडमां मध्यप्रांतमां पल्लिवालज्ञाति संबंधी विशेष हकीकत मळी शके एम भासे छे. दिगंबरोमां हाल पल्लिवाल जैनो विशेष प्रमाणमां छे. श्वेतांबरोमां पल्लिवाल ज्ञातिना नामे पल्लिवाल गच्छ प्रगट्यो छे. पत्र २६ मामां १३७मो पल्लिवालज्ञाति संबंधी तथा पत्र ५० मां ३२८ मो लेख छे ते १३२७–१३७१ सालनो छे. वडगच्छना आचार्योने ताबे पल्लिवालज्ञाति होय एम लागे छे. चंद्रसूरि शिष्य माणिक्यसूरि ते वखते तेमना गुरु तरीके हता एम लेख उपरथी जणाय छ.

श्रीमाळ गुर्जरज्ञाति—संवत् १५१६ नी सालमां खरतरगच्छना आचार्य जिनसागरसूरिपट्टे, जिनसुंदरसूरि हता. श्रीजिनसुंदरसूरिना श्रावको तरीके श्रीमाळ्गुर्जर ज्ञातिना लोको हता एम पत्र ३० माना लेख परथी सिद्ध थाय छे. हाल श्रीमाल्गुर्जर ज्ञाति अन्य ज्ञातिमां भळी गई छे के तेनाथी जुदी हयात छ ? तेनो तपास करवानी जरुर छे.

उपज्ञाति—पत्र ४४ मांना २४६ मा लेखमां सुरोडा गोत्रवाळी ज्ञाति विद्यमान हती अने तेना गुरु वडगच्छना आचार्य सागरचंद्रसूरि हता. ते समय जे गच्छना श्रावको हता. ते गच्छना आचार्य पासे प्रतिमानी प्रतिष्ठा करावता हता. कोई खास ज्ञातिमांथी उपज्ञाति नीकळेली होय एम जणाय छे. सं. १४९९ मां तेनी विद्यमानता हती तेटलुंज उपर प्रमाणे लेखथकी सिद्ध थाय छे.

मोढज्ञाति—मोढेरा नगरमां रहेला वणिकोने मोढ वणिको कहेवामां आवे छे अने तेमां अमरथी रहेला ब्राह्मणोने मोढब्राह्मणो कहेवामां आवे छे. पाटणनी पहेलानुं मोढेरा नगर छे. मोढेरामां प्राचीन जैन श्वेतांबर मंदिर हतुं तेमज त्रेमां प्राचीन एक दिगंबर जैन मंदिर हतुं. अल्लाउद्दीन बादशाहना समयमां मोढेराना प्राचीन जैन मंदिरो नाश पाम्यां. मोढज्ञाति वणिको विक्रम सं. एक हजारनी सालथी जुदा जुदा देशमां

छे, अने युरोपीयनो पण आवे छे. तेनी कारीगरी जोई घणा खुशी थाय छे. आबुजीना देहरासर पासे वस्तुपाल तेजपालना बंधावेलां देहरासर छे, तेनी कारीगरी पण अत्युत्तम छे. वस्तुपाळे अने तेजपाळे बीजे घणे ठेकाणे देहरासर कराव्यां छे तथा २१ जैनज्ञानभंडार कराव्या हता अने सिद्धाचलनो संघ काढीने १२॥ यात्राओ करीने करोडो रुपियानो खर्च कर्यो हतो. तेनी संततिमां दशा पोरवाड जैन वणिको छे. वीशापोरवाड जैनो पैसेटके सुखी छे. तथा जैन कोममां आगेवान छे. ते कोमे घणा जैनज्ञान भंडारो तथा देहरासरो ने प्रतिमाओ करावीने जैनधर्मनी घणी जाहोजलाली दर्शावी छे. पोरवाड कोमे जैन धर्मनी उन्नति करवा माटे घणा आचार्यो उपाध्यायो ने साधुओने घणी सहाय करी छे ते ते कोममांथी घणा जैनाचार्यो, उपाध्यायो अने साधुओ थया छे. वीसा तथा दशा पोरवाड जैनोए घणां देहरासर तथा घणी जैन प्रतिमाओ भरावी छे. ते संबंधी हजारो लेखो मळी आवे छे. वीसापोरवाड सर्वे जैनधर्म पाळे छे अने दशापोरवाड पण जैनधर्मी छे. हाल केटलाक दशापोरवाडो थोडी संख्यामां वैष्णवधर्मनां दाखल थया छे तेम छतां तेओ जैन साधुओने मान आपी हजी सुधी जैन आचार विचार पाळे छे. दशापोरवाडनो मोटो भाग जैन धर्म पाळे छे अने तेओ जैन धर्माभिमाननी सारी लागणी धरावे छे.

उपकेशज्ञाति—उपकेशज्ञाति संबंधी विशेष हकीकत वांचवामां आवी नथी. अन्य लेखोमां ते संबंधी हकीकत मळशे तो तेनुं भविष्यमां विशेष वर्णन करवामां आवशे.

पल्लिवालज्ञाति—जैनश्वेतांबर पल्लिवालज्ञाति अने श्वेतांबर पल्लिवालगच्छने निकटनो संबंध जणाय छे. पल्लिवालना (पाली) पल्लिवाल वणिकोना नामे वा पल्लिवाल गामना नामे पल्लिवाल ज्ञाति प्रसिद्ध थएली जणाय छे. मारवाडमां वा मारवाडना शिरोही मोटा वगेरे प्रदेशोमां पल्लिवालनगर, गाम आदि हालमां क्यां होय ते जोईए. गुजरातमां, काठीयावाडमां पल्लिवाल-

ज्ञाति संबंधी विशेष जाणवानी हकीकत मळी शकती नथी. मारवाडमां मध्यप्रांतमां पल्लिवालज्ञाति संबंधी विशेष हकीकत मळी शके एम मासे छे. दिगंबरोमां हाल पल्लिवाल जैनो विशेष सख्यामां छे. श्वेतांबरोमां पल्लिवाल ज्ञातिना नामे पल्लिवाल गच्छ प्रगट्यो छे. पत्र २६ मामां १२७मो पल्लिवालज्ञाति संबंधी तथा पत्र ५७ मां ३२८ मो लेख छे ते १२२७–१३७१ मान्यो छे. *वडगच्छना आचार्योने तावे पल्लिवालज्ञाति होय* एम लागे छे. चंद्रसूरि शिष्य माणिकसूरि ते वखते तेमना गुरु हशे हता एम लेख उपरथी जणाय छे.

श्रीमाल गुर्जरज्ञाति—संवत् १५१६ नी सालमां खरतरगच्छना आचार्य जिनसागरसूरिजी, जिनसुंदरसूरि हता. श्रीजिनसुंदरसूरिना श्रावको तरीके श्रीमालगुर्जर ज्ञातिना लोको हता एम पत्र ३० माना लेख परथी सिद्ध थाय छे. हाल श्रीमालगुर्जर ज्ञाति अन्य ज्ञातिमां भळी गई छे के तेनाथी जुदी हयात छे ? तेनो तपास करवानी जरुर छे.

उपज्ञाति—पत्र ४४ मांना २४६ मा लेखमां सुरोठा गोत्रवाळी ज्ञाति विद्यमान हती अने तेना गुरु वडगच्छना आचार्य सागरचंद्रसूरि हता. ते समय जे गच्छना श्रावको हता. ते गच्छना आचार्य चारो प्रतिमानी प्रतिष्ठा करावता हता. कोई खास ज्ञातिमांथी उपज्ञाति नीकळेली होय एम जणाय छे. सं. १४९९ मां तेनी विद्यमानता हती तेरखुंनो उपर प्रमाणे लेखथकी सिद्ध थाय छे.

मोढज्ञाति—मोढेरा नगरमां रहेला वणिकोने मोढ वणिको कहेवामां आवे छे अने तेमां अमरथी रहेला ब्राह्मणोने मोढब्राह्मणो कहेवामां आवे छे. पाटणनी पहेलानुं मोढेरा नगर छे. मोढेरामां प्राचीन जैन श्वेतांबर मंदिर हतुं तेमज तेमां प्राचीन एक दिगंबर जैन मंदिर हतुं. अल्लाउद्दीन बादशाहना समयमां मोढेराना प्राचीन जैन मंदिरो नाश पाम्यां. मोढज्ञाति वणिको विक्रम सं. एक हजारनी मगरथी जुदा जुदा देशमां

वीशा हुंबड अने दशा हुंबड एम बे तडोमां हुंबड ज्ञाति वहेंचाई गई छे.

कपोळ ज्ञाति—कपोळ वणिक ज्ञातिनो इतिहास मेळववानी जरुर छे. केटलाक ब्राह्मणो वणिकोनां पुराणो रचीने तेओना अन्य इतिहासनो केटलीक वखत लोप करे छे. भाटो चारण पण केटलीक वहीयोमां वंशोना इतिहासोमां घणुं असत्य मेळवे छे तेथी सत्य इतिहास मेळववां अति प्रयास करवो पडे छे. कपोळ ज्ञातिना लोकोए जैन प्रतिमाओ भरावी छे तेथी ते ज्ञातना सर्व लोको वा तेमांथी मोटो भाग वा अर्ध भाग जैन धर्मी हतो एम सिद्ध थाय छे. पश्चात् वल्लभाचार्य तथा ब्राह्मणोनुं जोर वधवां तथा जैनाचार्योमां प्रमाद वधवां कपोळ कोमनो घणो भाग कपोळज्ञाति वैष्णवमां भळी गयो होय एम जणाय छे.

संवत् १५४७ नी सालमां तपागच्छनां लक्ष्मीसागरसूरिनी पाटे श्रीसुमतिसाधुसूरि थया तेमना वखतमां कपोळज्ञाति श्रेष्ठी मगनना कुटुंबे जैन प्रतिमा भरावी हती. कपोळज्ञाति जैनोए घणी प्रतिमाओ भरावी छे. तेना लेखो अमारी पासे छे तेथी एम सिद्ध थाय छे के, सोळमा सैका सुधी तो वा सत्तरमा सैका सुधी ते कपोळज्ञाति जैनधर्मी हती. परंतु पाछळथी वल्लभाचार्यना पंथना जोरथी ते ज्ञाति प्रायः वैष्णव धर्मी जणाय छे. सं. १९६६ ना चैत्र मासमां वल्लभाचार्य वैष्णवोनी सुरतमां एक मोटी सभा भराई हती ते वखतमां अमो त्यां हतां. ते वखते एक वैष्णव पंडिते सभामां उभा थईने कह्युं हतुं के "शंकराचार्य मायावादीपि, अमारा वल्लभी संप्रदाय पर तरफमां द्वेष करे छे. परंतु जैनोने अमारा वल्लभी संप्रदायमां लेवा छे." आवुं ते वैष्णव पंडित बोल्यो हतो तेमां घणो सत्य भाग छे. सत्तरमा सैकाना अने अढारमा सैकामां कपोळ, मोढ, पुष्कर, नागर वगेरे ज्ञातियोमांथी केटलोक भाग वैष्णव धर्म स्वीकार्यो. जैनाचार्योमां ते वखते शिथिलता आवी गई हती तेथी तेओ .

लाभ तेओए लीधो ए स्वाभाविक छे. कपोलज्ञातिना मनुष्योनी अल्प संख्या छे तेओ व्यापार वगेरेथी आजीविका चलावे छे. केटलीक कपोल ज्ञाति जैन छे एम सांभळ्युं छे. काठीयावाड, सुरत, मुंबाई वगेरेमां तेमनी वसति छे.

सितकेशज्ञाति—सोळमा सैकामां सितकेशज्ञाति जैनधर्मी हती अने तेणे जैनप्रतिमाओ भरावी छे. सितकेशज्ञाति हाल विद्यमान छे के केम ? तेनो तपास करवानी जरर छे.

निमावणिग्ज्ञाति— कपडवणज वगेरे गामोमां नीमा वाणियाओनी विशेष वसति छे. तेओ जैनधर्मी छे. तेओए जैन मंदिरो बंधाव्यां छे. जैन उपाश्रयो बंधाव्या छे. तेओनी ज्ञातिमांथी जैनाचार्यो साधुओ थया छे हालपण तेओनी ज्ञातिमांथी मुनि थएल पन्न्यास आनन्दसागरजी, पन्न्यास मणिविजयजी, जैन कोममां गीतार्थ विद्वान तरीके सर्वत्र प्रख्यात छे.

श्री पंराज्ञातिनो लेख पत्र १६२ मामां छे. श्रीश्रीवंशज्ञातिना लेखो १६८–१७७–२०३–२१३–२१८–२३२–२३६ पत्रे छे. श्री वीरवंशज्ञातिनो लेख १७२–१८१ मा पत्रे छे. आ त्रण वा बे ज्ञातियोनो इतिहास शोधाय छे. ते संबंधी विशेष जाणवामां आवतां प्रगट करवामां आवशे सोळमा सत्तरमा सैका सुधी तो ते ज्ञातियो विद्यमान हती. हाल विद्यमान छे के केम तेनो तपास करवानी जरर छे.

उकेश चहुहाणज्ञाति–उकेश अने चोहाण क्षत्रियोनी साथे ते ज्ञातिनो गाढसंबंध छे. पूर्वे चोहाण राजपुतो चोरडीया पक्षना आचार्यना भक्तो हता. संडेरगच्छना श्रावको तरीके शिशोदिया राजपुतो हता. हालपण शिशोदिया वंशना गुरु तरीके संडेरगच्छना श्री पूज्य मारवाड्मां छे.

वीशा हुंबड अने दशा हुंबड एम वे तडोमां हुंबड ज्ञाति कहेवाई गई छे.

कपोल ज्ञाति—कपोल वणिक ज्ञातिनो इतिहास मेळववानी जरूर छे. केटलाक ब्राह्मणो वणिकोनां पुराणो रचीने तेओना अन्य इतिहासनो केटलीक वखत लोप करे छे. भाटो वगेरे पण केटलीक वहीयोमां वंशोना इतिहासोमां घणुं असत्य भेळवे छे तेथी सत्य इतिहास मेळववां अति प्रयास करवो पडे छे. कपोल ज्ञातिना लोकोए जैन प्रतिमाओ भरावी छे तेथी ते जातना सर्व लोको वा तेमांथी मोटो भाग वा अर्ध भाग जैन धर्मी हतो एम सिद्ध थाय छे. पश्चात् वल्लभाचार्य तथा ब्राह्मणोनुं जोर वधतां तथा जैनाचार्योमां प्रमाद थतां कपोल कोमनो पोणो भाग कपोलज्ञाति वैष्णवमा मळी गयो होय एम जणाय छे.

संवत् १५४७ नी सालमां तपागच्छमां लक्ष्मीसागरसूरिनी पाटे श्रीसुमतिसाधुसूरि थया तेमना वखतमां कपोलज्ञाति श्रेष्ठी सरवणना कुटुंबे जैन प्रतिमा भरावी हती. कपोलज्ञाति जैनोए घणी प्रतिमाओ भरावी छे. तेना लेखो अमारी पासे छे तेथी एम सिद्ध थाय छे के, सोळमा सैका सुधी तो वा सत्तरमा सैका सुधी ते कपोलज्ञाति जैनधर्मी हती. परंतु पाछळथी वल्लभाचार्यना पंथना जोरथी ते ज्ञाति प्रायः वैष्णव धर्मी थएली जणाय छे. सं. १९११ ना चैत्र मासमां वल्लभाचार्य वैष्णवोनी सुरतमां एक मोटी सभा भराणी हती ते वखतमां हुं त्यां हतो. ते वखते एक वैष्णव पंडिते सभामां उभा थई ने कह्युं हतुं के "शंकराचार्य मायावादि, अमारा वल्लभी सम्प्रदाय पर नकामो द्वेष करे छे. वीसा लाड जैनोने अमारा वल्लभी सम्प्रदायमां लीधा छे." आवुं ते वैष्णव पंडित बोल्यो हतो तेमां घणो सत्य भाग छे. सत्तरमा सैकाना अने अढारमा सैकामां कपोल, मोढ, गूर्जर, नागर वगेरे ज्ञातियोमांनो केटलोक भाग वैष्णव थवा लाग्यो. जैनाचार्योमां ते वखते शिथिलता आवी गई हती तेथी तेओ ,

र्म पाळनारी
भाोे छे
पोिराड

ब्वार

न

नङ

'परा बीशा

टा
दशा

शालापतिज्ञाति—पाटणना जैन शास्त्रीओनी शालापतिज्ञाति छे. तेओनो मोटो भाग हाल पाटणमां छे. तेमनां बंधावेलां जैन देरासरो तथा उपाश्रयो हाल विद्यमान छे. तेमांथी केटलाक जैन साधुओ थया छे तेओ व्यापार करे छे. पाटणनी वणिग् ज्ञाति जैनोनी मेगा नवकारसीमां जमे छे. जैन धर्ममां तेओ चुस्त छे. जैन कुमारपाळराजाना समयमां तेओनुं बहुमान हतुं. तेओ स्वज्ञातिनी उन्नति करवा तैयार थया छे.

मह्नियाणज्ञाति—आ ज्ञाति संबंधी विशेष जाणवा योग्य हकीकत मळी नथी. मणियार ज्ञातिने मळती आ ज्ञाति छे. उपर्युक्त नामनी ज्ञाति हाल विद्यमान छे के केम तेनी तपास करवानी जरूर छे.

खडायताज्ञाति—सोळमा सैकामां खडायताज्ञाति जैन धर्म पाळती हती. विनापुर पासे त्रण गाउपर साबरमतीना कांठापर खडायता (षडायतन) गाम छे त्यांना रहेवासी वणिकोना नामथी खडायता वणिक प्रसिद्ध थयां पूर्वे खडायता वणिको जैन धर्म पाळता हता, पण पाछळथी तेओ अढारमा सैकामां वैष्णव बन्या. खडायता जैनवणिकोनी कगवेली जैन प्रतिमाओ हाल छे. काळनी गति गहन छे. खडायता वणिको व्यापार करे छे. तेमनी थोडी संख्या छे.

हूच्चमहूच्चडज्ञाति तथा नागदाज्ञाति सोळमा सैका सुधी श्वेतांबर-जैन तरीके हती. पश्चात् तेनो इतिहास मळतो नथी. नागदा, गुर्जर, लाड वगेरे वणिको दिगंबर जैनो तरीके हाल विद्यमान छे. आ प्रमाणे आ भागमां आवेली वणिग्ज्ञातियो संबंधी विवेचन कर्युं. चोराशी वणिक् ज्ञातियो पैकी थोडी ज्ञातियोनुं विवेचन कर्युं.

कइ जैन-वणिग्ज्ञातिओए भानुमतिमाओ भरावी तेनां नामो.

नाम	पृष्ठांक
१ लाडुआ श्रीमालीज्ञाति	२-२०६ -२३८
२ वायडज्ञाति	२-१४-२७-५२-५४-१०३-१७५-२३८
३ उपकेशज्ञाति	३
४ श्रीमालज्ञाति	३
५ डीसावालज्ञाति	३-१६-४२-११३-१८९-१९०-१९५-२०७-२१०
६ श्री श्रीमालज्ञाति	४
७ वृद्धशाखा श्रीमालज्ञाति	४
८ ओसवालज्ञाति	४
९ गुर्जरज्ञाति	५-५५-६१-६७-१०३-१९४-२०७-२१०-२२५-२३५
१० प्राग्वाटवंशज्ञाति	७
११ उवलज्ञाति (!)	१०
१२ पल्लीवालज्ञाति	२६-५७
१३ वृद्धप्राग्वाटज्ञाति (वीशापोरवाड)	१८
१४ श्रीमाल गुर्जरज्ञाति (दशापोरवाड)	२०
१५ नागरज्ञाति	२१-३४-४५-५४-८५-११३-२१९-२५०
१६ उपकेशज्ञाति	२९
१७ उपज्ञाति (सुरोरा) गोत्र	३४
१८ मोढज्ञाति	४५

श्वेतांबर जातियोनी माफ़ी आम्नायवाद जैन दिगंबर धर्म पाळनारी ज्ञातिओमां नाम प्रसंगवशात् अत्रे आपवामां आवे छे.

१ परमार
२ खंडेलवाल
३ आसाटी
४ गोलापूर्व
५ कासार
६ बघेरवाल
७ मदनीरा
८ गैराल
९ धाकड
१० परवागर
११ चौसके
१२ पोरवाड
१३ जांगडावीपे
१४ गोलाम्बार
१५ गंगेरवाल
१६ कुलेकरी
१७ लमेचा
१८ पंचविसे
१९ बीतकरा
२० लाड
२१ पद्मावती परवार
२२ अयोध्यावासी
२३ [illegible]

२४ जांगडा वीसा पोरवाड
२५ नेवा
२६ अमाटी
२७ पल्लीवाल
२८ प्रमेषु
२९ नेमा
३० बदनोर
३१ भग्रवाल
३२ कृष्णपक्षी
३३ कामभोज
३४ परवागर
३५ धवलजैन
३६ चौसके परवार
३७ पंचम
३८ अग्र० जैन
३९ जांगडा
४० ओसवाल
४१ अमाटी
४२ दशाहूमड
४३ नरसिंहपुरा वीसा
४४ बैश्या
४५ विलैय्या
४६ नागद दरा

४७ नायी-जैनी
४८ वीशाहुमड
४९ वीशाअग्रवाल
५० नागदा
५१ तारनपंथी
५२ खंडल्वाल
५३ असेंटे
५४ गोलसिंह०
५५ नागदावीशा
५६ श्रीमाल
५७ ओसवाल
५८ म्वरौवा
५९ असेंटे
६० नेमावीशा
६१ नरसिंहपुरा दशा
६२ लोंच
६३ सुनार जैन
६४ सहेतवाल
६५ वीशा मेवाडा
६६ चतुर्थ
६७ खुरसाले
६८ मोगारका
६९ उपाध्याय
७० कांबोज
७१ हरदर
७२ बारा
७३ जैन
७४ ब्राह्मण जैन
७५ सादर जैन
७६ दि. जैन
७७ रेडियर
७८ जैनक्षत्रिय
७९ बडियार
८० पुरोहित
८१ श्रावक
८२ वैश्य जैन
८३ सेरावा
८४ फतेपुरीया
८५ लोहीया
८६ बुंदेले
८७ बुरले
८८ सैराया
८९ गोलसिंघाडे
९० बुंदेले
९१ नूतनजैन
९२ पापडीवाल
९३ भवसागर
९४ तगर
९५ चौघले
९६ गुर्जर
९७ गांधी

दिगंबर जैनोमां उपर प्रमाणे ज्ञातिओ छे. दिगंबरोनी चार लाख बहोतेर हजार पांचसें ने ओगणीसनी मनुष्य संख्या छे. श्वेतांबर जैनोमां अने दिगंबर जैनोमां घणी ज्ञातिओमां भेद छे श्वेतांबरोमां ओसवाल ज्ञाति छे ते ज्ञाति दिगंबरमां पण हयात छे. ओसवाल ज्ञातिना अने श्वेतांबराचार्य प्रतिबोध्यो छे तेथी ते ज्ञाति प्रायः श्वेतांबरमां छती परंतु पाछळथी दिगंबरमां पण थयेल छे. पोरवाड, अग्रवाल, श्रीमाली ज्ञातिना केटलाक जैनो ज्यां दिगंबरनुं जोर हतुं ते धर्म पाळनारा थया होय एम जणाय छे. पोरवाड, अग्रवाल, श्रीमाळज्ञाति ना श्वेतांबर जैनमां छे. श्वेतांबरमां लाड ज्ञाति छे. दिगंबरमां पण लाड ज्ञाति छे. श्वेतांबरमां भावसार ज्ञाति छे. (मारवाड पंजाब वगेरे प्रदेशोमां) श्वेतांबरमां भावसार ज्ञाति हती अने तेमा सामयी श्वेतांबराचार्य प्रतिबोध्यो हती तेनुं भ्रष्टाचारीओ रंगरेजनां काम आपवाथी थयुं छे. दशा अने वीसा हुंबड श्वेतांबर पण छे अने दिगंबर पण छे. नागदा ज्ञाति असल श्वेतांबरमां छे अने तेमांथी नागदा–नागर ज्ञातिओ प्रतिबोध्या छे. श्वेतांबरमां ते ज्ञाति छे अने दिगंबरमां हाल नागदा ज्ञाति छे. एम केटलीक तो सामान्य भेदे जुदी जणाय तेवी छे. दिगंबर जैन डिरेक्टरीमांथी दिगंबर ज्ञातिओनो उतारो करवामां आव्यो छे. श्वेतांबरोमां गुर्जर, कपोल मारोरा गोरटीया लाड वगेरे ज्ञातिओ छे अने तेमानां केटलाक लोको जैनधर्मी छे. मध्यप्रांत, संयुक्तप्रांत, बंगाळ, पंजाब, कच्छ, मारवाड अने सिंध वगेरे देशोमां श्वेतांबर जैनोनी केटलीक ज्ञातिओ छे. परंतु ते संबंधी तपास करवामांथी आगळ उपर ते संबंधी उल्लेख थशे. गुजरातमां भावसार ज्ञाति जैनधर्म पाळे छे अने तेना घणां घरो छे वडोदरामां केटलाक पाटीदारो जैनधर्म पाळे छे तेमनां नडीआद, वासीला, सुणाव, नार, पांदरण वगेरे गामोमां घरो छे. छेवापाटीदारोमांथी हाल घणा साधुओ थया छे केटलाक ब्राह्मणो जैनधर्मी छे. मारवाडमां सेवक नामनी ब्राह्मणज्ञाति जैनधर्म पाळे छे. गुजरातमां भोजक नामनी ब्राह्मणज्ञाति जैनधर्मी

पाळे छे. तेना वडनगर, विसनगर, मेसाणा, पाटण वगेरेमां घणां घरो छे. ए प्रमाणे ज्ञातियो संबंधी विचार करवामां आव्यो. श्वेतांबर जैनोमां वणिकोनी चोराशी ज्ञातियो हती तेनुं अस्मदीय जैनोनी प्राचीन तथा अर्वाचीन स्थिति नामना पुस्तकमां लीस्ट आपवामां आव्युं छे.

२ आ लेखसंग्रहना पहेला भागमां जे जे लेखो आव्या छे तेमां कया कया गच्छना आचार्योए प्रतिष्ठा करावी ते जाणवा माटे गच्छोनां नामो जे जे आवेलां छे ते जणाववामां आवे छे.

चोराशी गच्छो पैकी घणां गच्छोनां नामो आ पुस्तकमांना लेखोमां आवे छे. चोराशी गच्छो संबंधी विशेष हकीकत अवलोकवी होय तो अमारुं बनावेलुं "गच्छमतप्रबंध" नामनुं पुस्तक साद्यंत वांची जवुं. गच्छमतप्रबंधमां शिला लेखोथी तथा पुस्तकोथी सिद्ध थनार चोराशी उपरांत गच्छोनां नामो लखवामां आव्यां छे. कया गच्छो क्यां उत्पन्न थया तेनुं गोखुं स्पष्टीकरण (गच्छमतप्रबंधनी प्रस्तावनामां) करवामां आव्युं छे. श्वेतांबरोमां हालमां तो तपागच्छ, सागरगच्छ, वडगच्छ, खरतरगच्छ, अंचलगच्छ, पायचंदगच्छ मुख्यताए विद्यमान छे. बाकीना गच्छोना आचार्योनी पट्टावलियो पण आज सुधीनी पूर्ण मळती नथी. चौदमा, पंदरमा अने सोळमा सैकामां चोराशी गच्छोनुं अत्यंत जोर हतुं. चोराशी गच्छोना आचार्यो जे सैकामां विद्यमान हता. ते वखतमां जैनोनी करोडो संख्यामां वसति हती. सर्व गच्छोमां ते वखते हजारो, लाखो साधुओ विद्यमान हता. आखा हिन्दुस्थानमां सर्वत्र जैनोनुं प्राबल्य हतुं. एक वड वृक्षनी चोराशी डाळो होय ते वखते तेनी शोभा अने तेनो विस्तार केटलो होय? अने पश्चात् पांच छ डाळो होय ते वखते तेटलो विस्तार होय तेटलो हाल तो जैनोनो विस्तार देखवामां आवे छे. श्वेतांबर अने दिगंबरोनी भेगी वसति करतां तेर लाख जैनोनी वसति थाय छे. श्वेतांबरवर्गमां चोराशी गच्छोना आचार्योमां गच्छभेदे पण बारमा तेरमा

वैराग्यमां गयो संघ इतो तेनुं पाटणमां रहीने पोतानो नाश करता महोता. परन्तु तेमां पछी तरत कलह उत्पन्न थयो अने तेथी जैनोनी वहेंचणी प्रारंभ थयो तेथी अनेक जैन गच्छोनां नाम थयां

गच्छमतप्रबंधमां धर्मसागरजी सकवी अठोर तेनो गुजरातमां उत्पत्ति थए एवो कलह थयो छे परन्तु दिगम्बरमां धर्मसागर कर्तानी इच्छानी छे एम अनुमानथी तेनो समय इसा अगा देशमां थयो नायक नामनी (वर्गीयी, स्थापित थए होमनु विरोध समभाव छे ते नायका नामना गच्छनी श्वेतांबरोमां उत्पत्ति अनुमानथी थए छ थयो प्रथम भेद हता उत्पत्ति समये छे. तप खरतरगच्छ बहुत छे त्यां बृहद्गच्छनी उत्पत्ति समये छे. गच्छभेद, प्रभेद, खरतरगच्छ सकवी उद्योत थयो छे. ते सकवी श्रीगुरु वर्धमानसूरि उद्योतनसूरि नामना एक सुविहित वनवासी छे. बडा गच्छो बड़े सरखा उत्पन्न थया तेनो विस्तार करतां तपागच्छ, खरतरगच्छ, अंचलगच्छ, अकगच्छ, पायचंदगच्छ पूर्णिमागच्छ, आगमगच्छ वगेरेनी गण कही आवे छे परन्तु आ बधी भेदो गच्छोनां शीर्ष नामो लाग्यां ते तेनी साथे कारण बाबे इती जैन-साहित्य इतिहास संबंधी एवा पुस्तक लखवामां आवता तपगच्छनी विशेष निर्णयात्मक प्रकाश पाडी शकाय तेम छ मतो, विरुद्ध अने कई विधि आदि भेदोथी गच्छो उत्पन्न थया छे. दिगंबरोमां चतुर्थपक्षनो भेद छे ते श्वेतांबरोनी चौरासीगच्छना नामभेदन गणवा आवे छे. धर्मघोष आचार्य्यना नामथी धर्मघोषगच्छ प्रकट्यो छे, अने कृष्णर्षिना नामथी कृष्णर्षि गच्छ थयो छे. चतुर्दशी अने पूर्णिमा तिथिना भेद चतुर्दशी अने पूर्णिमागच्छ थयो छे. आगमनां मुख्यमान्यताए आगमगच्छ थयो छे. निगम (वेदांत उपनिषदोनी मुख्यतानुसार निगमगच्छ थयो छे.) पोसा-लना भेद बडीपोसाल, लहुडी, (लघुपोशाल) गच्छ भेदो थया छे. विजयप्रभ सूरि अने विजयदेवसूरिना नामे आणसुर अने देवसुर एम बे तपागच्छमां भेद पड्या छे. गण भवमा मुक्ति मनाइ आचार्योनां नामे

त्रिभंगीगच्छ थयो हतो. ढूंढक लुंकानी नगर, ढूंढक, तेरापंथ वगेरे गच्छो प्रगट्या छे. दिगंबरमां दिगंबर, दिगंबर वगेरे गच्छो थया छे. ढूंढक साधुओमां गामना मेद् श्रीवडोदरानो, गोंडलवाळो, खंभातवाळो वगेरे भेदो पड्या छे. जैन ज्ञातियोमां ज्ञातीय, वर्ण, पट्टी वगेरे भेदोनी भेदो थया छे. अने आ पुस्तकमां आपेला गच्छोनी समाचारी आपवामां आवी छे.

गच्छनां नाम.

		पृष्ठांक			पृष्ठांक
३१	विधिपक्षगच्छ	४०	५१	पिप्पलगच्छ	१४९
३२	भावडहेरागच्छ	४०	५२	मडारगच्छ	१६९
३३	उपकेशगच्छ	४६	५३	वृद्ध पिप्पलागच्छ	१७२
३४	विद्याधरगच्छ	४८	५४	श्रीजीरापल्लीयगच्छ	१८२
३५	खरतरमधुकरगच्छ	५३	५५	निवृत्तिगच्छ	१८४
३६	श्रीचंद्रगच्छ	५४	५६	नागरगच्छ	२१८
३७	मडाहडगच्छ	५६	५७	सहुआलीयागच्छ	२१४
३८	नाणंद्रगच्छ	६७	५८	कुतुबपुरागच्छ	२१८
३९	निम्रावल्लगच्छ	७९	५९	नीराउलगच्छ	२३१
४०	श्रीपल्लीवालगच्छ	८१	६०	मद्दुकेशगच्छ	२४५
४१	श्रीनाणावालगच्छ	८४	६१	श्रीसिद्धणागच्छ	२४८
४२	श्रीकृष्णर्षिगच्छ	९१	६२	भिरापल्लीयगच्छ	२४९
४३	श्रीहीरापल्लीगच्छ	९२	६३	कुहडीपोशालगच्छ	२४९
४४	सिद्धांनीगच्छ	९६	६४	कच्छुलिडागच्छ (कच्छोलीवाल)	२५०
४५	आणंदसुरनपागच्छ	१११	६५	वृद्धतपागच्छ	२५२
४६	सीद्दाचटीयगच्छ	११२	६६	हुंबडगच्छ	२५२
४७	नंदीनरगच्छ	१२०	६७	नायलगच्छ	२७४
४८	श्रीहारीजगच्छ	१२१	६८	त्रिभवियागच्छ	
४९	श्रीराजगच्छ	१२२			
५०	राल्हागच्छ	१४४			

आ लेख संग्रहना प्रथम भागमां जे गच्छोना नामो आव्यां छे, ते अत्र नामावलिमां आपवामां आव्यां छे. मंडारगच्छ मंडाहडागच्छ, एक संभवे छे. उवएशगच्छ, उपकेशगच्छ अने उकेशगच्छ एक गच्छनां नाम छे. जे गच्छोनी आगळ ? शंका चिह्न कर्युं छे ते गच्छोनां नामो-

शंकाशील विचारवा योग्य छे. सिद्धानीगच्छ ते सिद्धांतीगच्छ होय एम लागे छे कारण के ते लेख बराबर वंचायो नथी. केटलाक गच्छोनां नामोने वांचतां शब्द भेद थवानो कोइ ठेकाणे संभव लागे छे. घोषपुरीगच्छ संबंधी विशेष तपास करवानी जरूर रहे छे. भावडहेर, भावडारगच्छ एक होय एम जणाय छे. भावसार ज्ञातिनो भावडहेर, भावडारगच्छ साथे संबंध होय एम जणाय छे. पंजाबमां भावडा जैनो छे तेनो कया गच्छनी साथे संबंध हतो तेनो शिलालेखो वगेरेथी भविष्यमां प्रकाश पाडी शकाय तेम छे. वडगच्छ यतिवर्गमां हाल श्रीबुद्धिसिंहसूरि विद्यमान छे. विजयदेवसूरि तपागच्छना यतिवर्गमां हाल श्रीमुनिचंद्रसूरि विद्यमान छे. खरतरगच्छ यति वर्गमां हाल श्री पूज्य विद्यमान छे अने खरतर संवेगीमां श्रीकृपाचंद्रसूरि विद्यमान छे. अंचलगच्छना यति वर्गमां श्री पूज्य विद्यमान छे. पार्श्वचंद्रगच्छमां आचार्य विद्यमान छे. तपागच्छमां अढीसें वर्षथी संवेगी मुनियोनो वर्ग प्रगट्यो छे अने तेमां त्रीश वर्षथी आचार्यो थवा लाग्या छे. खरतरगच्छमांथी नीकळेल श्री मोहनलालजीना संघाडामांना मुनियोमां केटलाक श्री हर्षमुनि वगेरे तपागच्छनी क्रिया करे छे, अने केशरमुनि तथा तेमना शिष्य बुद्धिमुनि वगेरे खरतरगच्छनी क्रिया करे छे. अंचलगच्छमां हाल केटलाक संवेगी साधु थया छे. हाल तपागच्छमां संवेगी साधुओ आशरे अढीसें त्रणसें छे अने हजारना आशरे संवेगी साध्वीओ छे. सर्व गच्छोमां हाल तपागच्छना साधुओनी श्वेतांबर पक्षमां मुख्यताए जाहोजलाली छे अने तेओनुं विशेष जोर छे. हिंदुस्थानना सर्व देशोमां तपागच्छना साधुओ विचरी शके छे. अने विद्वत्तामां तेओ मुख्य भाग भजवे छे.

आ धातुप्रतिमा लेखसंग्रहमां आवेला प्रत्येक गच्छना आचार्योना नामोनुं लीष्ट.

आचार्य	संवत	आचार्य.	संवत्
हारीजगच्छ.		**चैत्रगच्छ.**	
भट्टा० शीलभद्रसूरि	१५७७	मलयचंद्रसूरिप० लक्ष्मीसागरसूरि	
द्विवंदनीकगच्छ.		जिनेश्वरसूरि प. वर्धमानसूरि	१५२२
देवगुप्त प० सिद्धसूरि	१५१६	श्रीप सहेदवसूरि	१३२९
ककसूरि	—१५३२		१४५१—४१५७
	१५५२	रत्नदेवसूरि	
देवगुप्तसूरि	१५७३—१५९९	ज्ञानदेवसूरि	१५५८
अंचलगच्छ.		मानदेवसूरि	१५२७
जयकीर्तिसूरि	१४८७	धर्मदेवसूरि	१४१७
	—१४९६—१४८१	गुणदेवसूरि सं. जिनदेवसूरि	१४०५
भावसागरसूरि	१५७३	प. रत्नदेवसूरि	
	—१५७६—१५६६	जिनदेवसूरि	१५१२
नयकेशरसूरि	१५२६	हरिचंद्रसूरि	१४८४
	—१५१९—१५०८—१५०८	मुनितिलकसूरि	१३८८
श्रीसूरि	१५७९		१५०७—१५०२
सिद्धांतसागरसूरि	.१५५१	वीरदेवसूरि पट्टे पासदेवसूरि	१५७९
	—१५४८	सोमदेवसूरि	१५५४
मयाकरसूरि	१५०५	मलयचंद्रसूरि प. श्रीलक्ष्मीसागरसूरि	१५२०
मेरुतुंगसूरि	१४९६—१४७०	सोमचंद्रसूरि प. चारुचंद्रसूरि	१५१७
गुणनिधानसूरि	१५५१		
नयशिखरसूरि	१५१७		

आचार्य — सं.

श्रीसूरि १५१९
लक्ष्मीदेवसूरि १५०७
मानदेवसूरि १३९६
पार्श्वचंद्रसूरि शि. मलय-चंद्रसूरि १४७४
रामदेवसूरि १४००
देवानंदसूरि १३३३

कोरंटगच्छ.

नन्नाचार्यसंताने श्रीकक्क-सूरि प. श्रीसावदेवसूरि १५२१
सावदेवसूरि १५११–१५२५ –१५३१
नन्नसूरि १४५६
कक्कसूरि १५९५
पज्जुनसूरि १५१९
कक्कसूरि प. सावदेवसूरि १५१२
सर्वदेवसूरि १३२०

ब्रह्माणीपागच्छ.

वीरसूरि १४९२–१५२२
मुनिचंद्रसूरि १५१२
जज्जगसूरि प. पज्जूनसूरि १४९२
श्रीपतिसूरि ११८८
वीरसूरि १२१३
विनयसेनसूरि १३८०

आचार्य — सं.

मुनिचंद्रसूरि १४३३–१५०३
मुनिचंद्रसूरि प. वीरसूरि १३७१
बुद्धिसागरसूरि १४९३–१४२९ –१५४९
विमलसूरि १६१३
बुद्धिसागरसूरि प. विमल-सूरि १५१७–१५२४
हेमतिलकसूरि १२९४
बुद्धिसागरसूरि १३८०

पंडेरगच्छ.

शान्तिसूरि १२७४
शान्तिसूरि १५०८
ईश्वरसूरि १५६०
सुमतिसूरि १४९९

उकेशगच्छ.

देवेंद्रसूरि १२७२
सिद्धाचार्य सं. कक्कसूरि १५३७ –१५०८–१५०४ –१५०१–१५११
सिद्धसूरि १५७९
देवगुप्तसूरि १३
सर्वसूरि १५१८
सिद्धसूरि १५२०–१५१५
कुंकुंदाचार्य सं. श्रीकक्कसूरि १५१९

आचार्य	सं.	आचार्य	सं.
सिद्धाचार्य संताने देवचन्द्र-		सोमसूरि व. लक्ष्मीसागर-	
सूरि	१९९१	सूरि	१५११-१५३४
धनसूरि	१९९६	सोमसुन्दरसूरि	१४९१-१४८०
शिवसूरि	१४८४		१४०६-१४९९
सिद्धाचार्य सं. देवगुप्तसूरि	१६१९		-१४८६
तपागच्छ.		कमलकलशसूरि	१५५३-१५५९
हेमविमलसूरि	१५५१५८-६०	जयचंद्रसूरि	१५०३-१५०४
	१५६७१५५-४		-१५०४
	-१५८४	विमलहंससूरि	१५७८
विमलधर्मसूरि	१८३९	विमलशांतिसूरि	१९०१
लक्ष्मीसागरसूरि शिष्य सो-		विमलसेनसूरि	१५५४
मदेवसूरि	१५२६	विमलजिनेन्द्रसूरि	१८७१-१८७१
हेमसोमसूरि	१६६७		-१८७१
लक्ष्मीरत्नसूरि	१५८४-१६०७	उदयनंदीसूरि शि. सुर-	
विमलरत्नसूरि	१५३७	सुंदरसूरि	१५१६
विमलदेवसूरि व. विनय-		सोमसुंदरसूरि शि. रत्न-	
देवसूरि	१६८२	शेखरसूरि	१५१२
लक्ष्मीसागरसूरि	१५२३-१५२६	सौभाग्यहर्षसूरि	१५८४
	१५१९-१५२५	मुनिसुंदरसूरि	१५०१
	१५२५-१५४०	विजयदेवसूरि	१६८२-१६७२
	१५३६-१५३५		-१६७४
	-१५२४	हीरविजयसूरि	१६१४-१६२९
रत्नशेखरसूरि	१५१५	जयकल्याणसूरि	१५०२
रत्नशेखरसूरि व. लक्ष्मी-		संवेगीरूपविजयगणी	१८९३
सागरसूरि	१५२१-१५१८	विजयदानसूरि	१५७०-१६१७
	१५२३-१५५३		१६१९-१५९६

आचार्य	सं.
शान्तिसागरसूरि	१८९३
जिनदेवसूरि	१८९३
सुमतिसाधुसूरि	१५४४
जिनदेवसूरि	१६८२
आनंदविमलसूरि	१५९२
ज्ञानविमलसूरि	१७४९
धनेश्वरसूरि	१८९३
आनंदविमलसूरि	१८९०
देवसुंदरसूरि	१४६६
धर्मसूरि	१५९८
लाभसागरगणी	१६२०
विजयदेवसूरिवारके मुक्ति-सागरसूरि	१६८२
जिनानंदसूरि प. विजय-राजसूरि	१७२१
उदयनंदीसूरि	१५१२
सोमसुंदरसूरि	१४७२
इंद्रनंदीसूरि प. विनय-हंसगणी	१५५६
जिनसोमसूरिशि. प्रमोद-गणी	१६०१

देवसुरगच्छ.

आचार्य	सं.
[illegible]सूरि	१८२६–१८३९
[illegible]सूरि	

आगमगच्छ.

आचार्य	सं.
अमररत्नसूरि	१३३२–१५३१
	१३२४–१५३१
	१३४७–१५३१
हेमरत्नसूरि	१५१२–१५०३
शीलरत्नसूरि	१५०७
देवरत्नसूरि	१५३१–१५११
जयानंदसूरि	१४८३
अमरसिंहसूरि प. हेमरत्न-सूरि	१४८१
सोमरत्नसूरि	१५०३
आनंदसूरि	१५६४–१५७०
सिंहरत्नसूरि	१५०३
उदयरत्नसूरि	[illegible]
आनंदरत्नसूरि	[illegible]
सोमरत्नसूरि	[illegible]
सिंहदत्तसूरि	[illegible]
सिंहदत्तसूरि	[illegible]
मुनिसिंहसूरि	१५५५
म. शीलकुंजरसूरि	१५८४
	–१५८०
विवेकरत्नसूरि	१५११
अमरसिंहसूरि	[illegible]
[illegible]सूरि	१५५५

आचार्य	म.
आनन्दप्रभसूरि	१५१६
पुण्यदेवसूरि	१५१७
महेन्द्रसूरि	१५१७
जिनरत्नसूरि	१५०८

बृहत्तपागच्छ.

शान्तिसागरसूरि	१५७२
विजयधर्मसूरि	१८२८
हेमविनयसूरि	१६४९
भ. जिनरत्नसूरि	१५२२
	—१५१६
लब्धिसागरसूरि प. श्रीधनरत्नसूरि श्रीसोभाग्यसागरसूरि	१५८४
उदयसागरसूरि	१५४२
रत्नशेखरसूरि	१५०७
रत्नसिंहसूरि	१५०४–१५१९
धर्मरत्नसूरि प. विद्यामंडनसूरि	१५९७

खरतरगच्छ.

जिनभद्रसूरि प. जिनचंद्रसूरि	१५१२–१५२६
...सागरसूरि प. जिनसु...सूरि	१५१६

आचार्य	म
जिनसुंदरसूरि प. जिनहर्षसूरि	१५१९
जिनराजसूरि	१४९८
जिनभद्रसूरि	१५१२–१४७९
जिनकुशलसूरि	—१५०२
जिनचन्द्रसूरि	१३८१
जिनहर्षसूरि प. जिनमाणिक्यसूरि	१५२५
जिनराजसूरि प. श्रीजिनभद्रसूरि	१५८२
जिनसागरसूरि	१५०९
जिनचन्द्रसूरि	१५१०–१४९५
जिनचंद्रसूरि जिनशीलसूरि	१६१२
जिनहंससूरि	१५९१
जिनसुंदरसूरि	१५५७
जिनसुंदरसूरि प. जिनहर्षसूरि	१५१५
जिनचंद्रसूरि प. जिनसमुद्रसूरि	१५५१
विद्यादानसूरि	१५४७
जिनसिंहसूरि	१६१३
	१६१७

आचार्य	सं.
वृद्धतपापक्ष.	
ज्ञानसागरसूरि प. म. उदयसागरसूरि	१५४२–१५३३–१५३६
उदयवल्लभसूरि	१५२१–१५१४
श्रीसूरि	१५०७
ज्ञानसागरसूरि	१५२२–१५२८–१५२७
रत्नसिंहसूरि	१५०८–१५०७–१५११–१४८७–१५१६–१५१४–१५१८
उदयसागरसूरि	१५३६
उदयसागरसूरि प. धनरत्नसूरि	१५०६
सौभाग्यसागरसूरि	१५७९–१५८४
जिनरत्नसूरि	१५२०–१५२२–१५२०
उदयवल्लभसूरि पं. ज्ञानसागरसूरि	१५२७
विनयरत्नसूरि	१५३७
विनयदेवेंद्रसूरि	१५५२
धनरत्नसूरि	१५८७
उदयसागरसूरि प. लब्धिसागरसूरि	१५६६
मुनिसिंहगणी	१५५१
म. धनरत्नसूरि	१५७२

आचार्य	सं.
बृहद्गच्छ (वडगच्छ)	
कनकसूरि	१३८२
माणिक्यसूरि	१३२७
देवकुंजरसूरि प. देवेंद्रसूरि	१३८१
मानदेवसूरि	१३१०
अमरप्रभसूरि प. सागरचंद्रसूरि	१४९९
रामचंद्रसूरि	१९१३
श्रीवीरभद्रसूरि	१४८८
अमरचंद्रसूरि प. देवचंद्रसूरि	१५३०
देवचंद्रसूरि प. देवकुंवरसूरि	१५४०
कमलचंद्रसूरि संताने देवचंद्रसूरि	१५१६
कमलप्रभसूरि	१९९९
जयमंगलसूरि सं. पूर्णचंद्रसूरि प. कमलप्रभसूरि	१५१८
अमरचंद्रसूरि	१४१४
चैत्रवाल.	
श्रीभद्रसूरि शि. श्रीशालिभद्रसूरि धर्मचंद्रसूरि	१३३५

आचार्य	सं.	आचार्य	सं.
शीतलचंद्रसूरि	१४९८	अमरचंद्रसूरि	१५१९
साधुसुंदरसूरि	१५१८	सोमचंद्रसूरि	१४८४
श्रीसूरि	१५९८	सागरचंद्रसूरि	१४६१
सोमचंद्रसूरि धनवर्धनसूरि	१५४४	विनयसागरसूरि	१५७६–१५६६
पुण्यरत्नसूरि	१५२८–२४	श्रीसूरि	१५७९
मुनितिलकसूरि शि. राजतिलकसूरि	१५१९	धर्मसागरसूरि	१५२०–३०
दयासागरसूरि	१५०५	रत्नदेवसूरि	१५२४–२७–१८
		धर्मशेखरसूरि .	१५०९
सौभाग्यरत्नसूरि पट्टे गुणरत्नसूरि	१५८८	गुणरत्नसूरि	१५१३
		पद्मानंदसूरि	१५४२
धर्मशेखरसूरि	१५६०	सोमदेवसूरिपट्टे	१५१७
गुणसागरसूरि	१५०४	उदयदेवसूरि	
पिप्पलगच्छ.		पीपिलगच्छ.	
भट्टारक आशाजिनप्रभसूरि	१५३६	उदयचंद्रसूरि	१४६१
भट्टारक गुणरत्नसूरि	१५१०	कमलसूरि	१३६८
,, गुण समुद्रसूरिपट्टे शान्तिसूरि	१४६४	मुनिशेखरसूरि	१४०९
		पद्मदेवसूरि	१५१७
उदयदेवसूरि	१५०४	प्रमानंदसूरि	१४७८
शालिभद्रसूरि	१५३१	कुंवरगच्छ.	
मुनिचंद्रसूरिपट्टे सोमचंद्रसूरि	१४०६	मित्रदत्तसूरि	१४७७
		कासहृदीयगच्छ.	
भ० उदयचंद्रसूरि	१५१६	उदयसूरि	१३७१
धर्मसागरसूरि	१५१२	नगेन्द्रगच्छ.	
उदयसागरसूरि	१५१०	श्रीसूरि	१५८०

आचार्य	सं.
सोमप्रभसूरिपट्टे श्रीसूरि	१५१६
धनचंद्रसूरि	१४९३
सिद्धांतिकगच्छ.	
मुनिसिंहसूरि	१४९४
बृहद्गच्छे सैद्धान्तिक नाणचंद्रसूरिपट्टे अमरचंद्रसूरि	१४३२
सोमचंद्रसूरि	१५२७
जिरावल्लागच्छ.	
उदयचंद्रसूरिपट्टे सागरचंद्रसूरि	१५२०
देवरत्नसूरि	१५२२
निगमप्रादुर्भाविकगच्छ.	
इन्द्रनंदिसूरि	१५६२
आनंदसागरसूरि	१५८१
नाणंद्रगच्छ.	
गुणसमुद्रसूरिप. गुणदेवसूरि	१५२१
कृष्णर्षिगच्छ.	
नयचंद्रसूरिपट्टे नरसिंहसूरि	१५१७
पल्लीवालगच्छ.	
यशोदेवसूरि	१५११–१०
सिद्धुणागच्छ.	
अन्नदेवसूरि	१३०३

आचार्य	सं.
नाणावालगच्छ.	
सिद्धिसेनसूरि	१५८७
महेन्द्रसूरि	१५५९
बुद्धिसागरसूरि	१३८६
शांतिसूरि गुणसमुद्रसूरि	१२६४
शांतिसूरि	१५१०
माल्हसूरि	१५६९
पासदेवसूरि	८२–१
कोरंटा तपागच्छ.	
सर्वदेवसूरि	१५२१
भिन्नमालगच्छ.	
कनकप्रभसूरि	१५५३
नाणकीयगच्छ.	
शांतिसूरि	१२४८
विद्याधरगच्छ.	
विजयप्रभसूरि	१५०६
हेमप्रभसूरि	१५१२
मदुकरगच्छ.	
धनप्रभसूरि	१५२१
चारित्रप्रभसूरि	१५८०
भावदेवाचार्यगच्छ.	
भावदेवसूरि	
चंद्रगच्छ.	
वीरदेवसूरि	१५५२

आचार्य	सं.	आचार्य	सं.
गुणसमुद्रसूरि	१५१२	मुनिदेवसूरि	१५५६
रत्नाकरसूरि	१२९१	गुणाकरसूरि	१४१९-२१
रत्नप्रभसूरि	१४४७	गुणरत्नसूरि	१५२१
हेमसिंहसूरि	१५७०	देवेन्द्रसूरि	१३९४
हेमरत्नसूरि	१५६७	विनयसेनसूरिपट्टे यशोदेवसूरि	१३०२
गुणसागरसूरि	१५८९	**मलधारीगच्छ.**	
कमलप्रभसूरिपट्टे हेमरत्नसूरिपट्टे	१५२९	गुणसुंदरसूरि	१४३२–१५११–६–२१
सोमरत्नसूरिपट्टे हेमरत्नसूरि	१५५२	लक्ष्मीसागरसूरि	१५७१–१५४९
[illegible]सूरि	१५२७–१५२१	ज्ञानसागरसूरि	१४१८
शांतिसुन्दरगणी	१५१०	गुणनिधानसूरि	१५५६
पद्मगणी	१५१०	श्रीसूरि	१५५२
हरिभद्रसूरि शिष्य विनयहितसूरिपट्टे उदयदेवसूरि	१५०९	पद्मसागरसूरिपट्टे गुणसुंदरसूरि	१५०९
विमलप्रभसूरि	१५११		

१ [illegible] आचार्योए [illegible] प्रतिष्ठा [illegible] प्रतिमा [illegible] [illegible] प्रतिष्ठा [illegible] [illegible] छे. [illegible] [illegible] [illegible]

इतिहासपर विशेष अजवाळु पाडी शकाय छे. केटलाक गामोनां हाल क्यां नाम संभवे छे ते जाणवा माटे (   ) चिन्ह करी तेनुं मळतुं नाम आपवामां आव्युं छे. धातुप्रतिमाओना लेखोथी अमुक गच्छोना आचार्योनो अमुक देशमां गाममां विशेष वास तथा विहार हतो एम स्पष्ट अवबोधाय छे. केटलाक गामो हाल विद्यमान न होय तोपण तेनां नामथी संदेशो शोधी काढवामां तथा प्राचीन जैन मंदिरोना संदेशो शोधी काढवामां विशेष प्रकाश पाडी शकाय छे. आ पत्र पछी पाछळना पत्रोमां उपरना उद्देशथी गामोना नामनु लीस्ट आपवामां आवे छे. गामोनां नाम लखतां भूल थई होय तो जैन भाइओ सुधारशे अने भूलचूक माटे क्षमा करशे. लीस्टमां लखेला गामो संबंधी विशेष हकीकत लखी शकाय तेम छे परंतु तेम करतां प्रस्तावना ठेकाणे ग्रन्थ थवानो भय रहे छे. गाम वगेरेना ज्ञाताओ घणु गाम क्यां आव्युं ते सहेजे समजी शके तेम छे एम अवबोधी ते संबंधी विशेष माहिती आपवामां आवी नथी. नीचे प्रमाणे गामोनुं लीस्ट आपवामां आवे छे.

अंक	गामनुं नाम	पृष्ठांक	अंक	गामनुं नाम	पृष्ठांक
१	आमलेश्वर	२	११	सहुपाला (सोपाला)	९
२	दर्भावती	२	१२	वलभीपुर	१०
३	वटपद्र (वडोदरा)	२	१३	गंधार	१०
४	अमदावाद	३	१४	सोलगाम	१०
५	धीणुज	३	१५	अंबासण	११
६	नंदीशाला	४	१६	वीरमगाम	१२
७	सुरतिबंदिर	४	१७	कुतबपुर	१२
८	धंरापुर	५	१८	जइतपुर (जेतपुर)	१४
९	डभोइ	६	१९	लसणापुर	१४
१०	महुदा	८	२०	सहुआली	१६

अंक	गामनुं नाम	पृष्ठांक	अंक	गामनुं नाम	पृष्ठांक
७१	कंबोइवाला	५९	९६	धवलकपुर धोळका	९०
७२	मंत्रीनपुर	६०	९७	मल्हणपुर मगलपुर	[illegible]
७३	वृद्धनगर (वडनगर)	६०	९८	गालहट मेग्य	[illegible]
७४	मल्यापुरी	६[illegible]	९९	वटपल्ली	[illegible]
७५	पालणपुर	६३	१००	गोला	[illegible]
७६	गगेट	६६	१०१	रनेरा	९६
७७	माणसा	६७	१०२	जालोर	[illegible]
७८	विद्यापुर (विजापुर)	७०	१०३	महीसाडा (? पास)	[illegible]
७९	इलदुर्ग (इडर)	७०	१०४	मसपर	[illegible]
८०	उदयपुर	७१	१०५	दूणगाम	[illegible]
८१	महीसाणा	७२	१०६	आगामण (? गाम)	[illegible]
८२	कटी (कडी)	७२	१०७	रानेर	[illegible]
८३	हर्षपुर	७२	१०८	पाइममार	[illegible]
८४	पेढा	७२	१०९	कयरवाडा (कवाड)	[illegible]
८५	सांबामण	७७	११०	माइलीसीतापुर	[illegible]
८६	उंडा—(उंटार)	७८	१११	सागर	[illegible]
८७	लाडउलीनगर-(लाडोल)	७८	११२	निजामपुर	[illegible]
८८	षांगउद्र (षांगोद्र)	८०	११३	पपपुर	[illegible]
८९	पीइम—पीज	८०	११४	बांभा	११०
९०	बाली	८२	११५	ईडर	[illegible]
९१	उनाउवा	८२	११६	वेल्वाडा	[illegible]
९२	तेराछु	८७	११७	अथार (रामपुरा पासे)	[illegible]
९३	बोबडासाण	८९	११८	परोहविम	[illegible]
९४	अमरापुर	९	११९	मधुडी—मदुडी (प मापुर पासे)	[illegible]
९५	हुली	९१			

११ लाडोल	३३ पेथापुर
१२ बामणवाडा	३४ रांधेजा
१३ संडेसर	३५ कलोल
१४ करचटीया पेपरदर	३६ कडी
१५ वालम	३७ मोयणी
१६ वीसनगर	३८ इंद्रोडा
१७ वडनगर	३९ खेरालु
१८ अहमदनगर	४० वलाद
१९ सुरत	४१ कोत्रा
२० सादरा	४२ पोर
२१ ओराण	४३ उवारसद
२२ छाग	४४ अदालज अने तेनी वावनो लेख
२३ अलुवा	४५ सुंडाल
२४ वासणा	४६ इडर
२५ रायपर	४७ डुंगरपुर
२६ साणंद	४८ पोसीना
२७ पामोल	४९ पेपरदर
२८ गवाडा	५० गडरूण
२९ कोलवडा	५१ दमाडा
३० गेरिता	५२ संगेथर
३१ प्रांतीज	५३ वीरमगाम
३२ आंटण	५४ केसरीयाजी

अमदावादमां नीचे लख्या प्रमाणे पोळोमां देरासरोना लेखो लीधा.

१ चौमुखजीनुं देरुं.
२ सोदागरनी पोळनुं देरासर.
३ हठीभाईनी वाडीनुं देरासर
४ झवेरीवाडो, संभवनाथजीनुं देरासर
५ चौमुख शांतिनाथजीनुं देरासर झवेरीवाडामां
६ [illegible] उपर आवेलुं महावीर स्वामीजीनुं देरासर
७ दोशीवाडो, अजितनाथजीना देरासरना लेखो
८ शांतिनाथना देरासरना लेखो
९ देवसानापाडामां पार्श्वनाथना देरासरना लेखो
१० धर्मनाथजीना देरासरना लेखो
११ शांतिनाथजीना देरासरना लेखो
१२ दोशीवाडाना सीमंधर स्वामीना देरासरना लेखो
१३ नीशापोळमां जगवल्लभ पार्श्वनाथना देरासरना लेखो
१४ शांतिनाथना देरासरना लेखो
१५ शांतिनाथना पोळना देरासरना लेखो
१६ [illegible] अभिनंदनना देरासरना लेखो
१७ [illegible]ना देरासरना लेखो

पाटणना जे जे पाडाना देरासरोना लेख लखेला लीधा छे

१ [illegible]
२ [illegible]

३ छींबडीना पाडामां शांतिनाथजीना देहेरासरजीनी प्रतिमाना लेखो.

४ कनासाना पाडाना मोटा देहेरासरनी प्रतिमाना लेखो.

५ महावीर स्वामीना गभारानी प्रतिमाना लेखो.

६ धातु पनालाल पुनमचंदना देहेरासरनी धातु प्रतिमाना लेखो.

कया सैकाथी धातु प्रतिमाना लेखो मळी शके छे !

विक्रम संवत् ८ मा सैकाथी धातु प्रतिमाना लेखो मळी शके छे अने छेल्लामां छेल्ला वीसमा सैका सुधीना धातु प्रतिमाना लेखो मळी शक्या छे. अमारी पासे मरहुम आर्य रावसाहेब केशवलाल हर्षदराय ध्रुव कहेता हता के विक्रम संवत् ७ मा सैकानी बौद्धदेवनी धातु प्रतिमा अमोए अडाणज गामर्मा प्राप्त करी हती ते प्रतिमा अमारी पासेथी एक सुंदरना शेठ लइगया हता. कडीना लेखोमां एक प्राचीन लेख नीचे प्रमाणे छे.

शक संवत् ९१० आसीनागीन्द्रकुले शीलरुद्रगणि....पार्धि-ह्लगणि....शक संवत् ९१० नी सालमां धातुनी प्रतिमा भरावेली आ लेख उपरथी मालुम पडे छे तेथी अनुमान कराय छे के धातुनी प्रतिमा १००० वर्ष रही शके छे वा तेनाथी वधारे वखत पण रही शके छे. हजी अमोए सर्व धातु प्रतिमाना लेखो अवलोक्या नथी तेथी चोक्कस अनुमान पर आवी शक्या नथी एक जुनो लेख विक्रम संवत् छठानो छे पण अमोने तेनो केटलीक बाबतोथी निश्चय थतो नथी.

कया गच्छना आचार्यो प्रतिमानी प्रतिष्ठा करी शकता हता.

खरतर गच्छ, तपा गच्छ, वड गच्छ, आगमिक गच्छ, वृद्ध तपा गच्छ, सागर गच्छ, ब्रह्माण गच्छ वगेरे सर्व गच्छना आचार्यो

प्रतिमानी प्रतिष्ठा करी शकता हता. फक्त विधिगच्छना आचार्यो प्रतिमानी प्रतिष्ठा करी शकता नहोता. अञ्चलगच्छना आचार्योना उपदेशथी प्रतिष्ठा करवामां आवी हती एवुं जणाय आवे छे दाखला तरीके नीचे प्रमाणे लेख:—

संवत् १९९९ वर्षे मागसर वदि ५ शुभे प्रा.ज्ञा. शा. नाउ भार्या हांसिपुत्र ठाकरसी भार्या आसा भानुवरसिंह भार्या सहजलदे पुत्र चांदा भार्या सोमींटाक पुत्र नवसिंह सहितेन अचलगच्छे जयकेसरिसूरीणामुपदेशेन मूलनायक श्रीआदीश्वर प्रतिमा चतुर्विंशति जिनपट्टक कारापितः आ लेख उपरथी एम मालुम पडे छे के अचलगच्छ सिवाय बधा गच्छोमां जैनचार्यो प्रतिष्ठा करता हता फक्त ऐतिहासिक विषयो माटे आ विषय अमे चर्च्यो छे.

प्राचीनकालमां धातुनी प्रतिमापर गच्छो वगेरे लखवानी रीति हती के केम ?

प्राचीनकालमां विक्रम संवत् ९ मा सैकानी जे धातुनी प्रतिमा मळी आवे छे तेना उपर गच्छ अने आचार्योना नाम आवे छे. अमोए कईनो लेख रजु कर्यो छे, ते उपरथी वांचकोने ख्याल आवशे तथा दिगम्बरोमां पण प्रायः विक्रम संवत् नवनी सालमां जे धातुनी प्रतिमाओ भरावमां आवती हती तेना उपर गच्छनुं अने आचार्योनुं नाम स्थापेलुं आपवामां आवतुं हतुं तेनो लेख नीचे आपवामां आवे छे.

ओराणनी दिगम्बर पाषाण प्रतिमा मूळनायकजीनो लेख. पत्र १२०

६७८. सं. ९९६ (?) वैशाख शुदि १२ शुभे श्रीमूलसंघेसरस्वतीगच्छे बलात्कारगणे कुंदकुंदाचार्यान्वये भ० श्रीसकलकीर्तिभिः तत्पट्टे अनुक्रमेण भ० श्रीचंद्रकीर्तिः तत्पट्टे भ० रामकीर्तिः तत्पट्टे सत्यकीर्ति तत्पट्टे................॥

कया कया गच्छो अने कयी कयी ज्ञातीओ हाल लुप्त थइ.

हालमां जे गच्छो विद्यमान छे तेनो गच्छमतप्रबंधनी प्रस्तावनामां पण उल्लेख करवामां आव्यो छे. तेथी ते संबंधीमां विशेष कंई लखी शकाय तेवुं नथी. जैनश्वेताम्बर कोममां चोराशी ज्ञाति हती तेमांथी केटलीक ज्ञाति लुप्त थयेली छे. आखा हिंदुस्तानमां जैनश्वेताम्बरोमां जे जे ज्ञातिओ छे तेनो परिपूर्ण तपास करवाथी कइ कइ ज्ञातिओ हाल विद्यमान छे, तेनो निर्णय थइ शके छे अने कइ कइ ज्ञातिओ नष्ट थई अने कइ कइ ज्ञातिओ जैन धर्ममांथी अन्य धर्ममां गइ तेनो निर्णय थई शके तेम छे. अस्मदीय जैनोनी प्राचीन तथा अर्वाचीन स्थिति नामना पुस्तकमां वणिक्नी चोराशी ज्ञातियोनुं लीष्ट आप्युं छे. तथा अमोए आ पुस्तकमां ज्ञातिओनुं लीष्ट आपेलुं छे, तेनुं मनन करवाथी वाचकोने ते बाबतोनो निर्णय थई शकशे. जैन श्वेताम्बर कोममां विशा ओसवाल, दशा ओसवाल, विशा श्रीमाली, दशा श्रीमाली, विशा पोरवाड, दशा पोरवाड, विशाश्रीश्रीमाळ, कपोळ, गुर्जर, सोरठीया, लाडुआ श्रीमाळी, नेमा वाणिया, भावसार, ल्हेवा पाटीदार, भोजक, ब्राह्मण, रजपुत, क्षत्रिय, शाळवी, हुंबड, पींचा वगेरे ज्ञातियो मुंबाइ इलाकामां मुख्य-तया जैनधर्म पाळे छे. मारवाड, मेवाड, बंगाळ, दक्षिण, सिंध, मध्य प्रांतमां पण घणी ज्ञातिओ जैनधर्म पाले छे पण चोक्कस तपास नहि करवामां आव्याथी परिपूर्ण लख्युं नथी जे जातियो जैनधर्म पाळे छे तेनुं लीष्ट पूर्वे आप्युं छे.

धातुप्रतिमा करवानी कारीगरी.

धातुप्रतिमा करवानी कारीगरी माटे आर्यशिल्पशास्त्रीओ प्रख्यात छे. केटलीक धातुप्रतिमाओनां परघर, कोरणीथी भरपूर होय छे. आर्य शिल्प शास्त्रीओनी अने शिल्प शास्त्रोनुं महत्व रक्षण करवामां जैन

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

श्राविकानुं नाम आवे छे. संघवी पदवीने ठेकाणे
आवे छे. गृहस्थोमां आगेवानने श्रेष्ठी कहेवामां अ
श्रे० एवी संज्ञा लखवामां आवी छे. व्यापारीयान
मूकवामां आव्यो छे. प्रधान महेताने ठेकाणे पं
हतो. महंतने स्थाने लेखमां मं. शब्दनी संज्ञा ल
मोटा व्यापारीने व्यवहारी कहेवामां आवतो हतो.
लेखमां व्य० व्य करीने आगळ मीडुं करवामां
जेवी पदवी माटे मानवाचक शब्द ठकर, ठक्कुर
आवतो हतो, तेथी केटलाक राज्यमाननीयजनोने
ठक्कुरनी पदवी आपवामां आवती हती तेथी ते
स्थाने ठ० ठ करीने आगळ मीडुं करी ते पद्वी
हती. मंत्रीने स्थाने केटलाक ठेकाणे मं० अने
संज्ञा वपराय छे. शाहने स्थाने शा० अने दोसीने
आव्यो छे.

पत्र २६४ मां वागडदेशमां राजाना प्रधाने
ना लेखो छे. डुंगरमां डुंगरना राजा गंभीरसिंहना
व्यानो लेख छे. (पत्र २६९) अमुक समयमां
राजा राज्य करतो हतो. ते धातुप्रतिमाना लेखोथ

आ लेख संग्रहमां अडालजनी वावनो ले
अडालजनी वाविकानो लेख शरु थाय छे. गुजरा
वपराय छे. वाव करावनार पांचलाखटंक उपर
कराववामां. वाघेलाना वधसिंहना श्रीनालीश
मामने अडालजनी वाव करावी ए उपरथी सिद्ध
एक सैकाह पूर्वे जैन वणिको राजाओना, प्रधानो,
... हता.

जैनप्रतिमा लेखसंग्रह.

डभोई (दर्भावती)ना देरासरनी धातुप्रतिमाना लेख

श्री लोढण पार्श्वनाथ देहरानां लेख

१ [illegible]

२ [illegible]

३ [illegible]

४ [illegible]

५ [illegible]

६ [illegible]

શ્રીમદ્ બુદ્ધિસાગરજી ગ્રન્થમાળામાં પ્રગટ થયેલા ગ્રન્થો.

૧. ક. ભજન સંગ્રહ ભાગ ૧ લો. ...	પૃષ્ઠ ૨૦૦	૦-૮-૦
૧. અધ્યાત્મ વ્યાખ્યાનમાળા.	૨૦૬	૦-૪-૦
૨. ભજનસંગ્રહ ભાગ ૨ જો....	૩૩૬	૦-૮-૦
૩. ભજનસંગ્રહ ભાગ ૩ જો.	૨૧૫	૦-૮-૦
૪. સમાધિ શતકમ્...	૩૪૦	૦-૮-૦
૫. અનુભવ પચ્ચિશી.	૨૪૮	૦-૮-૦
૬. આત્મપ્રદીપ.	૩૧૫	૦-૮-૦
૭. ભજનસંગ્રહ ભાગ ૪ થો...	૩૦૪	૦-૮-૦
૮. પરમાત્મદર્શન.	૪૩૨	૦-૧૨-૦
૯. પરમાત્મજ્યોતિ.	૫૦૦	૦-૧૨-૦
૧૦. તત્ત્વબિંદુ.	૨૩૦	૦-૪-૦
૧૧. ગુણાનુરાગ. (આવૃત્તિ બીજી)	૨૪	૦-૧-૦
૧૨-૧૩. ભજનસંગ્રહ ભાગ ૫ મો તથા જ્ઞાનદીપિકા.	૧૯૦	૦-૬-૦
૧૪. તીર્થયાત્રાનું વિમાન (આવૃત્તિ બીજી) ...	૬૪	૦-૧-૦
૧૫. અધ્યાત્મ ભજનસંગ્રહ	૧૯૦	૦-૬-૦
૧૬. ગુરુબોધ...	૧૭૨	૦-૪-૦
૧૭. તત્ત્વજ્ઞાનદીપિકા.	૧૨૪	૦-૬-૦
૧૮. ગહુંલીસંગ્રહ.	૧૧૨	૦-૩-૦
૧૯-૨૦. શ્રાવકધર્મસ્વરૂપ ભાગ ૧-૨ (આવૃત્તિ ત્રીજી)	૪૦-૪૦	૦-૧-૦
૨૧. ભજન પદ સંગ્રહ ભાગ ૬ ઠ્ઠો	૨૦૮	૦-૧૨-૦
૨૨. વચનામૃત.	૩૦૮	૦-૧૪-૦
૨૩. યોગદીપક.	૨૬૮	૦-૧૪-૦
૨૪. જૈન ઐતિહાસિક રાસમાળા.	૪૦૮	૧-૦-૦
૨૫. આનન્દઘન પદસંગ્રહ ભાવાર્થસહિત... ..	૮૦૮	૨-૦-૦
૨૬. અધ્યાત્મ શાન્તિ (આવૃત્તિ બીજી)	૧૯૨	૦-૩-૦
૨૭. કાવ્યસંગ્રહ ભાગ ૭ મો.	૧૫૬	૦-૮-૦
૨૮. જૈનધર્મની પ્રાચીન અને અર્વાચીન સ્થિતિ. ...	૯૧	૦-૨-૦
૨૯. કુમારપાલ ચરિત્ર (હિંદી)	૨૮૭	૦-૬-૦
૩૦. થી ૩૪ સુખસાગર ગુરુગીતા	૩૦૦	૦-૪-૦
૩૫. ષડ્દ્રવ્ય વિચાર.	૨૪૦	૦-૪-૦
૩૬. વિજાપુર વૃત્તાન્ત	૯૦	૦-૪-૦
૩૭. સાબરમતી કાવ્ય...	૧૯૬	૦-૬-૦
૩૮. પ્રતિજ્ઞાપાલન.	૧૧૦	૦-૫-૦
૩૯-૪૦-૪૧. જૈનગચ્છમત પ્રબંધ. સંઘપ્રગતિ. જૈનગીતા		૧-૦-૦
૪૨. જૈન ધાતુપ્રતિમા લેખ સંગ્રહ.		૧-૦-૦

નીચેના ગ્રન્થો પ્રેસમાં છપાય છે.

(1) કર્મયોગ (૨) ભજનપદસંગ્રહ ભાગ ૮ મો. (૩) ગદ્યસંગ્રહ. (૪-૫) શ્રીમદ્ દેવચંદ્રજી ગ્રન્થસંગ્રહ પ્રથમભાગ-દ્વિતીયભાગ. (૬) મિત્રમૈત્રી (મિત્રધર્મ)

जैनप्रतिमा लेखसंग्रह.

दर्भाई (दर्भावती)ना देरासरनी धातुप्रतिमाना लेख

श्री [illegible] पार्श्वनाथ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हेन मा० छातु सुत सोमाभाई मारूभाई सूराभाई एते श्रीशांतिनाथप्रभुबिंबानि नित्यं प्रणमंति ॥ *

७. सं. १५०९ वर्षे पोस वदि ५ रवौ प्राग्वाट ज्ञातीय वृद्ध सं० भेटि सारंग मा० महिगु पुत्र कालो मातृ........श्रीनमिनाथबिंबं कारितं। लघु तपागच्छ भगतचंद्रसूरिपट्टे श्रीसोमचंद्रसूरिणा उपदेशे प्रतिष्ठितं॥

८. सं. १५१६ वर्षे वैशाख सुदि ३ दिने श्री अहमदाबादवास्तव्य श्रीमाली ज्ञातीय श्रेष्ठी नाकर मा० जीवी सुत श्रे० रत्नाकेन मा० रुकु पुत्रेन स्वश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

९. सं. १७४९ गौतमगणधरप्रतिमा कारिता ॥

१०. सं. १८२५ वर्षे गणधरप्रतिमा ....विजयसूरिभिः प्रतिष्ठिता ॥

११. सं. १८२९ वर्षे वैशाखसुदि ५ देवसुरगच्छे विजयधर्मसूरिराज्ये [illegible] प्रतिमा [illegible]

१२. सं. १८३९ वर्षे वैशाख सुदि ६ [illegible] श्री [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री [illegible] [illegible] शुभमस्तु ॥

१३. सं. १९३० वर्षे [illegible] श्री [illegible] [illegible] दोसी [illegible] मा० [illegible] सुत [illegible] दोसी [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥

१३-२. संवत् १३७१ वर्षे नागेन्द्रगच्छे विद्यासागरसुरिमि·....

१४. संवत् १९२१ वर्षे वैशाख वदि ६ बुधे उपकेशज्ञा० म० संग्राममार्यया रत्नीमाई नाम्न्या पुत्र हरीश्चंद्र तद्वधू कीकीबाई सहितया आत्मश्रेयोर्थ श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नाचार्य-संताने श्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

१५. संवत् १९२२ वर्षे कार्तिक सुदि २ गुरु श्रीमालज्ञा० श्रे० सुआसी भा० माल्हणदे सु० रतनाकरण भा० ऊमी सुत आसा भोमा कुनाकेन पूर्वज श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० श्रीचैत्रगच्छे चांद्रसमीय भ० मलयचंद्रसुरिपट्टे श्री श्रीमलक्ष्मीसागरसूरिभि· । अंबाहूरी वास्तों । श्रीरस्तु ॥

१६. संवत १९२२ वर्षे पोष वदि १ गुरुवासरे .... प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे लक्ष्मीसागरसूरिशिष्यसोमदेवसूरिभि ....

१७. संवत् १९९७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ९ गुरौ श्रीमावालज्ञातीय सं० नगराज भा० रामती सुत सं धनाकेन भा० लाछी सुत लउआ श्रीपाल भा० रामदास माणोर वीरपाल प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्री मुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे पूज्य श्रीहेमविमल-सूरिभिः श्रीअहमदाबादनगरे ॥

१८. सं. १९२२ वर्षे माघ सुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातिय व्य० मेरा भा० करणु पुत्र हापाकेन मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथ-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीविनयप्रभसूरिभि. कमरेवा गुरु ॥ बीगूभग्रामे ॥

१९. सं. १९१९ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे श्रीमा० श्रे० भीमा भा० हपु सु० लालाकेन भ्रातृसुपालनामहितेन पितृश्रेयसे श्री

श्रेयांसनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणधीरसूरिणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं विधिना नंदीशाला वास्तव्य ॥

२०. सं. १५२१ वर्षे ज्येष्ठसुदि १२ गुरु श्रीअमदावादनगरे वास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० रत्ना भा० रत्नादे सुत व्य० देवा केन भा० रूडी सुत मंगल आनंद प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वात्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री बृहत्तपागच्छे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः ॥

२१. संवत् १८३९ वर्षे वैशाखसुदि ६ बुधवासरे श्रीदर्भावती नगरवास्तव्य श्रीमाली वृद्धशाखायां धनजी गगजी श्रीपद्मप्रभजिनबिंबं कराविनं प्रतिष्ठितं विजयधर्मसूरिभिः ॥

२२. संवत् १८४६ वर्षे फागुनसुदि ३ दिने भृगु वृद्धशाखायां श्रीमालीज्ञातिय दर्भावतीवास्तव्य मनसुखलालोत्तम सूरा उद्देसितं श्रीआदिनाथबिंबं करावीतं श्रीविजयजिनेंद्रसूरि प्रतिष्ठित ॥

२३. स. १३१७ वर्षे पोषवदि ५ गुरौ श्रीरत्नाभादि समस्त निजप्रतिमा................

२४. संवत् १६७२ वर्षे पोषवदि ६ शुक्र तपागच्छाधिराज श्री ५.श्रीहीरविजयसूरिपादुके सुरतबिंदीरवास्तव्य ओसवालज्ञातिय शा वस्ता भा० श्रीबाई सुत देवराज भगिनी शा मनजीराम भार्या .. ...

२५. संवत् १६६७......तपागच्छे श्रीहेमसोमसूरिभि ..

२६. संवत् १४८४ वर्षे.........तपागच्छे रत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं (आदीश्वर भगवाननी प्रतिमा छे.)

२७. संवत् १३३१ वर्षे पोषवदि ५ सोमदिने श्रीश्रीमाली ज्ञातीय ठ० पूनसीह सुत ठ० सिंहा भा० सुंदरी सुत साह धीणिग भा० हिराइ प्र० कुटुंबयुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठित. पूर्णिमापक्षीय श्रीमत्गुणसमुद्रसूरिभिः ॥

२८. संवत् १७०६ वर्षे ज्येष्ठवदि ३ गुरौ स्तंभतीर्थवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीय वृद्धशाखायां सं० धनजी भा० धनादे सुत सं० हेमजीकेन भा० हेमादेयुतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं भट्टारक श्रीविजयानंदसूरिराज्ये विजयराजसूरिभिः ॥

२९. संवत् १५२९ वर्षे ज्येष्ठवदि ७ गुरौ श्रीगुर्जरवंशे मं० साथा भार्या फकु पुत्र मं० परबत भार्या रतनु पुत्र मं० जगराज सुश्राव-केन भ्रातृ लाला वेणीदास पितृव्य मं० पामा सुधासिरभाईया सहितेन पितामहपुण्यार्थं अंचलगच्छेश श्री जयकेशरीसूरि उपदे... शांतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं संघेन श्रीचंपकपुरे ॥

३०. संवत् १५३६ वर्षे वैशाख व० ३ गुरौ श्रीमा० श्रे० मेला भार्या मेलादे सुत सोमाकेन भार्या रंगा भ्रातृ दाऊआनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे भ० आशालिप्रभसूरिभिः॥

३१. संवत् १८४९ फागुण सुद ३.... ...चंद्रप्रभजिनबिंबं श्री उदयसागरसूरिभि. ॥

३२. संवत् १५३७ वर्षे पोषवदि १० बुधे उ० श्रे० धर्मा भा० मेतु पुत्र रत्ना भा० दुर्गी पु० नायाकेन भा० कुंयरी पु० हरखा पथा कीकादे सहितेन स श्रेयसा भा० वर्धननिमित्तं मूलनायक श्री श्रेयांसप्रमुखचतुर्विंशतिपट्टः कारापित. उकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसंताने श्रीककसूरिभिः आचार्यश्रीधनवर्द्धनसूरिप्रमुखपरिवारसहितैः प्रतिष्ठितं.

३३. संवत् १५२९ वर्षे वैशाष सुदि ९ शुक्र श्रीश्रीमाली ज्ञा० व्य० संग्राम भा० करमी स्वपति आत्मश्रेयसे श्रीनमिनाथमुख्य श्रीपंचतीर्थिजिनस्वामिबिंबं कारितं पूर्णिमा श्रीराजतिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

...२७ वैशाख सुदि १० सोमे गंधारवास्तव्य श्रीश्रीमाळ-

श्रेयांसनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणवीरसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं विधिना नंदीशाला वास्तव्य ॥

२०. सं. १९२१ वर्षे ज्येष्ठसुदि १३ गुरु श्रीअमदावादनगरे वास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय वषा० रत्ना भा० रत्नादे सुत वषा० देवा-केन भा० हूबी सुत मंगल आनंद प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वात्मश्रेयसे श्रीसु-*मतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री बृहत्तपागच्छे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः*॥

२१. संवत १८३९ वर्षे वैशाखसुदि ६ बुधवासरे श्रीदर्भावती नगरवास्तव्य श्रीमाली वृद्धशाखायां वनजी गणजी श्रीपद्मप्रभजिनबिंबं *भराविनं प्रतिष्ठितं विजयधर्मसूरिभिः* ॥

२२. संवत् १८४९ वर्षे फागुनसुदि ३ दिने भृगु वृद्धशाखायां श्रीमालीज्ञातिय दर्भावतीवास्तव्य समस्तसंघप्रमोत्तम मूला उदेसिनं *श्रीआदिनाथबिंबं करावीतं श्रीविजयजिनेंद्रसूरि प्रतिष्ठितं* ॥

२३. सं. १३१७ वर्षे पोषवदि ९ गुरौ श्रीपद्मनाभादि समग्र जिनप्रतिमा................

२४. संवत् १६७३ वर्षे पोषवदि ६ शुक्र तपागच्छाधिराज श्री प. श्रीहीरविजयसूरिपादुके सुर्तबिंदीरवास्तव्य ओसवालज्ञातिय शा वना भा० श्रीबाई सुत देवकरण भगिनी शा मरघकरण भार्या.........

२५. संवत १६६७......तपागच्छे श्रीहेमसोमसूरिभि.........

२६. संवत् १४८४ वर्षे........ तपागच्छे रत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठितं (आदीश्वर भगवाननी प्रतिमा छे.)

२७. संवत् १३२३ वर्षे पोषवदि ३ सोमदिने श्रीश्रीमाली ज्ञातीय ठ० पूनसींह सुत ठ० जिना भा० सुंदरी सुत साह वीरजित भा० हिराद प्र० कुटुंबयुतेन श्रीश्रेयांसनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारित. प्रतिष्ठितः पूर्णिमापक्षीय श्रीपरमाणंदसूरिभि ॥

१८. संवत् १७०९ वर्षे ज्येष्ठवदि ६ गुरौ स्तंभतीर्थवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीय वृद्धशाखायां सं० धनजी भा० धनादे सुत सं० हेमजी तेन भा० हेमादेसुतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं भट्टारक श्रीविजयानंदसूरिराज्ये विजयराजसूरिभिः ॥

१९. संवत् १५२९ वर्षे ज्येष्ठवदि ७ गुरौ श्रीगुर्जरज्ञातौ सं० माधव भार्या धकू पुत्र सं० परबत भार्या रतनु पुत्र म० जगराज सुश्राव-केन भ्रातृ राजा वीरदास विजुया सं० धामा कुंभासिंहभाईया सहितेन पितामहपुण्यार्थं अंचलगच्छेश श्री जयकेसरीसूरि उपदे.. शांतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं संघेन श्रीखंभातपुरे ॥

२०. संवत् १५१६ वर्षे वैशाख व० ३ गुरौ श्रीमा० श्रे० मेला भार्या मेलादे सुत सोमाकेन भार्या रंगा भ्रातृ दासभानिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे भ० आनंदतिलकसूरिभि.॥

२१. संवत् १८४५ फागुण सुद ३.... . .चंद्रप्रभजिनबिंबं श्री उदयसागरसूरिभि. ॥

२२. संवत् १५२७ वर्षे पोषवदि १० बुधे उ० श्रे० धर्मा भा० मेतु पुत्र रत्ना भा० दूर्धी पु० नाथाकेन भा० कुंयरी पु० हरमा पता वीजादे सहितेन म श्रेयसा मा० वर्धननिमित्तं मूलनायक श्री श्रेयांसप्रमुखचतुर्विंशतिपट्ट कारापित: उकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिभि आचार्यश्रीधनवर्द्धनसूरिप्रमुखपरिवारसहितै: प्रतिष्ठितं.

२३. संवत् १५२९ वर्षे वैशाख सुदि ९ शुक्र श्रीश्रीमाली शा० व्य० संग्राम भा० करमी स्वपति आत्मश्रेयसे श्रीनमिनाथमुख्य श्रीचतुर्विंशतिजिनबिंब कारितं पूर्णिमा श्रीराजतिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

२४. १५३७ वैशाख सुदि १० सोमे गंधारवास्तव्य श्रीश्रीमा

श्रेयांसनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणधीरसूरीणामुपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं विधिना नंदीशाला वास्तव्य ॥

२०. सं. १५२१ वर्षे ज्येष्टसुदि १३ गुरु श्रीअमदावादनगरे वास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय वसा० रत्ना भा० रत्नादे सुत वसा० देवा-केन भा० हूबी सुत मंगल आनंद प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वात्मश्रेयसे श्रीसु-मतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्री बृहत्तपागच्छे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः॥

२१. संवत् १८२९ वर्षे वैशाखसुदि ६ बुधवासरे श्रीदर्भावती नगरवास्तव्य श्रीमाली वृद्धशाखायां बनजी गगजी श्रीपद्मप्रभजिनबिंबं भराविनं प्रतिष्ठितं विजयधर्मसूरिभिः ॥

२२. संवत् १८४९ वर्षे फागुनसुदि ३ दिने भृगु वृद्धशाखायां श्रीमालीज्ञातिय दर्भावतीवास्तव्य मसम्मेसम्मोत्तम मूला उद्देसितं श्रीआदिनाथबिंबं करावीत श्रीजिनचंद्रसूरि प्रतिष्ठितं ॥

२३. सं. १३१७ वर्षे पोषवदि १ गुरौ श्रीरत्नाभादि समस्त जिनप्रतिमा...............

२४. संवत् १६७३ वर्षे पोषवदि ६ गुरु तपागच्छाधिराज श्री प.श्रीहीरविजयसूरिपादुके मुक्ताविजयवास्तव्य ओसवालज्ञातिय शा वस्ता भा० श्रीबाई सुत देवराज भगिनी शा मल्लकारा भार्या........

२५. संवत् १६६० तपागच्छे श्रीहेमसोमसूरिभि.......

२६. संवत् १४८४ वर्षे .... . तपागच्छे रत्नसिंहसूरिभिः प्रतिष्ठित (अर्बुदाचल मलवासनी प्रतिमा दे.

२७. संवत् १३२१ वर्षे वैशाखवदि ५ सोमदिने श्रीश्रीमाली ज्ञातीय ठ० गुणसिंह सुत ठ० सिंघा भा० सुहवी सुत साह श्रीरिसि भा० सिरिया प्र० कुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पूर्णिमापक्षीय श्रीसर्वाणंदसूरिभिः ॥

२८. संवत् १७०६ वर्षे ज्येष्ठवदि ३ गुरौ स्तंभतीर्थवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीय वृद्धशाखायां सं० धनजी भा० धनादे सुत सं० हेमजीकेन भा० हेमादेयुतेन श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं भट्टारक श्रीविजयानंदसूरिराज्ये विजयराजसूरिभिः ॥

२९. संवत् १५२९ वर्षे ज्येष्ठवदि ७ गुरौ श्रीगुर्जरवंशे मं० माधा भार्या फकु पुत्र मं० परबत भार्या रत्नु पुत्र मं० जगराज सुश्रावकेन भ्रातृ लाला वेणीदास पितृव्य मं० धामा बुधासिंहभाईया सहितेन पितामहपुण्यार्थं अंचलगच्छेश श्री जयकेशरीसूरि उपदे. .शांतिनाथबिंबं प्रतिष्ठितं संघेन श्रीचंपकपुरे ॥

३०. संवत् १५३६ वर्षे वैशाख व० ३ गुरौ श्रीमा० श्रे० मेला भार्या मेलादे सुत सोमाकेन भार्या रंगा भ्रातृ दाऊआनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं करावितं प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे भ० आशालिप्रभसूरिभि ॥

३१. संवत् १८४९ फागुण सुद ३...... .चंद्रप्रभजिनबिंबं श्री उदयसागरसूरिभि. ॥

३२. संवत् १५३७ वर्षे पोषवदि १० बुधे उ० ज्ञे० धर्मा भा० मेतु पुत्र रत्ना भा० हुबी पु० नाथाकेन भा० कुंयरी पु० हरमा पमा कीकादे सहितेन स श्रेयसा भा० वर्धननिमित्तं मूलनायक श्री श्रेयांसमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारावितः उकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिभिः आचार्यश्रीधनवर्द्धनसूरिप्रमुखपरिवारसहितैः प्रतिष्ठितं.

३३. संवत् १५२८ वर्षे वैशाख सुदि ९ शुक्र श्रीश्रीमाली ज्ञा० व्य० संग्राम भा० करमी स्वपति आत्मश्रेयसे श्रीनमिनाथमुख्य श्रीपंचतीर्थिजिनिस्वामिबिंबं कारितं पूर्णिमा श्रीराजतिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

३४. १५३७ वैशाख सुदि १० सोमे गंधारवास्तव्य श्रीश्रीमा

ज्ञातिय ठकर महिराज भा० लाडु पुत्र ठ० सहसा भा० वल्हादे ठ० सालिग भा० आसी ठ० श्रीराज भा० हंमाई ठ० सहसा भा० वाल्ही सुत ठ० वर्धमान भा० कस्तुरई ठ० धनदत्त भा० हरसाई एते आत्म श्रेयोर्थ श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे विनयरत्नसूरिभिः॥

३५. संवत् १८२८ फागुन सुद २ शुक्रवासरे डभोईनगरे श्री वृद्धशाखायां श्रीमाळीज्ञातीय पारिख......श्री ऋषभजिनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पूज्य भट्टारक श्री कल्याणसागरसूरि तस्य शिष्य पुन्यसागरसूरिभिः॥

लोढण पार्श्वनाथना देरासर.

३६. संवत् १६८२ वर्षे ज्येष्ठ वदि ९ गुरुवासरे श्री अहिम्मदावादवास्तव्य श्रीओसवालज्ञातीय सा० श्रीवछा भार्या गोरदे सुत सा० सहस्रकिरण भार्या कुआरबाइ बाइ सोभागदे पुत्रेण सुत सा पन्नजी प्रमुख कुटुंबयुतेन श्रीशत्रुंजयादितीर्थमहामह० पुरस्त रययाग्रासमवातसंघतितिलकेन सा० श्रीशान्तिदासनाम्ना स्वश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं स्वयं कारितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छे भट्टारक श्रीविजयसेनसूरिपट्टालंकारभट्टारक श्रीविजयदेवसूरिवारके महोपाध्याय श्रीविवेकहर्षगणिनामन्तशिष्य महोपाध्याय श्रीमुक्तिसागरगणिभिः ॥

३७. संवत् १५१० वर्षे फागुन वदि २ शुक्रवासरे श्रीश्रीमाळी ज्ञातीय ठ० फुला भा० बाइ रत्न ठा० परबत भा० बाइ लाछी द्वि० भा० बाइ माणीकी प्रथमभार्यासुत धर्मीणिक होर मोना भूपति स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीमत्पिप्पलगच्छे नायक भट्टारक श्रीगुणरत्नसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु.

३८. सं. १७९४ वर्षे माघ सुदि २ रवौ पद्मनाभबिंबं मेम-माइ कारितं......

३९. संवत् १६२२ वर्षे पोष वदि १ गुरुवासरे पाल्हाउतगोत्रे शाह सुरराम भार्या मेलादे तत्पुत्र शाह सरपति भार्या सिंगारदे तत्पुत्र श्रीरामनरा हेमा तेना सुरावैः पितृश्रेयोर्थे जीवितस्वामी चंद्रप्रभबिंबं कारितं प्र० श्रीमलधारीगच्छे भट्टारकगुणसुंदरसूरिभिः ॥

४०. संवत् १६२१ वर्षे वैशाखसुदि ६ शुक्रे स्तंभतीर्थवासि श्रीमाल्लज्ञातीय गंगाधर भा० मल्हादे सुता० २ तारनभा मदुभा धीरा धीरा प्रमुख स्वकुटुंबयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपा शांतिसागरसूरिभिः ॥

४१. संवत् १५०९ वर्षे वैशाखसुदि ७ रवौ प्राग्वाटवंश श्रेष्ठि रत्न भार्या रत्नादे सुत मोखु भार्या मिणलादे सुत धनसि धरणि शमदा भार्या मागलदे सुहिरु हीरु गणु धनसी भार्या हांसलु सुत राममोधुवारसुत चांपु लांपु नाथु भूभवरेन स्वपितृमातृपितृव्यराउलगोत्राभ्रातृश्रेयोर्थ श्री शान्तिनाथबिंबं चतुर्विंशतिपट्ट. कारित प्रतिष्ठित सूरिभि सदुपालावाकान्य.

४२. संवत् १८७७ माघ वदि ९ वार चंद्रे देववार भगवान् सहजमहावीरबिंबं प्रतिष्ठितं ग्रामीग्रामे........

४३. संवत् १५२६ वैशाख सुदि ९ मूलसंघे भट्टारक श्रीभुवन-कीर्ति तत्र भट्टारक श्रीज्ञानभूषणदेवा हु० गां० सामया भा० सुहदि गां० मांडिया मालीकदे गांरिया भा० दूवा सुत रांघी वाघा प्रणमंति.

४४. संवत् १५२१ वर्षे वैशाख सुदि ११ गुरौ श्री मूलसंघे भट्टारक श्रीसकलकीर्तिदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीभुवनकीर्ति उपदेशात् हे० गां० दा० भरमा भार्या भरमादे सुत वीजा भार्या वांछु प्रमु हरदा भार्या

पुत्र [illegible] भा० [illegible] सुत [illegible] श्रीसंभवनाथबिंबं [illegible] निर्वाणं [illegible]. *

धर्मनाथना देरासरना लेखो.

४५. संवत् १५२६ वर्षे आषाढ सुदि ८ बुधे श्रीश्रीमाल ज्ञातीय ठ० [illegible] भा० [illegible] सुत [illegible] भा० [illegible] कुटुंब सहितेन श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीगुण[illegible] सूरिभि । [illegible] ॥

४६. १८४३ माघ सुदि ११ [illegible] भट्टारक श्री १०८ [illegible] [illegible] प्रतिष्ठितं [illegible] श्री ९ [illegible] [illegible] बिं [illegible].

४७. संवत् १५३१ वर्षे कार्तिक सुदि १२ [illegible] श्रीश्रीमाल [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] प्रतिष्ठितं [illegible] ॥

४८. [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

४९. संवत् १५०९ वर्षे वैशाख सुदि ७ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रेष्ठि मेरा भार्या धारू सुत पासांकेन स्वभार्याश्रियादेश्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं सूरिभिः । मडूपाला वास्तव्य.

५०. संवत् १५२२ वर्षे......सुदि ६ दिने श्रीमालज्ञातीय दक गोत्रे सं० सेजा सं० वैसाव पुत्र सुर्जन अर्जन रामा पु० स० अंबा भार्या रमाई परिवारसहितेन सुर्जन भार्या सवीरी पुण्याय श्रीमुनिसुव्रत स्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टालंकार श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

५१. संवत् १३८६ वर्षे माह वदि १ शुक्रे श्रीबृहद्गच्छे प्राग्वाट ज्ञा० सा० आसदेव भार्या सुणी पुत्र साहुड ठक्कुर पेथडप्रमुख कुटुंब श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीकनकसूरिभिः ॥

५२. संवत् १५१९ वर्षे माघ सुदि ७ दिने गंधारवासि प्राग्वाट ज्ञातीय सं० वरसी भा० मणु सुत सं० नरपालेन भा० भमाँदे सुत वर्द्धमान भ्रातृ सं० श्रीराम भा० वर्मादे सुत वाघुपाल्हादिकुटुंबयुतेन स्व श्रेयोर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

५३. संवत् १४९४ वर्षे वैशाख वदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ माला मातृ गउरी पितृव्य संग्राम श्रेयोर्थं श्रीअजितनाथ पंचतीर्थी का० प्र० पिप्पलाचार्य श्रीगुणसमुद्रसूरीणां पट्टे श्रीशांतिसूरिभिः ॥

५४. संवत् १५६७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमाल ज्ञातीय सा. पेथड भा० चमकू सुत० रत्ना भार्या सोभागदे सुत कल्याण धन्ना वर्द्धमानादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ ग० कमलकलश शिष्य ग० ॥

९५. संवत् १५१२ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ५ रवौ प्राग्वाटज्ञातीय पटील हिरा भा० देकुन तत्पुत्र २ प्र० क्षमाकेन पुत्र गदा सदा श्रीवंत सहितेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीविनयप्रभसूरिभिः । वडभिवास्तव्य. ॥

९६. संवत् १२७४ वर्षे वैशाख सुदि ३ श्रीसंडेरकगच्छे श्री० नी० उहिलान्वाय मां० पाता पु० आसपाल जगदेवपाल पाता भार्या मांपू आत्मश्रेयोर्थे श्रीचंद्रप्रभबिंबं कारापितं श्रीशान्तिसूरिभिः प्रतिष्ठितं॥

९७. संवत् १५३२ वर्षे वैशाखमासे श्रीश्रीमालज्ञातिय मं० धीरम भार्या राजल्दे सुत पांचाकेन भार्या ल्हादिकि स्वमातृपितृश्रेयोर्थं श्री श्रेयांसनाथादिपंचतीर्थी श्रीआगमगच्छेशश्रीअमरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता च विधिना । मोल गाम वास्तव्य ।

९८. संवत् १५३७ वर्षे वैशाख सुदि १० सोमे गंधारवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय ठ० महिराज भा० लाछु सुत ठ० महमा भा० वल्हादे ठ० माणिक भा० आसी ठ० श्रीराज भा० हंमाई ठ० महसा सुत ठ० धनदत्त भा० हर्षाई एतैरात्मश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीविनयरत्नसूरिभि ॥

९९. संवत् १८४५ ना वर्षे फागुणमासे शुक्लपक्षे २ द्वितिया वारगुरौ श्रीदर्भावतीवास्तव्य श्रीमालीज्ञातिय वृद्धशाखाया श्रीसागरगच्छे परिख श्रीमदनजी भगजी भार्या . . भट्टारक श्रीउदयसागरसूरीश्वरेण प्रतिष्ठितं वधमंडन श्रीशान्तिभवनु श्रीकल्याणमस्तु शान्ति.........

मुनिसुव्रतस्वामीजीना देरासरना लेखो.

६०. संवत् १६०३ वर्षे फागुण सुदि ८ सोमे श्रीभावडारगच्छे मगलीयावास्तव्य श्रीश्रीमा० महं जेसिंग भा० सूदी सुत मं०नरसींहाभ्यां पित्रोः श्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीकालिकाचार्यसंताने श्रीवीरसूरिभिः ॥

६१. संवत् १५२१ वर्षे फागुण सुदि ९ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० नीसल भा० नागलदे पुत्र सं० सहदेव भा० वाइली प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६२. संवत् १९०३ शा० १७६८ प्रमाथ नामाभृ । कपडवंत वास्तव्य शा नेमा शा कालिदास जीवणदा तत्भार्या जतनवहु सुत छोटालाल स्वश्रेयोर्थे श्रीअनंतनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीलोढापोसालना शान्तिसागरसूरिभि. ॥

६३. संवत् १९०७ वर्षे माघ सुदि ११ शुक्रे श्रीउपकेशज्ञातीय सा० सालिग भा० सुत सचवीरनिमित्तं तसाई भार्या हर्षाई श्रीवत्स श्रेयोर्थे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपापक्षे श्रीसूरिभि ॥

६४. संवत् १५१६ वर्षे चैत्र वदि ४ गुरौ ओसवालज्ञातीय दोसी सींघा भा० मचकू पुत्र दो० जयताकेन भा० पूरि पुत्र भीमा सहादेभ्यां सहितेनात्मत्वमातृपितृश्रेयोर्थे श्रीमद्विवंदनीकगच्छे भ० श्रीसिद्धसूरीणामुपदेशेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभि ॥

६५. संवत् १५३१ वर्षे वैशाख सुदि ५ श्रीमालज्ञातीय श्रे० वडुया भा० वस सु० वालाकेन भा० धनी भ्रातृ धमा भा० अल्हणदे सु० वस्ता तेजा मुंभयादि कुटुंबयुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वाम्यादिचंवतीर्थी आगमगच्छेशश्रीअमररत्नसूरिसद्गुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता च विधिना। अंबासण वास्तव्य ॥

७१. सं. १५२७ वर्षे कार्तिक वदि १२ शनौ [illegible] [illegible] सं० कार्तिक भा० [illegible] पुत्रा म० [illegible] [illegible] [illegible] श्रीसुमतिनाथबिंबं [illegible] श्रीभगवान [illegible] सूरिभिः प्रतिष्ठितं च ॥

७२. सं. १५१९ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ३ शनौ [illegible] [illegible] [illegible] भा० [illegible] पुत्रा सा० [illegible] [illegible] भा० [illegible] श्रीसुमतिबिंबं का० प्र० [illegible] [illegible] ॥

७३. सं. १५३० वैशाख सु. ३ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] भा० [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्रीसुमतिबिंबं का० श्री[illegible] [illegible] [illegible] ……

७४. सं. १५०१ [illegible] सु. ८ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥

[illegible]

७५ [illegible] सं. १५०३ [illegible]

७६ [illegible] [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

उपरने गभारे आरस प्रति०

८०. सं. १३४........

८१. सं. १२९२ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ८ शनौ.......

पंचतीर्थी.

८२. सं. १२१४ माघ शुदि.. ...श्रीमहावीरबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णदिनसूरिशिष्यविनयसेनसूरिभि ॥

आरस प्रति.	१९
चोमुखजी.	१
काउस्सग्गी.	२
पंचतीर्थी.	२

७४. सं. १९२४ वर्षे कार्तिक वदि १३ शनौ जननपुरवास्त्र्य श्रीवायडज्ञा० मं० माणिक भा० मनी सुतया मं० हांसाभार्यया माघू नाम्न्या आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथादिचंतर्वीर्थी आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता च ॥

७५. सं. १२१९ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ३ शनौ लणपुरवासी प्राग्वाट महा० समंदर भा० बाबू पुत्र्या गां० मरम् पत्न्या गौरीनाम्न्या सुत राउल भा० लखी सुत सामणादिसुतया श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० तपाश्री लक्ष्मीसागरसूरिभि. ॥

७६. सं. १५२४ वैशाख शु. ३ श्रीमाल्ज्ञातीय श्रे० धरण भा० करणू सुतकालाकेन भा० मकी सुत पाना भ्रातृ पंचायण स्वपूर्वजश्रेयोर्थ श्रीनमिनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षे भट्टारकश्रीगुणतिलकसूरीणामुपदेशेन प्र०........

७७. सं. १८९६ आसो शु. ८ बिंब शांतिनाथजीनो भराव्यो पं० अमृतविजय गुरु हीरविजयप्रभसूरिनी. ॥

धातुप्रतिमाजी.

७८. १. सं. १८९६ श्रीपार्श्वनाथ

७९. २. श्री. आदिनाथ.... ...प्र. तपागच्छे

आरस प्रति. २०
धातु प्रति. ३
पंचतीर्थीजी. ९
सिद्धचक्रजी. ३

उपरने गभारे आरस प्रति॰

८०. सं. १३४...... .

८१. सं. १२९२ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ८ शनौ.....

पंचतीर्थी.

८२. सं. १३१४ माघ शुदि ....श्रीमहावीरबिंबं का॰ प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णदिनसूरिशिष्यविजयसेनसूरिभि ॥

आरस प्रति.	१९
चोमुखजी.	१
काउसग्गी.	२
पंचतीर्थी.	२

७४. सं. १५२४ वर्षे कार्तिक वदि १३ शनौ जयपुरवास्तव्य श्रीवायडज्ञा० सं० माणिक भा० मनी सुतया सं० हांसाभार्यया माकू नाम्न्या आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथादिचतुर्विंशतिः आगमगच्छे श्रीअमररत्न-सूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता च ॥

७५. सं. १२१९ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ३ शनौ नागपुरवासी प्राग्वाट महा० मयंगर भा० बापू पुत्र्या सां० मरम् पत्न्या गौरीनाम्न्या सुत गडन भा० नर्मी सुत मानगादियुतया श्रीरत्नप्रभबिंबं का० प्र० तत्पाश्री ...सूरिभिः ॥

७६. सं. १३२५ वैशाख शु. ३ श्रीमालज्ञातीय श्रे० धरण भा० कस्तू सुत...केन भा० मही सुत पाना भातृ पंचायण मातृपितृ-श्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षे भट्टारकश्रीगुणतिलक-सूरीणामुपदेशेन प्र० ....

७७ सं. १८९१ आसो शु. ८ दिने शांतिनाथजीनो परघो सं० अमृतविजय गुरु हीरविजयप्रमुखैः ॥

धातुप्रतिमाओ.

७८ १ सं १८९१ श्रीपार्श्वनाथ

७९ २ श्री आदिनाथ प्र ...

[illegible] मूर्ति २

[illegible] मूर्ति १

[illegible] १

[illegible]. १

उपरने गभारे आरस प्रति०

८०. सं. १३४..... .

८१. सं. १२९२ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ८ शनौ.......

पंचतीर्थी.

८२. सं. १३१४ माघ शुदि. ...श्रीमहावीरबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीपूर्णदिनसूरिशिष्यविजयसेनसूरिभि ॥

आरस प्रति.	१९
धातुमूर्ति.	१
काउसग्गी.	२
पंचतीर्थी.	२

गाम चवेली.

पंचतीर्थी.

८३. सं. १४९९ ज्येष्ट वद ६ डीसावालज्ञातीय वा० धरणीग.... सहूआलीग्रामे श्रे० सागा भा० तिल्हूपुत्र्या जासूनाम्न्या पु० जुला-युतया स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीसोमसुंदर-सूरिभि. । अस्या भ्राता धा० रामाकः । भ्रातृव्या राणा कुंरणलः सामल संव शुभं ॥

८४. सं. १५१४ वर्षे माघ सुदि २ शुक्रे महिमानवासि श्री श्रीमाली श्रे० अमरसिंह भा० सरमई सु० वानेरेण भा० विन्हणदे प्रमुख समस्तकुटुंबयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठित श्रीपूर्णिमापक्षे श्री जयचंद्रसूरिभि. ॥

८५. सं. १५०६ वर्षे माघ सुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय पितृ श्रे० पेता मातृ पेतल्दे पितृव्य पुरा आत्मश्रेयसे श्रे० जेमाकेन श्री. श्री. श्री. धर्मनाथबिंबं कारितं चतुर्दशीपक्षे डेडरिया श्री श्रीपासचंद्रसूरिभि प्रतिष्ठितं विधिना मंगलं भवतु. ॥

८६. सं. १३३९ श्री चैत्रगच्छे उएसवालज्ञातीय मा. नागा पु. पद्मसिंह भा० हासल पु. माहदेन बिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीजिनेश्वरसूरि सं. श्रीवर्धमानसूरिभि. ॥

८७. सं. १५१९ माघ सुदि ९ शनौ रोहण्यां उसापुरीय प्राग्वा श्रे० सुरमी भा. सुरहादे पुत्र्या । श्रे० समरसाण कर्मो नाम्न्या श्रीमुनि-सुव्रतबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

धातु-प्रतिमाओ.

८८. संवत् १६२१ वर्ष ॥ संवत् १६२१ वर्ष.

धातुप्रतिमा.

८९. संवत १६१० श्री श्रीमूलसंघ मनिर्णिदास पदेश उपरे (?) सकुटुंब ददति सा वीगा भा० कोवादे सुत वाला भा० पटुमादे सुत ल्लमण रानु मीवराम श्रीपार्श्वनाथं प्रणमंति ॥ *

आरस प्रतिमाजी.

मूळ नायकजी.

९०. सं. १९०३ शा. १७६८ ....

....

जमणी बाजुए.

९१. ॥ सं. ॥ १९०३ । शा. १७६८ प्र माहा वदि ९ रवौ अमदावादवास्तव्य ओसवाल ज्ञातिय....भाइ मन्पुत्र नेमचंदभाइ .. .... दलसुखभाइ स्वश्रेयोर्थ श्रीपद्मप्रभजिनबिंबं कारापितं.

पद्मावती देवी.

९२. शा. १७६८ प्रवर्तमाने माघ वदि ९.... .... ..

... .

सागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं.

गाम वडावली.

धातुनी चोवीशी.

९३. सं. १४८९ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे उकेशज्ञातीय श्रीमंडोवरागोत्रे सा० सोनपाल भा० डीमाई पुत्र श्रवण भार्या दूल्हादे विवादे लाच्छलदे पुत्र सा. धुरदास नरदास मिश्रैः पितृमातृणां श्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारापित श्रीधर्म्मघो........मलयचंद्रसूरि....

धातु पंचतीर्थी.

९४. सं. १५१२ वर्षे वैशाख वदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० अर्जुनेन पितृव्य मच्छा भा० दुर्मीश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

९५. सं. १५१२ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १० रवौ पिरोजपुरवास्तव्य श्री श्रीमाल ज्ञा० श्रे० घणा भा० षाथलदे सुता महिमा भगिनी मरघू नाम्न्या आत्मश्रेयोर्थं श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं का० आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं विधिना ॥

९६ सं. १५०८ वर्षे वै० व० ९ शनौ प्रा० सं० पना भा० प्र ऊमादे सु० बदूआ ठाकुर सीता प्र० भा० रमाई द्वि० राणी सुत कारा जिगा भा० पनी सु० मातृपितृभ्रात्रादिश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० उकेशगच्छे सिद्धाचार्यसंताने प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

९७. सं. १५०२ वर्षे वैशाख वदि ६ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० मूडू भा० माणिकदे सुत श्रे० लाला सु० डोंगर आत्मश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्री ...गच्छे श्रीशीलरत्नसूरिभिः । सुरत बन्दर.

नानी पंचतीर्थी.

९८. सं. १६३६ वर्षे माघ सुदि ९ शुक्रे आगमगच्छे.... ....
....सुर विजयसिंह पं. उदयरत्न प. रूप..ला मेघ..ला वेरी
ईर्पे..लावनी

९९. ....
....प्रतिष्ठितं श्रीशील्व सूरिभि. पीपलीवास्तव्य........

१००. सं. १२८३ वर्षे........

आरस प्रतिमाजी.

समणा काउसगीआजी.

अजितनाथ:

डावा काउसगीआजी.

शांतिनाथ·

छूटां प्रतिमाजी आरसनां.

मिति समायसु....समत १७ स २१.... ....
....

मूळ नायकजी श्रीमहावीरस्वामीनो लेख सीमटमां दबाई
दबायलो छे.

गाम घाणस्मा.

धातुनी पंचतीर्थी.

१०१. सं. ११४४ वर्षे माघ वदि १ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठि [illegible] भार्या पुत्रीसुत श्रेष्ठि [illegible] श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे प्रधानशाखायां श्रीजिनचंद्रसूरीणां [illegible] प्रतिष्ठितं ॥

१०२. सं. १४११ वर्षे वैशाख सुदि ३ गुरौ ओसवालज्ञातीय [illegible] पु० [illegible] भा० [illegible] सुत [illegible] पुत्रीभा [illegible] भा० [illegible] सुत [illegible] भा० [illegible] श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीचंद्रगच्छे श्रीरत्नप्रभसूरीणां पट्टे श्रीजिनसूरिभिः ॥

१०३. सं. १४०४ वर्षे [illegible] ज्ञातीय [illegible] भार्या [illegible] सुत [illegible] भा० [illegible] [illegible] कारि० प्र० [illegible]

१०४. सं. १४०८ वैशाख सुदि ८ [illegible] [illegible]
[illegible] ॥

[illegible]

१०५. सं. [illegible] [illegible]

१०६. [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] सं० [illegible] आषाढ़ सु० [illegible] श्रीमालज्ञातीय [illegible] पुत्र सा० [illegible] [illegible] ॥

११३. सं. १२०७ वर्षे वैशाख सुदि १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० मोल भा० सुंलदे पुत्र सुरा भा० सुहागदे पितृमातृश्रेयसे सु० पांचाकेन श्रीमंभवनाथमुख्य पंचतीर्थी का० पूर्णिमापक्षे श्रीभीमपल्लीय श्रीपासचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्र० विधिना ॥

११४. सं. १५२२ वर्षे वैशाख सु. ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० सं० मीराल भा० मीणू सुत भनाकेन भा० अजी श्रेयोर्थं सुत हरा बीरा राजा युतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीआगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरि गुरूपदेशेन । धंदूकावास्तव्य ॥

११५. सं. १५५२ फाल्गुन शुदि ४ ...प्राग्वाट सं. बीना भा० मनू पु० सं० डुंगरसी भार्या नीनू पुत्र हर्षा कान्हादियुतेन श्रीशांतिबिंबं का० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीहेमविमलसूरि श्रीकमलकलशसूरिभि प्र० ॥

११६. सं. १५७२ वर्षे चैत्र वदि ६ .. ....
प्र० श्रीरत्नाकरसूरि .. ...

११७. सं. १५३७ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे०....बजाख्या भा० वाल्हणदे पुत्र देवाकेन पितृश्रेयसे श्रीशांति नाथबिंबं का० श्रीमालु... पक्ष श्रीसोमदत्तसूरिणामुपदेशेन ॥

११८ सं. १५१५ वर्षे माघ

११९. सं. १५.. वर्षे आषाढ सुदि ५ ...... श्रीशिवा... श्री... ... . श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० श्री...सूरिभि ॥

१२० सं. १५०४ वर्षे ... १५१६ ... ... श्री ... ... श्री... बिंबं का०

१२१. सं. १५७३ वर्षे फा० सु. ३ रवौ श्रीश्रीवंशे सा आमा भार्या रजाइ अमरमा० मेघी पुत्र सां० श्रमरसी भा० वीराइ ५० सा. श्री- वर्णे सुश्रावकेण भा० सिरिआदे पितृव्य सं. अचू भ्रातृव्य सं. दिनकरसहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्र० श्रीसंघेन ॥

१२२. सं. १५१३ वर्षे वैशाखवदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय ....भा० राजू पुत्र मलसहितेन पितृमातृनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्य- बिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीपद्मानंदसूरिपट्टे श्रीविनयप्रभसूरिभिः । काकर ॥

१२३. सं. १५०३ वर्षे मा० व. ९ प्रा० व्य० सारंग भा० सहजल्दे सुतराजाकेन भा० रत्नी पुत्र महिराज मायरादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुबिंबं का० प्र० तपा श्रीजयचंद्रसूरिभिः॥

धातुनी चोवीशी.

१२४. सं. १६०८ वर्षे वैशाखसुदि १२ शुक्रे कुमरगिरिवा- स्तव्य प्राग्वाटज्ञातीय व्यवसनानीसुश्रेयोर्थं सुत श्रे० मूरा मिहुणु श्रे० लटुआ भा० हीरा पुत्रपौत्रसहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे भ० श्रीरत्नप्रभसूरिपट्टे श्रीपुण्यप्रभसूरिभिः । पूज्यमानं चिरं नंदतु ॥

....प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीरत्नसागरसूरिभिः ॥

धातुना सिद्धचक्रजी.

१२५. सं. १८५४ वर्षे शाके १६८९ प्रवर्तमाने पदासुदि १० गुरु श्रीवडनगरे श्रीश्रीमालज्ञाती .... श्री ... सिद्धचक्र- कारापित परोपकारार्थं तस्य ....स्तु शुभमस्तु इति श्रे० ॥

१२६. सं. १७८९ मार्गसिर सुदि ४ वार शनि चेद्रावतीनगर्यां तपागच्छीयश्रीसमस्तसंघेन सिद्धचक्रपट्टः कारितः श्रीविजयदयासूरीश्वर-विजयति राज्ये ॥

धातुनी पंचतीर्थी.

१२७. १५५६ वर्षे चैत्र वदि १० गुरौ प्रा० ज्ञा० मं० मेघा भा० ....रत्नादेन भा० रही पुत्र कान्हा नाना कुरा सहितेन पितृमातृनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्र.... ....

१२८. सं. १४६१ कार्तिक सुदि १३ गुरौ.... ....नागेंद्रगच्छे....देवसूरिभिः॥

उपरने गभारे सर्व आरसप्रतिमाजीना अक्षरेसमां नाम सहित श्रीतपागच्छे ए पंक्ति सर्वत्र छे. विशेषमां मुक्तिसागर ए अधिक पंक्ति पण घणी प्रतिमाजी पर छे. सर्व आरसप्रतिमाजी १६८२ना संवतनी छे तेनी *प्रतिष्ठा करनार श्रीमुक्तिसागरजी तपागच्छीय छे.*

आरसचोमुखजी चार प्रतिमाजीनो लेख.

(दरवाजाथी डाबी बाजुनी प्रतिमानो)

१२९. स. १९०३ वर्षे शाके १७६८ प्रवर्तमाने माघमासे कृष्णपक्षे ५मी तिथौ भृगुवासरे अमदावादवास्तव्य श्रीमालीज्ञातीय लघुशाखायां सा. दामोदर सुत प्रेमचंद तद्भार्या फुलीदे पुत्र कर्मचंद तेन स्वश्रेयसे श्रीऋषभदेवबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयजिनेंद्र-सूरिभिः प्रतिष्ठितं । श्रेयोऽस्तु शुभं भवतु ॥ श्री ॥

(मुख्य दरवाजे सन्मुख बिंबनो)

१३०. सं. १९०३ वर्षे शाके १७६८ प्रवर्तमाने माघमासे कृष्ण-पक्षे ५ मी तिथौ भृगुवासरे अमदावादवास्तव्य श्रीमालीज्ञातीय ल०

शाखायां सा. दामोदर सुत प्रेमचंद सुत कर्मचंद तत्भार्या सुर्यबाइ तत्पुत्र सा. मोतीलाल तेन स्वश्रेयोर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारापितं तपागच्छे श्री नेमिंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं.

(दरवाजाथी जमणीबाजुना भगवान पर)

सर्वं प्रथमलेखवत्

(पृष्टभागना भगवंत पर)

सर्वं प्रथमलेखवत् परंतु श्रीशांतिनाथबिंबं का०

धातुना जैत्र

१३१. सं. १५९७ चैत्र शुदि १२ गुरुवासरे पत्तननगरे श्रीनिशापाटके समस्तश्रीश्राविका कारिता तपागच्छनायककुतबसूरिशाखायां श्रीपरमगुरु श्रीसौभाग्यनंदीसूरी श्रीहंसगंगमसूरी विजयराज्ये पं० श्रीपद्म हर्षरामगणीसपरिवार चातुर्मासिक स्थिता ग० हंसलब्धिगणी सपरिवार सुपदेशेन श्रीपंचतीर्थपट्टः कारितः श्रीसंघसम्य श्रेयोर्थं ॥ शुभं भवतु ॥

१३२. सं. १८२८ वर्षे फाल्गुन शुदि २ भृगुवासरे श्रीनागम मानगरे श्रीश्रीमाल्लीज्ञातीय वृद्धशाखायां प० जीवराज तत्पुत्रमाण.... ....कुटुंबयुतेन पंचतीर्थपट्ट. कारितोऽयं श्रीबृहत्तपागच्छे भट्टारक श्रीश्रीविजयधर्मसूरीश्वरराज्ये.

अमदावाद.

शांतिनाथनुं देरुं.
(धातुनी पंचतीर्थी)

१३३. सं. १५०४ वर्षे फागण सु. ३ बुधे उ० ज्ञा० अदित्य-नागगोत्रे सा० डूंगर भा० रुपिणि पु० सा० मान्हा भा० मरमी पुत्रसमाभ्यां आत्मश्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं. का० उ० गच्छे कुकुदा प्र० सं० प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

१३४. सं. १३९५ वर्षे चैत्र वदि ८ सोमे धर्मीग्रामे वा० श्री० वडरसिंह भा० कर्पूरि सु० नरसिंहेन मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथ बिंबं का० प्र० श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः ॥

१३५. सं. १५१४ वर्षे वै. व. ३ शनौ श्रीश्री० ज्ञा० मं० मरा भा० वानू सु० काला भा० मानू पुत्र वन्नाक हराज हरखेन पितृ मा० श्रेयोर्थं श्रीश्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । [illegible] ॥

१३६ सं० १४८१ वर्षे का. व. ३ गुरौ ....
पुत्र काला भा० मचकु [illegible] पुत्र मा [illegible]
[illegible] ...श्रीशांतिनाथबिंबं [illegible]
श्रेयोर्थं का० प्र० ॥

१३७. सं. [illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ।

१३८. सं. ११०० [illegible]
[illegible] ॥

१३९. सं [illegible] ॥

१४०. सं. १४८७ वर्षे माघ शु. ७ दिने प्राग्वाट ज्ञा. श्रे. रत्नसी भा० रत्नू सुत श्रे. मादा केन भा. सुहवदे पु० भादा गोवरूमाला महमा सिंहादि कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुपार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छनायक-श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१४१. सं. १५२२ वर्षे फागुण शु. १३ सोमे स्तंभतीर्थ वा० ओसवाल ज्ञा० सा. माणिक भा० सुहासिणि सुत सा. महिराजेन भा० रंगाई सुत वरनांगप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीशांतिनाथरत्नमयबिंबं का० प्र० श्रीज्ञानसागरसूरिभिः श्रीवृद्धतपापक्षे. ॥

१४२. सं. १६५४ वर्षे श्रीअकबरप्रवर्तित सं. ४२ व० माघव १२ बुधे सा. भीमजीकेन स्वश्रेयोर्थ श्रीपार्श्वनाथबिंब का० प्र० तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभि. ॥

१४३. सं. १५०८ वर्षे वैशा. शु. ३ ऊ० ज्ञा० राका सगा घांसउना गो० सं० कमला भा० कमलसिरि पु० रामाकेन भा० रामादे सं. श्रीसुपार्श्वबिंबं का० प्र० संडेरगच्छे श्रीश्रीशांतिसूरिभि. ॥

१४४. ....सोहीनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंब का० प्र० श्रीमर्धदेवसूरिभि· ॥ कागूआग्रामे. (खडितपंचतीर्थी)

१४५. सं. १५०१ वर्षे आ० सुदि २ उपकेशगच्छे आदित्य-नागगोत्रे सा० देवसीह भा० मेघू पु० सोनपालेन श्रीशीतलनाथबिंब का० प्र० श्रीकक्कसूरिभि ॥ (पंचतीर्थी)

१४६. सं. १५१२ वर्षे माघ वदि ९ प्राग्वाट ज्ञा० श्रे० महि-पाकेन भा० महू पु० पता वाला रत्ना हाला महा ४ वपिनादिकुटुंबयुतेन निजपि]....श्रे० आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंब का० प्र० श्रीसूरि.दे ॥

(पांच पंचतीर्थी उपर बिलकुल लेख नथी.)

[भंभवनाथना देरा पासेना श्रीकुंथुनाथना देरासर-कानड अलग एक गभाराना आ लेख छे.]

गाम उंझा.

पंचतीर्थी.

३४७. सं. १४९९ वर्षे...... प्राग्वाट ज्ञा...सज्जादूल भा० [illegible]गल्दे पुत्र स्वासनाकेन पितृ.... ...श्रेयसे श्रीशांतिबिंबं का० प्र० श्रीधर्मविजयसूरीगणुरक्षेन ॥

म ९ ॥—वर्षे। मे। गुमान तथा बो॥ हरखेन कारापिता ॥ (सिद्धचक्र)

सं. १६४२ वर्षे श्राविका म. मंगुन। धी

१४८. सं. १५११ वर्षे माघ वदि ११ गुरौ प्राग्वाट ज्ञा० म० [illegible] भा० [illegible] पुत्र म० [illegible] भा० [illegible] पुत्र [illegible] भा० [illegible] पुत्र [illegible] भगिनी [illegible] श्रीधर्म नाथबिंबं का० प्र० – श्रीसूरिभि [illegible] ॥

१४९. सं. १५१२ वर्षे फाल्गुन व १ रवौ गुरु प्राग्वाट ज्ञा० [illegible] भा० [illegible] पुत्र [illegible] भा० [illegible] पुत्र [illegible] श्री[illegible] का० प्रति० श्री[illegible] श्री[illegible] [illegible] ॥ (पंचतीर्थी.)

([illegible])

१५०. सं. १५०६ वर्षे प्रा० ज्ञा० श्रे० [illegible] भा० [illegible] भा० [illegible] श्री[illegible] का० प्रति० [illegible] ॥ (पंचतीर्थी)

१५१. सं. १५३३ वर्षे वैशाख वदि ९. [illegible]

स्वपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमहेन्द्रसूरि प० भ० श्रीशालिभद्रसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

१९२. सं. १४२७ वर्षे ज्येष्ठ शु. १९ श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नाचार्य-संताने....सानण भा० लखमादे सुत गोगन भा० नागलदेसहितेन पितृ-मातृश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीककसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी.)

१९३. सं. १५१६ वर्षे पोष शु. ६ बुधे प्राग्वाट ज्ञा० श्रे० सहेद भा० सलखणदे सुत पूनाकेन भा० मापुरी सुत अरादेइ आदिकुटुंबयुतेन सुतवमंगी भा० रहीश्रेयोर्थं श्रीशीत(ल)बिं० का० प्र० तपागच्छे... ॥

१९४. सं. १३९७ वर्षे फागुण शु. १३ गुरौ श्रीकोरंटकगच्छे श्रे....कुरण भा० कूरादे पु० विजिसिह विजिपाल....तृपितृश्रेयसे श्रीम-हावीरबिं० का० प्र० श्री नन्नसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी.)

(एक प्रतिमानीनो लेख तद्दन भूसाइ गयो छे. ॥)

१९५. सं. १४५१ ज्येष्ठ शु. ४ रवौ श्रीमाल ज्ञा० देपाल भा० देवल्दे पितृ धारउ विजिसउ पितृव्यसमा भा० लखमादे सु० कर्मसिहेन श्रीशांतिपंचतीर्थी का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीपासदेवसूरिभिः ॥

१९६. सं. १३७९ वर्षे माघवदि १२ बुधे प्रा० ज्ञा० ठ० झांसा भा० खेतल्दे सुत भणमालि पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिं० का० प्रति० (पंचतीर्थी.)

चोवीशी.

१९७. सं. १५९२ वर्षे वैशाख शु. ३ शनौ ओसवालज्ञा० मं० दामा भा० रंगी सुत धारकेन भा० २ दुइनी माणिकिदे सुत मेघा वेरा विरादिभिः सहितेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतचतुर्विंशतिपट्टः का० श्रीकोरं-टकिगच्छे सिद्धाचार्यसंताने प्र० श्रीककसूरिभिः ॥ उना....वास्तव्य ॥

१५८. सं. १५१६ वर्षे वैशा. शु. ११ श्रीमालगुर्जर ज्ञा० महंडयगोत्रे मा० जसा पुत्र मा० माधा तद्भार्यया सुहीश्राविकया स्वपुण्यार्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० नागेन्द्रगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुंदरसूरिभि ॥

१५९. सं. १५२१ वर्षे फाल्गुन शुदि ७ शनौ उसहरा वा० प्राग्वाट ज्ञा० श्रे० मेघा भा० मटकू सु० जीवाकेन स्वश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१६०. सं. १५३८ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ८ बुधे श्रीओसवालज्ञातीय श्रि० मं० कुरा पुत्र मं० लींबाश्रेयोर्थं भा० मं० नेतुप्रमुखैः श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

धातुप्रतिमाओं पर.

१६१. सं. १८०३ माघ शु. ७ गुरौ श्रीपार्श्वबिंबं उनाया। भा अ श्रीजिनजिनेन्द्रसूरि प्र० तपा.

१६२. सं. १८०३ वर्षे माघ शु ७ गुरौ श्री [illegible] बिं। [illegible] वा० ......[illegible] भाग्य भ० श्रीविजयानन्दसूरि प्र० तपागच्छे. ॥

१६३. (श्रीपार्श्वनाथजीकी मूर्ति पर। [illegible] [illegible] [illegible].)

१६४. सं. १५०१ वर्षे चैत्र वदि ६ शनौ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

१६५. सं. १५९९ वर्षे माह सु. ६ भोमे प्राग्वाटवंशे श्रे० रानद भा० सवाइ पुत्र श्रे० आसा भा० मनी सुत श्रे० गहियांकेन भा० रुडि प्रा० स हिपादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे मूलनायकश्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिजिनपट्ट का० प्रति० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभि ॥ (चोवीशी.)

१६६. सं. १५१८ वर्षे आषाढ सु. २ गुरौ श्रीश्रीमाल ज्ञा० व्य० देवा भा० वर्जु सु० पालादेन भा० मंगादे द्वि० भा० सरीयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथादिचतुर्विंशतिस्वामिचतुर्विंशतिपट्ट श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसुंदरसूरिपट्टे श्रीगुणधीरसूरीणामुपदेशेन का० प्रति० विधिना ॥ आचरणिग्रामवास्तव्य. ॥ (चोवीशी.)

१६७. सं. १५२५ वर्षे फा. सु. ७ शनौ नागरज्ञातीय मं० मामा भा० दूबी सुत वाल्हा मंडण भा० ल्हाछ रंगी पौनाश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्रति० श्रीसंघेन ... दिने दिने. ॥ (चोवीशी.)

१६८. सं. १ १२ वर्षे ज्येष्ठ वद ७ भोमे वृद्धप्राग्वाट ज्ञा० श्रे० नला भा० नागलदे सुत. म.छा भला देवदास सुदा प्रभृतिकुटुंबयुतैः पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीशी...बिंबं का० प्र० श्रीनागपु० श्रीपूज्यश्री पुण्यचंद्रसूरिपट्टे आचार्यश्रीविजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धै श्री ...ग्रामवास्तव्य. ॥ (चोवीशी.)

१६९. सं. १५१९ वर्षे वैशाख व. ११ शुक्रे ओसवालज्ञा० नाहटागोत्रीयां सा. सारंग भा० प्रहगदे पुत्र सा. सापा भा० बाइ मांजू पुत्र सा. श्रीधर्मसरा । पा आत्मश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे भ० ... सूरि भ० श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः॥

१७०. सं. १५३६ वर्षे फागण वदि....दिने श्रीऊकेशवंशे राका- गोत्रे श्रे० जेसिंगपुत्र श्रे० पिथा भा० वरणू पु० श्रे० हरिपाल भा०

हागरदे पुत्र श्रे० हरी भा० निकतेन मा० कमलादे पुत्र सांग मोन-पालादिपरिवारेण स्वपितृपुण्यार्थं श्रीवर्मनाथबिंबं का० प्रति० श्रीखरतर-गच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभि: ॥ (पंचतीर्थी)

पंचतीर्थी.

१७१. सं. १५१३ वर्षे वै. शु. ३ प्राग्वाट्य० सहदे भा० सउणादे सुत पुंजाकेन भा० पूरि सुत वरजांगादियुतेन श्रीसंभवबिंबं का० प्र० तपाश्रीउदयनंदिसूरि शिष्यश्रीसुंदरसूरिभि: ॥

१७२. सं. १५१५ वर्षे माघशु. १ शुक्रे प्रा० ज्ञा० दोसी.... भा० मटकू तत्पुत्र दो. वाछा भा० चंगाइ पुत्र पद्माहेन पितुः श्रे०: भ्रातृसवाणाश्रेयसे च श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्रति० मलधारीगच्छीय भ० श्रीगुणसुंदरसूरिभि: श्रीपत्तनवास्तव्य. ॥

१७३. सं. १५७५ वर्षे माघव. २ सोमे श्रीमाल्ज्ञा० लघुसंता-नीय वु. अरजन भा० रंगी पु० वु० माला भा० पूगी पुत्र वु० पताइ भा० प्रीमलदेभ्यां सहितैः स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० मलधारगच्छे प्रति० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि: ॥ ऊणीग्राम.... ....

१७४. सं. १२४१ वैशाख शुद १० शुक्रे श्रीब्रह्माणगच्छे कर्दम-कूवे प्रहरियसुता नानूश्रेयोर्थं प्रतिमा का० (आ प्रतिमाजी पर प्रतिष्ठा-कारनो उल्लेख मूळथीज लखायलो नथी तेम भगवाननुं नाम पण नथी.)

१७५. सं. १५९२ वर्षे वैशाख वदि २ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० व्य० पना भा० देपू पुत्र पहिराज भा० हेमादे पुत्र कान्हा कमा लघुभ्रातृवीर-धवल भा० धर्मिणी पुत्रथावरभाई अ। तृतीयभ्रातृचुहा भा० चांपलदे सकलकुटुंबयुतेन स्वपुण्यार्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० भीनमालगच्छी-यश्रीरत्नप्रभसूरिभि:॥

१७६. सं. १५१२ वर्षे वैशा. शु. दिने व्य. मोका भार्या वारू-पुत्र सिवाकेन भा० सल्नू पुत्र नरसिंह भ्रातृन मांडा देवादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीसुपार्श्वबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यगच्छेशश्री-रत्नशेखरसूरिभि ॥

१७७. सं. १५२५ वर्षे वैशाख शु. ६ सोमे उकेश वा० प्राग्वाट ज्ञा० व्य० नरसिंह भा० पोटू सु० लालाकेन भा० राजू हरू कडू सु० पोपटादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१७८. सं. १५२८ वर्षे फा. शु. ८ सोमे अहम्मदावासणा वा० प्राग्वाट ज्ञा०मं० मूला भा० पूरी सुत मं० सहिसाकेन भा० सुहासिणि सु० जगा गपादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीज्ञानसागरसूरिभि ॥

१७९. सं. १५४० वर्षे वै. ३ श्रीमाली श्रे० वेला भा० सारू पुत्र श्रे० हूमाकेन भा० हर्पू पु० श्रे० आंजण माला धर्म्मीप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रति० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि । ईर्नाआगामामे ॥

१८०. सं. १४८७ वर्षे माघ शु. ९ गुरौ श्रीमाल ज्ञा०....भा० घांपल्दे सुत डामरेण....स्वपुण्यार्थं पितृमातृ....श्रीधर्मनाथबिंबं श्रीअंचल-गच्छनायकश्रीजयकीर्तिसूरीणामुपदेशेन का० प्र० श्रीसंघेन. ॥

१८१. सं. १५१८ वर्षे श्रे० रामा भा० सांकू सुत आल्हाकेन भा० अल्ह् भ्रातृ रावत भा० टीपू प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्य-बिंबं का० प्र० तपागच्छे श्री....रत्नशेखरसूरिपट्टप्रभाकरश्रीलक्ष्मीसागर-सूरिभिः । वाउल्प्रामे ॥

१८२. सं. १५२१ वर्षे माघ वदि ८ सोमे प्रा० ज्ञा० व्य०

१९७. सं. १५२२ वर्षे माघ शु० ६ प्राग्वाटज्ञा० व्य० मा० माल्हणदे पुत्रव्य० समरसिंहेन भा० मदनदे पुत्र दूगर जरना जिना दूगरादि कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागर-सूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि । नीदियग्रामे ॥

१९८. सं. १५७२ वर्षे का. व. ४ गु. उपकेशवंशे गांटगोत्रे मं० वेला भा० लखू सुत मं० हराज भा० २ प्र. वीरू द्वि० लीलादे. भगिनी हेमाइ श्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० भावडगच्छे श्रीविजयसिंह-सूरिभिः ॥ डूंडीग्राम. ॥

१९९. सं. १६२४ वर्षे माघ शु. ६ सोमे वृद्धप्राग्वाटज्ञा० मं० समरा भा० पुहुताइ सुत मं० टाऊनाम्ना भा० कमलाद सुत देवचंदादि कुटुंबयुतेन श्रीऋषभदेवबिंबं का० तपागच्छेशश्रीहीरविजयसूरिभिः प्र० ॥

२००. सं. १५०८ वर्षे आषाढ शु. २ सोमे बिमलवलवा० प्रा० ज्ञा० रा. हूदा सुत संघमायर भा० आमल्दे सुत सं. हरिराजनामाभ्यां निजपितृश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंह-सूरिभिः ॥

२०१. सं. १३११ वर्षे......वदि ९ रवौ श्रीकोरंटगच्छे उप-केशज्ञा० पिता मा० धारू सु० डुंगर मा० देल्हू मं० कान्हा भा० ढकू डुंगरकान्हानिमित्तं मं. वानरमाधवेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीनाथ-देवसूरिभिः ॥

२०२. सं. १४८६ वर्षे माघ शु. ४ शनौ प्रा० ज्ञा० श्रे० रेता भा० तिल्हू पुत्र सा. कामदेवेन भा० धरणूयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीवर्धमान-बिंबं का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२०३. सं. १५२७ वर्षे ज्येष्ट वदि ७ सोमे प्रा० ज्ञा० मं. मायर भा० आमल्दे सुत सं. नापाकेन भा० पीताणदे सु० शिवराज प्रमुख-कुटुंबयुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः॥

२०४. सं. १५१६ वर्षे माघ शु. ८ दिने श्रीश्रीमालज्ञा० म० वीरा भा० मूलेसरि सुत म० गणीआकेन भा० गंगादे सुत लखमण लाडु मदन रंग। बेन्ह। नदन तृप्पूवर अमरादिकुटुंबयुतेन श्रीपार्श्वनाथ बिंबं का० प्र० तपापक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

२०५. सं. १५१८ वर्षे वैशाख सुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० से. मामन भा० माढू पु० मांढण भा० सुहासिणी पु० शिवराजेन भा० सीविणियुतेन स्वश्रे० श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीमेरुसूरिभिः ऊ० गच्छे ॥

२०६. सं. १५३३ वर्षे माघ वदि १० गुरौ प्रा० ज्ञा० सा० करमन भा० माइ पुत्र सांडाकेन भा० तेजू पुत्र रामादिकुटुंबयुतेन श्रीनमिबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरि. ॥

१०७. १४८८ सं. वर्षे प्रा० ज्ञा० मं. कर्मा सुत सीता भा० ऊनडू सुत कडूआकेन पितृश्रेयसे श्रीमहावीरबिंबं का० प्रति० श्रीसुविहितसूरिभिः ॥

२०८. सं. १६४९............श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० बृहत्तपागच्छे श्रीहेमविजयसूरिभिः ॥

२०९. सं. १८७३ वर्षे माघ शु. ७ शुक्रे उमावास्तव्यसमस्त संघेन म. श्रीविजयजिनेंद्रसूरि प्रति० तपागच्छे श्रीमहावीरबिंबं ॥

घर देरासरना.

२१०. सं. १५०१ वर्षे ज्येष्ठ शु. १० उपकेशज्ञा० श्रे० आजड भा० रामू सुत लखमण भा० राणी सुत माह छूटाकेन भा०

१९७. सं. १५३३ वर्षे [illegible] सु. ३ [illegible] [illegible] [illegible] सुत [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] सू. [illegible] सूरिभिः श्री[illegible] । श्री[illegible] ॥

१९८. सं. १३०२ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्रे० [illegible] पुत्र [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] हेतवे श्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंब का० प्र० [illegible] [illegible] सूरिभिः ॥ [illegible] ॥

१९९. सं. १६२४ वर्षे माघ सु. ६ सोमे [illegible] [illegible] [illegible] मा० [illegible] पुत्र [illegible] [illegible] मा० [illegible] पुत्र [illegible] कुटुंबयुतेन श्रीऋषभदेवबिंबं का० [illegible] सूरिभिः प्र० ॥

२००. सं. १३०८ वर्षे [illegible] सु. २ सोमे [illegible] [illegible] मा० श्रे. [illegible] पुत्र [illegible] मा० [illegible] पुत्र म. [illegible] निजश्रेयसे श्री[illegible]बिंबं का० प्र० श्री[illegible] श्री[illegible] सूरिभिः ॥

२०१. सं. १३११ वर्षे [illegible] वदि २ रवौ श्री[illegible] केरवा० [illegible] मा० [illegible] सु० [illegible] मा० [illegible] म० [illegible] मा० [illegible] कुटुंबश्रेयोनिमित्तं म. [illegible] श्रीनेमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमान-देवसूरिभिः ॥

२०२. सं. १४८६ वर्षे माघ सु. ४ शनौ श्री० ज्ञा० श्रे० [illegible] भा० [illegible] पुत्र सा. कामदेवेन भा० [illegible] स्वश्रेयोर्थं श्रीवर्धमान-बिंबं का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

२०३. सं. १५२७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ७ सोमे श्री० ज्ञा० म. [illegible] भा० आल्हदे सुत सं. नाथाकेन भा० [illegible] सु० शिवराज प्रमुख-कुटुंबयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्री[illegible]सूरिभिः॥

२०४. सं. १५६६ वर्षे माघ सु. ८ दिने श्रीश्री[illegible] [illegible] सीग भा० मुक्तादे सुत म० गणीआकेन भा० [illegible] सुत [illegible] मदन रंग । पेढ़ा । मदन कुटुम्ब अमरादि[illegible]युतेन श्री[illegible] बिंब का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

२०५. सं. १५१८ वर्षे वैशाख सुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमाल[illegible] सा. सामल भा० माहू पु० सांडण भा० [illegible] पु० [illegible] श्रीविविधयुतेन स्वश्रे० श्रीधर्मनाथबिंब का० प्र० श्री[illegible]सूरिभि [illegible] गच्छे ॥

२०६. सं. १५११ वर्षे माघ वदि १० गुरौ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] भा० [illegible] पुत्र [illegible] भा० [illegible] पुत्र [illegible] [illegible] बिंब का० प्र० तपाश्री[illegible]सूरिपट्टे श्री[illegible] ।

२०७. १४८८ सं. वर्षे प्रा० ज्ञा० व [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पुत्र [illegible] [illegible] श्रीपद्मप्रभबिंब का० [illegible] [illegible] सूरिभि ॥

२०८. सं. १६४९........श्री[illegible]बिंब का० प्र० [illegible] [illegible] श्रीहेमविमलसूरिभि ॥

२०९. सं. १८०१ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्रीविजयजिनेंद्रसूरि [illegible] [illegible] [illegible] ।

[illegible] देरासरजी

२१०. सं. १५०१ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] भा० [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

जीविणिपुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिभिः । स्तंभतीर्थवा० ॥

२११. सं. १४....ज्येष्ट....प्रा० ज्ञा० श्रे० वयरसी भा० लासू ....सुत........श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० घोघपुरीगच्छे श्रीहेमचन्द्रसूरिभिः ॥

२१२. सं. १५०६ वर्षे महावदि ६ प्रा० ज्ञा० रहा भा० मचकू पुत्र देवसिंहेन भा० चमकू स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० स। वृद्ध० गच्छे श्रीहीराणंदसूरि प० श्रीदेवचंद्रसूरिभिः ॥

शांतिनाथना देरासर.

२१३. सं. १५९८ वर्षे माघ शु. २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० सं. वयरसी सुत सं. सांमण भा० मानि सुत सं. भैरवेन सुत नारदादियुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिपट्टे श्रीरत्नदेवसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

२१४. सं. १५१५ वर्षे माघ शु. १ शुक्रे प्राग्वाट ज्ञा० दो० मांकट भा० मेघू तत्पुत्र दो० नाऊआ देऊआ कान्हा धर्माके मेघूश्रेयसे श्रीजिनस्वामिश्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमडाहडगच्छीय श्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

पाटण.

भाभापार्श्वनाथजीना देरासरनी धातुप्रतिमाना लेखो.

२१५. सं. १५१६ वर्षे माघ. वदि १ पल्लीवासि श्रीश्रीमालि श्रे० वरपा भा० धीमल्दे सुत आल्हा भा० मरघू सुत आसाकेन भा० अमकू मर्मा भ्रातृमल्सा भा० धनी सुत महिराजादिकुटुंबयुतेन श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥ श्रीराजतिलकसूरिः (पौर्णमी)

२१६. संवत् १५१६ वर्षे वैशाख शुदि ५ गुरौ ओसवालज्ञातीय श्रे० सिंहा भा० जसमादे पु० डामर भा० धर्मिणि पितामहपितामहीपितृमातृश्रेयसे सुतमोल्हाकेन भा० रानू सु० वेलासहितेन श्रीआदिनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीयम० श्रीपासचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

पंचतीर्थी.

२१७. संवत् १४८२ वर्षे माघ वदि ११ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय व्य० मेवा भार्या मेघूसुतेन व्य० आमसिंहेनात्मश्रेयसे आगमगच्छेशश्रीजयानंदसूरीणामुपदेशेन श्रीपार्श्वनाथादिपंचतीर्थी कारिता ॥ प्रतिष्ठिता श्रीसूरिभिः ॥ शुभं भवतु श्रीसंघस्य ॥

२१८. सं. १४९३ वर्षे वैशाख शुदि ६ बुधे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० दो० गोयल सुत काला भार्या कांकु सुत रत्ना भार्या रत्नादेसहितेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीजज्जग (श्रीमज्जग) सूरिपट्टे श्रीपज्जूनसूरिभिः ॥

२१९. संवत् १७६८ वर्षे वैशाख सुदि ५ तिथौ बुधवासरे उपकेशज्ञातीय लघुशाखायां भंडारी रूपजी तद्भार्या बाई लाडकी

जीविणिसुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदर-
सूरिभिः । स्तंभतीर्थवा० ॥

२११. सं. १४....ज्येष्ठ....प्रा० ज्ञा० श्रे० वयरसी भा० लासू
....सुत........श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० गोपपुरीगच्छे श्रीहेमचन्द्र-
सूरिभिः ॥

२१२. सं. १५०६ वर्षे महावदि ६ प्रा० ज्ञा० रहा भा० ममकू
पुत्र देवसिंहेन भा० षमकू स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० त।
वृद्ध० गच्छे श्रीहीराणंदसूरि प० श्रीदेवचंद्रसूरिभिः ॥

शांतिनाथना देरासर.

२१३. सं. १६६८ वर्षे माघ सु. ९ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० सं.
वयरसी सुत सं. सांगण भा० मापरि सुत सं. जेठाकेन सुत नरपतादियुतेन
भा० हरिसुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीवेगगच्छे श्रीगुणमेरु-
सूरिसंताने श्रीगुणनंदनसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

२१४. सं. १५१६ वर्षे माघ शु. ९ शुक्रे प्राग्वाटज्ञा० दो०
मांडण भा० मेघू तत्पुत्र दो० नाऊआ देऊआ काला प्रमुखैः मातृ
श्रेयसे जीवितस्वामिश्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमदागमगच्छीय
श्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

---

२२६. सं. १३१०........शुदि ८ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० उदा भार्या आल्हादेवि..........श्रीशांतिबिंबं कारितं श्रीबृहद्गच्छे श्रीमानदेवसूरिभिः ॥

२२७. संवत् १४१८ वर्षे द्वितीय वैशाख सुदि २ बुधे श्रीश्रीमाल महं. माला पुत्र देमाकः........श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० मलधारिश्रीरामदे- वसूरिभिः ॥

२२८. सं. १५४७ वर्षे पोष वदि १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० देमट भा० मेघू सु० मं० सलखाकेन भा० रांमी सु० हर्षा मेघा नागा आणंदादिस्वकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता ॥

२२९. संवत् १५१५ वर्षे शाकरवासि । व्य० मुंजा भा० माजू सुतसाजाकेन भा० रामति भ्रा० गोधा भा० वरजू सांडादेवादिकुटुंब युतेन स्व भा० माडाश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभि. ॥ (पंचतीर्थी.)

२३०. संवत् १५०२ वर्षे माघ वदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० गांधी मूंगा भा० लखिमिनाम्न्या परोक्षपुत्रिमलकमाईपुण्यार्थे श्रीसंभव- नाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारित श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लियश्रीपासचंद्रसूरिपट्टे श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

२३१. सं. १५०७ वर्षे माघ शुदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० धना भा० मानणि सु० हरिभखरणाभ्यां पि० भा० होलनि मित्त श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपू० भ० श्रीवीरप्रभसूरीणामु पदेशेन ॥ (पंचतीर्थी.)

२३२. संवत् १५३४ वर्षे वैशाख वदि २ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय

रूख भार्या भाई आदि तत्सुत मंडाणी ... भार्या मल्दे सुत मं० जगजीवन ममरोले श्रीऋषभदेवबिंब बिंबं कारापितं श्रीतीण (?) ... भट्टारकश्रीविनय स सूरि........विजयप्रतिष्ठिता पत्तननत्ये ... पंचतीर्थी.

२२०. सं. १४४९ वर्षे वैशाख शुदि ३ सोमे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० व्य० टीकम भार्या वीजल्देवि आत्मश्रे० श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥

२२१. ॥ स्वस्तिश्रीः ॥ संवत् १९७९ वर्षे वैशाखवदि १ गुरौ श्रीश्री० वंशे श्रे० मेघा भार्या पञ्चाई पुत्री कर्माई सुश्राविकया दो० सीहपाभार्यया भ्रातृ भीमा भगिनी देमि सहितया स्वश्रेयसे । श्रीविधिपक्ष श्रीसूरीणामुपदेशेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

२२२. सं. १४८९ वर्षे वै. व. ८ उकेशज्ञा० सा० गुणदत्त भा० पूनादे पु० रामाकेल भा० रमादे पु० ममधर खीमधरादियुतेन स्वभार्याश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

२२३. संवत् १९७२ वर्षे का. वदि ४ गुरौ उकेशवंशे सांटड-गोत्रे मं. तारा भार्या रमाई पु० मं. जगा भा० अञ्चादे सु० लक्ष्मीधरनोना मातृतातश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र. भावडहरागच्छे श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥ ईडरीग्रामे ॥

२२४. संवत् १६८१ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १३ बुधे पाटणवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीय दो० सुरा भार्या सद्गु सुत वघकु । श्रे० ॥ तपागच्छाले० श्रीविजयदेवसूरि दा० वधुआनामास्तत्यांन श्रीआदिनाथ.... ..

२२५. संवत् १९०१ वर्षे वैशाख शुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय मं० मेहाजल भार्या तेजू सुत धरणा भार्या जीविणि श्रीसंभवनाथ-बिंबं कारापितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना प्रतिष्ठितं नगादावनूरग्रामे ॥

२२६. सं. १३१०.........शुदि ८ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० ऊना भार्या आल्हादेवि...........श्रीशांतिबिंबं कारितं श्रीबृहद्गच्छे श्रीमानदेवसूरिभिः ॥

२२७. संवत् १४१८ वर्षे द्वितीय वैशाख सुदि २ बुधे श्रीश्रीमाल महं. मला पुत्र देमाक........श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० मलधारिश्रीराजशेखरसूरिभि ॥

२२८. सं. १५४७ वर्षे पोष वदि १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० देमट भा० मेघू सु० मं० सलखाकेन भा० रीमी सु० हर्ता मेघा लाला आणंदादिस्वकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथादिपंचतीर्थी आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता ॥

२२९. संवत् १५१९ वर्षे शाकरवासि । व्य० मुंजा भा० माजू सुतराजाकेन भा० रामति भ्रा० गोधा भा० वरजू साडादेवादिकुटुंबयुतेन स्व भ्रा० माडाश्रेयसे श्रीशंभवनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभि. ॥ (पंचतीर्थी.)

२३०. संवत् १५०२ वर्षे माघ वदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० गांधी मूला भा० ल्हाडिकिनाम्न्या परोक्षपुत्रिरत्नाईपुण्यार्थे श्रीसंभवनाथमुख्यपंचतीर्थी कारिता श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लियश्रीपासचंद्रसूरिपट्टे श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठिता ॥

२३१. सं. १५०७ वर्षे माघ शुदि १२ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० धना भा० माजणि सु० हरिभ्रमरणाभ्यां पि० भ्रा० होलानिमित्तं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपू० म० श्रीवीरप्रभसूरीणामुपदेशेन ॥ (पंचतीर्थी.)

२३२. संवत् १४२४ वर्षे वैशाख वदि २ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीय

रूम भार्या बाई त्याति तत्पुत मंत्री लालचंद भार्या मकदे सुत मंत्री जगजीवन समस्तेन श्रीऋषभदेवजिन बिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं (?) गच्छे भट्टारकश्रीविजय स सूरि........विजयप्रतिष्ठिता पत्तनमध्ये श्रीशांतिनाथ-चंतर्गार्थी.

२२०. सं. १४४९ वर्षे वैशाख शुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० टीम्म भार्या वीजल्देवि आत्मश्रे० श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥

२२१. ॥ स्वस्तिश्रीः ॥ संवत् १६७९ वर्षे वैशाखवदि १ गुरौ श्रीश्री० वंशे श्रे० मेघा भार्या पन्नाई पुत्री कर्माई सुश्राविकया दो० सीहराभार्यया भ्रातृ मीमा भगिनी देमि सहितया स्वश्रेयसे। श्रीविधिपक्षे श्रीसूरीणामुपदेशेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं। प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

२२२. सं. १४८९ वर्षे वै. व. ८ उकेशज्ञा० सा० गुणदत्त भा० पूनादे पु० रामाकेन भा० रमादे पु० समधर सीमवरादियुतेन स्वभार्याश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

२२३. संवत् १६७२ वर्षे फा. वदि ४ गुरौ उकेशवंशे सांटड-गोत्रे सं. तारा भार्या रमाई पु० सं. जगा भा० अजवादे सु० लक्ष्मी-धरनोना वातर्त्ताश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र. भावडहरगच्छे श्रीवि-जयसिंहसूरिभिः ॥ ईडरग्रामे ॥

२२४. संवत् १६८१ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १३ बुधे पाटणवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञातीय दो० सुरा भार्या सपु सुत वचकु। श्रे०॥ तपागच्छाधि० श्रीविजयदेवसूरि दा० वधुआनामाकृतर्वाचं श्रीआदिनाथ.... ....

२२५. संवत् १५०१ वर्षे वैशाख शुदि १३ गुरौ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय मं० मेहाजल भार्या तेजू सुत धरणा भार्या जीविणि श्रीसंभवनाथ-बिंबं कारापितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना प्रतिष्ठितं नपाडावनूरग्रामे ॥

२२६. सं. १३१०......शुदि ८ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीयश्रे० देदा भार्या आल्हादेवि:.........श्रीशांतिबिंबं कारितं श्रीबृहद्गच्छे श्रीमानदेवसूरिभिः ॥

२२७. संवत् १४१८ वर्षे द्वितीय वैशाख शुदि २ बुधे श्रीश्रीमाल मह. माला पुत्र देमाक........श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० मलधारिश्रीराजशेखरसूरिभि ॥

२२८. सं. १५४७ वर्षे पोष वदि १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० देमा भा० मेघू सु० मं० सळखाकेन भा० सीमी सु० हर्षा मेधा जाना आसादादिस्वकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथादिचतुर्विंशतीर्थी आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता ॥

२२९. संवत् १५१९ वर्षे शाकरवासि । व्य० मुंजा भा० माजू सुतवाछाकेन भा० रामति भ्रा० गोधा भा० वरजू सांडादेवादिकुटुंबयुतेन स्व श्रा० माडाश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभि ॥ (चंवर्तीर्थी.)

२३०. संवत् १५०२ वर्षे माघ वदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० गांधी मूला भा० लाडिकिनाम्न्या परीक्षपुत्रिकामलमाईपुण्यार्थे श्रीसंभवनाथमुख्यपंचतीर्थी कारिता श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लियश्रीपासचंद्रसूरिपट्टे श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठिता ॥

२३१. सं. १५०७ वर्षे माघ शुदि १२ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय व्य० धना भा० मानणि सु० हरिश्चमकरणाभ्यां पि० भ्रा० होलाइनिमित्तं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपू० भ० श्रीवीरप्रभसूरीणामुपदेशेन ॥ (पंचतीर्थी.)

२३२. संवत् १४३४ वर्षे वैशाख वदि २ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीय

श्रे० सोडा भार्या मेंदू पुत्र महणसिंहेन पित्रोः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं........श्रीधर्मघोषसूरिपट्टे श्रीरत्नचंद्रसूरिः ॥

२३३. सं. १६३९ वर्षे मा. शु. ९ गु. दोशा० श्रे० जूठा भा० अमकू सुत सं० सोनाकेन भा० बहुया सभार्या मरघू सुत नाथा-दिकुटुंब श्रे० श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० तपगच्छे श्रीलक्ष्मीसागर-सूरिभि ॥

२३४. सं. १२०८ ....श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता श्रीउद्योतनसूरिभि प्रतिष्ठिता ॥ (पंचतीर्थी)

२३५. संवत् १३१० वर्षे वैशाख शुदि ३ सोमे श्रीश्रीमाल ज्ञातीय [illegible] दोषी महिराज भा० [illegible] तथा [illegible] श्रेयसे श्री[illegible]बिंबं कारितं [illegible] प० श्री[illegible]सूरिभि प्रतिष्ठितं ॥ [illegible] ॥ (पंचतीर्थी)

२३६. संवत् १३८० वर्षे कार्तिक शु. १२ [illegible] (भद्र) [illegible] श्री[illegible] ...

[illegible] ॥

२३७. संवत् १३०३ [illegible] ...

[illegible] कारितं प्रतिष्ठितं [illegible]सूरिभि ॥

२३८. [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible]

२३९. सं. १५२४ वर्षे म. व. ५ रवौ पत्तनीयप्राग्वाटसमुदायेन श्रीचतुर्विंश॰ कारित प्रतिष्ठित. श्रीतपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि.॥ (पाषाणनी चोवीशी उपरनो लेख).

(आचार्यनी मूर्ति उपर १४२१ नो लेख छे.)

खजुरीना पाडामां मनमोहनपार्श्वनाथजीना गभारानी प्रतिमाना लेखो.

२४०. संवत १६६४ वर्षे पोष वद्य ७ बुधे........तपागच्छे [भगवाननी पाछला भागमां लेख होवाथी, थांभी शकाय तेम न होवाथी संपूर्ण लखेल नथी].... ....
(बीजी पाषाणनी प्रतिमाओने पण तेज सालनो लेख छे तेओने पण पाछला भागमां लेखो छे. तेथी अडधो भाग भींत लागतो होवाथी वंचाय तेम नथी.)

२४१. संवत् १५२१ वर्षे ज्येष्ठवदि ७ शनौ उमतग्रामि—उकेश-ज्ञातीय सा. वीमड भार्या लींवू सुत सा. धर्मकिन भार्या हेमाई पुत्रमहिपा-दिकुटुंबयुतेन स्वपितु॰ श्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरि—श्रीसोमदेवसूरिभिः ॥ (चोवीशी).

श्रे० सोढा भार्या मेघू पुत्र महणसिंहेन पित्रोः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं........श्रीवयरसेणसूरिपट्टे श्रीकमलचंद्रसूरिः ॥

२३३. सं. १६३६ वर्षे मा. शु. ९ गु. डीसा० श्रे० जूठा भा० अमकू सुत मं० मोनाकेन भा० चडूया स्वभार्या मवकू सुत नाथादिकुटुंब श्रे० श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

२३४. सं. १२०८..............श्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा कारिता श्रीउद्योतनसूरिभिः प्रतिष्ठिता ॥ (पंचतीर्थी)

२३५. संवत् १६१७ वर्षे वैशाख शुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय लघुसंतानीय दोसी महिराज भा० रूपिणि तया स्वभर्त्राऽऽत्मश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं द्विवंदनीकगच्छे भ० श्रीसिद्धसूरिभि प्रतिष्ठितं ॥ दांतरोडीग्रामे. ॥ (पंचतीर्थी)

२३६. सवत् १३८० वर्षे कार्तिक शु. १३ खरतरश्रीजिनभद्र (चंद्र) सूरिपट्टालंकार ... .श्रीजिनकुशल .... प्रतिष्ठितं. ॥

२३७. संवत् १३२२ माघशुदि ६.... .... श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवगुप्तसूरिभि ॥

२३८. सं. १५२१ वर्षे माघ व. ८ सोमे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० दो० कर्मसी भा० वनू सु० दो० लाडण भा० गांगी सु० कर्मण परिवारकुटुंबयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीशालिभद्रसूरिभि ॥ श्रीरस्तु ॥

(श्रीआणंदविमलसूरिए प्रतिष्ठा करेली एक धातुप्रतिमानी छे, पण अक्षर बराबर न वंचातां लेख लीधेल नथी. तेमज आ बीजी प्रतिमाओ पण लेख वंची शकातो नथी. एक उपर लेख नथी).

२३९. सं. १५२४ वर्षे म. व. ९ रवौ पत्तनीयश्राक्सलुरायेन श्रीकुंथुबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥ (पाषाणनी चोवीशी उपरनो लेख).

(आचार्यनी मूर्ति उपर १४२१ नो लेख छे.)

खजुरीना पाडामां मनमोहनपार्श्वनाथजीना गभारानी प्रतिमाना लेखो.

२४०. संवत १६६४ वर्षे पोष सुद ७ बुधे.......तपागच्छे [भगवाननी पाछळना भागमां लेख होवाथी, यांथी दाकाय तेम न होवाथी संपूर्ण लखेल नथी].... ....
(बीजी पाषाणनी प्रतिमाओने पण तेज साल्नो लेख छे तेओने पण पाछळना भागमांज लेखो छे. तेथी अडधो भाग भींत लगतो होवाथी वंचाय तेम नथी.)

२४१. संवत् १५२१ वर्षे ज्येष्ठवदि ७ शनौ उम्मतग्रामि–उकेशज्ञातीय सा. वीसल भार्या लीबू सुत सा. धर्मसिंह भार्या हेमाई प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वपितु श्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपाश्रीसोमसुंदरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरि—श्रीसोमदेवसूरिभिः ॥ (चोवीशी).

२४२. संवत् १५७० वर्षे माघ शुदि १० शनौ श्रीश्रीमाली ज्ञातीयमं० पाल्हणश्री भा० माउ पु० मं० अंबोडा भा० गुरदे पुत्र गागा भा० कर्मी पु० ३ मं० गणीया माणिक गांगा एतेषां गांगाकेन भा० टबकू पु० कान्हा प्रमुखीमहितेन स्वपुण्यार्थं श्रीनमिनाथमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः । प्रतिष्ठितः श्रीसर्वसूरिभिः । पाटणवास्तव्य ॥

२४३. संवत् १३२६ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे कुकडवाडावास्तव्य श्रीनागरज्ञातीयश्रे० राजा भा० रानल्दे सु० श्रे० नायाकेन भार्या रही प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः । प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरि–श्रीउदयवल्लभसूरि–श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥ (चोकसी)

२४४. सं. १४८९ वर्षे वैशाख शुदि ८ सोमे प्राग्वाटज्ञा० श्रेष्ठि पातल भार्या कील्हणदे सुत देवीकेन भार्या देवल्देसहितेन पित्रोः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं पूर्वसूरीणामुपदेशेन विधिना श्रावकैः ॥ (पंचतीर्थी)

२४५. सं. १३९० वर्षे ज्येष्ठ शुदि २ शुक्रे .... श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीविनयप्रभसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी)

२४६. सं. १४९९ वर्षे माह शुदि ६ उपकेशज्ञातीयमूरोटागोत्रे सा० मोल्हा भा० सिंगारदेनाम्न्या निजपुण्यार्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रति० श्री वृद्धगच्छे श्रीअमरप्रभसूरिपट्टे श्रीसागरचंद्रसूरिभिः ॥श्रीरस्तु॥ (पंचतीर्थी)

२४७. सं. १५१२ वर्षे आ० व० सोमे श्रीमालिज्ञा० मा० . ... श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं ॥ (पंचतीर्थी)

२४८. सं. १५०६ वर्षे वैशा० शु० ६ सोमे श्रीपत्तनवास्तव्य-मोढज्ञातीय ठ० गणीया भा० पाती सु० हेमराजकेन भा० सोनाई प्र-मुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं श्रीरत्नसिंहसूरिसंताने श्रीउदयसागरसूरिपट्टे श्रीधनरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥ श्रीरस्तु । श्रीवृद्ध-तपापक्षे ॥ (पंचतीर्थी)

२४९. सं. १३७१ वर्षे.... .... .. प्राग्वाट-ज्ञातीय पितृनामन मातृ नायकदेवि पुत्र तिहुणसिंह ... कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

२५०. सं. १५२८ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ श्रीमाल ज्ञा० श्रे० धारा भा० वालीनाम्न्या पुत्र महिराज भा० माल्हणदे कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि. कुतुब्धिवास्तव्य ॥ (पंचतीर्थी)

२५१. सं. १४२२ वर्षे वैशाख शुदि ११ बुधे नागरज्ञा० काठीयावीगोत्रे श्रे० रतिमसिंह भा० आल्हणदे पाल्हणदे श्रेयोर्थं सुत धायकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं .... ॥ (पंचतीर्थी)

२५२. सं. १५३० वर्षे माघ सुदि १३ सोमे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० सींमा भार्या अरघू पु० पंचायण गिरुआ भा० सोही पु० वछादि-कुटुंबसहितेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं । उएसगच्छे सिद्धाचार्यसंताने प्रतिष्ठितं श्रीसिद्धसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

२५३. सं. १४६६ वर्षे वैशा. शु. ३ सोमे श्रीअंचलगच्छेश श्रीमे-रुतुंगसूरीणां उप० श्रीपत्तनीय शा० सं० जयसिंह पु० आसापेन कांउना-म्न्याः स्वमातु श्रे० श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रति० श्रीसूरिभि ॥

२५४. सं. १५५२ वर्षे आषाढ शुदि २ रवौ वडलीवास्तव्य-प्राग्वाटज्ञातीय व्य० डोसा भार्या डाही सुताश्रीमल्हीनाम्न्या स्वश्रेयोर्थं

श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपागच्छनायकश्रीसुमतिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

२६५. सं. १३०५ वर्षे चैत्र वदि ६ प्राग्वाटज्ञा० ... . प्र० श्रीराजशेखरसूरिभिः (बाकीना अक्षरो वांची शकाया नथी.)

२६६. सं. १३०४ (एक प्रतिमा उपर बनाय छे.)

लींबडीमापाडामां मूलनायक श्रीशांतिनाथजीना गभारानी प्रतिमाओना लेखो.

२६७. सं. १६०४ महिसाणावासिप्राग्वाट सं० देवराज भार्या वर्जू पुत्र रणसी वाछा कीरणसी भार्या पूरी पुत्र रहिआकेन भ्रातृमाणिकादिकुटुंबयुतेन निजपितृश्रेयसे श्रीशांतिचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

२६८. सं. १२८७ वर्षे फागण शु० १० गुरौ भमेतु....सं० लखमदे सुत सं० पदम भा० हीलदा लघुभ्राता वाघा प्रणमति ॥ *

२६९. सं. १४९९ वर्षे फा० शु० २ प्राग्वाटज्ञातीय सं० पद्मा तिहुणा-कीका गदाभार्यया वीरुनाम्न्या स्वसुतथावरश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

२६०. सं. १५२७ वर्षे पौष वदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० देसल भा० हर्षू पुत्र २ गणीसु काला भा० धरणू स्वपितृलखमणनिमित्तं।

फाजाकेन श्रीनमिनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीकमलचंद्रसूरिपट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभि ॥ (पंचतीर्थी.)

२६१. सं. १५०३ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १० बुधे पूज्यश्रीजयकीर्तिसूरिपट्टे श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीमालज्ञातीय सा० गांगा भार्या गंगादे पुत्र सा० आमा भार्या उमादे पुत्र सा० सहसा सुश्रावकेण भार्यासंसारदेसहितेन स्वश्रेयोर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० श्रीसंघेन प्र० ॥ (पंचतीर्थी)

२६२. सं. १२४८ वर्षे वैशाख शुदि २ बुधे श्रीनाणकीयगच्छे पुंनड भार्या कडूयनिमित्तं पउवदेवादिपुत्रैः चन्द्रप्रभप्रतिमा कारिता प्रतिष्ठिता श्रीशांतिसूरिभिः ॥ छ ॥

पंचतीर्थी.

२६३ स १५१० वर्षे फागण व. २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० बाइधर्मा... ...सावर्जां आत्मश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० सद्गुरु...न प्र० विधिना ... भरसी पूनति ॥

२६४ स. १५१८ वर्षे माघ शु. ९ बुधे उकेशशुभगोत्रे श्रे० पूनड भा० पनी पुत्र सा० धरमणेन भार्या धर्मादे धर्मपुत्र सा० सुमग भार्या सरूकदे सुत नेमादिकुटुंबयुतेन श्रीअष्टमतीर्थंकरबिंबं कारित प्रतिष्ठित श्रीसूरिभि. ॥ श्रीसिद्धपुरवा० ॥

२६५. सं० १६२४ वर्षे फागण शुदि २ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० गोत्र भ ० बाई हीराई पुत्र श्रेष्ठि राना भार्या बाई कीकाई ... रायमल भार्या बाई मंगाई स्वकुटुंबेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंब का० श्रीहीरविजयसूरिभि प्र० श्रीस्तंभ० ॥

२६६. सं १४७६ वर्षे चैत्र वदि १ शनौ श्रीश्रीमाल... ... भा० अरमादे पु० ... भा० रत्नादे श्रेयसे ... ...नाथबिंबं का० प्र० श्री० पिप्पलगच्छे श्रीगुणचंद्रसूरिपट्टे श्री...

(एक पंचतीर्थी उपरथी अक्षरो उडी जवाथी. बराबर वांची शकाय तेम नथी.)

२६७. सं. १६२२ वर्षे माह शु. ९ शनौ श्रीप्राग्वाटज्ञा० सं० चांगा भार्या गोरी सु० सं० मावडकेन भार्या धन्नूदेसहितेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीबृहत्तपापक्षे भट्टा० श्रीजिनरत्नसूरिभिः ॥ श्रेयो भवतु. ॥ (पंचतीर्थी)

२६८. सं. १५१२ वर्षे फागण शु. १२ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० धर्मसी भा० सपूरदे सुत वस्ता वानरनामणसहितेन पितृमातृसर्वपूर्वजश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र०.... ....पिप्पलगच्छे भट्टा० श्रीउदयदेवसूरिभि. । काकरवास्तव्य. ॥

२६९. सं. १५०६ वर्षे माघ शुदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० सं० गोमाद भा० वा० मरकू सु० सं० भोलाकेन पित्रो. श्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० विद्याधरगच्छे श्रीविनयप्रभसूरिभि ॥

२७०. सं. १५२५ वर्षे फागण शुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० पोता भा० रूडी सु० मोकलकालाभ्यां पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० मडूकरगच्छे भ० श्रीधनप्रभसूरिभिः॥ तालध्वजनगरे ॥

२७१. सं. १६७९ वर्षे वैशाख शु० ६ शुक्रवारे पत्तनवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय सा. पदमा भा० धारी सु० सा. अमा भा० सुरमदे स्वश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीबृहत्तपापक्षे भ० श्री...............

२७२. सं. १६७२ वर्षे माघ शुदि १३ रवौ श्रीपत्तनवास्तव्य वृ० श्रीमालज्ञा० दो० मेघा भा० धनाई सु० दो० जीवा दो० कुंअरजीभ्यां स्वपितृश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे भ० हीरविजयसूरिपट्टे भ० श्रीविजयसेनसूरिपट्टे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सु० रीदा धरणा नारद संघा श्रीशांतिनाथबिंबं का० श्रीमलधारगच्छे भ० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः प्र० साकरीआ चांगा ॥

२८०. सं. १५११ वर्षे चैत्र वदि ४ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञातीय श्रेष्ठि वरसा भार्या वानू....तत्पुत्र डाहाकेन मातृपित्रोः श्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं........श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीसमरचंद्रसूरिपट्टे श्रीदेवचंद्रसूरिभि ॥

२८१. सं. १५७९ वर्षे वै. शु. ६ सो. श्रीपत्तनवास्तव्य श्रीश्रीमालिज्ञातीय दो० हासा भा० लखी सु० दो० कीका भा० माल्हणदे सु० लक्षणकेन ज्ये० भ्रा० दो० मादा अवन भ्रातृ दो० सहस्रकिरणयुतेन भा० मरकी प्रमुख कुटुंबपरिवृतेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं वृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीधनरत्नसूरि....श्रीसौभाग्यसागरसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

२८२. संवत् १५३३ वर्षे पोष शुदि पूर्णिमा सोमे प्राग्वाट को० मादा भा० सोमी पुत्र को० हादाकेन मा० राजू सुत महिपा नीवा जांजणादियुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि' कुमरगिरिनगरे ॥ ....

२८३. सं. १५३० वर्षे माघ शु. २ दिने प्राग्वाटज्ञा० श्रे० वाघाकेन भा० कपूरी पु० गेला जावड वीरा हरदास भा० मानू राणी वींजू हांसलदे पौत्र वरजांग प्रमुखकुटुंबसहितेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ कुमरगिरौ ॥

२८४. सं. १५२७ वर्षे कार्त्तिक वदि २ शनौ श्रीमालज्ञातीय श्रे० मादा भार्या लालू सु० कान्हेण भार्या मानू पु० महिराज सहितेन स्वभ्रातृपित्रृ व्यपूर्वजनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रति० चैत्रगच्छे धारणपद्रीयभट्टारकश्रीज्ञानदेवसूरिभिः ॥ धोलेरामामे ॥

२८५. सं. १५१५ वर्षे माघ शुदि १ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० वरसी भा० लष्मादे सु० वानर भा० मेंडू सु० गहगाकेन पितृमातृ आत्मश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंब का० प्र० श्रीपुणकरगच्छे भ० श्री धनप्रभसूरिभिः । पाररौवा० ॥

२८६. सं. ११८८ वर्षे फागणशुदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० मेरा भा० राय .माणकदे स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंब कारापितं प्रमाणगच्छे श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

२८७. सं. १५१९ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० आल्हा भा० वरणू सुत व्य० मेहारयेन भा० धनी सुत ९ हामा मरमा साल्हा बहूरा रत्ना प्रभृतिकुटुंबयुतेन स्वपितृमातृश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं पू० श्रीपुण्यरत्नसूरीणामु० का० प्रति० विधिना ॥

२८८. सं. १४१३ वर्षे ज्येष्ठ वदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० लखमे भा० संपूर्णा पु० सोवा भा० सूगिरि पितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे त्रिभवीया श्रीधर्मसवरसूरिपट्टे श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥

२८९. सं. १९२३ वर्षे फा. शु. ८ बुधे श्रीमालज्ञातीयसा. रत्ना भा० पूरी सुता पहूती नाम्न्या भर्तृवर्गागसहितया आत्मश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

२९०. सं. १४९१ वर्षे ज्येष्ठ वदि ८ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० सिंहा भा० माधलदे सुत सं० जांजणेन सुत सं. माल्हट भा० तिलकूसहितेन पितृपितृव्यनिमित्तं स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० पू० श्रीसाधुरत्नसूरिभिः ॥

२९१. सं. १५५७ वर्षे वैशाख शुदि ६ शुक्रे श्रीओसवाल ज्ञा० मंडोवरागोत्रे सा० कमला भा० कमलादे । पु० सा० कुंरा

भा० कपूरदेम्या आत्मश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीपुण्यवर्द्धनसूरिभिः ॥

२९२. सं. १५२० वर्षे पोष वदि ५ गुरौ श्रीऊकेशवंशे काकरेचे म० मामी भा० मपाड़ी पुत्र सा० देवसिंहभार्या० भा० मनरंदे पुत्र सा० रूपा सा० पांचा भा० श्रीकुटुम्बयुतेनसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

२९३. सं. १४७८ वर्षे कार्तिक वदि सोमे... ....
श्रीआदिनाथबिंबं... . ...श्रेयसे ...प्रमादसिंहो ...
का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

२९४. सं. १५२९ वर्षे ...ज्ञातीय श्र० पूना भार्या पुन्दे पु० श्र० ईसाकेन स्वपितादिश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं श्रीरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

२९५. सं. १५३६ वर्षे वै० व० ११ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० ... भा० टबकूपिणोर्ग [illegible] भा० ...श्रेयसे श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्र० मधाहगच्छे श्रीसागरनिधान सू०

[illegible] श्रीशांतिनाथ-जीका मन्दिरमें [illegible] धातुकी प्रतिमाके लेख

२९६. सं. १५०५ वर्षे ज्येष्ठ सु० ... [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ... [illegible] ([illegible])

२९७. सं. १६१७ वर्षे पोष सुदि १२ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मह. भारद भार्या नायकदे सुत महं० गोडा भा० रमादे द्वितीयभार्या धना देकेन श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे भ० श्रीउदयरत्नसूरीणामुपदेशेन प्र० छींपाखा वा० ॥ (चोवीशी).

२९८. सं. १५८० वर्षे ज्येष्ठ सुदि १२ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० धोषा भा० श्रीमल्हदे सु० भीमा भा० मानभमतु विणिसुत। वेणउ रूडउ श्रीपाल भाणु रूपा भा० रमादे आत्मकुटुंबश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० श्रीखरतरपद्रुतगच्छे भ० श्रीगुणिप्रभसूरि तत्पट्टे श्रीमाणिक्यप्रभसूरिभिः प्रति. ॥ बुढासांवला.॥ (चोवीशी).

२९९. सं. १५७२ वर्षे का० व० ७ शनौ ओसवालज्ञा० हीरगोत्रे व्य० धेधा भा० देवलदे सु० नांगा भा० शाडी पितृमातृ आत्मश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिं० का० पूर्णिमापक्षे भीमपल्लीय श्रीपासचंद्रसूरिपट्टे श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्र० विधिना श्रीअहिम्मदावादवा० प्र० नरपति उदराज सिंघराज ॥ (पंचतीर्थी)

३००. सं. १५१९ वैशाख वदि ११ शुक्रे देवश्रीपार्श्वनाथबिंबं हरसीहश्रेयोर्थं. (पंचतीर्थी).

३०१. सं. १५१९ वर्षे माघ सुदि १५ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० धोना सुत रुपा भा० साहू सुत तेजा भरतदयो पितामह पितृव्य माल्हणदे० श्रीनमिनाथमुख्यपंचतीर्थी का० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीराजतिलकसूरीणामुप० प्रति० श्रीसूरिभिः उदिरा वा० ॥ (पंचतीर्थी.)

३०२. सं. १५१५ वर्षे कार्तिक वदि १४ शुक्रे श्रीभावडारगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० धीणा भा० रूपादे पु० माला भोजी देवासहितेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० मातृपितृश्रेयसे श्रीपु० कालिकाचार्यसंताने पु० श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

३०३. सं. १५५२ वर्षे माघ व. १२ बुधे प्रा० ज्ञा० श्रे० महिराज भा० अधकू पुत्र श्रे० हांसाकेन भा० नंगी पुत्री रूपाई सोनाई कीबाई भ्रा० हलादिकुटुंबयुतेन श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीचंद्रगच्छे श्रीवीरदेवसूरिभिः श्रीमति पत्तननगरे ॥ (पंचतीर्थी).

३०४. सं. १५१७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ९ वायडज्ञा० श्रे० गोइंद भा० सूहवदे सु० श्रे० वरसिंग पुत्र० श्रे० देपा पत्न्या श्रीनाथीनाम्न्या श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखर-सूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ पत्तने वास्तव्य. ॥ (पंचतीर्थी).

३०५. सं. १५२३ वर्षे वैशाख वदि १ सोमे उपकेशज्ञा० गृती पितृ जाणा मातृ मंदोअरि वृद्धभ्रातृनगानिमित्तं धृतिनाथाकेन भा० नारिंगदे पु० विनादियुतेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षे भीम-पल्लीय भ० श्रीपासचंद्रसूरिपट्टे श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्र. श्रीपत्तन वा० ॥ (पंचतीर्थी.)

३०६. सं. १५०९ वर्षे का. व. ३ शनौ श्रीनागरज्ञा० श्रे० रागा भा० रत्नादे सु० श्रे० पाताकेन भा० हीरू पु० आंबा रीमा हरिदासव्यमहितेन श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसंभ-वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥ (पंचतीर्थी.)

३०७. सं. १५१९ वर्षे वैशाख वदि १० शुक्रे श्रीश्रीमाल-ज्ञा० श्रे० हीमा भा० तिलू सु०....धणपाल भा० पूतलीमहितेन स्व पितृमातृभ्रातृश्रेयसे श्रीनमिनाथपंचतीर्थीबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे भ० श्रीमुनिनिधिसूरिपट्टे श्रीअमरचंद्रसूरिभिः ॥ रोगूआमामवास्तव्य. ॥

३०८. १५०७ वर्षे वै. वदि २ गुरौ प्रा० ज्ञा० सं० रंग भा० मानू पु० कर्मसी भा० संपूरी....पितृमातृभ्रातृराउलश्रेयसे श्रीनमि नाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपागच्छे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

२०९. सं. १५०६ वर्षे वैशाख शु. १० गुरौ गूर्जर० श्री० गोराद भा० माई पितृमातृश्रेयसे सुत [illegible] श्रीशीतलनाथबिंब का० श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीय भ० श्रीजयचंद्रसूरिणामुपदेशेन प्र० ॥ (पंचतीर्थी).

२१०. सं. १५५१ वर्षे पोष शु. १६ शुक्रे श्रीपत्तने श्रीश्री वंशे श्रे० सांगा भा० धाम्मी पुत्र [illegible] भा० [illegible] पुत्र प० [illegible] प० [illegible] भा० पूराई पु. [illegible] भा० [illegible] प्रमुखकुटुंब स० सद्गुणसमुदायपरिवारयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन का० प्र० श्रीसंघेन [illegible] ॥ (पंचतीर्थी)

२११. सं. १५११ ज्येष्ठ वदि ९ शु. श्रीपत्तने प्रा० ज्ञा० श्रे० [illegible] ठाकुर सु० पाल्हा भा० कुतिगदे [illegible] श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० [illegible] श्रीसागरतिलकसूरिभिः

२१२. सं. १५६० वर्षे आषाढ वदि ८ श्रीउपकेशज्ञातौ श्रे० [illegible] भा० आल्हणदे पु० भीम भा० [illegible] पु० [illegible] पुत्रेण कुटुंबश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं ॥ प्र० श्री[illegible] श्रीकक्कसूरिभिः ॥

२१३. सं. १५८८ वर्षे वैशाख सुदि ६ प्रा० ज्ञा० श्रे० [illegible] भा० [illegible] सुत [illegible] भा० [illegible] सुत [illegible] [illegible] श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्रति० श्री[illegible]सूरिभिः [illegible] ॥ (पंचतीर्थी).

२१४. सं. १६०० [illegible] [illegible] [illegible] ॥ (पंचतीर्थी)

३१५. सं. १३०० श्रीआदिनाथपंचतीर्थी का० प्र० (बाकर अक्षरो वंचाता नथी.)

३१६. सं. १२२२ माघ शु. ८ पार्श्वनाथपंचतीर्थी.....,

३१७. सं. १२७९ माघ वदि ६ ... .
... . श्रीआदिनाथबिंबं.

३१८. सं. १४६६ वर्षे वैशाख शुदि ३ सोमे प्रा० ज्ञा० व्य०... .. ..पिरपालेनात्मश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० मंडागच्छे श्रीपासचंद्रसूरिभिः ॥

३१९. सं. १३१४.... ....
श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीगुणाकरसूरिशिष्यैः श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥

३२०. सं. १३९४ वर्षे वैशा. शु. २ शनौ प्राग्वा० व्य० माल्हा भा० मूहलदे सुत:राना हापाकेन पितृनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्री श्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० सिद्धान्तिकगच्छे श्रीमुनिसिंहसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

.... श्रीमहावीरबिं० का० प्रति ॥

३२१. सं. १४३२ वर्षे फागुन शुदि ३ शुक्रे ओसवालज्ञा० श्रे० मदा भार्या तेजल्दे सुत वदमसी सांगा तेषां श्रेयसे सुतदेवसाहितेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीवृन्दगच्छे सैद्धान्तिकश्रीनागचंद्रसूरिपट्टे श्रीअभयचंद्रसूरिभिः ॥ शान्तम्. (पंचतीर्थी).

३२२. सं. १३१७ वर्षे वैशाख वदि.. .....शनौ अद्येह श्रीमदणहिल्लपाटके श्रीमदडगच्छे श्रीमाडज्ञा० ग्यवरीय श्रे० रामहुमार सु० श्रे० टरायवर्धे पुत्र सोमाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रति० श्रीमाचंद्रसूरिभि ॥

२५३. सं. १५०९ वर्षे माघ शु १० शनौ प्रा० ज्ञा० श्रे० भीमा भा. भली पुत्र श्रे० ...केन भार्यामाणिकिपुत्रेन स्वश्रेयसे श्रीम जिननाथबिंबं का० प्र० श्रीमाधुपूर्णिमापक्षे श्रीरामचन्द्रसूरिपट्टे श्रीपुण्य चंद्रसूरिणामुपदेशेन विधिना श्रावकैः ॥ (पवनतीर्थी)

२५४. सं १५१७ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ९ गुरौ प्रा० ज्ञा० सि] ह० हरपाल श्रेयोर्थं पुत्र ह० धर्मणेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवडगच्छे श्रीमानदेवसूरिभि ॥ (पंचतीर्थी)

२५५. सं. १५१६ फागण शु. ६ ...
श्रीब्रह्माणगच्छे का० प्र० श्रीवीरसूरिभि ॥ (पंचतीर्थी ..

२५६. सं. १४८०, वर्षे फाल्गुन वदि ५ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० पाल्हेणेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि ॥ श्रीपा... तीयेन पुत्र आसाकेन ॥ (पंचतीर्थी)

२५७. सं. १५४० ....गुर्जरज्ञातीय.......... .
श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिणामुपदेशेन ... .

२५८. सं १५७१ वर्षे आषाढ शुदि ९ रवौ श्रीधर्मनाथ...
द ....श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० ॥

२५९. सं. १५७४ ज्येष्ठ शुदि १६ श्रीश्रीमालज्ञातीय ...
श्रा० ...विजेयसे पुत्र अर्जुनेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० ।

२६०. सं १५०५ वर्षे ज्येष्ठ शु. १० रवौ प्रा० ज्ञा० ....
....का० प्र० श्रीरत्नशेखरसूरिभि ।

२६१. सं १५५० वर्षे चैत्र शु. ९ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० ...
... ...श्रीविमलनाथ... का० प्र०
श्री... ...सूरिणामुपदेशेन ।

३३२. सं. १७९८ वर्षे वैशाख शुदि ६ गुरौ अणहिल्लपुर वास्तव्य श्रीश्रीमाल्ज्ञातीयवृद्धशाखायां सा० श्रीसुंदरदास सुत कपूरचंद्र निजपितृश्रेयोर्थे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० पूर्णिमापक्षे भ० श्री० ५ श्रीमहिमाप्रभसूरिभिः प्रति०.... ॥

३३३. सं. ....

३३४. सं. १४०९ वर्षे ज्येष्ठ वदि ९ रवौ कंबोइवा० श्रीमाल्ज्ञा० पितृव्य वयरा भा० वउल्दे श्रे० सुत....पुनाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीउदयाणंदसूरीणामुपदेशेन प्रति० ॥

३३५. सं. १३८० वर्षे वैशा. शु. १० रवौ श्रे० महा भा० महणदे पुत्र कर्नसीह कडूआकेन श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीविनयसेनसूरिभि. ॥ (पंचतीर्थी).

३३६. सं. १३७९ ....कमल प्रभसूरीणामुपदेशेन श्रीआदिनाथबिं० का० प्र० ....

....का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

३३७. सं. १९१३ वर्षे ....वदि ८ शुक्रे.... ....श्रीशांतिनाथबिंबं का० श्रीबृहद्गच्छे श्रीजिनचंद्रसूरिपट्टे श्रीरामचंद्रसूरिभि ॥

३३८. सं. १४३७ वर्षे माघ शु. २ सोमे श्रीमाल पितृ भ्रात मातृ आमल पितृव्य नरपाल लीमउ....श्रीपार्श्वबिंबं सुत भाणेन का० प्र० नागेन्द्रगच्छे श्रीरत्नसूरिभि ॥

३३९. सं. १४२९ वर्षे वैशाख शुदि ११ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० वणिरस्य पेथडेन भा० प्रथमसिरिश्रेयोर्थं श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीललितप्रभसूरीणामुपदेशेन ॥

२४०. सं. १४१२ वर्षे ज्येष्ठवदि १३ श्रीमवाल्ज्ञा० विनायक।५। गोत्रे सा० सुहडसीह भा० सुहागदेवि ममादे पु० वीरसेन भ्रातृ स्वीम निमित्तं श्रीवासुपूज्यबिंब का० प्रति० रुद्रपल्लीयश्रीगुणचंद्रसूरिभि ॥

२४१. सं. १४३३ . . . .श्रीशांतिनाथ-बिंबं का० प्र० ब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिभि ॥

२४२. सं. १२९३ वर्षे कमलसूरि (गच्छे) श्रेष्ठि मामधर पुत्र महदेव पार्श्वनाथबिंबं का० ॥ .

२४३. सं. १३७० वर्षे मडाहडीयगच्छे श्रे० उदा भा० मामव पु० अभयसीहनिमित्तं गाहपा भा० पाल्हणदेपुत्रेन श्रीआदिनाथबिंब का० प्र० श्रीचक्रेश्वरदेवसूरिपट्टे श्रीशांतिसूरिभि ॥

२४४. सं. १५१६ वर्षे माहवदि ७ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय म. मादण भा० माल्हणदे सुत मं. भास्वर भा० बरधी पित्रो: श्रेयसे पुत्र म. देवसीकेन श्रीविमलनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमागच्छे श्रीमत्पल्लीयप० श्रीभावचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीचारित्रचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्रति० पाटलाग्राम वास्तव्य. ॥

२४५. सं. १५१७ वर्षे फागुण सु. ९ गुरौ श्रीमवाल्ज्ञा० पितृव्य कान्हा सा. पितृ पाल्हेयोर्थ भ्रातृ पु० आसेन श्रीनमिनाथबिंब का० श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरीणा पट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदे-शेन प्रति० श्रीविधिन ॥ वासीसांडूना० ॥

२४६. सं. १५५८ वर्षे माघ सुदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० गेला भा० रांडू सुत मांगाकेन भा० रूडू सु० वर्द्धमानादिकुटुंब-युतेन स्व० आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारित० श्रीपूर्णिमापक्षीय श्रीगुणधीरसूरि पट्टे श्रीलब्धिसुंदरसूरी-यां प्र० विधिना । वदोदिवास्तव्य ॥

३४७. सं. १३४९ वर्षे वै. शु. ११ ....
श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० धना पुत्र श्रे० विजयसीह श्रीपाल्हदेवसूरिशिष्य श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी.)

३४८. सं. १५१२ वर्षे फागण शुदि ८ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय श्रे० माईआ भा० माणिकदे सु० मालिगकेन पितृमातृश्रेयोर्थं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्रति० श्रीनागेन्द्रगच्छे भ० श्रीगुणसमुद्रसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी.)

३४९. सं. १५१६ वर्षे वैशाख शुदि ३ श्रीश्रीमालज्ञा० सं० भीमा भा० भावल्हदे सुत जांजणेन भा० धारु सुत अदादिकुटुंबयुतेन पितृव्यनायकश्रेयसे श्रीमहावीरबिंबं का० प्रति० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ मुंजिगपुरवास्तव्य. ॥ (पंचतीर्थी.)

३५०. सं. १५१८ फा. शु. ११ गुरौ ऊकेशज्ञा० सं० माधव पत्न्या मा० नोंडा भा० हमीरी सुतया मारूनाम्न्या सुत मोनपाल वानर वस्ता सायरा स्वकुटुंबयुतया श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपाश्री सोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । वृद्धनगरवा० ॥

३५१. सं. १४९२ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ३ सोमे उपकेश० कनउजगोत्रे घूपीया शाखीया के० धना सुत मोनाकेन निजमातृ. सभादेव्या निमित्तं श्रीआदिनाथबिंबं का० उप० ककुदाचार्यसंताने प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी.)

३५२. सं. १३९४ वर्षे चैत्र व. ८ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० आमसा भा० प्रागल्हदे पुत्र गोराकेन मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीमहावीरबिंबं का० श्रीविजयप...सूरीणामुपदेशेन प्रति० ॥

३५३. सं. १२९१ वर्षे प्राग्वाटज्ञा० मूरपाल मातृ लाछा श्रे०

सु० पाल्हाकेन श्रीऋषभनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीरत्नाकर-सूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी.)

२५४. स. १२८८ वर्षे ज्ये० शु. १२ बु. गुर्जरज्ञा० ठ० काङ्ग सुत ठ० रत्नाकेन पितृश्रेयोर्थं [पार्श्वनाथ] बिंबं का० प्र० श्री चंद्रप्रभसूरिशिष्यैः श्रीजिनेश्वरसूरिभि ॥

२५५. सं. १४२९ वर्षे पोष वदि ८ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० आमा भा० .. .. दे श्रेयसे० सुत हादाकड्आभ्यां श्रीशांतिनाथबिंब का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥ मल्लापुरी. ॥

२५६. सं. १२८० वर्षे ज्येष्ठ शु. १० प्रा० ज्ञा० श्रे० बुरा पुत्र माल्हाभोगणाभर्तापित्रोः श्रे० आदिनाथबिंबं का० प्र० श्री श्रीभ द्रदि. ..सूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी.)

२५७. सं. १४०२ वर्षे वैशा. शु. २....पीपाडगोत्रे ठ० लाला पुत्र ठ० मांडा ठ० उदेमलेन माता नीमल्दे श्रे० श्रीआदिनाथबिंब का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीधर्मदेवसूरिभि. ॥

२५८. सं. १२९९ ... .

२५९. सं. १४४७ वर्षे फागण सुदि ८ सोमे प्रा० ज्ञा० मंत्री मेघा भा० मीणलदेविश्रेयोर्थं सुत मं० परबतेन पितृमातृश्रेयसे श्रीपद्मप्रभपंचतीर्थी श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीरत्नाकरसूरिपट्टे प्र० श्रीरत्नप्रभसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी.)

२६०. ... .
श्रीपार्श्वनाथबिंबं.

२६१. सं. १६८३ वर्षे ज्येष्ठ शु. ९ गुरौ श्रीपत्तननगरे श्रीश्रीमालज्ञातीय मेघिराजपंद भार्या सोभागदे पुत्र वगमसी भार्या टबकं तस्या

पुत्र पदमसी नाना तथा ममस्त कुटुंबयुतेन श्रीआगमगच्छे भ० श्रीकुलवर्द्धनसूरीणामुपदेशेन श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० ॥

३६२. सं. १४६६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ८ सोमे उपके ज्ञा० मह० मोगण भा० मीगारदे पु० मल्यसिंहेन भ्रातृ वाछू भ्रातृजाया वन्दगदे श्रे० श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्नसूरिभि ॥

....[श्रीपार्श्वनाथ].... ....

३६३. सं. १५३५ वर्षे मार्ग शु. १३ शुक्रे श्रे० वाछा भा० रंगी पुत्र वेला भा० मान्ह स्वश्रेयोर्थ श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन प्र० श्रीसंघेन. ॥

३६४. सं. १४८४ वर्षे वैशाख शुदि ८ शुक्रे श्रीश्रीमाळज्ञा० साह माल्हाकेन स्वभार्याअमकूश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीसोमचंद्रसूरिभिः ॥

३६५. सं. १४३७ वर्षे फागुण शु. २ शुक्रे ओसवालज्ञा० श्रे० देल्हा० भा० देवला पुत्र धारणिगनिमित्तं श्रीनमिपंचतीर्थी का० प्र० श्रीनन्नदेवसूरिभिः ॥

३६६. सं. १४६१ ज्येष्ठशुदि १० शुक्रे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० कालू भा० कपूरदे सुत तुणाकेन पित्रोः श्रे० पितृव्यसुत भ्रातृ मेहर पुत्र अरसीश्रेयसे च श्रीवासुपूज्यबिंबं का० पिप्पलगच्छे प्र० श्रीमानतुंगसूरिभिः ॥

३६७ सं. १४८६ वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० ....मातृभावल्देश्रेयोर्थं सुतसीमाकेन श्रीधर्मनाथबिंबं प्र० श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीमासुन्दरसूरीणामुपदेशेन प्र० श्रीसूरिभि ॥

३६८. सं. १४९९ वर्षे वैशाख व. २ उकेशवंशे वरलवास्तव्य

भण० पेथड भा० हर्मादेव्या पुत्रीअर्जीतमांईमहितया निजमातृश्रेयसे श्रीअभिनन्दनबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि ॥

.... श्रीपा-
र्श्वनाथबिंबं

१६९. सं. १५१३ वर्षे वैशाख सुदि ० गुरौ श्रीश्रीमाल० ठाकुरसी सुत रत्ना भा० रा. हीरु ... श्रीजिनाथ...
का० प्र०.... ... ...

१७०. सं. १५१९ वर्षे ज्येष्ठ सु. ५ प्रा० ... श्रीमाल ... भा० गंगू पुत्र पुना कुता भा० जीविणि देउ प्रमुख... निजश्रेयोर्थं श्रीवि मलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीसुमतिसुन्दरसूरिशिष्यश्री...
सूरिभिः पाल्हणपुरग्रामे. ॥

१७१. सं. १५२८ फा. सु. २.... ....
भ्रात मनर्ता....... जाल केन महावीरबिंबं का० प्र० ॥

१७२. सं. १५८१ वर्षे वैशाख सु. ६ रवौ उपकेश० ... गो० सा० बाला पु० रत्ना भा० पांची पु० देपाल... श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे भ० श्रीमलयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीपद्मशेखरसूरिभि ॥

१७३ सं १६६४ वर्षे श्रे० ... भा० ... पुत्र ... ... श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्रति० ... सूरि...सूरिभि ॥

१७४. सं. १६६८ वर्षे वैशाख ... ...
. . ...भार्याकेन ... श्रेयसे श्री... बिंबं का० प्र० ... श्री...सूरि...

श्रावकेण भा० गांगी द्वितीयभार्या श्रा० जीवा वस्तांगज प्रमुखपरिवारसहितेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीजिनरत्नसूरिपट्टालंकारैः श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥ (कोशीटी.)

३८९ सं. १५७८ वर्षे माघ वदि ९ सोमे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० मं० मालदे भा० रंगी पु० मं० वस्तांगेन भा० जीवू पु० मं० रान्हे मं० मेघराजादिमिलनकुटुंबयुतेन स्वकारापितेन धर्मभगिनी श्रा० मंजुगंगगे श्रीविमलनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षे भीमपल्लीयभ०श्रीमानिक्यचंद्रसूरिपट्टे भ०श्रीमुनिचंद्रसूरिणामुपदेशेन प्र० पत्तना० ॥ (पंचासरी.)

३८६. सं. १६३० वर्षे पोष वदि ४ सोमे श्रीगोरस्वाग श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० देवराम भा० श्रा. देवाइदे पु० सं० भवा श्रीपद्मप्रभबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

पाटणना लेखो पूर्ण थया.]

([illegible] प्रतिमा उपर सं. १४९२ [illegible] [illegible])

मातरा.

[illegible] देरासरनी प्रतिमाओना लेखो

[illegible]

२८८. संवत् १७८२ वर्षे मार्ग शु ९ अचलगच्छे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० वर्धमान पुत्र माणिक्यचंद्रेण श्रीविमलनाथबिंब का० प्रतिष्ठितं... .....श्रीविद्यासागरसूरीणामुपदेशेन ॥

२८९. सं. १६१० वर्षे श्रीपार्श्वनाथजिनबिंब कारित प्रतिष्ठितं ॥

२९०. स. १८९४ वर्षे माघ शु. ५ रामपुरनगरे सा. हेमचन्द्र भार्या रूपम तया श्रीपार्श्वनाथजिनबिंब कारित ॥

२९१. स. १८९१ वर्षे माघ शु. १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय वृद्धशाखायां सा० मानचंद वस्तचंद सहभार्या पूर्मी तया श्रीमहावीर जिनबिंब कारापितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीविजयजिनेन्द्रसूरिभिः ॥

२९२. सं. १६७० वर्षे वैशाख शु. ८ श्रीमाल्ह्णज्ञातीय वृद्धशाखायां सा० लाला भा० रूडा सुत कानजी तेन श्रीमुनिसुव्रतजिनबिंब कारित प्रतिष्ठित श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभि ॥ आचार्यविजय.

२९३ स १२१६ वर्षे वैशाख व ४ श्रीपद्मप्रभजिनबिंब प्रतिष्ठित खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टालंकारश्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

२९४. सं. १५६९ वर्षे माघ शु. ५ गुरुवासरे श्रीमालज्ञातीय ...... श्रीधर्मनाथबिंबं कारित प्रतिष्ठित श्रीतपागच्छे सुमतिसाधुसूरि पट्टालंकारसुमतिसुन्दरसूरिभिः ॥

२९५. सं. १४७८ वर्षे पौष व ५ शुक्रे अंचलगच्छे श्रीजयकीर्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीमाल्हा० ...... ॥

२९६. स. १५८७ वर्षे ज्येष्ठ शु. ५ श्रीचन्द्रप्रभजिनबिंब ॥

२९७. सं. १५५५ वर्षे ..... पितृमातृपुण्यार्थं ..... जिनबिंब कारापितं ॥

३९८. सं. १६८७ वर्षे माघ शु. ५ श्रीमकल्संघेन श्रीचंद्रप्रभजिनबिंबं कारापितं पद्मानंदीगुरूपदेशात् ॥

३९९. सं. १९८१ वर्षे फाल्गुन शु. १० श्रीमहावीरजिनबिंबं ॥

४००. सं. १८९४ वर्षे माघ शु. १० श्रीमाल्ज्ञा० श्रीशांतिनाथजिनबिंबं ॥

४०१. सं. १८९४ माघ व० २ श्रीपद्मप्रभजिनबिंबं ॥

(मोटा देरासरनी धातुप्रतिमाना लेख पूरा थया.)

नाना देरासरजीनी प्रतिमाओना लेखो.

४०२. सं. १८९३ वर्षे माघ शु. १० बुधे राजनगरे ओसवाल्ज्ञातीयवृद्धशाखायां सा० कमा सा. मोन....श्रीअभिनंदनजिनबिंबं का० प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीशांतिसागरसूरिभिः ॥

४०३. सं. १८९३ वर्षे माघ शु. १० बुधे राजनगरे ओसवाल्ज्ञा० वृद्धशाखायां सा० सुरचंदस्य पुत्री मंछी तया श्रीसुविधिनाथजिनबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥

४०४ सं. १७२६ वर्षे वैशाख शु. ६ शुक्रवारे अहमदाबाद वा० ओसवाल्ज्ञा० सा० मिना भ्रा० गुलालचंद तत्पुत्र देवजी भा० नीरी. तया श्रीशांतिनाथजिनबिंबं कारापितं ॥

४०५. सं. १२८८ वर्षे वै. व. २ गुरौ डुंगरज्ञा० श्रे० श्रीआदिनाथजिनबिंबं प्रतिष्ठितं श्रीजयसिंहसूरिभिः ॥

४०६. सं. १८९३ शाके १७५८ वर्षे माघ शु. १० बुधे ओसवालज्ञा० रामकुंवर तया वासुपूज्यजिनबिंबं कारापितं ॥

४०७. सं. १६६३ [illegible] वैशाख व० ११ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] प्रतिष्ठितं [illegible] [illegible] ॥

४०८. सं. १८६३ वर्षे माघ सु. १० बुधे [illegible] [illegible] सा. [illegible] सा० [illegible] [illegible] श्रीविमलनाथजिनबिंब [illegible] प्रतिष्ठितं [illegible] ॥

४०९. सं. १८९३ वर्षे माघ सु. १० बुधे राजनगर ओसवा[illegible] ... सा० [illegible] [illegible] [illegible] श्रीकुंथुनाथजिनबिंब कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे. ॥

४१०. सं. १८९३ वर्षे माघ सु. १० बुधे ओसवाल[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्रीपार्श्वनाथजिनबिंबं का० ॥

४११. सं. १८९३ वर्षे माघ सु. १० बुधे राजनगर ओसवाल-ज्ञा० वृद्धशाखायां सा० सुखलाल सा० [illegible] [illegible] श्रीधर्मनाथजिनबिंब का० प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीशांतिसागरसूरिभि ॥

४१२. सं. १८९९ वर्षे पौष सु. १९ गा० जेठा [illegible] [illegible] पद्मप्रभजिनबिंब कारितं ॥

४१३. सं. १८९३ वर्षे माघ सु. १० बुधे राजनगरे ओसवाल-ज्ञा० वृद्धशाखायां सा० दलीचंद [illegible] श्रीविमलनाथजिनबिंबं कारितं प्र० अंचलगच्छे श्रीशांतिसागरसूरि प्रतिष्ठया (?) ॥

४१४. सं. १९०५ वर्षे माघ सु. १० श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंब प्र० श्रीअंचलगच्छे श्रीपूज्य-श्रीगच्छनायक श्रीमुक्तिसागरसूरीश्वराणामुपदेशेन ॥

४१५. सं. १९४४ वर्षे वैशाख सु. ३ श्रीअनन्तनाथजिनबिंब का० प्र० तपागच्छे सुमतिसागरसूरिभि ॥

विजापुर.

पद्मावतीना देरासरना धातुमतिमाना लेख.

४१६ सं. १३३० वर्षे चैत्र वदि ७ शनौ माता शांतु श्रेयसे सुत मल्हेकेन श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठापितं श्रीरामदेवसूरिभि.॥ (पंचतीर्थी.)

४१७. सं. १६८७ वर्षे तपागच्छे लघुशाखायां पूज्यहेमसोमसूरिप्रतिष्ठित. श्रीविद्यापुरवास्तव्य दो० विमलदास लखमशी दो० देवर्षी वासिआ दोशी नाथा दो० वसुपाल दो० रतनसी दो० वनीया दो० लहुनी दो० शिवजी जयचंद दो० माणिक रायपाल शा० वर्धमानमणि वीरजीना माणिक्य वारदासने ठंबरी आरामदासक कुअरिआ मा० वार्माआ कीका श्रीसंघेन कारितम् ॥

४१८. सं. १४७१ वर्षे माघ शु. १० रवौ श्रीमालज्ञातीय सं. सामल भा० मावलदे सं० गोआ भा० रमादे सुत तनीव उद प्र० परवतश्रेयसे सुत पांचाकेन पितृव्य-पितृ-मातृ-भ्रातृनिमित्तं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीमिलानगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिपट्टे श्रीवीरसूरिभिः ॥ (चोवीशी.)

४१९. सं. १५१३ वर्षे माघ शु. ६ रवौ इत्कुगैरान्वयश्रीश्रीमाल शा० श्रे० त्रिक सुतपांचाकेन भा० थांनू सुत नाथा नागलादिकुटुंबयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० आगमपुर.... ....सूरिभिः॥ (पंचतीर्थी)

४२०. सं. १५२७ वर्षे माघ शु. १२ श्रीमालज्ञा० सं० पासल भा० पासू सु० मनोर भा० अमरादे. शाखिआ भा० अहिदे. रामा भा० रमादे. कोरा भा० गमर्ड. रामा पु० देवदास कुटुंबयुतेन स्वकारेन स्त्रिश्रेयोर्थं स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि ॥(पंचतीर्थी.)

४२१. सं. १५०३ वर्षे माघ वदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० देवराज भा० देवू सुत सा० सायर देवू सु० सूना मनाईत सहितेन श्रेयसे

माणिक दाहाया महीया श्रे० लूया भा० लखमादे भा० गजल्दे सुत मांगासुतेन श्रीपद्मप्रभस्वामिचतुर्विंशतिपट्ट: का० श्रीआगमगच्छे श्रीमुनिरत्नसूरिपट्टे श्रीआनन्दरत्नसूरिभि: प्र० श्रीपत्तनम अधुना वीजापुरवास्तव्य. ॥ (चोवीशी.)

श्रीचिन्तामणिपार्श्वनाथना देरासरना लेखो.

४२२. सं. १४६५ वर्षे माघ शु. ३ शनौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० सं० गेल्हासुतेन सं० रामाकेन श्रीशान्तिनाथचतुर्विंशतिपट्ट का० आगमिक श्रीअमरसिंहसूरीणामुपदेशेन प्र० विधिना. ॥ (पंचतीर्थी.)

४२३. सं. १४८५ वर्षे ज्येष्ठ मासे उदल्छरे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० वरदे भ० रूपी सु० डुंगर भ्रा० हीरा वीसा भा० अमरादे आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथचतुर्विंशतिपट्ट: का० श्रीआगमगच्छेशश्रीअमरसिंहसूरिपट्टे श्रीहेमरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० विधिना. ॥

४२४. सं. १४८८ वर्षे ज्येष्ठ व. ९ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० चोडा भा० रूदी पुत्र शिवाकेन भा० तेजू भ्रा० अर्जुनादि कुटुंबयुतेन स्वपितृश्रेयोर्थं श्रीसुपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि: ॥ (नानी पंचतीर्थी).

४२५. सं. १५०७ वर्षे ज्येष्ठ शु. ६ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० पाचा सु० सिंगा भा० सुहवदे सु० श्रे० कीला भा० सुहूली सु० श्रे० देवाकेन वृद्धपितृश्रे० अर्जुनश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथादिचतुर्विंशतिपट्ट: पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन का० प्र० विधिना. ॥ (चोवीशी).

४२६. सं. १५११ वर्षे पोष शु. १२ दिने श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० आगा भा० नागमादे सु० डुंगरकेन पितृमातृश्रेयोर्थं आत्मश्रेयसे श्रीसुवि-

विनाथबिंबं का० प्र० ब्रह्माणगच्छे श्रीमुनिचंद्रसूरिभिः महिमाण वास्तव्य. ॥ (पंचतीर्थी.)

४२७. सं. १५४१ वर्षे प्राग्वाटज्ञा० व्य० राजा भा० नीणू सु० कल्ह भा० बाई रसिमिणि सु० वलाप्रमुखयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ (नानी पंचतीर्थीनो लेख.)

४२८. सं. १५४७ वर्षे माघ व० १३ रवौ श्रीमंडपे श्रीमालज्ञा० सं० गोल्हा भा० मामा पु० सं० मेघा पु० सं० राजा भा० भांगु पु० सं० तावकेन भा० ४ बाईजीवादे सुहागदे मकादे धनाई सु० सं० हीरा भा० रमाई सं० भोलादि कुटुंबयुतेन १०४ बिंबं कारयित्वा निजश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्रति० तपागच्छे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी.)

४२९. सं० १५७२ वर्षे वैशाख शु. ५ सोमे वृद्धउपकेशज्ञा० श्रे० मोजा भा० लखमाई सु० लख....र भा० कुतिगदे सु० लहुआ स्वपितृमातृश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीसाधुपूर्णिमापक्षे श्रीउदयचन्द्रसूरिभिः तत्पट्टे श्रीमुनिराजसूरिभिः विधिना कटीवास्तव्य शुभं भवतु. (पंचतीर्थी.)

४३० सं. १५७६ वर्षे वैशाख शु. ६ सोमे विद्यापुरवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञा० मं० देवा भा० अमरी सु० माकाकेन भा० रूपाई सु० नांगा आनन्द धर्मसी रत्नसी कमलसी प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रति० पिप्पलगच्छे भ० श्रीविनयसागरसूरिभिः ॥ कल्याणमस्तु. श्रीरस्तु. (चोवीशी.)

४३१. सं. १६०२ वर्षे ज्येष्ठ शु. ४ गुरौ श्रीमूलसंघे भ० श्रीशुभचन्द्रोपदेशात् ज्ञा० टीडगोत्रे सा० लहुआ भा० प्रेमी सु० सं० माणा सं० राणा भा० रामती सु० सं० रता भा० रजादे भ्रा० जूठा रणवा खीमा रं....एते श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं प्रणमंति. (चोवीशी.) *

श्रीमहावीरस्वामीना देरानां प्रतिमाओना लेखो.

४३१. सं. १५९३ वर्षे ज्येष्ठ शु २ दिने ओसवालज्ञा० सा० जिणदे भा० गाणी पु० धना भा० कुअरि परिवार सा० प्रेमल्दे आत्मश्रेयार्थं निमित्तं स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृ० बोकडीयाव- टंके भ० श्रीमुनिचंद्रसूरिभि ईडरग्रामे ॥ (पंचतीर्थी.)

४३३. सं. १५७३ वर्षे फागण शुदि २ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० आसा सुत सं० रंगा भा० रंगादे सुत डूंगर सं० टाकर प्रमुख कुटुंबयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथचतुर्विंशतिपट्टः श्रीआगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरि तत्पट्टे श्रीसोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्ठितं च विधिना बिजापुर वास्तव्य. ॥ (चोवीशी.)

४३४. सं. १५८४ वर्षे चैत्र व.९ गुरौ श्रीहर्षपुरवास्तव्य श्रीश्रीमाल ज्ञातीय सं० हांसा भा० हांसा सुत सं० अर्जुन भा० अमरादे मातृपितृ स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीधनरत्न- सूरि श्रीसौभाग्यसागरसूरिभि. ॥ (चोवीशी).

४३५. सं. १....वर्षे वैशाख शुदि १० दिने श्रीश्रीमाली व्य० वस्ता भा० सारू सुतेन.... .. विहिराज देवा गोपीपुत्रेन व्य० प्रथमाकेन भ० दे.......प्र नरेंद्रप्रमुखकुटुंबसहितेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीभा वडागच्छे श्रीभावदेवसूरिभि वडलीवास्तव्य. ॥ (उपरनी संदिर पंचतीर्थी).

श्रीशान्तिनाथना देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

४३६. सं. १४८७ वर्षे माघवदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० विजापुर वंडा वास्तव्य श्रे० गोवल भा० गुरदे सु० महदे ल्घु भ्रातृसनाकेन भ्रातृ मेल्हा-मांडया-मोल्हादि-सहितेन स्वमातृश्रेयसे श्रीधर्मनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीवृद्धतपागच्छे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥ (चोवीशी).

४३७. सं. १५१७ वर्षे माघ शुदि प्रा० श्रे० पथा भा० शाणी सु० मालाश्रेयोर्थं भ्रातृभीखाकेन भ्रातृनेजपाल-मेघादि-कुटुंबयुतेन श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

४३८. सं. १५३१ वर्षे माघ व. ८ ऊकेश सा० समधर भा० पाटू पु० हरदासेन भ्रातृ जूठा शाणा भा० धनी जसमादे रमाई पुत्र हीरा घीरादिकुटुंबयुतेन श्रीआदिबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीमद्लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

४३९. सं. १५६४ वर्षे फागण वदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धणसी भा० गोमती सु० लाला पदमा नापाकेन स्वपितृभ्रातृमामलश्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीआगमगच्छे श्रीआणंदसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

श्रीकुंथुनाथना देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

४४०. सं. १४८९ वर्षे माघवदि २ शुक्रे धंधूकावास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० भूटा भा० वीजू सुतआमाकेनागमिकगच्छे श्रीअमर-

सिरसूरिपट्टे श्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन श्रीपार्श्वनाथादिचतुर्विंशतिपट्ट तयो-
श्रेयसे कारितो विधिना प्रतिष्ठित ॥ (चोवीशी).

४४१. सं. १५२३ वर्षे आषाढ शु. २ रवौ श्रीश्रीमालीज्ञातीय
सा० मांधर भा० मोहीं सु० सा० जूठा भा० जसमादे सु० सा०
महिपति भा० पदमाई सु० सा० डाहीआ–पोईआ–वगानामकैः श्रीअ-
जितनाथबिंबं कारित प्र० मलधारगच्छे श्रीसूरिभि । सा० डाहीआ पुन-
नार्थं ॥ (पंचतीर्थी).

श्रीऋषभदेवना देरानां प्रतिमाओना लेखो.

४४२. सं. १३१० वर्षे आषाढ शु. २ श्रीमल्लनगरे ऊकेश क०
धीरूआ भा० सिल्हणदे पु० मुंधवेण भा० भमादे पु० हेमा भा०
हेमादे पु० ईसरादिकुटुंबयुतेन श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छेश-
श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

४४३. सं. १५१४ वर्षे माह शुदि ६ बुधे उपकेशज्ञातीय लघु-
सतानीय सं० सामल भा० ल्याडी पु० केल्हाकेन भा० केल्हणदे पुत्र
धीर सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीउप-
केशगच्छे श्रीद्विवंदनीकवृद्धशाखायां श्रीसिद्धसूरिभिः ॥ डाभीग्रामे ।
श्रीः (पंचतीर्थी).

४४४. सं. १५६६ वर्षे पोष वदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय
सा० देवा भा० देवलदे सु० हांसा भा० हांसलदे सुत कामा कोका
... ग वरदे हांसाकेन स्वपुण्यार्थं श्रीकुंथुनाथचतुर्विंशतिबिंबं कारितं पिप्पल-
गच्छे श्रीपद्मानंदसूरिपट्टे श्रीविनयसागरसूरिप्रतिष्ठितं ।वीसापुर वास्तव्य.॥
[एक प्रतिमा उपर सं. १२६० एटलुं वंचाय छे..........]

श्रीअरनाथना देरानी प्रतिमाना लेखो.

४४५. सं. १५७८ वर्षे माघ वदि ८ रवौ श्रीमालीज्ञा० व्य० आंबाण भा० महू पुत्र्या पत्तनवासि व्य० अना भा० पांची पुत्र डुंगर भा० मरघीनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्री-हेमविमलसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु. (पंचतीर्थी).

४४६. सं. १५८३ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १३ ऊकेशवंशे कूकडा चोपडा गोत्रे मं० गणीया भार्या तारू पुत्र मं० पंचायणेन पत्तनवास्त-व्येन भा० कुआरि पुत्र मं० मंगलादिसहितेन पुण्यार्थं श्रीविमलनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनहंससूरिपट्टे श्रीजिनमाणिक्य-सूरिभिः स्वश्रेयोर्थं ॥

४४७. सं. १६३६ वर्षे फागण शुदि १० गुरौ वृद्धनगरवास्तव्य ओसवंशीय वृ० धना भा० भनाई पुत्र देवीदास भा० देवलदे प्रमुख-कुटुंबे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छाधिराजश्रीहीरविजय-सूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

श्रीगोडीपार्श्वनाथना देरानी प्रतिमाना लेखो.

४४८. सं. १५०३ वर्षे माह वदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० रत्न सुत मं० गउल भार्या रमाई तयोः पुत्र० मं० हरिदासेन मं० दूदा पराक्रमेन स्वश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रति० आगमगच्छे श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

४४९. सं. १५१० वर्षे मागसर शु. १५ दिने प्राग्वाटज्ञा० व्य० देवराज भा० रत्नू सुत हालाकेन भा० कर्मिणि सु ....कादिकुटुंबयुतेन स्वमातृश्रेयोर्थं श्री आदिनाथचतुर्विंशतिपट्ट. का० प्रति० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिभिः मांडोगगपाति ॥ (घोघीर्शा).

४५०. सं. १५१६ वर्षे आषाढ शु. ९, शुक्रे. वंशावाम्नय श्री श्रीमालज्ञातीय श्रे० पाता भा० पाल्हणदे सुत सालिगनाम्ना भा० धनी सुत नरपालरामाप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं कारित प्रतिष्ठितं वृद्ध तपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥ (पन्नतीर्थी.)

४५१. सं० १५३० वर्षे माह शुदि १२ रवौ; प्राग्वाटज्ञातीय दोसी सुल्हा भा० नामनदे सुत दो० सालिगेन भार्या रमा तथा भार्या अमो भ्रातृपुत्र मजारणसहितेन भ्रातृभाधरश्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंब का० वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥ (उपरनी पन्नतीर्थी)

लाडोल.

श्रीपार्श्वनाथजीना देरासरनी प्रतिमाओना लेख

[illegible] संवत् १३०७ वर्षे [illegible] सुदि ३ सोमे [illegible] [illegible] ॥

[illegible] सं. १२३ [illegible] वर्षे [illegible] सुदि ८ [illegible] [illegible] ॥

[illegible] सं. [illegible] वर्षे [illegible] [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] सं. [illegible] वर्षे [illegible] [illegible] ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]सूरिशिष्यश्रीशांतिभद्रसूरिसूरि [illegible] श्रीधर्मचंद्रसूरिभिः ॥

नवी मंदिरे मूळ नायक शांतिनाथनी डाबी बाजुनी प्रतिमानो लेख

४५७. सं. १५२० वर्षे माघ वदि ५ बुध [illegible] श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे [illegible] श्रीविमलप्रभसूरिणामुपदेशेन विधिना ॥

मूळ नायकनी डाबी बाजुनो लेख

४५८. सं. १५२० वर्षे माघ व [illegible] बुध [illegible] भार्या [illegible] श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं ॥

डाबी बाजुनी प्रतिमानो लेख

४५९. सं. १५२० वर्षे [illegible] बिंबं कारितं ॥

मूळ नायकनी जमणी बाजुनी प्रतिमानो लेख

४६०. सं. १५२० वर्षे माघ वदि ५ बुध [illegible] श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे [illegible] सूरिणामुपदेशेन विधिना ॥

४६१. सं. १५२० वर्षे माघ वदि ५ बुध [illegible] देवपाल [illegible] बिंबं कारितं ॥

४६२. संवत् १५५८ वर्षे वैशाख वदि ११ बुध [illegible]

[illegible]

४६३. संवत् १५५८ वर्षे वैशाख वदि [illegible]

[illegible]

४७६. सं. १५०७ वर्षे प्रा० ज्ञातीय श्रे० वाम्भा भार्या वीरू पुत्रे सुश्रा० रांगा भा० सुहीसुतगकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

४७७. सं. १४८२ ज्ये. शु. १२ प्राग्वाट सा० भीमा भा० चम्पू पुत्र सा० मगाकेन भा० नगादे प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

४७८. संवत् १५६४ वर्षे ज्येष्ठ सुदि १२ शुक्रे प्राग्वाटज्ञातीय वृद्धशाखाय मंत्री सा० हरखा पुत्र वनूआ भार्या रमणी सुत देवराजकेन भार्या सोनाई प्रमुखपुत्र प्र० कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

चंद्रप्रभुजीना गभारानी पंचतीर्थी.

४७९. संवत् १५९१ वर्षे पोस शु. ११ शनौ उपकेशज्ञातीय [illegible] श्रे० भीमा भार्या टीबू पुत्र नाना भार्या नीना भा० [illegible] पुत्र [illegible] श्रीमहावीर [illegible] श्रीनमिनाथबिंबं कारितं [illegible] प्रतिष्ठितं [illegible] [illegible] ॥

४८० सं. १५१३ वर्षे चैत्र शु. [illegible] प्राग्वाट श्रे० [illegible] [illegible] पुत्र श्रे० [illegible] [illegible] [illegible] प्र० [illegible] [illegible] ॥

करवटीया घेपरदर.

अभिनंदन भगवानना देरासरनी प्रतिमाओना लेखो.

४८१. संवत् १९२७ वर्षे पो. व. १ सोमे इडियग्रामवासि मं० गांगा भार्या गंगादे सुत मं० हांसाकेन भा० रंगू सुतदिनकरप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे सूर्व (सूरत्व) भार्या राजू पर्वण्यवे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

४८२. सं. १५१४ वर्षे प्राग्वाटज्ञातीय मेहताणवासि श्रे० सोमा भा० वारु सुत श्रे० आसाकेन भा० गोमति भ्रा० समधर पु० शिवादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिगुरुराजैः ॥

४८३. सं. ११०१ श्रीवर्द्धमानाचार्य पंगां उत्तमया ....

४८४. सं. १५१४ वर्षे माघ शु. २ शुक्रे स्तंभतीर्थवासि ओसवालज्ञातिसाह रामा भा० रमाईसु सा० माणिकमालाभ्यां भा० वाछिकदे-माल्हणदे प्रमुखकुटुंबयुताभ्यां स्वसुकपुराहर्षाय श्रीअजितनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः । प्रतिष्ठितः श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

४८५. सं. १५६२ वर्षे वैशाख शुदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीयव्य० वाछिंग भार्या पाल्हणदे अयात्मसुतमरजी श्रीआदिनाथबिंबं कारितं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीमुनितिलकसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितम् ॥

४८६. सं. १६१९ व. वै. शु. १२०५० श्रीगौतमस्वामिबिंबं प्र०....(अक्षर वंचाता नथी)

सु० जावड भा० हांमी नया लटु भ्रातृ लटकण–नगराज–गोरा–प्रमुख-कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः । प्रति० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीउदयवल्लभसूरिपट्टे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

उपरनी प्रतिमानी बीजी बाजुए.

४९२. श्रीअहम्मदनगरवास्तव्य ....
श्रीचारित्रसुंदरसूरि श्रीउदयसागरसूरिभिः ....

श्रीवालमतीर्थ.

नेमनाथ भगवानना देरासरमांना पंचतीर्थी प्रतिमाना लेख.

४९३ सं. १४०९ वर्षे फागुण वदि २ बुधे हुंबडज्ञातीय मातृपितृनिमित्तं श्रेयसे ठ० वारसेन श्रीमहावीरबिंबं कारितं । प्रति० श्रीसर्वानन्दसूरिसहितैः श्रीसर्वदेवसूरिभि ॥

४९४. संवत् १५४६ वर्षे माघ शु. १३ रवौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० कान्हा भा० रंगाई सुत श्रे० सूरासेन भार्या वाल्ही सु० मांडण-प्रमुखकुटुंबयुतेन भगिनीनाथीश्रे० श्रीअरनाथबिंबं तपा० श्रीसुमतिसाधुसूरीणामुपदेशेन कारितं । प्रतिष्ठितम् ॥

४९५. संवत् १५४९ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ७ बुधे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीय श्रे० समधर भा० अमरी सु० भाचा जाल्या भाचा भा० रमाई सु० सनो जाल्हा भा० मरगदि मंत्रि भावामाल्हादेन स्वपूर्वजपितृभ्रातृश्रेयोर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

पार्श्वनाथजीना देरानी सामे शांतिनाथजीना देरामांनी मतिमाना लेखो.

४८७. सं. १६८७ वर्षे माघ वु. ८ गुरौ बीजापुर वा० श्रीओसवालज्ञातीय दो० घरणा मा० घरणादे..........(शनति) शान्तिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं नाणावालगच्छे श्रीसिद्धिरत्नसूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥

४८८. सं. १५३० वर्षे माघ वदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० दो० शिवा भा० शारियादे सु० देपसी भा० घरमणि सु० सानग घरणाम्रदितेन आत्मपु० श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमाप० श्रीधर्मशेखरसूरिप० श्रीविशालराजसूरीणामुपदेशेन विधिना. ॥ .

४८९. संवत् १६८९ वर्षे जे० वदि २ रवौ ओसवालज्ञातीय मं० माईया भा० रारीयादे पु० गांगा भा० हांसी द्वितीय भा० एगादे स श्रेयोर्थं बिंबं कारितं श्रीसुविधिनाथ [स्य] प्रतिष्ठितं श्रीदेवप्रभसूरिभिः खवडगच्छ....

शांतिनाथजीना देरासरना मतिमाना लेख.

४९०. सं. १५२३ वर्षे माघ शु. ६ रवौ स्तंभतीर्थे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० केल्हा भार्या हांप सुत श्रे० रोडा भार्या रोहादे सु० श्रे० भीमसीकेन भा०....श्रीसुविधिनाथचतुर्विंशतिपट्ट का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे तपागच्छाधिराजश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि पं० पुण्यनंदनगणिनामुपदेशेन प्रभा. गच्छपदि.

४९१. सं. १५२७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ७ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० मरीस भार्या अहु सुत मं० भोजा भ्रातृ मं० तेजाकेन भार्या तेजलदे

सु० जावड भा० हांसी तथा लघु भ्रातृ लटकण—नगराज—गोरा—प्रमुख-कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यचतुर्विंशतिजिनपट्टः कारितः । प्रति० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीउदयवल्लभसूरिपट्टे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः ॥

उपरनी प्रतिमानी बीजी बाजुए.

४९२. श्रीअहम्मदनगरवास्तव्य .... श्रीचारित्रसुंदरसूरि श्रीउदयसागरसूरिगुणैः ....

श्रीवालमतीर्थ.

नेमनाथ भगवानना देरासरमांना पंचतीर्थी प्रतिमाना लेख.

४९३. सं. १४०९ वर्षे फागुण वदि २ बुधे हुंबडज्ञातीय मातृ-पितृनिमित्तश्रेयसे ठ० वारमेन श्रीमहावीरबिंबं कारितं । प्रति० श्रीसर्वानन्द-सूरिसाहितैः श्रीसर्वदेवसूरिभिः ॥

४९४. संवत् १५४६ वर्षे माघ शु. १२ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० कान्हा भा० रंगाई सुत श्रे० सूराकेन भार्या वाल्ही सु० मांडण-प्रमुखकुटुंबयुतेन भगिनीनाथीश्रे० श्रीअरनाथबिंबं तपा० श्रीसुमतिसाधु-सूरीणामुपदेशेन कारितं । प्रतिष्ठितम् ॥

४९५. संवत् १५४९ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ७ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० समधर भा० अमरी सु० भाना जाल्या भाया भा० रमाई सु० सगा जाल्हा भा० मरगदि मंत्रि भावाजाल्हाकेन स्वपूर्वजपितृभ्रातृश्रेयोर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

वीसनगर.

श्रीकल्याण पार्श्वनाथजीना मेडा उपर श्रीगोडीपार्श्वनाथजीना गभारानी प्रतिमाना लेखो.

(प्रं. १२२० व. व. वदि ९ एक प्रतिमा उपर एटलुं वंचाय छे.)

४९६. सं. १४०१ वर्षे वैशाख वदि ३ बुधे श्रीमान्ज्ञातीय मंत्रिमधु (वस्तु) पाल भा० ललितादेवि पुत्र मं० गांगाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं । प्रति० श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसूरीणामुपदेशेन ॥ छ ॥

४९७. संवत् १५१९ वर्षे महा शु. ११ रवौ श्रीमूलसंघे भ० श्रीसकलकीर्ति तत्पट्टे भ० श्रीभुवनकीर्तितत्पट्टे भ० श्रीज्ञानभूषण तत्पट्टे भ० श्रीविजयकीर्तिगुरूपदेशात् हु० श्रे० खीमा भा० मरगदि श्रे० गणपति भा० मटी सु० जांदया भा० पूगा भ्रा० गांगा भा० गंगादे सुत हरखा भा० हरखमदे एते नित्यं श्रीनेमिनाथं प्रणमंति ॥ *

४९८. सं. १५११ माघ व० ४ श्रीउपकेशगच्छे आदित्यनागगोत्रे सा० धरणिग भार्या सोनल्दे पु० चाहडेन पितृश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीकु० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

४९९. सं. १४९१ वर्षे माघ शुदि ५ बुधे भणशालीगोत्रे उकेशवंशे सा० जयना (नयना) पुण्यार्थं पुत्र सा० जोलाकेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं प्रति० श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

५००. सं. १४८८ वर्षे महा शुदि ५ सोमे उपकेशज्ञा० वेगडगोत्रे सा० नूला पुत्र सा० हरा भार्या पंनल्दे पु० वीर भा० वीमल्दे पित्रोः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृहद्गच्छेशश्रीवीरभद्रसूरिभिः ॥

९०१. संवत् १५४७ वर्षे माग. शुदि ५ दिने श्रीमालज्ञातीय सा० जांजण भार्या सल्खणादे पुत्र सा० पनाकेन ....कुटुंबयुतेन श्रीशीतलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥

९०२. सं. १५२५ वर्षे माह व० ६ प्राग्वाट्य० काला भार्या राजू पुत्र व्य० महणाकेन भा० माणिकदे पुत्र करणादियुतेन श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरि सं० श्रीलक्ष्मीसागरसूरि श्रीसुधानंदनसूरिभिः ॥

शांतिनाथजीना देरासरनी प्रतिमा उपरना लेखो.

९०३. सं. १५५७ वर्षे माघ वदि ९ गुरौ श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे बलात्कारगणे श्रीकुंदकुंदाचार्यान्वये भ० श्रीमल्लकीर्त्तिस्तत्पट्टे भ० श्रीभुवनकीर्त्तिस्तत्पट्टे भ० श्रीज्ञानभूषणस्तत्पट्टे भ० श्रीविजयकीर्त्तिगुरूपदेशात् हूंबडज्ञातीय उत्तेश्वरगोत्रे महं गोपा भार्या लाछू सु० महं देवा भा० रत्नु सु० महं श्रीपाल भा० लाछी सु० महं वन्ना भा० वीजादे भा० हरखा भा० हरखमदे भा० मेघा भा० विमलादे । एते श्रीशांतिनाथं नित्यं प्रणमन्ति ॥ खेरालूवास्तव्य. (चोवीशी) *

९०४. सं. १५१२ वर्षे वैशाख वदि २ शुक्रे श्रीश्रीउपकेशज्ञातीय श्रे० आसा पुत्र श्रे० अमरा भा० हेमादे पुत्र गोईआ सा० पूंजासहितेन स्वश्रेयसे चतुर्विंशतिपट्टः विमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिसंताने श्रीजिनदेवसूरिपट्टे श्रीमलयचंद्रसूरिभिः। श्रीपत्तनात् कसूंबीयावाडे ॥

९०५. सं. १५१७ वा. ब. ६ उपकेशज्ञातौ आदित्यनागगोत्रे

सा० धर्मा पु० माल्हा भा० गोरी पु० समरासर–पीमाकभ्रातृसायर श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीउपकेशगच्छे कुंदकुंदाचार्यसंताने श्रीककसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी.)

(सं. १२११ वै. वदि २ बुधे अक्षर वंचाता नथी.)

१०६. संवत् ११९० श्रीवल्लभगच्छे महाप्रभुते पाहिउ सावग-आनंदे बिं० कारितम् ॥ ... .

१०७. संवत् १४०८ ज्येष्ठ शु. ७ बुधे श्रीश्रीवंशे सं० नरदा भार्या चमकूदे पुत्र सं० ठाकुरसुश्रावकेण भा० चमकू पुत्र सं० मांडण-पीतांबरमहितेन श्रीअंचलगच्छे गुरुश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रे-यसे श्रीशांतिस्वामिबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन चिरं जियतां ॥

१०८. सं. १५०९ वर्षे मार्गशीर्ष शु. ७ उकेशवंशे ज्ञातीयगोत्रे सा० मांडण सा० भद्रा भा० रतनादे पु० सोमाकेन भा० हीमादे पु० सा० मका भा० मनमाल सा० पूनालखमुखपरिवारयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छेश–श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिनभद्रसूरिभि । चिरं नंदतु ॥

१०९. स. १५३१ वर्षे वैशाख शु. ३ श्रीगुरुवारे भ० श्रीभुवन कीर्ति भ० भ० श्रीज्ञानभूषण [illegible] दे० [illegible] श्रे० [illegible] भा० [illegible] श्रे० [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]. [illegible] [illegible]. *

११०. सं. १५११ वर्षे वैशाख वदि १० [illegible] श्री[illegible] [illegible] श्रीश्री[illegible] सो० [illegible] भार्या [illegible] ॥ [illegible] ॥ भा० [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible] [illegible] [illegible] ॥

(चोवीसी. शांतिनाथ मूल छे—एक पंचतीर्थीना उपर लेख नथी.)

५११. संवत् १६११ वर्षे माघ शुदि ९ सोमे प्राग्वाटज्ञातीय मं० रामा भा० हेमाइनाम्न्या पंचम्युद्यापने प्रतिमापंचकं कारापितं श्रीअरनाथबिंबं प्रति० श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

५१२. संवत् १२८४........ कारित प्र० अमरप्रभसूरिशिष्यैः *श्रीनागचंद्रसूरिभिः ॥*

५१३. सं. १५२५ वर्षे मागशिर शुदि १० शुक्रे मूंडहटासमीपे कोरटागच्छनायकाम्नायपादहडगोत्रे। सा० ४ रसिंग पु० पुंजा भा० हासु पु० रत्नामागा । सहसा भा० कौरे सुतपानामहितेन । श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं । प्रति० श्रीकोरंटगच्छश्रीसर्वदेवसूरिभिः । पं० तपोरत्न-उपदेशेन॥ *(मूलनायक शांतिनाथना गभारानी प्रतिमाओना लेखो संपूर्ण.)*॥

शांतिनाथजीनी भमतीमां पेसतां—

५१४. *संवत् १२०० ज्येष्ठ शुदि ५ गुरावद्येह श्रीमत्पत्तनवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय ठः डाहाम्न ठ०* घीयानतुनमहः आमादे.... महं वैरिसिंहसुतमहं रणसिंहभार्यया ठ० जगसाहसुतया महं वयजलदेव्या पुत्र ठ० गजसिंहवरदेव........आत्मश्रेयोऽर्थं धवलक्के जास्योपरदेवगृहे श्रीनंदीश्वरवद्धीपुर श्री.... ....

शांतिनाथना देरा उपरना गभाराना—

५१५. संवत् १५७० वर्षे माघ शुदि १२ भोमे प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० अमा भा० उमादे सु० जिना सुरा भा० मूलदे सुतहरानमातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीहेमसिंहसूरिभिः ॥ कणमा गरडा सं०

५१६. सं. १५७५ वर्षे माघ वदि ५ गुरौ श्रीमूलसंघे भ० श्रीजि-

जयकीर्तिगुरूपदेशात् मं० श्रीपाल भा० लाली सु० वस्ता० भ्रा० रत्न.... ... .(बाकीनो भाग भागी जवाथी अक्षर पण नथी). ॥

(श्रीदीपडाना श्रीसुमतिनाथना देरासरमां एक चोवीसवटो छे तेमनो लेख घसाइ गयो छे.)

९१७. सं० १५२४ वै० शु० ३ प्राग्वाटश्रे० वाजा भा० जममादे पु० श्रे० सूंटा भा० हीरु पु० श्रे० गुणिआकेन भा० रामति भ्रा० नानावीरादिकुटुंबयुतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदर सूरिश्रीमुनिसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ श्री अनदपुरवा० ॥

दीपडामां शांतिनाथना गभारामां पंचतीर्थी प्रतिमानो लेख.

९१८. सं. १५८१ वर्षे माघ व. १० शुक्रे श्रीप्राग्वाटज्ञा० वृद्धशाखायां श्रीपत्तनवास्तव्यश्रे० आसा भार्या रहिफू सुत दो० गांगा भा० पदमाई द्विती० हीराई सुत वीसलसी भा० विमलादे सुत श्रीचंद्रप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीनिगमप्रभावकश्रीआणंदसागरसूरिभिः श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं ॥

गांभावाडामां ऋषभदेवना देरामांनी पंचतीर्थीनो लेख.

९१९. सं. १२९७ श्रे०.......पुत्र माल्हणेन आदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीदेवेंद्रसूरिभि. ॥

(पार्श्वनाथजीना मोटा देरासरमां नवा बीराजेल नेमनाथ भगवान बहार जाळी कने बेसारेल छे तेमनी प्रतिमानो लेख.)

९२०. संवत् १४७९ वर्षे माघ शुदि ४ दिने श्रीऊकेशवंशे मंत्रि पदमा पुत्र मंत्रिसिंघा पुत्र मं० वाघागुणराजेन भ्रातृ सवासिंह प्रमुखपरिवारसहितेन श्रीआदिनाथबिंबं निजपुण्यार्थं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

नेमनाथना गभारानी प्रतिमा उपरना लेख.

९२१. सं. १४७४ फा० ... .पा भार्या माल्हणदे सुत चान्हाकेन स्वश्रेयसे श्रीसुपार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

९२२. सं. १५१७ का० व० ६ उपकेशज्ञा० काकरीयागो० सा० श्रीपाल भार्या रंगी पु० सं० सोढ़ेन स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितं।प्रति० श्रीकृष्णर्षिग० श्रीजयचंद्रसूरिपट्टे श्रीजयसिंहसूरिभिः॥

९२३. सं. १६६९ ॥ श्रीअकब्बर प्रवर्तित ४१ वर्षे वैशाख व. ९ सोमे ओसवाल्ज्ञातीयवृद्धशाखायां उबिवताल्गोत्र सा० जेसम० सा० जमणादे सुत सा० सरमाकेन श्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं वृद्धतपागच्छे भट्टारक श्रीहीरविजयसूरीश्वरपट्टालंकार भट्टारकश्रीविजयसेनसूरिभिः ॥ श्री. ॥

९२४. सं. १५०४ ज्येष्ठ सु. १३ उकेशवंश सा० पूना भार्या प्रीमल्दे पुत्र सा० धमा भा० हर्षू पुत्र सा० तेजाकेन भा० तेजल्दे पुत्र सोमदत्तडूंगरादियुतेन श्रीपार्श्वबिंबं कारितं प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभि. ॥

९२५. सं. १५२३ वर्षे माघ शु० ६ बुधिवासि सा क० अजयपाल भा० बाह्रू सुत देवाकेन भा० वाल्ही स्वश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० तपागच्छाधिराजश्री लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ छ ॥

९२६. सं. १५१० वर्षे ज्येष्ठ शुदि द्वितीयादिने उकेशवंशे बहुरागोत्रे । सा० राजा भार्या वरजल्दे । पुत्र सा० मल्हूकेन कलत्ररूपणि सुत धर्मसी प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं स्वपुण्यार्थं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥ श्री ॥

३२७. सं. [illegible] वर्षे वैशाख सुदि १० [illegible] [illegible] सा० [illegible] पुत्र [illegible] श्रीसुविधिनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं श्री[illegible] श्री[illegible]सूरिभिः ॥

कल्याणपार्श्वनाथना गभारानी प्रतिमाना लेखो.

३२८. सं. १३१३ वर्षे माघ० सुदि ७ दिने श्रीउकेशवंशे दोसीगोत्रे सं० डुंगर पुत्र सा० नरपाल भार्या सांतू तत्पुत्र सा० नागसेन पुत्र [illegible]सहितेन श्रीमहावीरबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः स्वश्रेयोर्थं ॥ श्र ॥

३२९. सं. १९२४ व. वैशाख सुदि ३ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० नरसिंह भा० नागलदे पु० श्रे० नयना भ्रा० पाना भा० हीरु पु० महराज निणदासादिकुटुंबयुतेन श्रे० पानाकेन पितृ० मातृप्रमुखस्वपूर्वजश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ सत्यपुर.

३३०. सं. १४९३ वर्षे वैशाख सुदि ९ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय महिवराशाखायां श्रे० कूपा भा० कपूरदे पु० मामणगोवाभ्यां पितृमातृश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं ब्रह्माणगच्छे श्रीबुद्धिसागरसूरि प्रतिष्ठितं श्रीसूरिभिः ॥ श्री. ॥

३३१. सं. १६१७ वर्षे ज्येष्ठ सुदि ९ सोमे लघुशाखायां प्राग्वाटज्ञातीय महंगोगा भार्या जयवंती सुनाबाई मनांशवपुण्यार्थ श्रीश्रेयांस-

पंचतीर्थीबिंबं कारितं प्र० तपापक्षे भ० श्रीआणंदविमलसूरिपट्टे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥ श्रीपत्तननगरवास्तव्य ॥ श्री ॥

५३२. संवत् १५२४ वर्षे वै. शु. तृ. प्राग्वाटज्ञा० पातल भार्या थांपू सुत व्य० गुणाकेन भार्या नागू पुत्र टील्हा निजश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

५३३. स. १४८४ वर्षे वैशाख शुदि ३ दिने उकेशवंशे सा० सामल भा० उमादे तयोः सुत सा० डूंगर तद्भा० मचकू तत्सुत सा० गोधाकेन भा० कर्मिणि गोधा भ्रातृ रामा तद्भार्या राणी बाउआदिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

५३४ सं. १४८४ वर्षे वै. शु. ११ रवौ सैधिकर ॥ २३ ॥ भूमिगपुरवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० पांचा भा० भीमादे सुत सरी भूंगकेन भा० होमाहणदेवि मेलू सु० पूंनादिकुटुंब (यु) युतेन स्वश्रेयोर्थं कारितं अनागतचउवीसी श्रीदेवतीर्थंकरप्रमुखचतुर्विंशतिपट्टः श्रीचैत्रगच्छे श्रीजिनदत (देव)सूरिभि ॥ श्री ॥

कल्याणपार्श्वनाथना मेरा उपरनी प्रतिमाओना लेखो.

५३५. सं. १४८८ व० श्रीमूलसंघे बलात्कारगणे सरस्वतीगच्छे भ० पद्मनंदिदेवाः तत्शिष्यशुभचंद्रनागहृदज्ञातीय सा० सीमा भा० रूपी पुत्र सा० देथा भा० गोरी पु० सा० सरणा भार्या रत्नू पुत्र दिवा श्रीपार्श्वनाथबिंबं नित्यं प्रणमन्ति ॥ *

९२६. सं. १३३७ वर्षे माघ सुदि ९.... ....
....शिष्यैः श्रीविनयचन्द्रसूरिभिः ॥ (पहेलाना अक्षर बरा-बर वंचाता नथी.) ॥

बीजी पंचतीर्थीओ चोंटाडेल होवाथी—लेख लइ शकाय तेम नथी. गोडी पार्श्वनाथजीनी प्रतिष्ठा संवत् १८६१मां विनयजिनेंद्रसूरिए करी छे.

वडनगर.

श्रीआदीश्वरजीना मोटा देरानी प्रतिमाओना लेखो.

९२७. सं. १४७७ व. ब्रह्माणगच्छे श्रीपार्श्वबिंबं प्र० श्रीसिद्धदत्त-सूरिभिः । व्य० वीरम भा० हीरू सु० तेता पितामह आल्हा मा० आल्हणदे उभयोर्निमित्तं ॥ श्री. ॥

९२८. संवत् १५१० फा. व. २ शुक्रे श्रीउकेशवंशे वृद्धशा-खायां मं० लखमसी पुत्र मं० वयरसी पु० संपिनमा मं० काहाम्यां म० धमराति पुण्यार्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारितं । श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजि-नभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे ॥

९२९. संवत् १५१९ वर्षे माघ शु. १३ दिने प्राग्वाटज्ञातीय

श्रे० महिपा भा० माणिकदे पुत्र श्रे० वेलाकेन भा० धनी प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीकुंथुबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६४०. संवत् १४२९ वर्षे माघ वदि ७ दिने ... ..श्रीआदि .. हीरापल्लीगच्छे श्रीवीरचंद्रसूरिभिः ॥

६४१. संवत् १४८५ वर्षे चैत्रवदि ८ सोमे श्रीनागरज्ञातीय गोष्ठी मामण भार्या मल्हणदे सुत गोठी मिराकेन श्रीमहावीरबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं सुविहितश्रीसूरिभिः श्रेयोर्थं ॥

६४२. सं. १५२२ वर्षे फागण सुद २ रवौ .....श्रीशीतल-नाथबिंबं का० प्र० श्री पद्मसूरिभि ॥

श्रीमहावीरस्वामिना देरासांना प्रतिमाजीना लेख.

६४३. सं. १५२६ वर्षे माघ वदि ७ सोमे श्रीवीरवंशे सुगाल-गोत्रे श्रे० दरपन भार्या मरजी पुत्र श्रे० धनाकेन भार्या माकू पुत्र दिवा पौत्र देवामहिंतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेश्वर श्रीजयकेसरिसूरी-णामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिम्बं का० प्रतिष्ठितम् ।

मोटा आदीश्वरजीना गभारानी प्रतिमाओना लेखो.

६४४. सं. १५११ माघ सु० ४ विद्यापुरवासि श्रीमालज्ञातीय श्रीश्रे० जयिना भा० जयिनल्दे सुत सामा भा० लाछि सुत श्रे० वर्द्ध-नेन भ्रा० गदा मोमा भा० देमति सुत नावडादिकुटुंबयुतेन स्वमातृश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीशीलसुंदरसूरिभिः॥ तपागच्छेश श्रीरत्नशेखरसूरिभि. ॥ श्री. ॥

६४५. सं. १५८४ वर्षे चैत्र वदि ५ गुरौ श्रीविसलनगरवास्तव्य व्य० प्राग्वाटज्ञातीय धर्मा भा० नाउ सु० व्य० जोगा भा० गोमती सु० व्य० भणाकेन वृद्धभ्रातृ व्य० हर्षायुतेन भा० मणकी सु०

५२६. सं. १३३० वर्षे माघ सुदि ३... ....शिष्यैः श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥ (केटलाक अक्षर वं- चाता नथी.) ॥

बीजी पंचतीर्थीओ घसाइल होवाथी—लेख वंचाता नथी. गोडी पार्श्वनाथजीनी प्रतिष्ठा संवत् १८९२मां जिनचन्द्रसूरिए करी छे.

वडनगर.

श्रीआदीश्वरजीना मोटा देरानी प्रतिमाओना लेखो.

५२७. सं. १३७७ व. हुंबडगच्छे श्रीपार्श्वबिंबं म० श्रीसिंहदत्त- सूरिभिः । व्य० वीरम भा० हीरु सु० तेजा पितामह आल्हा भा० आल्हणदे उभयोर्निमित्तं ॥ श्री. ॥

५२८. संवत् १५१० फा. व. २ शुक्रे श्रीउकेशवंशे कूकडा- गोत्रे मं० लखमसी पुत्र मं० वयरसी पु० संघिप्रमा मं० कालाम्यां म० धणपतिपुण्यार्थं श्रीनेमिनाथबिंबं कारितं। श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजि- नभद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे ॥

५२९. संवत् १५१९ वर्षे माघ शु. १३ दिने प्राग्वाटज्ञातीय

श्रे० महिपा भा० माणिकदे पुत्र श्रे० वेलाकेन भा० धनी प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९४०. संवत् १४२९ वर्षे माघ वदि ७ दिने ... . .श्रीआदि हीरापल्लीगच्छे श्रीवीरचंद्रसूरिभिः ॥

९४१. संवत् १४८९ वर्षे चैत्रवदि ८ सोमे श्रीनागरज्ञातीय गोटी साजण भार्या सहमल्दे सुत गोटी सिवाकेन श्रीमहावीरबिंब कारापित प्रतिष्ठितं सुविहितश्रीसूरिभिः श्रेयोर्थं ॥

९४२. सं. १६२२ वर्षे फागण सुद ३ रवौ .. ..श्रीशीतल-नाथबिंबं का० प्र० श्री वज्रसूरिभिः ॥

श्रीमहावीरस्वामिना देरामांना प्रतिमाओना लेख.

९४३. सं. १९२६ वर्षे माघ वदि ७ सोमे श्रीवीरवंशे सुखाल-गोत्रे श्रे० रायपाल भार्या रूपजी पुत्र श्रे० धनाकेन भार्या माकू पुत्र शिवा पौत्र देवासहितेन स्वश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेश्वर श्रीजयकेसरिसूरी णामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिम्बं का० प्रतिष्ठितम् ।

मोटा आदीश्वरजीना गभारानी प्रतिमाओना लेखो.

९४४. सं. १९११ माघ सु० ४ विद्यापुरवासि श्रीमाल्हज्ञातीय श्रीश्रे० जयिता भा० जयिताल्दे सुत सामा भा० रूपि सुत श्रे० वर्द्ध-मानेन भ्रा० गदा भोजा भा० देमति सुत जावडादिकुटुंबयुतेन स्वपातृश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्ट' का० प्र० श्रीशीलसुंदरसूरिभिः॥ तपागच्छेश श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ श्री. ॥

९४५. सं. १९८४ वर्षे चैत्र वदि ९ गुरौ श्रीविमलनगरवास्तव्य व्य० प्राग्वाटज्ञातीय वर्मा भा० नाउ सु० व्य० भोजा भा० सोमश्री सु० व्य० धरणाकेन वृद्धभ्रातृ व्य० हर्षाद्युतेन भा० रुपाकी सु०

९३६. सं. १३३७ वर्षे माघ सुदि ९.... ....
....शिष्यैः श्रीविनयचंद्रसूरिभिः ॥ (पहेलाना अक्षर बराबर वंचाता नथी.) ॥

बीजी पंचतीर्थीओ चोंटाडेल होवाथी—लेख ल्इ शकाय तेम नथी. गोटीपार्श्वनाथजीनी प्रतिष्ठा संवत् १८६१मां जिनयजिनेंद्रसूरिए करी छे.

वडनगर.

श्रीआदीश्वरजीना मोटा देरानी प्रतिमाओना लेखो.

९३७. सं. १४७७ व. बृहद्गच्छे श्रीपार्श्वबिंबं प्र० श्रीसिंहदत्तसूरिभिः । श्र० वीरम भा० हीरु सु० तेता पितामह आल्हा मा० आल्हणदे उभयोर्निमित्तं ॥ श्री. ॥

९३८. संवत् १५१० फा. व. ३ शुक्रे श्रीउकेशवंशे कूकटागोत्रे मं० लखमसी पुत्र मं० वयरसी पु० संघिचमा मं० काल्हाम्यां म० धणपतिपुण्यार्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारितं । श्रीजिनराजसूरिपट्टे श्रीजिनचंद्रसूरिभिः प्रतिष्ठितं श्रीखरतरगच्छे ॥

९३९. संवत् १५१९ वर्षे माघ शु. १३ दिने प्राग्वाटज्ञातीय

श्रे० महिपा भा० माणिकदे पुत्र श्रे० केल्हाकेन भा० वनी प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

५४०. संवत् १४२९ वर्षे माघ वदि ७ दिने ... ..श्रीआदि ... हींरापल्लीगच्छे श्रीवीरचंद्रसूरिभिः ॥

५४१. संवत् १४८९ वर्षे चैत्रवदि ८ सोमे श्रीनागरज्ञातीय गोठी माणण भार्या सहजल्दे सुत गोठी सिवाकेन श्रीमहावीरबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं सुविहितश्रीसूरिभिः श्रेयोर्थ ॥

५४२. सं. १५२२ वर्षे फागण सुद ३ रवौ. .श्रीशीतल- नाथबिंबं का० प्र० श्री कक्कसूरिभि ॥

श्रीमहावीरस्वामिना देरासांना प्रतिमाओना लेख.

५४३. सं. १५२६ वर्षे माघ वदि ७ सोमे श्रीवीरवंशे सुगाल- गोत्रे श्रे० वरपत भार्या वरजी पुत्र श्रे० धनाकेन भार्या माकू पुत्र शिवा पौत्र देवामहितेन स्वश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेश्वर श्रीजयकेसरिसूरी- णामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिम्बं का० प्रतिष्ठितम् ।

मोटा आदीश्वरजीना गभारानी प्रतिमाओना लेखो.

५४४. सं. १५११ माघ सु० ४ विद्यापुरवासि श्रीमालज्ञातीय श्रीश्रे० जयिना भा० जयितलदे सुत सामा भा० लाछि सुत श्रे० वर्द्ध- मेन भ्रा० गदा भोजा भा० देमति सुत जावडादिकुटुंबयुतेन स्वमातृश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीशीलसुंदरसूरिभिः॥ तपागच्छेश श्रीरत्नशेखरसूरिभि ॥ श्री. ॥

५४५. सं. १५८४ वर्षे चैत्र वदि ९ गुरौ श्रीविसलनगरवास्तव्य व्य० प्राग्वाटज्ञातीय धर्मा भा० नाउ सु० व्य० जोगा भा० गोमती सु० व्य० वरणाकेन वृद्धभ्रातृ व्य० हर्षायुतेन भा० मणकी सु०

व्य० जयिता व्य० जसा व्य० जयवन्त पौत्र जयचंद्रप्रमुखकुटु परिवृतेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं। प्र० वृहत्तपापक्षे श्रीलब्धिसागरसूरिपट्टे श्रीधनरत्नसूरि श्रीसौभाग्यसागरसूरिभिः ॥

५४६. सं. १५११ वर्षे वैशाख सु. ३ शनौ प्रा० ज्ञातीय श्रे० गोपाल भा० अधु सुत श्रे० बोबा भा० जाणी सुत श्रे० जेसिंगेन भा० जसमोद सुत पोपट प्रथनाकुटुम्बयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिम्बं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ गाल्हउसैण्यग्रामे ॥

५४७. सं. १९२७ वर्षे पौष वदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय दोसी वस्ता सुत दो० पर्वत भार्या पोपटी पुत्र वजाइगत भा० पहुति सुत तेजपालसहितेन पितृनिमित्तं श्रीसंभवनाथबिम्बं कारितं प्रतिष्ठितं सिद्धान्तिगच्छे भ० श्रीसोमचन्द्रसूरिभिः श्रीपत्तनवास्तव्य ॥

५४८. सं. १५९७ वर्षे वैशाख सुदि १२ शनौ प्राग्वाटज्ञातीय दो० धर्मपा भा० लखमायी पु० दो० कुंरा भार्या चम्पायी पुत्र महिराजप्रीत्यर्थं श्रीपद्मप्रभबिम्बं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ विसलनगरे.

५४९. सं. १६२८ वर्षे वैशाख सुदि ११ बुधे वटपलीवास्तव्य प्राग्वाटज्ञातीय वु० जगमालकेन भार्या मा० अजाई सुत पुंजा प्रमुख कुटुम्बयुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छ भ० श्रीहीरविजयसूरिराज्यमहोपाध्यायश्रीकल्याणविजयगणिभिः ॥

५५० सं. १५५४ वर्षे माघ वदि २ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय व्य० मादा भा० हीरू सुत व्य० जोटाकेन भा० हीरि प्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः मोसाणाग्रामे ॥

५५१. सं. १३१९ वर्षे फा. सु. १२ प्राग्वाट.... .... श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुन्दरसूरि पट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिगच्छाधिपै. मटियानाग्रा ॥

९९२. सं. १५७१ वर्षे चैत्र वदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय मंत्री पूना भार्या प्रिमल्दे सुत आना भोजा आना भार्या सहिजल्दे सुत वर्मणधर्मणममन्तकुटुम्बयुतेन भ्रातृ। कीया बडूआश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे श्रीआनंदरत्नसूरिभिः रनेलावास्तव्य॥

९९३. सं. १५१२ वर्षे माघ सुदि ९ सोमे....श्रीसुमतिबिंबं का० प्र० भावडहगच्छे श्रीवीरसूरिभिः ॥ उकेशगच्छे श्रीकक्कसूरिः ॥

९९४. सं. १५५५ वर्षे फा० सु० २ सोमे प्राग्वाटज्ञा० सोढा भा० देमती सुतज्य० हापा देपा भा० कर्मी सुत लटकण भा० लीली प्र० युतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिसंताने श्रीहेमविमलसूरिभि । महिपानके ॥

९९५. सं. १९९७ वर्षे वैशाख सु. ३ प्राग्वाटज्ञा० व्य० सीहा भा० तीलू सुत सेंदाकेन भा० घती भ्रातृ जेमा भा० रपिणी राजा भीमादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्री रत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि' ॥ जालिक

९९६. सं० १५२१ वैशाख सुदि २ शनौ उप० छाज० गोत्रे उगम भा० सीति पुत्र सा० सिंहाकेन भा० भावल्दे पुत्रपरिवारसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीखरतरश्रीजिनधर्मसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

९९७. सं. १५१९ वर्षे कार्त्तिक वदि ९ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० रुदा भार्या टहकू सुत खेता भा० खेतल्दे सु० फोदा पोपट भ्रातधनाबाउनमित्तं श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीविमलसूरिभि । अहिरोडावास्तव्य इडरपार्श्वे ॥

व्य० जयिना व्य० जसा व्य० जयवन्त पौत्र जयचंद्रप्रमुखकुटुं-
परिवृतेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं। प्र० वृहत्तपापक्षे श्रीलब्धिसागरसू-
रिपट्टे श्रीधनरत्नसूरि श्रीसौभाग्यसागरसूरिभिः ॥

५४६. सं. १५९१ वर्षे वैशाख सु. ३ शनौ प्रा० ज्ञातीय श्रे०
गोपाल भा० अनु सुत श्रे० चौथा भा० नाणी सुत श्रे० जेसिंगेन भा०
जसमोद सुत पोपट प्रमुखकुटुम्बयुतेन श्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिम्बं कारितं
प्र० तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥ गाल्हटसेण्यग्रामे ॥

५४७. सं. १५२७ वर्षे पौष वदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय
दोसी धन्ना सुत दो० पर्वत भार्या पोपटी पुत्र धन्नाङ्गगत भा० पद्मति
सुत तेजपालसहितेन पितृनिमित्तं श्रीसंभवनाथबिम्बं कारितं प्रतिष्ठितं
सिद्धान्तिगच्छे भ० श्रीसोमचन्द्रसूरिभि. श्रीपत्तनवास्तव्य ॥

५४८. सं. १५१७ वर्षे वैशाख सुदि १३ शनौ प्राग्वाटज्ञातीय
दो० धर्मसा भा० लखमायी पु० दो० कुंरा भार्या नम्पायी पुत्र महि
रराजनिमित्तं श्रीपद्मप्रभबिम्ब कारितं प्रतिष्ठितं श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥
विमलनगरे.

५४९. सं. १५२८ वर्षे वैशाख सुदि ११ बुधे वडलीवास्तव्य
प्राग्वाटज्ञातीय वृ० नागमल्केन भार्या भा० भनाई सुत पुना प्रमुख
कुटुम्बयुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठित तपागच्छ भ० श्रीहीरविज-
यसूरिराज्यमहोपाध्यायश्री कल्याणविजयगणिभि. ॥

५५० सं. १५६४ वर्षे माघ वदि २ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय म०
मन्ना भा० हीरू सुत व्य० मांडणेन भा० हीरादेप्रमुखकुटुम्बयुतेन स्वश्रेयोर्थं
श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः गोऊग्रामे ॥

५५१. सं. १५१५ वर्षे फा. सु. १२ प्राग्वाट.... .... ..
श्रीसुपार्श्वनाथबिंब का० प्र० तपाश्रीमुनिसुन्दरसूरि पट्टे श्रीरत्नशेखरसूरि
गच्छाधिपैः प्रतिष्ठितं ॥

९९२. सं. १९७१ वर्षे चैत्र वदि २ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञातीय मंत्री पूना भार्या प्रिमल्दे सुत आना भोजा आना भार्या सहिजल्दे सुत कर्मणधर्मणसमस्तकुटुम्बयुतेन भ्रातृ। कीया मडूआश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्य-बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे श्रीआनंदरत्नसूरिभिः रनेलवास्तव्य॥

९९३. सं. १९१२ वर्षे माघ सुदि ५ सोमे....श्रीसुमतिबिंबं का० प्र० भावडहगच्छे श्रीवीरसूरिभिः॥ उकेशगच्छे श्रीवक्कसूरिः॥

९९४. सं. १९९९ वर्षे फा० सु० २ सोमे प्राग्वाटज्ञा० सोठा भा० देमती सुतव्य० हापा देपा भा० धर्मी सुत लटरण भा० नीली प्र० युतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसोमसुन्दरसूरिसंताने श्रीहेमविमलसूरिभिः। महिपानके॥

९९५. सं. १९९७ वर्षे वैशाख सु. ३ प्राग्वाटज्ञा० व्य० सोढा भा० तीलू सुत सैदाकेन भा० घती भ्रातृ जेमा भा० रपिणी राजा भीमादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्री रत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥ नाथिल

९९६. सं० १९२१ वैशाख सुदि २ शनौ उप० ज्ञा० गोत्रे उगम भा० सीति पुत्र सा० जिणकेन भा० भावल्दे पुत्रपरिवारसहितेन आत्मश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीखरतरश्रीजिनधर्मसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः॥

९९७. सं. १९१९ वर्षे कार्तिक वदि ५ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीय श्रे० रत्ना भार्या रहकू सुत खेता भा० खेतल्दे सु० फोदा पोपट भ्रातधनाबाउनमित्तं श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीवि-मलसूरिभिः। अहिरोडावास्तव्य इडरपार्श्वे॥

चौमुखजीना देरानी प्रतिमाओना लेखो.

११८. सं. १७८९ वर्षे आषाढ सुदि २ [illegible] हाजनो भा० [illegible] भार्या [illegible] श्रीसुमतिबिंब कारितं प्र० श्रीसोमसुन्दरसूरिभिः ॥

११९. सं. १५२१ वर्षे माघ..... श्रीशांतिनाथबिंब का० प्र० श्री [illegible] श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । [illegible] ॥

१२०. सं. १५०३ वर्षे पोष वदि ३ [illegible] ... श्री [illegible] बिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीजिन[illegible]सूरिभिः [illegible] ॥

१२१. श्री[illegible]बिंबं का० प्र० [illegible] श्री[illegible] [illegible] [illegible]सूरिभिः ॥ श्री

१२२. सं. १५०३ वर्षे [illegible] सुदि १२ [illegible] [illegible] [illegible]बिंबं का० प्रति० श्री[illegible]सूरि [illegible] [illegible] ॥

१२३. सं. [illegible] वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible]बिंबं [illegible] [illegible]सूरिभिः ॥

१२४. सं. [illegible] वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible] का० [illegible]सूरिभिः ॥

आदीश्वरजीना गभारानी प्रतिमाओना लेखो.

९६५. सं. १५१६ वर्षे कार्तिक वदि २ सोमे दीर श्रीश्रीमालज्ञातीय दोसी सायर सुत दोसी नरचंद भा० छबी तत्पुत्र दोसी तेजाकेन भा० रहीमहितेन पितृमातृआत्मश्रेयोर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्रधान श्रीपूर्णिमापक्षे भट्टा० श्रीजयप्रभसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितम् ॥

९६६. सं. १५६७ वर्षे वैशाख वदि ४ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय श्रे० षडुआ भार्या रूपाई पु० कान्हा भा० मुनिमहितेन स्वपूर्वजनिमित्तं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे भ० श्रीहेमरत्नसूरिभि ॥

९६७. संवत् १५१२ ज्ये. सु. ३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय व्यव० अर्जन भा० अहिवलदे तत्पुत्र लक्ष्मण भा० लखमाई श्रेयसे वृद्धसुत घूरकेन भा० वरजूमहितेन श्रीमुनिसुव्रतस्वामिमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः का० पूर्णिमापक्षे गंधारीया भ० श्रीधनप्रभसूरिपट्टे भ० श्रीमुनिसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्र० ॥

९६८. सं. १३३९ वर्षे वै. सु. ११ शुक्रे प्रा० ज्ञा० श्रे० आसान सुत सिद्धपालेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमाणाम (?)॥

कुंथुनाथजीना गभारानी प्रतिमाओना लेखो.

९६९. सं. १४९४ वर्षे प्राग्वा० श्रे० लखा भा० नागु सुत श्रे० आसा......श्रे० श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीसोमसुंदरसूरिभि ॥

९७०. सं. १५७६ वर्षे वैशाख सु. ६ सोमे मदग्रामवास्तव्य प्रा० ज्ञातीय श्रे० तोडा भा० लाखी पु० श्रे० शाणकेन भा० मांसी

पुत्र राना हीरादि पितृव्य श्रे० नरबदादिकुटुंबयुतेन श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः॥

९७१. सं. १५३३ मा. व. १०..........श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० तपागच्छे रत्नशेखरसूरिपट्टे लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९७२. सं. १४७९ वर्षे माघ वदि ४ हुंबडज्ञातीय........सुपार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः॥

९७३. सं. १४०६ (१४८६) वर्षे शाके १३९१ वै. व. १० गुरुवारे........श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीजिनवर्धनसूरिभिः ॥

९७४. सं. १३१२ वर्षे.......श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० बृहद्गच्छीय श्रीमदनसूरिपट्टे श्रीसिद्ध (सादपसूरिभिः)॥

९७५. सं. १४०९ वर्षे फा. व. २....आदिनाथबिंबं का० प्र० वृद्धगच्छीयश्रीविनयभद्रसूरिभिः ॥

९७६. सं. १३३७ व...........यशोभद्रसूरिसंताने...........

९७७. सं. १५१७ वर्षे पोष सुदि पूर्णिमा मं० हीरा भा०.... श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः॥

९७८. सं. १५२१ वर्षे माघ पूर्णिमा गुरु श्रीश्रीमाल्ज्ञा० दो० मायर सुत राणा भा० कमाई नीनि स्वामी सुत गुणिया महीरानेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे प्रधानभट्टारकश्रीजयसूरीणामुपदेशेन ॥

९७९. सं. १५२५ वर्षे मा. सु. ९ गु. दामा श्रे० गुण भा० अमाद्ध सु० म० भोजाकेन भ्रा० चंदूआ स्वभार्या मारू सुत नाथादि कुटुंबश्रे० संभवबिंबं का० प्र० त० ग० रत्नशेखरसूरिपट्टे लक्ष्मीसागरसूरि ॥

९८०. सं. १२९० वर्षे चैत्रवदि ९ सोमे कुणग्रामे श्रे. रत्न.... मं. धणाल्ग्श्रेयोर्थं सु० महणसिंह का० प्र० सूरिदिगसूरिभिः ॥

९८१. सं. १४९६ व. ज्ये. व. १२ रानौ श्रीशीतलं का० मरा

स्वभार्या लाडु सुत शंकर देवसिंह आल्हा सुत श्रीअंचलगच्छेश मेरुतुंग
रींद्राणामुपदेशेन निजमातृपितृश्रेयसे चंद्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि

९८२. सं. १३९४ वै. शु. १० गुरु गुणभद्रसूरीणामुपदेशेन.॥

९८३. सं. १२९७ व. वै. ९ भोमे....................श्रेयोर्थं
सुत महणसिंह का० प्र० सर्वदेवसूरिभिः ॥

अहमदनगर.

महावीर देरासरना प्रतिमाना लेखो.

९८४. सं. १५७१ पोष वदि १ सोमे कुंथुनाथबिंबं का० प्र०
पागच्छे हेमविमलसूरिभिः ॥ (चोवीशी)

९८५. सं. १९८७ व. माघ वदि ८ गुरौ मावड कलेरगच्छे
ीरसूरिभिः ॥

९८६. श्रीविजयसेनसूरिगुरुभ्यो नमः । श्री० म० सं. १६६२ वर्षे
विधिनाथ ॥

९८७. सं. १९०४ वर्षे माघ वदि ९ रवौ प्राग्वाटज्ञा० म०
भार्या धर्माई पुत्र सत्मराजेन भा० चमकू पुत्र सत्यनारायण-
त्रयमंडनधर्मादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीशान्तिबिंबं प्र० श्रीतप-
ान श्रीनरचन्द्रसूरिभिः ॥

पुत्र राना हीरादि पितृव्य श्रे० नरबदादिकुटुंबयुतेन श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभि ॥

१७१. सं. १५३३ मा. व. १०............श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० तपागच्छे रत्नशेखरसूरिपट्टे लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१७२. सं. १४७९ वर्षे माघ वदि ४ हुंबडज्ञातीय.........सुपार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः॥

१७३. सं. १४०९ (१४८९) वर्षे शाके १३११ वै. व. १० गुरुवारे...... .श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीजिनदत्तसूरिभि ॥

१७४. सं. १३१२ वर्षे ... ...श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० बृहद्गच्छीय श्रीमदनसूरिपट्टे श्रीमिदना (सादासूरिभि) ॥

१७५. सं. १४०९ वर्षे का. व. ३. .आदिनाथबिंबं का० प्र० बृहद्गच्छीयश्रीजिनभद्रसूरिभि ॥

१७६. सं. १३३७ व... .... यशोभद्रसूरिसंताने ....

१७७. सं. १५५७ वर्षे पोष सुदि पूर्णिमा म० हीरा भा०.... श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि. ॥

१७८. सं. १५३१ वर्षे माघ पूर्णिमा गुरु श्रीश्रीमाली० दोसी [illegible] सुत रत्ना भा० कमाई नीलि [illegible] सुत पूर्णिमा [illegible] श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे [illegible] ॥

१७९. सं. १५३५ वर्षे मा. सु. ९ गु. [illegible] मा० [illegible] सु० म० [illegible] श्रा० [illegible] [illegible] का० प्र० [illegible] ॥

१८०. सं. १५०७ वर्षे [illegible] [illegible] ॥

१८१. सं. १५३१ व. [illegible] व. १३ [illegible]

स्वभार्या लाडु सुत शंकर देवसिंह आल्हा सुत श्रीअंचलगच्छेश मेरुतुंगसूरींद्राणामुपदेशेन निजमातृपितृश्रेयसे चंद्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

९८२. सं. १२९४ वै. शु. १० गुरु गुणभद्रसूरीणामुपदेशेन. ॥

९८३. सं. १२९७ व. वै. ९ भोमे.........................श्रेयोर्थ सुत महणसिंह का० प्र० सर्वदेवसूरिभिः ॥

अहमदनगर.

महावीर देरासरना प्रतिमाना लेखो.

९८४. सं. १५७१ पोष वदि १ सोमे कुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे हेमविमलसूरिभिः ॥ (चोवीशी)

९८५. सं. १९८७ व. माघ वदि ८ गुरौ भावड गच्छे श्रीवीरसूरिभिः ॥

९८६. श्रीजिनदत्तसूरिगुरुभ्यो नमः । श्री० म० सं. १९१२ वर्षे श्रीसुविधिनाथ ॥

९८७. सं. १९०४ वर्षे माघ वदि ९ रवौ ....का० म० देवराज भार्या धर्मादे पुत्र रूपराजेन मा० चनद पुत्र ....दरमाणिक्यचंदनधर्मादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थ श्रीशांतिबिंबं प्र० श्रीखर-तरगच्छाधिराज श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

पुत्र राजा हीरादि पितृव्य श्रे० नरवदादिकुटुंबयुतेन श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीनागगच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः॥

९७१. सं. १९३३ मा. व. १०............श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० तपागच्छे रत्नशेखरसूरिपट्टे लक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९७२. सं. १४७९ वर्षे माघ वदि ४ डुंगरज्ञातीय........सुपार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः॥

९७३. सं. १४०६ (१४८६) वर्षे शाके १३९१ वै. व. १० गुरुवारे........श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीजिनवर्धनसूरिभिः ॥

९७४. सं. १३६२ वर्षे........श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० वृद्दगच्छीय श्रीमदनसुरिपट्टे श्रीसिद्धय (साद्यमूरिभिः)॥

९७५. सं. १४०९ वर्षे फा. व. २....आदिनाथबिंबं का० प्र० वृद्धगच्छीयश्रीविनयभद्रसूरिभिः ॥

९७६. सं. १३३७ व..........यशोभद्रसूरिसंताने............

९७७. सं. १९९७ वर्षे पोष सुदि पूर्णिमा मं० हीरा भा०.... श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीसुरिभिः॥

९७८. सं. १९२१ वर्षे माघ पूर्णिमा गुरु श्रीश्रीमालज्ञा० दो० सायर सुत राणा भा० कर्माइ जीवित स्वामी सुत गुणिया महीराजेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे प्रधानभट्टारकश्रीजयसूरीणामुपदेशेन॥

९७९. सं. १९३९ वर्षे मा. सु. ९ गु. दासा श्रे० जुग भा० अमकू सु० म० मोगाकेन भ्रा० वेडूआ स्वभार्या मवक सुत नाथादि कुटुंबश्रे० संभवबिंबं का० प्र० त० ग० रत्नशेखरसूरिपट्टे लक्ष्मीसागरसूरि ॥

९८०. सं. १२९७ वर्षे चैत्रवदि ५ सोमे डूणग्रामे महं. रतनू सुत मं. धणपालश्रेयोर्थं सु० महणसिंह का० प्र० सुविहितसूरिभिः॥

९८१. सं. १४९९ व. ज्ये. व. १३ शनौ श्रीवीरवंशे सा० मदन

सुरत.

…टीना देहरासरनी प्रतिमा उपरनो लेख

…९ वर्षे वैशाख नागरज्ञातीय दो० हीरा भार्या
…देन भा० रमाई सुत विनासुतेन निजपितृमातृश्र
…यं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभि

…ी प्रतिमा सैयदपरामां छे तेनो लेख.

… वर्षे वैशाख सुदि ६ सोमे कपोलज्ञा० श्रे०
…० नाना भा० सं० कल्हतिगदेनाम्ना निज-
…० प्रति० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमति-

…तिमानो लेख.

…१ रवौ श्रीगूर्जरज्ञातीय म०
…नी सु० म० म० भा०
…सिराम भा० वीराई प्र०
…गरसूरीणामुपदेशेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं

९८८. सं. १८७३ माघ सुदि ७ शुक्रे श्रीअम्हदनगरवास्तव्य ....हल्चंद्रसकलतेन श्रीसिद्धचक्रं कारापितं प्रतिष्ठितं श्रीविजयजिनेन्द्र-सूरिभिः श्रीतपागच्छे चतुर्दशीव्रतोद्यापनं ॥

९८९. सं. १५३० वर्षे माघ वदि २ शुक्रे मुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीधर्मशेखरसूरीणां पट्टे श्रीविशालराजसूरीणामु-पदेशेन विधिना ॥ (पंचतीर्थी).

९९०. सं. १५१० वर्षे ज्येष्ठ सु. ३ गुरौ श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपागच्छ नायकभट्टारक श्रीरत्नसिंहसूरिभि (पंचतीर्थी).

९९१. सं. १३८८ वर्षे वैशाख शु. १९ श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० अठ्ठरयेत्यश्रीवीरसेनसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

९९२. सं. १६९३ माघ सु. १० प्र० युगप्रधान श्रीजिनचन्द्र-सूरिभिः आचार्यसंघसूरिभिः ॥

९९३. सं. १६९३ माघ सु. १० प्र० वृद्धतपागच्छेशश्रीविजि-यदेवेन्द्रसूरिभिः पार्श्वजिनबिंबं ॥

९९४. सं. १६२२ वर्षे आसो सु. ४ सपरिकरं–पार्श्वनाथबिंबं प्र० श्रीसूरिभिः ॥

घरदेरासरनो.

९९५. सं. १५१६ वर्षे चैत्र वदि ९ गुरौ श्रीपद्मप्रभबिंबं काष्ठा-संघे बाघ. म० श्रीधर्मशेखरसूरिभिः प्र० ॥ (पंचतीर्थी)

अजितनाथना देरासरनो.

९९६. सं. १५०४ वर्षे आषाढ सु. २ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० मंता भार्या हमीरदे सुत पगकेन भार्या मासु सुत कुशलिकुटुंबयुतेन भ्रातृमापर स्वश्रेयोर्थं श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीजयचंद्रसूरिभिः ॥

सुरत.

नेमुभाइनी वाडीना देहरासरनी प्रतिमा उपरनो लेख.

५९७. १५०९ वर्षे वैशाख नागरज्ञातीय दो० हीरा भार्या मेघू पुत्र दो ॥ राजाकेन भा० रमाई सुत विनायुतेन निजपितृमातृश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः वृद्धशाला. ॥

एक धीतळनी प्रतिमा सैयदपरामां छे तेनो लेख.

५९८. सं. १५४७ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे कपोल्ज्ञा० श्रे० सरवण भा० आमू सुत सं० नाना भा० सं० कडतिगडेनाम्ना निजश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्रति० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

रूगनाथपुराना देहरासरनी प्रतिमानो लेख.

५९९. सं. १५४७ वर्षे माघ शु. १३ रवौ श्रीगूर्जरज्ञातीय म० आसा भा० टबकू सुत मं० वयजा भा० मली सु० म० भ० भा० कर्माई म० भूपति भा० अकू सुत मं. सिवदास भा० कीवाई प्र० कुटुंबयुतेन श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धांतसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

नवापुरा.

६००. सं. १४७० वर्षे वायटज्ञातीय पितृमहं सांमतसीह पुत्र महं गोलाकेन श्रीअंबिका कारापिता. ॥

सादरा.

जैन देरासरनी पंचतीर्थी उपरनो लेख.

११० सं. १४८९ वर्षे वैशाख शु. ६ रवौ श्रीओसवालज्ञा० ॥ ....सुत मुडाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणसागरसूरिभिः सर्वदोषपरिहरणनिमित्तं ॥ छ.

ओराण.

श्वेतांबर देहरुं सुमतिनाथनुं.

१११. सं. १५१७ वर्षे फा. शु. ३ शुके मावडहरगच्छे श्रीश्रीमालीज्ञातीय मं. मोट भा० रूपिणी पुत्र मं० सज्जाउ भा० मागनी पुत्र मं० नाथा भा० मंगाई पु० महसाल्हणसाल्हसहितेन स्वपुण्यार्थं पूर्वजश्रेयोर्थं च श्रीमुनिसुव्रतस्वामिमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीकालिकाचार्यसंताने श्रीभावदेवसूरिभिः ॥

११२. सं. १५२८ वर्षे माह व. ९ बुधे श्रीनागपालगच्छे ओ० समसमेसर्ने भा० गोमे सा. देदा भा० मादणदे पु० सेमाकेन

भार्या नीवादे.......आत्मश्रेयसे पितृनिमित्तं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषसूरिभि ॥

६१३. सं. १४२२ वै. व. ९ गुरौ श्रीकाष्ठासंघे हुंबडज्ञा० भनपाल.... ...कल्याणकीर्ति. श्रीमहावीरबिंबं.... .... ॥ *

छारा.

६१४. ॥ १५०७ चैत्र व. ९ गुरौ उपसवंशे मं. दूदा भा० माधल्दे पुत्र मं. आंबासुश्रावकेण भा० घोली भ्रातृ सीधरदेधरसहितेन श्रीअंचलगच्छे जयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥ (पंचतीर्थी).

अलुवा.

६१५. संवत् १२०२ वैशाख सुदि ४ बुधे नारसिंहान्वये :आ० केसतसा भा० माल्हणि सुता हांसी प्रणमति॥ *

सादरा.

जैन देरासरनी पंचतीर्थी उपरनो लेख.

६१० सं. १४८९ वर्षे वैशाख शु. ६ रवौ श्रीओसवालज्ञा० ॥
....सुत सुडाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणसागरसूरिभिः सर्वदोषेपहरणनिमित्तं ॥ छ.

ओराण.

श्वेतांबर देरुं सुमतिनाथनुं.

६११. सं. १५१७ वर्षे फा. शु. ३ शुक्रे पाववहगच्छे श्रीश्रीमालीज्ञातीय मं. मोट भा० रुपिणी पुत्र मं० सच्चाउ भा० गागनी पुत्र मं० नाना भा० धर्माई पु० महनराजनमराजसहितेन स्वश्रेयार्थं पूर्वजश्रेयोर्थं च श्रीमुनिसुव्रतस्वामिमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीराजगच्छाचार्यसंताने श्रीसमचंद्रसूरिभि ॥

६१२. सं. १५२८ वर्षे महा व. ९ शुभे श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रो० समनवेमनो भा० गोने मा. रेडा भा० मटूलदे पु० सेमाकेन

भार्या जीवादे...... आत्मश्रेयसे पितृनिमितं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधनेश्वरसूरिभि. ॥

६१३. सं. १४३२ वै. व. ९ गुरौ श्रीकाष्ठासंघे हुंबडज्ञा० मनपाल.........कल्शकीर्ति. श्रीमहावीरबिंबं.... .... ॥ *

छारा.

६१४. ॥ १५०७ वैशु व. ९ गुरौ उएसवंशे मं. दूदा भा० माथल्दे पुत्र मं. आंबासुश्रावकेण भा० भोली भ्रातृ सीधरदेधरसहितेन श्रीअंचलगच्छे जयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥ (पंचतीर्थी).

अलुवा.

६१५. संवत् १२०२ वैशाख सुदि ४ बुधे नारसिंहान्वये आ० पेसतसा भा० माल्हणि सुना हांसी प्रणमति॥ *

सादरा.

जैन देरासरनी पंचतीर्थी उपरनो लेख.

६१०. सं. १४८९ वर्षे वैशाख शु. ६ रवौ श्रीओसवालज्ञा० ॥ ....सुत मुडाकेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणसागरसूरिभिः सर्वदोषपरिहरणनिमित्तं ॥ छ.

ओराण.

श्वेतांबर देहरुं सुमतिनाथनुं.

६११. सं. १६१७ वर्षे फा. शु. ३ शुक्रे भावडहरगच्छे श्रीश्रीमालीज्ञातीय मं. मोट भा० रूपिणी पुत्र मं० सल्खउ भा० गागती पुत्र मं० नाथा भा० मंगाई पु० सहजपालजसपालसहितेन स्वपुण्यार्थं पूर्वजश्रेयोर्थं च श्रीमुनिसुव्रतस्वामिमुख्यतीर्थंकरचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठितः श्रीकालिकाचार्यसंताने श्रीभावदेवसूरिभिः ॥

६१२. सं. १५२८ वर्षे महा व. ९ बुधे श्रीनाणावालगच्छे ओ० ससमनोसगे भा० गोमे सा. रेडा भा० माहणदे पु० नेसाकेन

भार्या जीवादे........आत्मश्रेयसे पितृनिमित्तं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मधरसूरिभिः ॥

६१३. सं. १४३२ वै. व. ९ गुरौ श्रीकाष्ठासंघे हुंबड्ज्ञा० भनपाल........कल्याकीर्ति. श्रीमहावीरबिंबं.... .... ॥ *

छारा.

६१४. ॥ १९०७ चैत्र व. ९ गुरौ उएसवंशे मं. दूदा भा० माथलदे पुत्र मं. आंबागुआवकेण भा० मोली भ्रातृ सीधरदेधरसहितेन श्रीअंचलगच्छे जयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥ (पंचतीर्थी).

अलुवा.

६१५. संवत् १२०३ वैशाख सुदि ४ बुधे नारसिंहान्वये आ० धेरतला भा० माल्हणि सुता हांसी प्रणमति॥ *

रायपर.

६२०. सं. १५२१ वर्षे माघ शु. १३ प्रा० श्रे० वाचा भा० र्पूई सुत श्रे० जिनदासेन भा० राणी सुतहरराजहेमादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे सोमसुंदरसूरिसंताने श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

६२१. सं. १८२३ शा. १७९८ माघ शु. १० बुधे राजनगरवास्तव्य मालीज्ञा० सा० वखतचंद भार्या.... ....सा० प्रेमचंद तत्पुत्र सा० करमचंद तत्पुत्र शा० मगनभाई तद्भार्या जेकोरबाइ श्रेयोर्थ श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं तपागच्छभट्टारक.... ....

६२२. सं. १५१८ वर्षे माघ शुदि १० भोमे श्रीऊकेशवंशे सा० वीजा भा० मनराइ तत्पुत्र सा० भीमा भा० हेमाइनाम्ना स्वश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० श्री....वृद्धतपापक्षीयश्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

साणंद.

श्रीपद्मप्रभुजीना देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६२३. सं. १५२८ वर्षे चैत्र वदि ११ शुक्रे श्रीमालज्ञा० मं० राउल भा० प्रमकु सुत सवधेरण भा०..............आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० श्रीमद्.......करगच्छे श्रीधनप्रभसूरिभि प्र० गांभूवास्तव्य ॥

'वासणा.

११६. सं. १५८८ वर्षे फागण शु. ८ बुधे श्रीश्रीमालीज्ञातीय मा० नना भा० मनी सुत देवा[illegible] भा० सहजदे सु० वीरा हला मंगल्पुरोन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीतपागच्छ सूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥

घडकण.

११७. सं. १५३१ वर्षे माघ शु. ५ [illegible] श्रीश्रीमालज्ञातीय [illegible] भार्या [illegible] सुत [illegible] भा० [illegible] श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं [illegible] प्रतिष्ठितं ॥

११८. सं. १५७० वर्षे पोष वदि २ बुधे श्रीश्रीमाल० [illegible] भार्या [illegible] सुत [illegible] [illegible] श्री[illegible] ॥ [illegible]

११९. सं. १०७२ वर्षे माघ व. २ बुधे श्रीश्रीमाल० मा० [illegible] ॥

रायपर.

६२०. सं. १५२१ वर्षे माघ शु. १३ प्रा० श्रे० बाबा भा० हर्षू सुत श्रे० जिनदासेन भा० शाणी सुतहरराजहेमादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे सोमसुंदरसूरिसताने श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६२१. सं. १८२३ शा. १७५८ माघ शु. १० बुधे राजनगरश्रीमालीज्ञा० सा० वखतचंद भार्या.... ....सा० प्रेमचंद तत्पुत्र सा० करमचंद तत्पुत्र शा० मगनभाई तद्भार्या जेकोरबाइ श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं तपागच्छभट्टारक.... ....

६२२. सं. १५१८ वर्षे माघ शुदि १० भोमे श्रीऊकेशवंशे सा० वीजा भा० मनख तत्पुत्र सा० भीमा भा० हेमाइनाम्ना स्वश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० श्री....वृद्धतपापक्षीयश्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

सायंद.

श्रीपद्मप्रभुजीना देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६२३. सं. १५२८ वर्षे चैत्र वदि ११ शुक्रे श्रीमालज्ञा० मं० राऊल भा० रमकू सुत समधरेण भा०................आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० श्रीमद्.......करगच्छे श्रीधनप्रभसूरिभिः प्र० गांभूवास्तव्य ॥

वासणा.

६१६. सं. १९८८ वर्षे फागण शु. ८ बुधे श्री ओसवा[illegible] सा० लखा भा० मनी सुत देवदासकेन भा० सहवदे सु० कीका [illegible] मंगलपुत्रेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीधन[illegible] सूरिभिः ॥ श्रीरस्तु ॥

घडकण.

६१७. सं. १५२५ वर्षे महा शु. ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय नालक्मा भार्या करमिदे सुतखेतकेन तद्‌रमा मा० विमलीनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारापितं श्रीकमलप्रभसूरिणा प्रतिष्ठितं ॥

६१८. सं. १५३० वर्षे पोष वदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रेष्ठिनेना भार्या कर्पूरी सुत मद्रिराज पद्माजागा तया पातेः स्वपूर्वजश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीसूरिभिः । मांडलीसीतापुरवास्तव्य

६१९. सं. १५९९ वर्षे माघ व. २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० सा० जिनदास तत्सुत सा० गोरा तद्‌भार्या बाइ गंगादे सुत सा० सागरदेवचंद नाम्ना निजपितृश्रेयोर्थं श्रीअजितनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छनायक श्रीआणंदविमलसूरिभिः प्रतिष्ठितश्चतुर्विंशतिजिनपट्टः श्रियेऽस्तु ॥

रायपुर.

६२०. सं. १५२१ वर्षे माघ शु. १३ प्रा० श्रे० नाना भा० हर्षु सुत श्रे० जिनदासेन भा० राणी सुतहरराजहेमादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे सोमसुंदरसूरिसंताने श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६२१. सं. १८२३ शा. १७१८ माघ शु. १० बुधे राजनगरश्रीमालीज्ञा० सा० वालचंद भार्या.... ....सा० प्रेमचंद तत्पुत्र सा० धरमचंद तत्पुत्र सा० मगनभाई तद्भार्या जेकोरबाइ श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं तपागच्छभट्टारक... ....

६२२. सं. १५१८ वर्षे माघ सुदि १० भौमे श्रीऊकेशवंशे सा० वीला भा० रत्नू तत्पुत्र सा० भीमा भा० हेमाइनाम्ना स्वश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० श्री....वृद्धतपापक्षीयश्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

साणंद.

श्रीपद्मप्रभुजीना देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६२३. सं. १५२८ वर्षे चैत्र वदि ११ शुक्रे श्रीमालज्ञा० मं० राउल भा० रामकु सुत समधरेण भा०..................आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० श्रीमद्........तपागच्छे श्रीधर्मरत्नसूरिभिः प्र० गांफवास्तव्य ॥

६२४. सं. १६६७ वर्षे वैशाख शुदि ३ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० मोय मुकामा सेवा साजण मांमण कामा भा० बा० लाटीकी सु० धरण श्रे० कुटुंबश्रेयसे आगमगच्छे सोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन श्रीमुनिसुव्रतस्वाम्यादिपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता च विधिना उदल (य) पुरवास्तव्य.... ....॥

६२५. सं. १२५८ ज्येष्ठ शुदि ९ रवौ.... .... पूर्णभद्रसूरिसंताने... ....श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीशांतिभद्रसूरिभि. ॥

६२६. सं. १९२९ वर्षे ज्येष्ठ शुदि २ सोमे श्रीमालीज्ञातीय श्रे० वेला भार्या अधु पुत्र सेताकेन स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीकमलप्रभसूरीणां पट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥ श्रीः ॥

६२७. सं. १८९२ वर्षे श्रीमाघमासे शुक्लपक्षे १० तिथौ बुधे श्रीश्रीमालीज्ञातीय मेता चांदा देवकरण.........सागरगच्छे भ० श्रीशांतिसूरिभिः प्रतिष्ठितम् ॥

६२८. सं. १८९२ वर्षे माघ शुक्लपक्षे १० दिने प्रतिष्ठितं बाइ जवु.... ....॥

६२९. सं. १९०३ महा वदि ५ शुक्रे बाई घोली स्वश्रेयार्थे आदिनाथबिंबं का० प्र० भ तपागच्छे ॥

६३०. सं. १८९२ वर्षे माघ शु. १० साणंदग्रामे भ० श्रीशांतिभद्रसूरिभिः प्र० ॥

६३१. सं. १८९२ वर्षे माघमासे शुक्लपक्षे २ बुधे साणंदग्रामे श्रीश्रीमालीज्ञा० मेता देवकरण तत्पुत्र चांदा तेन सिद्धचक्रं का० सागरगच्छे भ० शांतिसागरसूरिभिः प्र० ॥

श्रीपार्श्वनाथजीना देरामांनी प्रतिमाना लेखो.

१२२. सं. १५१० वर्षे ज्येष्ठ सुदि २ गुरौ दिसावालज्ञा० श्रे० अवरा भार्या टबकु पुत्र श्रे०.. कालाकेन भा० रूडु पुत्र अवरादि कुटुंबयुतेन स्वपितृव्यश्रे० देवाश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्रीमंत्र सिद्धपुरिवरोयं ॥

१२३. सं. १८९२ वर्षे माघ सु. १० बुधे श्रीमाणंदनगरश्रीसं-घसमस्त श्रीमहावीरबिंबं का० आणंदसूरगच्छे ॥

१२४. सं. १९२० फागण सु. २ वाघेरा प्रतापसिंह भार्या महेता बलाइ श्रीविमलजिनबिंबं (प० भा०) श्रीभक्तिचंद्रसूरिराजे श्रीसागरचंद्रेण प्र० ॥

१२५. सं. १७६८ माघपंचमी अमदावादवास्तव्य वह डला हाथीदोर्ध श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारितम् ॥

१२६. सं. १५११ वर्षे माघ व. १ शिरोहीवास्त० व्य० सदा भा० सदलदे सुत व्य० समधर–रत्ना–डुंगर–कर्मा.कैः भा० मदुरत्नादिमुत–सुत साला–हापा–वच्छा–मुख्य ज्येष्ठबंधुव्य० वनाश्रेयसे श्रीसुमति-बिंबं प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीजयचंद्रसूरिभिः । अहेमनगरवा० ॥

१२७. सं. १५०९ ज्येष्ठ वदि ९ प्र० सा० जेसा भा० पदमी पुत्र सा० धेनाकेन भा० फदकु पुत्र....समरादियुतेन श्रीशांतिबिंबं का० प्र० तपागच्छे बृहत्तपापक्षे श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१२८. सं. १८०७ वर्षे शाके १७७१ प्रवर्तमाने मनोत्तममासे पौषमासे कृष्णपक्षे पंचमीतिथौ बुधवासरे श्रीदेवलकुंडीयाज्ञातीय सा० उत्तमचंद सुत सा० पानाचंद तस्य भार्या नवड श्रीसिद्धचक्रं कारा-पितं तपगच्छे ॥

१२४. सं. १६६७ वर्षे वैशाख शुदि ३ बुधे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० मोघ्रा सुजामा सेवा साजण मांमण कामा भा० बा० लाडीसी सु० घरण श्रे० कुटुंबश्रेयसे आगमगच्छे सोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन श्रीमुनिसुव्रतस्वाम्यादिपंचतीर्थी कारिता प्रतिष्ठिता च विधिना उहुल (य) पुरवास्तव्य.... ....॥

१२५. सं. १२५८ ज्येष्ठ शुदि ९ रवौ.... .... पूर्णभद्रसूरिसंताने... ....श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीशांतिभद्रसूरिभि ॥

१२६. सं. १९२९ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ९ भोमे श्रीमालीज्ञातीय श्रे० वेरा भार्या अरघु पुत्र रीताकेन स्वश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे श्रीरत्नप्रभसूरीणां पट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभि. ॥ श्री ॥

१२७. सं. १८९२ वर्षे श्रीनागमासे शुक्लपक्षे १० तिथौ बुधे श्रीश्रीमालीज्ञातीय मेता मोघ्रा देवकरण..........गागगच्छे भ० श्रीशांतिसूरिभि. प्रतिष्ठितम् ॥

१२८. स. १८९२ वर्षे माघ शुक्लपक्षे १० दिने प्रतिष्ठितं बाई भाउ.... ....॥

१२९. सं. १९०३ मघा वदि ९ शुक्रे बाई घोर्या स्वश्रेयोर्थं आदिनाथबिंब का० प्र० च तपागच्छे ॥

१३०. सं. १८९२ वर्षे माघ शु. १० मर्गशरमासे भ० श्रीशांतिभद्रसूरिभि: प्र० ॥

१३१. सं. १८९३ वर्षे माघमासे शुक्लपक्षे ३ बुधे मार्गशरमासे श्रीश्रीमालीज्ञा० मेता देवकरण तत्पुत्र भाणा तेन सिद्धचक्रं का० तपागच्छे भ० शांतिसागरसूरिभि प्र० ॥

श्रीपार्श्वनाथजीना देरामांनी प्रतिमाना लेखो.

६१२. सं. १५१० वर्षे ज्येष्ठ शुदि ३ गुरौ दिमावालज्ञा० श्रे० अमरा भार्या टमकु पुत्र श्रे०....कालारेन मा० मदनु पुत्र अंबा-दान धाधादिकुटुंबयुतेन स्वपितृव्यश्रे० देवाश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंब का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभि. श्रीभिवत्तु विराजश्रेयोर्थं ॥

६१३. सं. १८९१ वर्षे माघ शु. १० बुधे श्रीसाणंदनगरश्रीसं-घमध्ये श्रीमहावीरबिंबं का० आणंदसूरगच्छे ॥

६१४. सं. १९२० फागण शु. २ वाघेला प्रतापसिंह भार्या महेता बक्तरबा श्रीचंद्रप्रभजिनबिंबं (म० भा०) श्रीअमृतचंद्रसूरिराजे श्रीसागरचंद्रेण प्र० ॥

६१५. सं. १७६८ माघवंमी अमदावादवास्तव्य बाइ तासा स्वश्रेयोर्थं श्री वासुपूज्यस्वामिबिंबं कारितम् ॥

६१६. सं. १५११ वर्षे माघ व. १ सिनकेरज्ञा० व्य० सहसा भा० सदमलदे सुत व्य० समधर-रत्ना-डुंगर-कर्मा‍कैः भा० सतुरत्नादिसल-मट-सुत माणा-हामा-वच्छा-युतैः ज्येष्ठबंधुव्य० वसताश्रेयसे श्रीसुमति-बिंबं प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीजयचंद्रसूरिभिः । अहेमनगरवा० ॥

६१७. सं. १५०९ ज्येष्ठ वदि ९ प्रा० सा० जेसा भा० पद्मी पुत्र सा० पोनाकेन भा० फदकु पुत्र....समरादियुतेन श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० तपागच्छे बृहच्छाखायां श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः॥

६१८. सं. १८०७ वर्षे शाके १७७१ प्रवर्तमाने मासोत्तममासे पौषमासे कृष्णपक्षे पंचमीतिथौ बुधवासरे श्रीवीसाश्रीमाळिज्ञातीय सा० उत्तमचंद सुत सा० पानाचंद तस्य भार्या नवल श्रीसिद्धचक्रं कारा-पितं तपागच्छे ॥

पामोल.

जैन देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६४७. सं. १५१८ वर्षे ज्येष्ठ शु. २ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा• • महं० गेदा भा० लाडी सुत शिवा भा० वापू महं. मांहसा भा० रत्त महं० पौत्रा महिराज पाणपात समस्तकुटुंबसहित मातृपितृश्रेयोर्थं आत्मश्रेयसे श्रीअभिनंदनचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे गुणसमुद्रसूरिशिष्य आचार्यश्री. ॥

६४८. स. १४२२ वर्षे फाल्गुन शुदि २ शुके. श्रीमालज्ञा• श्रीश्रेष्ठिपाल्हण भा० पाल्हणदे तत्सुता मांडा भा० भावलदे मातृपितृ श्रेयोर्थं सुतश्रे० विरूआकेन श्रीआदिनाथपंचतीर्थी का० पूर्णिमापक्षीय प्रभसूरीणामुपदेशेन प्रति० श्रीसूरिभि ॥

६४९. स. १३२१ ज्येष्ठ वदि १ शनौ श्रा० कामसिरिणं ा संग पूर्वजश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नसिंहसूरिभि ॥

६३९. सं. १५२३ वर्षे माघ वदि ७ रवौ प्रा० ज्ञा० श्रे० जेसिंग भा० लांबु सुत श्रीराजा वरणा भ्रातृ श्रे० मेघाकेन भा० मारूसुत कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथमूलनायकादिचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसागरसूरिभिः । निगमपुरवा० ॥

६४०. सं. १५१४ वर्षे माघ सुदि २ शुक्रे पेथापुरवासि-नागरज्ञातीय दो० हीरा भा० मेघु पुत्र दो० गणाकेन भा० पूरीप्रमुखकुटुंबयुतेन वृद्धभार्या गाली श्रेयसे श्रीसुमतिजिनबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

६४१. सं. १८९३ वर्षे माघ सु. १० बुधवारे श्रीपार्श्वनाथ-श्रीसंघसमस्तश्रीशांतिनाथबिंबं का० श्रीभगसुरगच्छे ॥

६४२. सं. १६२२ वर्षे वैशाख सुदि ३ सोमे म० श्रीसुमति-उद्योतान् ह० गा०........णो धर्मदास तो प्रणमति ॥ *

६४३. सं. १७१२ श्रीतपागच्छे श्रीजिनदत्त....सिंहां-घाना श्रीशांतिनाथश्रेयसे कारितं ॥

(आनी प्रतिमा घणी जीर्ण छे)

६४४. सं. १३४८ फागण सु. १० श्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठि पुत्र वेला मासाकी श्र० श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० ....सूरिभिः ॥ (घणी जीर्ण छे.)

६४५. सं. १८०३ माघ सु. १० प्रतिष्ठा साणंदग्रामे ॥

६४६. ... ...श्रीमाल.... ...श्रे० सामल पुत्र श्रे० हीरा भार्या ... श्रे० वाघा वासा भार्या देवल देवा श्रीसिद्धचक्र का० श्री ५० श्रीजयचंद्रगणिभिः ॥

पामोल.

जैन देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६४७. सं. १५१८ वर्षे ज्येष्ठ शु. २ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० महं० गेदा भा० लाडी सुत शिवा भा० वापू महं. सहिसा भा० रत्त महं० पौत्रा महिराज पाणरात समस्तकुटुंबसहित मातृपितृश्रेयोर्थं आत्मश्रेयसे श्रीअभिनंदनचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे गुणसमुद्रसूरिशिष्य आचार्यश्री....॥

६४८. सं. १४२२ वर्षे फाल्गुन शुदि २ शुके दिशावालज्ञा० श्रीश्रेष्ठिराहण भा० पाल्हणदे तत्सुता मांडा भा० भावलदे मातृपितृश्रेयोर्थं सुतश्रे० विरूआकेन श्रीआदिनाथपंचतीर्थी का० पूर्णिमाश्रीसोमप्रभसूरीणामुपदेशेन प्रति० श्रीसूरिभिः ॥

६४९. सं. १३२५ ज्येष्ठ वदि १ शनौ ज्ञा० वासरिदेणं दा संग पूर्वजश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

गंवांडा.

---

६५०. सं. १३६० वर्षे वैशाख शु. ३ दिने श्री... सं० वदना भा० वदनदे सुत सं० केला भा० ... श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्री... सूरि... वान्नव्य ॥

६५१. सं. १८७७ माघ वदि २ वार चन्द्र ० श्रीऋषभदेवजीबिंबं. ॥

६५२. सं. १२५२ वर्षे वैशाख शुदि १२ ... श्रे० जेना सुत.... ....श्रीनेमिनाथबिंबं. ॥

६५३. सं. १३६७ वर्षे फाल्गुन शु. २ रवौ ... श्रीनिवृत्तकीर्तिगुरूपदेशेन श्रेष्टिम हरदेव सुत श्रे० मानसिंह सुत ....*

६५४. सं. १६६४ वर्षे पौष वदि १ बुधे ... श्रीमालिज्ञा० दो० जगपाल सुत काहनजेकेन ... बिंब का० दृत्ता० म० श्रीविनयसेनसूरिभिः श्रीविनयदेवसूरिभिः ॥

६५५. सं. १३८३ वर्षे माघ शु. ११ सोमे दत्ता० ... मात्र श्रवना नामलदे मंगड रानलदे मंडलिक वीजलदे मेरा कहना कारापि...न् ॥

६५६. सं. १२९२ वर्षे माघ वदि ५ शुक्रे ... का० बर्द्ध मान. ॥

६५७. सं. १३३६ वर्षे पोष वदि ९ शनौ ... पितृमातृ श्रेयसे श्रीदिकटान्वये मा० ममरसिंह पु० मा० डूंगर मदन म

सिरपति पु० सा० जागा भा० मयसिरि पु० सा० समर्थ भा० मणकाई पु० श्रीहांमन भा० हांसलदे भ्रा० शिवदास पु० शिवचंद श्रीगजपरिवारयुतेन पितुः श्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीउपकेशगच्छे कुकुद....श्रीदेवचंद्रसूरिभिः ॥

फोलवडा.

श्री जैन देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६५८. सं. १५९३ माघ शुक्ल ५ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० सोनी राज भा० अमरी सु० सोनी कुंरा भा० मं० मेघा भा० माणेकदे सुता रूपाई तया स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः अंचलगच्छे श्रीसिद्धान्तसागरसूरिगुरूपदेशेन का० प्रति० सुविधिना अहम्मदावादवास्तव्येन.॥

६५९. सं. १३८८ वैशाख वदि २ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ महं लखमसिंह श्रेयोर्थं मातृ बा० अमरिविपुण्यार्थं सुत महं. गोदामदेवानाभ्यां श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीहरिचंद्रसूरिभिः ॥

६६०. सं. १५१० वर्षे ज्येष्ठ शु. ३ गुरौ वीरवंशे श्रीचांपा भा० जासू पुत्र अमाकेन भा० डाही भ्रातृमालायुतेन श्रीअंचलगच्छनायकश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० श्रीसंघेन ॥

गंवाडा.

६१०. सं. १६६० वर्षे वैशाख शु. ३ दिने ....
मं० वइना भा० वइनल्दे सु० मं० नगा भा० राजूसहितेन ...
श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीमुनिचन्द्रसूरिभिः। .
वास्तव्य ॥

६११. सं. १८७७ माघ वदि २ वार चन्द्र बाई
श्रीऋषभदेवनीबिंबं. ॥

६१२. सं. १२९२ वर्षे वैशाख शुदि १२ ....
श्रे० जेता सुत ... श्रीशांतिनाथबिंबं. ॥

६१३. सं. १२६७ वर्षे फाल्गुन शु. ३ रवौ ...
श्रीतिहुणकीर्तिगुरूपदेशेन श्रेष्ठिसाहदेव सुत श्रे० माकण सुत ...
....

६१४. सं. १६६४ वर्षे पौष वदि १ बुधे ....
श्रीमाल्लिज्ञा० दो० नगराज सुत काहनजीकेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र
तपा० भ० श्रीविजयसेनसूरिभि. श्रीविजयदेवसूरिभि ॥

६१५. सं. १३८४ वर्षे माघ शु. ११ सोमे तपा० परमणादि
माल्ह्रप्रभृता नामल्दे मेघड वाजल्दे मंडलेन भीमल्दे मेता काहला ...
कण्हि.न ॥

६१६. सं. १२९२ वर्षे माघ वदि ९ गुरौ श्रीशिलनाथबिंबं
का० बाई हीर. ॥

६१७. सं. १६३६ वर्षे पौष वदि ७ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय
.... श्रीशान्तिनाथबिंबं का० समर्सिंह पु० भा० हुबर ... मं०

मिरपति पु० सा० नाथा भा० जयसिरि पु० सा० समर्थ भा० मण-काई पु० श्रीहांसन भा० हामल्दे भ्रा० शिवदास पु० शिवचंद श्रीग-न्धारिवास्तुनेन पितुः श्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीउपकेशग-च्छे कुकुद....श्रीदेवचंद्रसूरिभिः ॥

कोलवडा.

श्री जैन देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६५८. सं. १५५३ माघ शुरू ६ रवौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० सोनी राज भा० अमरी सु० सोनी कुंरा भा० मं० मेघा भा० माणेकदे सुता रूपाई तया स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः अंचलगच्छे श्रीसिद्धा-न्तसागरसूरिगुरूपदेशेन का० प्रति० च विधिना अहम्मदाबादवास्तव्येन.॥

६५९. सं. १२८८ वैशाख वदि २ सोमे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० पितृ महं स्वयमसिंह श्रेयोर्थं मातृ बा० अर्धांदेविपुण्यार्थं सुत महं. गोदामहे-मानाभ्यां श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीहरिचंद्रसूरिभिः ॥

६६०. सं. १६१० वर्षे ज्येष्ठ शु. २ गुरौ वीरवंशे श्रीचांपा भा० आसु पुत्र अमाकेन भा० हाही भ्रातृमालासुतेन श्रीअंचलगच्छ-नायकश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० श्रीसंघेन ॥

६६१. सं. १५३७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ शुक्रे प्रा० श्रे० व० भा० वानू पुत्र श्रे० घनाकेन भा० मेघा सुतमहिराज सोना जिणदासादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यगच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । महीशानकनगरे ॥

६६२. सं. १५२७ वर्षे माघमासे मांडलिवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धांगा भा० हीमी सुतधनाकेन भा० माणिकियुतेन श्रीविमलनाथबिंबं स्वश्रेयसे प्रति० श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन ॥

६६३. सं. १४२२ वर्षे वैशाख शुदि १२ बुधे श्रीभावडारगच्छे श्रीमालज्ञा० साहना भा० सोमल पु० धनाकेन पितृपितृव्यदेल्हण भा० हासानिमित्ते श्रीवासुपूज्यपंचतीर्थी का० प्र० श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥

गरीता.

श्री जैन देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६६४. सं. १५४०, वर्षे आषाढ [illegible] शुद [illegible] १ सोमे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] श्रीशांति- [illegible] भा० [illegible] श्रीअ[illegible] [illegible] श्रीवासुपूज्य[illegible] का० प्र० [illegible] ॥

६६५. सं. १५३३ वर्षे माघ वदि १० उपकेशज्ञा० हीरा भा० भीवी पुत्र व्य० आमाकेन भा० आमलदे पुत्र हदा नासण टासण भ्रातृव्य नगा भा० कोई प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीमाणचन्द्रसूरिभि. । ईडरनगरे ॥

६६६. सं. १५२७ वर्षे आषाढ शु. २ भोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० मोगा भा० वटू सुत वीराकेन भा० रामति सुत पद्दिरानादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथादिपंचतीर्थी आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन का० प्र० विधिना अहम्मदावादे. ॥

६६७. सं. १५७२ वर्षे फाल्गुन शु. १ भोमे श्रीश्रीमालज्ञा० दो० गरया भा० माद्रपादे सु० दो० भीमा अेमन भीमा भा० भरमदे प्रमुखपतिरांवरसहितेन श्रीवासुपूज्यबिंब का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे भ० श्रीपद्मशेखरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः। चतुर्थशाखायां लाडुलिग्रामस्त्य.॥

६६८. सं. १५५९ वर्षे माघ शु.....गुरौ ओसवाल्ज्ञा० लउ-कडगोत्रे सा० गणीया भा० डाही पु० देवदास भा० पुत्राई पु० महीपाल कुंरायुतेन श्रीशीतलनाथबिंबं श्रा० पुनाई स्वपुण्यार्थं का० प्र० श्रीनाणवालगच्छे श्रीमहेन्द्रसूरिभि' ॥

६६९. सं. १५२४ वर्षे वै. शु. ६ प्राग्वाट श्रे० सदसा भा० राणी सुत प्रथमाद्यकेमज वेणाजिणदासादिभिः भा० प्रमुखसुरतकुटुंबयुतैः स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे परमगुरुश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६७०. सं. १५७१ वर्षे चैत्र व. ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रीगां-भण भा० प्र० गुन आनंदाभिध भा० राणी सुत शीदा मिघा प्रमुख-पुत्रपौत्रादिसहितया श्रीराणीनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यादिपंच-

६६१. सं. १५३७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ शुक्रे प्रा० श्रे० काला भा० वानू पुत्र श्रे० धनाकेन भा० मेघा सुतमहिराज सोढा जिणदासादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यगच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । महीशानकनगरे ॥

६६२. सं. १५२७ वर्षे माघमासे मांडलिवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धांगा भा० हीमी सुतधनाकेन भा० माणिकियुतेन श्रीविमलनाथबिंबं स्वश्रेयसे प्रति० श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन ॥

६६३. सं. १४२२ वर्षे वैशाख शुदि १२ बुधे श्रीभावडारगच्छे श्रीमालज्ञा० साहना भा० सोनल पु० धनाकेन पितृपितृव्यदेल्हण भा० हाजानिमित्ते श्रीवासुपूज्यपंचतीर्थी का० प्र० श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥

गेरीता.

श्री जैन देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६६४. सं. १६४९ वर्षे आषाढमासे शुक्लपक्षे १ सोमे पत्तनी-वनीवास्तव्य श्रीमालज्ञा० प० ग सा भा० मरमादाह प० आसवीर-केन भा० रमादेश्रेयोर्थं श्रीअचलगच्छेशश्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

९६५. सं. १५६६ वर्षे माघ वदि १० उपकेशज्ञा० हीरा भा० धीरी पुत्र म्य० आसारेन भा० आमलदे पुत्र हरदा नामना ठाकण भ्रातृव्य नगा भा० कोडी प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीभावचंद्रसूरिभि । ईडरनगरे ॥

९६६. सं. १५६५ वर्षे आषाढ शु. २ भोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० भोगा भा० वड्डू सुत वीरांकेन भा० रामति सुत भद्रिराजादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथादिचतुर्विंशति आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन का० प्र० विधिना अहम्मदावादे. ॥

९६७. सं. १५७२ वर्षे फाल्गुन शु. ९ भोमे श्रीश्रीमालज्ञा० दो० गदा भा० माल्हणदे सु० दो० भीमा अंजन भीमा भा० भरमदे सुसंतति संयुतसर्वहितेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे भ० श्रीपद्मतिलकसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभि । चतुर्दशशाखायां लाडुलिवास्तव्य. ॥

९६८. स. १५६९ वर्षे माघ शु.....गुरौ ओसवालज्ञा० लड-कडगोत्रे सा० गणीया भा० हाही पु० देवदास भा० पुनाई पु० महीपाल कुंराप्रमुखेन श्रीशीतलनाथबिंबं श्रा० पुनाई स्वपुण्यार्थं का० प्र० श्रीनाणावालगच्छे श्रीमहेन्द्रसूरिभिः ॥

९६९. सं. १५२४ वर्षे वै. शु. ६ प्राग्वाट श्रे० सदसा भा० राणी सुत प्रपसाधकेमन्त्र मेणाभिमदासादिभिः भा० प्रमुखसुग्वकुटुंबयुतेः स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे परमगुरुश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९७०. सं. १५७१ वर्षे चैत्र व. ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रीमां-डण भा० प्र० सुत आनंदाब्धि भा० राणी सुत हीरा सिधा प्रमुख-पुत्रपौत्रादिसहितया श्रीराणीनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यादिपंच-

६६१. सं. १५३७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ शुक्रे प्रा० श्रे० काला भा० वनू पुत्र श्रे० धनाकेन भा० मेघा सुतहीराक सोम जिनदासादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिशिष्यगच्छनायकश्रीसुमतिसाधुसूरिभिः । महीशानकनगरे ॥

६६२. सं. १५२७ वर्षे माघवने मंडलिक... श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धांगा भा० हीरी सुतधनाकेन भा० मानिदेसुतेन श्रीविमलनाथबिंबं स्वश्रेयसे प्रति० श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन ॥

६६३. सं. १४२२ वर्षे वैशाख शुदि १२ बुधे श्रीभावडारगच्छे श्रीमालज्ञा० साहना भा० सोनल पु० धनाकेन पितृपितृव्यदेल्हण भा० हांसानिमित्ते श्रीवासुपूज्यपंचतीर्थी का० प्र० श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥

गेरीता.

श्री जैन देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६६४. सं. १५४९ वर्षे आषाढ [illegible] १ सोमे [illegible] प्रा० [illegible] भा० [illegible] श्रीअ[illegible] [illegible] प्र० [illegible] ॥

६६५. सं. १५३३ वर्षे माघ वदि १० उपकेशज्ञा० हीरा भा० मींची पुत्र व्य० आसाकेन भा० आमलदे पुत्र हदा नामण डामण भ्रातृव्य मगा भा० कोई प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंब का० प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीभावचंद्रसूरिभिः । ईडरनगरे ॥

६६६. सं. १५३८ वर्षे आषाढ शु. २ भोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० जोगा भा० वडू सुत वीराकेन भा० रामति पुत्र पद्मिसिंहयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथादिपंचतीर्थी आगमगच्छे श्रीअमरत्नसूरिगुरूपदेशेन का० प्र० विधिना अहम्मदावादे. ॥

६६७. सं. १५७२ वर्षे फाल्गुन शु. ६ भोमे श्रीश्रीमालज्ञा० दो० गरपा भा० माल्हणदे सु० दो० भीमा अजन भीमा भा० भामदे सुसंघपतिसंसारमहितेन श्रीवासुपूज्यबिंब का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे भ० श्रीपद्मतिलकसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः । [illegible] ॥

६६८. सं. १५५९ वर्षे माघ शु.....गुरौ ओसवालज्ञा० [illegible] काश्यपगोत्रे सा० गणीया भा० हाही पु० देवराम भा० पुत्र पु० महीपाल कुंरायुतेन श्रीशीतलनाथबिंबं श्रा० पुनाई स्वपुण्यार्थं का० प्र० श्रीनाणकगच्छे श्रीमहेन्द्रसूरिभिः ॥

६६९. सं. १५६४ वर्षे वै. शु. ९ [illegible] श्रे० सदा भा० राणी सुत प्रथमाश्वेमश वेणाभिमरामादिभिः भा० [illegible] स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्री[illegible] पट्टे [illegible] श्री[illegible]सूरिभिः ॥

६७०. सं. १५७१ वर्षे चैत्र व. ७ गुरौ श्री[illegible] [illegible] भा० [illegible] [illegible]

६६१. सं. १५६७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ शुक्रे प्रा० श्रे० रत्ना भा० धानू पुत्र श्रे० धनाकेन भा० मेना सुतमहिराज मोटा जिणदासादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यगच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । महीशानकनगरे ॥

६६२. सं. १५२७ वर्षे माघमासे मांडलिवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धांगा भा० हीमी सुतरत्नाकेन भा० माणिकियुतेन श्रीविमलनाथबिंबं स्वश्रेयसे प्रति० श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन ॥

६६३. सं. १४२२ वर्षे वैशाख शुदि १२ बुधे श्रीभावडारगच्छे श्रीमालज्ञा० माहना भा० सोनल पु० यनाकेन पितृपितृव्यश्रेयसे भा० हानानिमित्तं श्रीवासुपूज्यपंचतीर्थी का० प्र० श्रीजिनदेवसूरिभिः ॥

गेरीता.

श्री जैन देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

६६४. सं. १६४९ वर्षे आषाढमासे शुक्लपक्षे १ सोमे कर्णावतीवास्तव्य श्रीमालज्ञा० प० समा भा० मरमादाइ प० आसवीरकेन भा० रमादेश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीवासुपूज्यबिंबं क० — [illegible] ॥

६६५. सं. १५३२ वर्षे माघ वदि १० उपकेशज्ञा० हीरा भा० भीमी पुत्र व्य० आसाकेन भा० आमलदे पुत्र हदा नासण ठामण भ्रातृव्य नगा भा० कोई प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीसावचंद्रसूरिभिः। इडरनगरे ॥

६६६. सं. १५३५ वर्षे आषाढ शु. २ सोमे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० जोगा भा० कडू सुत वीराकेन भा० रामति सुत पद्मिराजादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथादिपंचतीर्थी आगमगच्छे श्रीअमररत्नसूरिगुरूपदेशेन का० प्र० विधिना अहम्मदावाद. ॥

६६७. सं. १५७२ वर्षे फाल्गुन शु. ९ भोमे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० दो० गरया भा० माल्हणदे सु० दो० भीमा अंतन भीमा भा० भरमादे सुतसंयतिसांवरसहितेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे भ० श्रीपद्मदोगरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः। चतुर्थशाखायां लाडुन्निवास्तव्य.॥

६६८. सं. १५५९ वर्षे माघ शु.....गुरौ ओसवाल्ज्ञा० लुड-कडगोत्रे सा० गणीया भा० हाही पु० देवदास भा० पुनाई पु० महीपाल कुंरापुत्रेन श्रीशीतलनाथबिंबं धा० पुनाई स्वपुण्यार्थं का० प्र० श्रीनाणावालगच्छे श्रीमहेन्द्रसूरिभिः ॥

६६९. सं. १५२४ वर्षे वै. शु. ६ प्राग्वाट श्रे० सदसा भा० राणी सुत प्रयसाधकेन्मव वेणागिरदासादिभि भा० प्रमुखकुटुंबयुतैः स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे परमगुरुश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

६७०. सं. १६७१ वर्षे चैत्र व. ७ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रीकर्ण भा० प्र० सुत आनंदजित भा० गाणी सुत हीरा द्विषा प्रमुख-पुत्रपौत्रादिसहितया श्रीराणीनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यादिपंच-

तीर्थी श्रीआगमगच्छे श्रीसोमरत्नसूरिगुरूपदेशेन का० प्र० च विधिना देल्वाडावा० ॥

६७१. सं. १५३४ वर्षे माघ शु. ५ शुक्रे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० डुंगर भा० फली सुत भीमा भा० ...जमकेन सुत वस्ताआकेन आत्मश्रेयसे आगमगच्छे श्रीआणंदप्रभसूरिगुरूपदेशेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः । अचारवास्तव्य ॥

प्रांतीज.

दिगंबर मंदिर.

६७२. संवत् १५२९ वर्षे महा शु. १० सोमे श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे बलात्कारगणे श्रीकुंदकुंदाचार्यान्वये श्रीपद्मनंदिदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीसकलकीर्तिदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीविमलेन्द्रकीर्ति मं० श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिका प्रतिष्ठिता हुंबडज्ञा० मं० नामग भा० अमरकु सुत नोगा भा० जैतलदे भ्रा० राउड भा० रामलदे सुनिगंदा.... .... *

६७३. संवत् १५०९ वर्षे वैशाख शु. ३ बुधे श्रीमूलसंघे भ० श्रीसकलकीर्ति भ० श्रीभुवनकीर्त्युपदेशात् हुंबडज्ञातीय सा० करमसी ...० डुंगी सुवर्णारा भ्रा० हीरादि सुत चांचा भार्या राजा नर्मदामनी ...ि सार्गत श्रीरत्नत्रय सदति संनिका नित्यं प्रणमन्ति॥ *

ओराण.

दिगंबर मंदिरनी प्रतिमा उपरना लेखो.

६७४. सं. १६२२ वर्षे पोष व. १२ श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे भ० श्रीसकलकीर्त्ति. तत्पट्टे भ० श्रीभुवनकीर्त्ति तत्पट्टे भ० श्रीज्ञानभूषण-गुरूपदेशात् हुंबडज्ञातीय श्रे० गोवाल भा० भूरी सुत डुंगर भा० हुली सं. पूरी सुत हरदास भा० मादा अरी भ्रा० बीना–पीवा–काना–बोदा एते नित्य प्रणमन्ति ॥ चतुर्विंशतिका. *

६७५. सं. १६२६ वर्षे वैशा. शु. ३ श्रीमूलसंघे भ० श्रीसक-लकीर्त्तिस्तत्पट्टे भ० श्रीविमलेन्द्रकीर्त्तिभिः प्रतिष्ठितं श्रीआदिनाथबिंबं हुंबडज्ञा० श्रे० हापा भा० हांमरदे सुत मेघा भा० धरणु सुत भूचर कोचर भा० पूरी–धर्मी सुत.... ....॥ *

६७६. सं. १२४२ वर माघ शु. १२ सोमे श्रे० कपिल भा० धेयसे स्पवान् ॥ *

६७७. सं. १६११ वर्षे माघ व. ७ श्रीमूलसंघे नंदिसंघे सरस्वती-गच्छे बलात्कारगणे श्रीकुंदकुंदाचार्यान्वये भ० श्रीविजयकीर्त्तिस्तत्पट्टे भ० श्रीशुभचंद्र तत्भ्रात् गुरु....श्रीअभयचंद्रोपदेशात् हुंबडज्ञा० सा० हरपाल भा० हमीरदे तत्पुत्र सा० श्रे० हरखा भा० हरखमदे तत्पुत्र सं० श्रीवंत भा० सोनादे तत्पुत्र वीरपाल भा० जावाल सं० सवंत तद्भगिनी बा० श्रीपा० बृ० छा० पार्श्वजिनप्रतिमा कारापिता ॥ *

पाषाण प्रतिमा मूलनायकजीनो लेख.

६७८. सं. ९९६ (?) वैशा. शुदि १२ शुक्रे श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे बलात्कारगणे कुंदकुंदाचार्यान्वये भ० श्रीसकलकीर्तिभिः तत्पट्टे अनुक्रमेण भ० श्रीचंद्रकीर्तिः तत्पट्टे भ० रामकीर्तिः तत्पट्टे सत्यकीर्ति तत्पट्टे.... ...., ... ॥ *

पेथापुर.

बावन जिनालय प्रतिमाना लेखो.

६७९. संवत् १५३३ वर्षे फागण शु. २ बुधे श्रीकाष्ठासंघे नंदीतटगच्छे भ० श्रीसोमकीर्ति शिष्य आचार्य विरसेन युक्तैः प्र० नारसिंह ज्ञातीय तुलुडगोत्रे देवराज भा० झाम पु० महिराज भा० माघलदे पु० समधर श्रीपद्मप्रभबिंबं महं० महिराज आत्मश्रेयोर्थं का० ॥ *

६८०. संवत् १५१९ वर्षे जे. शु. १२ सोमे ओसवालज्ञातिय शा. धनपाल भा० धनाढ्यदेव्या पु० देवा सुत पु० रामप्रमृतिकुटुम्बसमन्वितया सपुत्रे चंपतश्रेयसे शीतलनाथबिंबं का० प्र० उकेशगच्छे सिद्धाचार्यसंताने देवभद्रसूरिणा ॥

९८१. संवत् १४८९ वर्षे मा० शु० ११ शनौ श्रीमालज्ञा० महं. पुनसी भा० धरणु सु० हापा भा० विहुनेवी पितृव्यवयरशा श्रेयोर्थं जेसासमधराभ्यां श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे भट्टारक-श्रीविमलचंद्रसूरिभिः ॥

९८२. संवत् १९१९ वर्षे जे० शु० ३ शनौ पराहातीनवासी ओसवालज्ञा० श्रे० हापा भार्या हीरादे सुत धीराकेन भा० साऊ सुत सहना भोजा प्रमुखकुटुम्बयुतेन भा० विरम श्रे० श्रीशांतिनाथबिंबं प्र० सुविहितसूरिभिः ॥

९८३. सं. १५३३ वर्षे पोष सु० १५ सोमे मडुहीवास्तव्य श्रीश्रीमालीश्रे० राउल भा० अबकु सुत श्रे० तेमाकेन भा० आसि पु० मूलाप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० वृद्ध तपापक्षे ज्ञानसागरसूरिपट्टे उदयसागरसूरिभिः ॥

९८४. सं. १५२५ वर्षे वैशाख सुदि ६ सोमे माग्वाटज्ञा० दोशी महिया भा० साहु पुत्र व्यव० भरणाकेन भा० हांसु प्रमुखकुटु-म्बयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपापक्षे लक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

९८५ सं. १५०२ वर्षे माघ सुदि ३ शुक्रे श्रीउकेशज्ञातीय श्रे० सांपा भा० सांपलदे पुत्र वीरापाकाम श्रे० हीमाकेन भा० रही पातरखु पुत्रकेन पितुर्निमित्तं श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० उकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसंताने प्र० श्रीककसूरिभिः॥

९८६. सं. १५४३ वर्षे जे. सु. ११ सोमे उकेशवंशे भणगोत्रे कोलरिशाखायाम् शा. पुनपाल पुत्र शा० वजराज भा० चांपु पु० जीवराजेन भा० धमाई पु० शा. रत्ना शा. हेमा शा. कंडा प्र० परि-वारयुतेन पितृव्य शा. देवाश्रेयोर्थं प० खरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरि-पट्टे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे पूज्य....

१८७. सं. १५०७ वर्षे जे० शु० २ सोमे ओसवालज्ञा० श्रे० अमरसिंह भा० राणी सुत श्रे० रामसिंहनाम्ना भा० लाडकुंवर सुत अदामहिराज्यप्रभृतिकुटुंबयुतेन निजपितृमातृश्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० बृहत्तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१८८. सं. १५१७ वर्षे का० श्रीवीरवंशे श्रे० धांधा भार्या मानु पुत्र माल्हाकेन भा० पद्मिनीबाई सहितेन अंचलगच्छे जयकेसरिसूरीणा-मुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० ॥

१८९. सं. १५१४ वर्षे जे. ११ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय शा. वना भार्या पुतली नाम्ना पुत्र शा० कान्हा भा० मानु पुत्र सारंग महुणा राजा वस्तादि कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे संभवबिंबं का० प्रतिष्ठितम् तपागच्छे हेमविमलसूरिभि ॥

१९०. सं. १५१४ वर्षे माघ शु. २ शुक्रे प्रभाग्वाटज्ञातीय श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० सायरी भाद्रा भा० अहिवदे सुत जिनदास भा० रूपाई सुत वना जिनादि प्रमुख कोल्हादियुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपागच्छे श्रीरत्नसिंहसूरिभि ॥

१९१. सं. १५२१ माघ शु. ११ बुधे श्रीमालज्ञातीयश्रे० वाछिग भा० मानू सुत मीमा भा० गेलाई पुत्र नाथा वधा [illegible] सहितेन भा० नि० [illegible] पुत्र सोमा भा० [illegible] श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीनिगमगच्छे श्रीइन्द्रनंदिसूरिपट्टे श्री[illegible]सूरिभि पूर्णिमापक्षे ॥

१९२. सं. १५८० वर्षे वैशाख शु. [illegible] [illegible] श्रीश्रीमालज्ञातीयश्रे० [illegible] भार्या [illegible] पुत्र [illegible] भार्या [illegible] [illegible] कुटुंबयुतेन श्रेयोर्थं [illegible] का० [illegible] [illegible]सूरिभि ॥

६९३. सं. १५६१ चैत्र वदि ८ शुक्रे मूलसंघे भ० ज्ञानभूषण भट्टारक श्रीविजयकीर्ति उपदेशात् हुम्बड श्रे० देवसी भा० मानाकु० श्रे० समधर भा० टाबु सुत श्रे० नासण भा० नावणी सुत नाथा भा० पुरि भ्रा० पेथा भ्रा० कडुआ श्रीनेमिनाथबिंबं ॥ *

६९४. सं. १५८९ वर्षे वै. शु. ५ सोमे हासपुरे श्रीमाल्ज्ञातिय मह. महना भार्या महजलु सुत मह. हरराजेन भा० रत्नादे सुत श्रीपाल भार्या अहिवदे सुत सिंहपति प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० स्वश्रेयसे वृद्धतपागच्छे धनरत्नसूरिभिः श्रीसौभाग्यसागरसूरिभि प्र० ॥

६९५. सं. १५०५ वर्षे चैत्र शु. १३ प्राग्वाटज्ञातिय शा. चौंडा भा० गौरि पुत्र देल्हाकेन भार्या देल्हणदे भ्रातृ उगमे ततपुत्र वालु चांपा जिन्दादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथचतुर्विंशतिपट्टकः कारित प्र० तपापक्षे श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीजयचंद्रसूरिभि ॥

६९६. सं. १५१७ वर्षे पोष वदि ५ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धना भा० आसु सुत गांगा रामा भा० मोहा-भिणाकेन स्वभर्तृनिमित्तं श्रीकुंथुनाथबिंबमुख्यचतुर्विंशतिपट्ट का० प्र० श्रीबुद्धिसागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभिः । दशाडाग्रामवास्तव्य ॥

६९७. सं. १५१९ वर्षे जे. शु. १३ शनौ पाहालेचागोत्रे सा० माल्हा सुत सीपा द्वितीयभार्या नाथी पुत्र सा हेमा पुत्र लालू सुत चांगा शृंगराज इत्यादिसमस्तकुटुम्बेन श्रीसंभवनाथस्य चतुर्विंशतिजिनानां पट्ट कारितः श्रीकोरंटगच्छे भ० श्रीनन्नसूरिभि. प्र० श्रीस्तंभतीर्थे श्रीसा-हुकर्मसायोर्थं ॥

६९८. श्री १५६९ वर्षे मागसर शु. ५ शुक्रे प्रा० ज्ञा० शा० नाउ भार्या हानि पुत्र ठाकरसी भार्या आल्हा भ्रातृ वरसिंह भार्या सुलगदु पुत्र चांदा भा० सोमी टाकु पुत्र जयसिंहसहितेन अंचलगच्छे

जयकेसरिसूरीणामुपदेशेन मूलनायकश्रीआदीश्वर प्र० चतुर्विंशतिजिनपट्टकः ॥

६९९. संवत १५९९ वर्षे असाड सु. ८ बुधे राजनगरवास्तव्य पोरवाडज्ञातिय वृद्धशा० नीयसवजी भा० रामबाई सु० शा वीरा भा० सेवश्री सुत जेठादिपरिवारयुतेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविग्नपक्षे विमलशाखायाम् श्रीज्ञानविमलसूरिभि. ॥

७००, सं. १५०७ वर्षे जेठ वदि ४ बुधे श्रा० सा० शृ० अभिनन्दनबिंबं काउ० सिद्धाचार्यसंताने प्रति० श्रीककसूरिभि ॥

७०१. सं. १५५२ वर्षे वै. शु. १२ भोमे प्राग्वाटज्ञा० गोपा भा० सुलेसरी सु० देवदास भा० शोभा गुणीया मातृश्रे० श्रीविमलनाथ बिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे भ० श्रीसोमरत्नसूरि तत्पट्टे श्रीहेमरत्नसूरिभिः ॥

७०२. सं. १५४२ वर्षे वै. शुदि ९ सु० श्रीब्रह्माणगच्छीय उकेश ज्ञातिय मह. समायग भा० मेगलदे सु० धना भा० धूकी सु० रानाकेन्या मांगेन मातृपितृश्रेयोर्थं धर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः मंडासणग्रामे. ॥

७०३ सं. १५२७ पोष वदि ५ शुके श्रीश्रीमालज्ञा० व्यवहारसिंह भा० रमाई सुत मेना भा० सामहिंहेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० नागेंद्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिभि ॥

७०४ सं. १५०७ वर्षे माघ सु. ५ गुरुवारे उकेशवंशगोत्रीक बहुराजगोत्रे शा० मेना भार्या पाल्हणदे पुत्र महनगीरेन भा० हर्षादे पुत्र नयमाल जेसाल विमलयुतेन श्रे० सुमतिनाथबिंबं का० प्र० केशवगच्छे श्रीमुनिविजयसूरिभि ॥

७०५. संवत् १५०७ वर्षे माघ सु. ११ श्रीश्रीमालज्ञा० मं.

र्या भा० हीरादे सुत तेजाकेन पितृश्रे० श्रीसुविधिनाथबिंब का० प्र० भावडारगच्छे श्रीवीरसूरिभिः ॥

७०६. सं. १५८८ वर्षे माघ शुदि ६ सोमे उकेशगच्छे आदित्यनागगोत्रे शाखीदेवाल्मन सा चंद्रक भा० गुरादे पुत्र रूदपाल लक्ष्मणाभ्याम् भ्रातृधनसिंह देउसिंह पामचंद्र पुनसी सहिताभ्यां कुटुम्बश्रे० शांतिनाथबिंबं का० प्र० ककुदाचार्यसंताने श्रीककसूरिभि ॥

७०७. सं. १५९८ वर्षे मागशर शुदि ७ श्रीउकेशवंशे मधुशाखायां शा देल्हा भार्या देल्हणदे सुत शा कडुआकेन शाह गिरा शा० महिराज शा प्रथमा भ्रातृव्य जगा परिवारयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छाधिराजश्रीजिनभद्रसूरिगुणप्रधाने ॥

७०८. सं. १६१६ वर्षे असाड सु. ९ गुरु श्रीमाहिया आण्पुत्र महमकीरण भार्या रंगादे श्रीखरतरगच्छे जिनचंद्रसूरिभि शांतिनाथबिंब प्र० का० ॥

७०९. सं. १७९१ वर्षे आषाढ सुदि ८ बुधे राजनगरवास्तव्य पोरवाडज्ञातिय वृद्धशाखायां सा० वखत भा० रामबाई सुत सांकिरा भा० सेवकी सुत जैतादिपरिवारयुतेन श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं कारापितं प्रतिष्ठितं च श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे शांतिदासे विमलशाखायां भ० श्रीरत्नविमलसूरिभि ॥

७१०. संवत् १८९१ शाके १७५८ वर्षे माघ सुदि १० बुधे श्रीराजनगरे पोरवाडवृद्धशाखायां सा० मौकमचंद तत्पुत्र सा० विक्रमचंद श्रीधर्मनाथबिंबं कारापितं श्रीविजयआणंदसूरिगच्छे भ० श्रीविजयमेघसूरिभि प्र० ॥

७११. सं. ११८० वद्य सुदि ६ सोम उकेशगच्छे अर्दित्यनागोत्रे सा० सिरिदेवपाल सा० संघ भा० संपुरदे पुत्र रतनार्द

जयकेसरिसूरीणामुपदेशेन मूलनायकश्रीआदीश्वर प्र० चतुर्विंशतिजिन-पट्टक. ॥

६९९. संवत् १६६९ वर्षे असाड सु. ८ बुधे राननगरवास्तव्य पोरवाडज्ञातिय वृद्धशा० नीयमवनी मा० रामवाई सु० शा वीरा भा० सेवत्री सुत जेठादिपरिवारयुतेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयप्रभसूरिपट्टे संविग्नपक्षे विमलशाखायाम् श्रीज्ञानविमलसूरिभिः ॥

७००, सं. १९०७ वर्षे जेठ वदि ४ बुधे दा० सा० मृ० अभिनन्दनबिंबं काउ० सिद्धाचार्यसंताने प्रति० श्रीककसूरिभिः ॥

७०१. सं. १५५२ वर्षे वै. शु. १३ भोमे प्राग्वाटज्ञा० गोपा भा० सुलेसरी सु० देवदास भा० शोभा गुणीया मातृश्रे० श्रीविमलनाथ बिंबं का० प्र० श्रीनागेंद्रगच्छे म० श्रीसोमरत्नसूरि तत्पट्टे श्रीहेम रत्नसूरिभिः ॥

७०२. सं. १५४३ वर्षे वै. शुदि ९ मु० श्रीब्रह्माणगच्छीय उकेश ज्ञातिय महं. पमायग भा० वेनल्दे सु० धना भा० धूकी मू० राना-राना मांपतेन मातृपितृश्रेयोर्थे धर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः कंटासणग्रामे. ॥

७०३ सं. १५२७ पोष वदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० व्यवहारिक मा० रत्नादे सुत सेना भा० साधमहिनेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० नागेंद्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥

७०४ सं. १६०७ वर्षे माघ शु. ९ गुरुवारे उकेशेदेच्छुगोष्टी. क वहुरागोत्रे शा० मेता भार्या पाल्हणदे पुत्र मदनसींकेन भा० हर्मादे पुत्र जगमाल जेनपाल विमलयुतेन स्वश्रे० सुमतिनाथबिंबं का० प्र० चैत्रगच्छे श्रीमुनितिलकसूरिभिः ॥

७०५. संवत् १९०७ वर्षे माघ शु. ११ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० महं.

रांधेजा.

शांतिनाथजीनुं देरुं.

७१५. सं. १४८१ वर्षे वैशाख वदि ७ शुक्रे श्रीमूलसंघे आचार्यश्रीपद्मनंदि तत्पट्टे श्रीशुभेन्द्रदेवा। हुंबडज्ञातीय रणिग सा० श्रीमत सुत इराकेन श्रेयोर्थं....कारापितं श्रीसंघेन प्रतिष्ठितं ॥

७१६. सं. १५२० वर्षे वैशाख शु० ९ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० जागा भा० पोनी सु० घरणासहितेन आत्मश्रेयसे भ्रातृ ठाकुरसीनिमित्तं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे त्रिभवीया श्रीधर्मसागरसूरिभि. ॥

घरदेरुं घलाखीदीपचंदनुं.

७१७. संवत् १५४८ वर्षे माघ शुदि ४ अनंतमे श्रीमंडपदुर्गे श्रीश्रीवंशे सोनी श्रीमांडण भार्या मोली पुत्र सोनी श्रीसिवराज भार्या संसारसुश्राविकया समस्तकुटुंबसहितया स्वश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेश-श्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन मूलनायकश्रीचंद्रप्रभस्वामिमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः। प्रतिष्ठितः श्रीसंघेन ॥

भा० लखमणा भ्रातृवणसिंह देवसिंह पासचन्द्र पूनसिंह सहिताभ्यां कुटुंबश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीरुद्रपल्लीयसंताने श्रीरत्नसूरिभि ॥

७१२. सं. १५३२ वर्षे वैशाखमासे श्रीश्रीमालज्ञातिय मं. राना भा० हर्षू तया स्वसुत मं० गारवप्रमुखकुटुंबयुतेन आत्मश्रेयसे श्रीशांतिनाथादिचतुर्विंशति आगमगच्छे अमररत्नसूरिगुरूपदेशेन कारिता प्रतिष्ठिता॥

७१३. स. १५२३ वर्षे वैशाखसुदि १३ गुरौ........मडणा भा० मटणादे सुत समम भार्या साति भोजा जोगा एतोः स्त्री कान्हा श्रेयसे श्री आदिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं। आगमगच्छे श्रीसिंहदत्तसूरिभिः॥

पानाचंद नेणसना देरासरना प्रतिमानो लेख.

७१४. सं. १४९८ वर्षे वा. व. २ सोमे श्रीश्रीमाला० श्रे० लखा भा० वर्द हांसू श्रीशांतिनाथ बिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि ॥ श्रे० हरपा सुत वाला सपांकेन का० ॥

रांधेजा.

शांतिनाथजीनुं देरुं.

७१५. सं. १४८१ वर्षे वैशाख वदि ७ शुक्रे श्रीमूलसंघे आचार्यश्रीपद्मनंदि तत्पट्टे श्रीशुभेन्द्रदेवा। हुंबडज्ञातीय रणिग सा० श्रीमल सुत हराकेन श्रेयोर्थे....कारापितं श्रीसंघेन प्रतिष्ठितं ॥

७१६. सं. १५२० वर्षे वैशाख शु० ९ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० नागा भा० पोनी सु० धरणासहितेन आत्मश्रेयसे भ्रातृ ठाकुरसीनिमित्तं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं पिप्पलगच्छे त्रिभवीया श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥

घरदेरुं पलासीदीपचंदनुं.

७१७. संवत् १९४८ वर्षे माघ सुदि ४ अनंतसे श्रीसंघपूर्वे श्रीश्रीवंशे सोनी श्रीमांडण भार्या भोली पुत्र सोनी श्रीमिश्राज भार्या संमाबाइसुश्राविकया समस्तकुटुंबसहितया स्वश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेश-श्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन मूलनायकश्रीचंद्रप्रभस्वामिमुख्यचतुर्विंशतिपट्टः कारापितः। प्रतिष्ठितः श्रीसंघेन ॥

कलोल.

७१८. सं. १५११ वर्षे आषाढ शुदि ६ शुक्रे पानपुरवास्तव्य भावसार टाकुरसी भार्या मांजू सुत मा० माईआकेन भार्या माई सुत मा० नाईआदेवी नरपाल पाल्हाछा (ला) दि कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यादिपंचतीर्थी आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन कारिता। श्रीसंघेन प्रतिष्ठिता ॥

७१९. संवत् १५९० वर्षे पोषवदि १२ रवौ विश्वलनगरवास्तव्य प्रा० ज्ञातीय दो० रामा भा० रमादे पु० टाकुरकेन भा० अक्खादे पु० हीरा भ्रा० नाकर भा० जीवी पु० जयवंत भ्रा० कला भा० अर्जी पु० जागा भ्रा० रंगा भा० कनकाई प्रमुखकुटुंबयुतेन। श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं तपागच्छे लघुशाखायां श्रीहेमविमलसूरितत्पट्टालंकारश्रीआनंदविमलसूरिश्रीसौभाग्यहर्षसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥ (चोवीशी).

कडी.

श्रीचिंतामणिपार्श्वजिनमंदीर वाळा देरानी प्रतिमा उपरना लेखो.

७२०. सं. १५२० वर्षे वैशाख वदि २ श्रीनागगच्छे उ० टाकुरगोत्रे श्रे० हीरा भा० हांसलदे पु० मोराकेन भा० गागी पु० गांगादेव आत्मश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥

७२१. संवत् १६९६ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे ६ सोमवारे श्रीओसवाल० श्रीअहम्मदावादवास्तव्य सा० मीवा भार्या वीरू सुत सा० मीवा भार्या मागू पुत्रेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं च तपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभिः ॥

७२२. संवत् १५२१ वर्षे माघ वदि ८ सोमे श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय मं० रिडआ सुत मं० गागा भार्या मार सुत सा० महिराजेन भार्या देमति सुत गोविंद धीवर मावडविनादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं श्रीआगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन कारितं प्रतिष्ठापितं अहम्मदावादवास्तव्य ॥

संभवनाथजी मूलनायकवाळा देरासरनी प्रतिमाना लेख.

७२३. संवत् १५१२ वर्षे माघ शुदि १० शनौ श्रीश्रीमाल-ज्ञातीय । वुहरा ठाकुरसिंह भार्या हांमू तयोः सुत वुहरा वीरपाल भार्या हर्षु राजू रंगादेवि वन्हादेवि धा० वीरी स्वकुटुंबश्रेयोर्थं मूलनायकश्रीशांतिनाथसहितश्रीचतुर्विंशतिजिनपट्ट. कारित. । प्रतिष्ठितः विधिना भट्टा० श्रीसिंहदत्तसू....आगमगच्छे. ॥

७२४. सं. १५२६ वर्षे श्रीमूलसंघे भ. श्रीसकलकीर्त्तिस्तत्पट्टे भ० श्रीविमलेन्द्रकीर्त्ति प्र० हुंबड० श्रे० सामल भा० वाछू सु० हेमा हरिराजा भा० तिलू सु० धरमा भा० धनी स्वकुटुंबश्रेयोर्थं ॥ ॐनम. ॥ (पार्श्वनाथनी पंचतीर्थी)

७२५. संवत् १६०७ वर्षे ज्येष्ठसुदि ५ तिथौ शनिवारे पुष्यनक्षत्रे कडीनगरवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रेष्ठि गंगा भा० रुपी- नाम्न्या स्वश्रेयोर्थं श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसू- रिभिः प्रतिष्ठितं ॥

७२६. संवत् १५६७ वर्षे वैशाख वदि १० गुरौ श्रीश्रीमाल- ज्ञातीय सा० श्रीरान भा० सिरिआदे देमादे सु० सा० सिवराज सा० पाटीपुण्यार्थं श्रीपद्मप्रभस्वामिबिंबं कारितं श्रीअंचलगच्छे श्रीगुणसागरसूरी- णामुपदेशेन प्रतिष्ठितं श्रीसंघेन ॥

७२७ सं. १५१४ वर्षे माघ शु० १ शुक्रे कडीग्रामवास्तव्य ओसवालज्ञातीयश्रे० वामा भा० मल्हू सुत परवतेन भा० नयादे सुत रत्ना- नाकर तथा भ्रातृ नरबद् भाल्हा काहना नारदप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीश्रेयांस- बिंबं श्रे० मामलश्रेयोर्थं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीकक्कसूरिभिः ॥

७२८. सं. १७०९ वासुपूज्यबिंबं ॥ सं. १९२१ अजितनाथबिंबं ॥

७२९. सं. १७७८ वर्षे माघ शुदि श्रीशांतिनाथबिंबं ॥ श्रीने- मिनाथबिंबं ॥

७३०. सं. १४८१ वर्षे माघ शुदि ९ प्राग्वाटज्ञा० श्रीविमल- नाथादिचतुर्विंशतिकापट्टः कारितः । प्रतिष्ठितः श्रीसूरिभिः ॥

७३१. सं. १५१८ वर्षे श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुंदरसूरिपट्टे श्रीमुनिसुंदरसूरिशिष्यश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७३२. सं. १५१६ वर्षे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥ धोल्कावा० ॥

७३३. सं. १५२४ वर्षे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्रति० पिप्पलगच्छे भ० श्रीउदयदेवसूरिपट्टे प० श्रीरत्नदेवसूरिभिः । देगामवास्तव्य ॥

७३४. सं. १५७७ वर्षे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीहारीजगच्छे भट्टारकश्रीशीलभद्रसूरिभिः ॥

७३५. सं. १५१६ वर्षे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छेश श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

७३६. सं. १५१३ वर्षे श्रीधर्मनाथबिंबं श्रीकोरंटगच्छे श्रीकक्क-सूरिपट्टे प्र० श्रीसावदेवसूरिभिः

७३७. सं. १५७९ वर्षे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ० श्रीवीरचंद्रसूरिपट्टे भ० श्रीधनदेवसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥ कडीग्रामे ॥

७३८. सं. १५०६ वर्षे श्रीसुमतिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगु-णसमुद्रसूरीणामुपदेशेन का० प्र० विधिना श्रीसंघेन ॥

७३९. सं. १५७७ वर्षे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीहारीज गच्छे भ० श्रीशीलभद्रसूरिभिः ॥

७४०. सं. १६१२ वर्षे श्रीआदिनाथबिंबं खरतरगच्छे प्रति० श्रीजिनचंद्रसूरिभिः ॥ श्रीस्तंभतीर्थवा०

७४१. सं. १५५४ वर्षे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे धारणपद्रीय भ० श्रीसोमदेवसूरिभिः ॥

७४२. सं. १५३६ वर्षे श्रीधर्मनाथबिंबं प्र० श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

७४३. सं. १४२९ वर्षे श्रीशांतिनाथपंचतीर्थी प्र० मलधारगच्छे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः ॥

७४४. सं. १३९० वर्षे श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्र० श्रीनेमिचन्द्रसूरिभिः ॥

७४५. सं. १४०१ वर्षे श्रीसुविधिनाथबिंबं प्र० श्रीदेवचंद्रसूरिभिः ॥

७४६. सं. १५९१ वर्षे तपागच्छे श्रीदेवेंद्रसूरिभिः प्रति० ।

७४७. सं. १५०४ वर्षे चतुर्विंशतिपट्टः प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

नीचे भोंयरामांनी प्रतिमाना लेख.

शक संवत् ९१० आसीत्नागेन्द्रकुले श्रीलक्ष्मणि पार्श्विलगणि....

सं. १६८९ कलिकुंडदेव कुदकुंदाचार्यान्वये

सं. १६६२ देव श्रीमल्लीदराज्ये ...

सं. १५१२ श्रीसुमतिनाथबिंबं श्रीउकेशगच्छे ककुदा० स० म० श्रीकक्कसूरिभि ॥ (पंचतीर्थी)

(आठ प्रतिमाओ चोंटाडेल होवाथी तथा एकना उपर लेख नहीं होवाथी लख्यो नथी.)

भोयणी.

सं. १५१५ वर्षे पंचतीर्थी प्र० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

सं. १५१५ वर्षे „ „ „

„ „ „ पद्मनंदिपट्टे म० नंदिवर्धनमूरिभि.॥

सं. १५०२ „ „ आगमगच्छेशहेमरत्नसूरिभिः ॥

सं. १५७२ „ „ प्र० देवगुप्ताचार्यैः ॥

सं. १५३१ „

सं. १५४९ „

सं. १५६३

(पंचतीर्थीनो लेख खंडित थएल छे. रत्नाचार्य एवुं नाम वंचाय छे.)

इंदरोडा.

७४८. सं. १५१२ वर्षे वैशाख वदि ४ गुरौ श्रीमूलसंघे सरस्वतीगच्छे बलात्कारगणे कुंदकुंदाचार्यान्वये भट्टा० श्रीसकलकीर्तिदेवास्तत्पट्टे भ० श्रीभुवनकीर्तिदेवा एतं श्रीशांतिनाथचतुर्विंशतिकां नित्यं प्रणमन्ति ॥ *

खेराळु.

श्रीआदीश्वरजीनुं देरुं.

७४९. सं. १४९१ वर्षे .... श्रीश्रीमाल ज्ञातीय.....श्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपा० श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

७५०. सं. १५९६ वर्षे वैशाखसुदि ५ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० लखंनु भार्या लिरिमादे पुत्र मं० लखमण भार्या रत्नं पुत्र हरराजयेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीपद्मप्रभबिंबं कारापितं । प्र० श्रीगुणतिलकसूरिभिः ॥

७५१. सं. १५१९ वर्षे माघ सुदि ११ रवौ श्रीमूलसंघे भ० श्रीसकलकीर्तिस्तत्पट्टे भ० श्रीभुवनकीर्तिस्तत्पट्टे ज्ञा. हुंबडज्ञातीय ठ० रत्ना भा० मानूं सुत धर्मसी भा० सोनी एते नित्यं प्रणमन्ति ॥ *

७९२. सं. १९६० वर्षे वैशाखशुदि १९ शनौ नी (वी) खंडे ॥ सं० पोपा भार्या चाई पुत्र सं० समधर सुश्रावकेन भार्या रही पुत्र सं० सूरा वीरा भाइश्रीमहितेन स्वश्रेयोर्थे श्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीभाव-सागरसूरीणामुपदेशेन श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं । प्रतिष्ठितं संघेन श्रीप-त्तननगरे ॥

७९३. सं. १४९९ वर्षे प्राग्वाटज्ञा०....स्वश्रेयसे धवं बकेन श्रीविमलनाथबिंब का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

७९४. सं. १५९९ वर्षे माघ व. २ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० व्य० वाघा भा० वमकू सु० मीहा भा० राणीनाम्न्या भ्रातृव्य० नाथा भा० सममदे प्रमुखकुटुंबयुतया स्वश्रेयोर्थे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपा-गच्छे श्रीहेमविमलसूरिभि । गोलावास्तव्य० ॥

(एक लेख भूमायलो छे ने अस्पष्ट छे. १२ मी सदीना संभवे छे.)

७९५. स. १४९९ वर्षे कार्तिक सुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सालण भार्या माकल्दे तस्य सुता का० पाल्हाण श्रीवगासंघ.... श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं । आगमगच्छे श्रीमुनिसिंहसूरीणामुपदेशेन प्रति० विडाले वीवासंघ ॥

७९६. सं. १२९२ वर्षे वैशाख शु० १२..................... श्रीश्रेयांसबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं । (आगल अक्षर घसाइ गया छे.)

७९७. सं. १६३० वर्षे चैत्र वदि ५ श्रीमूलसंघे श्रीसरस्वती-गच्छे श्रीबलात्कारगणे श्रीकुंदकुंदाचार्यान्वये भ० श्रीवीरचंद्र भ० श्री ज्ञानभूषण भ० श्रीप्रभाचंद्रोपदेशेन सिंहपुराज्ञातीय सा० पामा भा० लाच्छा तयोः पुत्री सं० सामाइ भा० गोरदे सं० नीवा पुत्री राजबाइ। सं० कीका भ० फूलबाइ। सं० लाछदे पुत्र सं० श्रीचमा पुत्री माना भगिनी गंगाइ एतेषां मध्ये सं. कीका प्रणमति। श्रीचंद्रप्रभस्वामिने नमः॥ *

७५८. सं. १५१६ वर्षे वैशाख सुदि ४ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० धना भार्या नाइ पु० सरवण भार्या गुणदे पुत्र जागा सुश्रावकेण भा० सबू भ्रातृ जेमा जाणा पुत्र देवराजसहितेन श्रीअचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंब कारित प्र० श्रीसंघेन॥

७५९. सं. १९४४ वर्षे वैशाख वदि ९. गेरादृशा० श्रीवासुपूज्यबिंबं कारापितं ॥

७६०. सं. १४९९ वर्षे मागसिर १२ दिने श्रीउकेशवंशे सा० देवराज पुत्र सा० नालश्रावकेण पुत्रवज्जादिसहितेन श्रीश्रेयांसबिंब का० प्र० श्रीखरतरश्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

७६१. सं. १४६६ वर्षे श्रावण सुदि १० दिने प्राग्वाटज्ञा० . सुत पाहदन भ्रातृ सुविधिबिंबं का० प्र० श्रीदेवसुन्दरसूरिभि । तपागच्छे ॥

७६२. स. १४९६ माघ शु० ९ प्रा० शा० श्रे० आंबड भा० माकरणदे सुत वरसिंहेन सुत मूलासि मणोर सु० माकसुतेन भा० हिमीश्रेयसे श्रीवीरबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभि ॥

सं. १६१७ पोष वदि १ श्रीपार्श्वबिंब ॥

सं. १६२४ श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीहीरविजयसूरिभि ॥

श्रीपार्श्वनाथनुं देरुं.

७६३. सं. १६९६ ज्येष्ठ व० ७ सोमे........अमरीश्री भार्या अमरादे सुत प० देवजीकेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

७६४. सं. १३१७ वर्षे ज्येष्ठ शु. २ प्रा० ज्ञा० व्य० मेघा भा० माणिक्यदे पुत्र नावडप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७६५. सं. १२९७ वर्षे..
श्री पार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री........सूरिभिः ॥

वलाद.

७६६. सं. १६६६ वर्षे माघ शु. ५ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य उकेशवंशीय वृद्धमोनीशाखायां मिरगोत्रे सो० पहिराज भा० पूरी पुत्र सो० देवचंद भा० देवलदेनाम्न्या पुत्र सो० महिमवीर पार्श्वसिंहयुतया श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपागच्छे भ० श्रीउदयसागरसूरिपट्टे भ० श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

७६७. सं. १५०९ वर्षे वैशाख शु. १२ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय महं० रामा भा० मांकू पुत्र मं. वछिराम सुश्रावकेण भार्या वटूआदे० वृद्धभ्रातृ महं० आसा लघुभ्रातृ महं० धना भ्रातृ पुत्र वीरा प्रमुखकुटुंब सहितेन श्रीअंचलगच्छगुरुश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीशा-सुपृन्यबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन आचंद्रार्कं विजयताम् ॥

(धूल्या) फोया.

७६८. सं. १५०८ वर्षे वैशाख शुदि ९ शनौ प्राग्वाटज्ञा० लघुशाखायां....करणा भा० हीमादे सुत लाडा भा० ओरम श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० द्विवंदनीकपक्षे भ० श्रीसिद्धसूरिभि ॥

७६९. सं. १५२० वर्षे पोष वदि १३ भौमे श्रीश्रीमालज्ञा० गार्गेयगोत्रे महं० सिपा भा० सहजलदे सुत वाघू भा० वीरू सुत धाना नरबद हीरा मूलू वनू हीरा भार्या १ प्र० हीरादे द्वि० पूतलिदेवेन पूर्व० श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवैद्यगच्छे मल्लधरपुरीयपट्टे श्री लक्ष्मीसागरसूरिभिः । चांद्रसमीपवर्तीसीतापवतनगरे ॥

श्रीपार्श्वनाथनुं देरुं.

७६३. सं. १६९६ ज्येष्ठ व० ७ सोमे........अमरीश्री भार्या अमरादे सुत प० देवनीकेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

७६४. सं. १४१७ वर्षे ज्येष्ठ शु. ३ प्रा० ज्ञा० व्य० मेघा भा० माणिक्यदे पुत्र नावडप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७६५. सं. १२९७ वर्षे...
श्री पार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री........सूरिभिः ॥

वलाद.

७६६. सं. १६९६ वर्षे माघ शु. ९ सोमे श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य ऊकेशवंशीय वृद्धसोनीशाखायां मिरगोत्रे सो० पहिराज भा० पूरी पुत्र सो० देवचंद भा० देवलदेनाम्न्या पुत्र सो० सहिसवीर पासवीरसहितया श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपापक्षे भ० श्रीउदयसागरसूरिपट्टे भ० श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

७६७. सं. १५०९ वर्षे वैशाख सु. १३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय महं॰ रामा भा॰ मांकू पुत्र मं. कल्हिराम सुधावकेन भार्या वहलादे॰ वृद्धभ्रातृ महं॰ आमा लघुभ्रातृ मं॰ घना भ्रातृ पुत्र वीरा प्रमुखकुटुंब सहितेन श्रीअंचलगच्छगुरुश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का॰ प्र॰ श्रीसंघेन आचंद्रार्कं विजयतात् ॥

(पूना) फोया.

७६८. सं. १५०८ वर्षे वैशाख सुदि ९ शनौ प्राग्वाटज्ञा॰ व्यवहारायो . करणा भा॰ हीमादे सुत लाडा भा॰ ओरम श्रीशांतिनाथबिंबं का॰ प्र॰ द्विवंदनीकगच्छे भ॰ श्रीदेवगुप्तसूरिभि. ॥

७६९. सं. १५१० वर्षे पोष वदि ११ भौमे श्रीश्रीमालज्ञा॰ शांतिकोमे महं॰ सिंघा भा॰ राजमलदे सुत बापू भा॰ वेरू सुत वाघा भ्रातृ हीरू पुत्र वन्ना हीरा भार्या २ प्र॰ हीरादे द्वि॰ पूतलिहितेन पूर्व॰ श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का॰ प्र॰ श्रीपिप्पलगच्छे भट्टारकश्रीउदयदेवसूरिपट्टे श्री लक्ष्मीसागरसूरिभि । श्रीहर्षसौभाग्यपर्यंत ॥

श्रीपार्श्वनाथनुं देहं.

७६३. सं. १६९६ ज्येष्ठ व० ७ सोमे.......अमरीश्री भार्या अमरादे सुत प० देवजीकेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

७६४. सं. १५१७ वर्षे ज्येष्ठ शु. २ प्रा० ज्ञा० व्य० मेगा भा० माणिकदे पुत्र मापडप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७६५. सं. १२९७ वर्षे...
श्री पार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री .....सूरिभिः ॥

वडावि.

७६६. सं. १५११ वर्षे [illegible] शु. ९ सोमे श्री[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] सो० [illegible] भा० [illegible] [illegible] [illegible] भा० [illegible] [illegible] सो० [illegible] [illegible] [illegible] का० प्र० [illegible] श्री[illegible] भ० [illegible] ॥

७६७. सं. १५०९ वर्षे वैशाख शु. ११ शुक्रे. श्रीश्रीमाल
तीय महं० रामा भा० मांझू पुत्र मं. वच्छिान सुश्रावकेण भार्या बहरादे
वृद्धभ्रातृ महं० आसा लघुभ्रातृ महं० धना भ्रातृ पुत्र वीरा प्रमुखकुटुंब
सहितेन श्रीअंचलगच्छगुरुश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीसा-
धुपुन्यबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन आचंद्रार्कं विजयताम् ॥

(छूया) फोपा.

७६८. सं. १५०८ वर्षे वैशाख सुदि ९ रानौ प्राग्वाट ज्ञा० लघुशा-
खायां....करणा भा० हीमादे पुत्र लाडा भा० ओल्ह श्रीशांतिनाथबिंब
का० प्र० द्विवंदनीकगच्छे म० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

७६९. सं. १५१० वर्षे पोष वदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा०
गांधीगोत्रे महं० सिंघा भा० सहजलदे सुत वाघू भा० वीरू सुत वाच्छा
नाथू हीरा पुत्र वछू हीरा भार्या २ प्र० हीरादे द्वि० पूनादेवेन पुं०
मेघाने श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरिभिः
इत्थंभिमागमसूरिभि । चांद्राप्रीयरासीनिवासनय ॥

श्रीपार्श्वनाथजुं देरुं.

७६३. सं. १६९६ ज्येष्ठ व० ७ सोमे........अमरीश्री भार्या अमरादे मुत प० देवसीकेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

७६४. सं. १२१७ वर्षे ज्येष्ठ शु. ३ प्रा० ज्ञा० व्य० मेघा भा० माणिकदे पुत्र नायकप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

७६५. सं. १२९७ वर्षे.. श्री पार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्री........सूरिभिः ॥

वलाद.

७६६. सं. १९६६ वर्षे माघ शु. ५ सोमे श्रीनर्मदातीरवास्तव्य उकेशवंशीय वृद्धमोढीगात्रायां मिश्रगोत्रे सो० पदिराज भा० पुरी पुत्र सो० देवचंद भा० देवलदेनाम्न्या पुत्र सो० महिमचीर पाल्लीप्रमुखया श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपागच्छे भ० श्रीउदयसागरसूरिपट्टे भ० श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

७६७. सं. १६०९ वर्षे वैशाख सु० ११ बुधे श्रीश्रीमालज्ञातीय महं० रामा भा० मांकू पुत्र मं. वच्छिराज सुश्रावकेण भार्या वरमादे० वृद्धभ्रातृ महं० आसा लघुभ्रातृ महं० धना भ्रातृ पुत्र वीरा प्रमुखकुटुंब सहितेन श्रीअंचलगच्छगुरुश्रीधर्मसूरिणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन आचंद्रार्कं विजयतात् ॥

(कूवा) फोफा.

७६८. सं. १५०८ वर्षे वैशाख सुदि ५ शनौ प्राग्वाटज्ञा० व्यवहारी....करणा भा० लीलादे सुत लाडा भा० ओमा श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० द्विवंदनीकगच्छे भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

७६९. सं. १५६० वर्षे पोष वदि १२ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० काळीकोठी महं० सिधा भा० सहजलदे सुत वापू भा० वीरू सुत वाघा भाखर हीरा पुत्र वकू हीरा भार्या २ म० हीरादे द्वि० रूपीणिदेविना ह्वं० श्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे भट्टारकश्रीधर्म्मसागरसूरिभि. । आंद्रलपीरपुरवास्तव्य ॥

पोर.

७७०. संवत् १९२१ वर्षे वैशाख वदि २ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० करमसी भा० लामी पु० मेदु भातृ गोसा जगा मेरा भा० भानु पु० मातरमाल्हिगढुंगरमूगर पितृही भ्रातृ भीमुमाल्हि भा० लखी पु० सुरा कामायुतेन पितृपिता....स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं कारितं....गच्छे श्रीसिद्धाचार्यसंताने प्रतिष्ठितं भ० श्रीदेवगुप्तसूरिभि ॥

उवारसद.

७७१. सं. १५१० वर्षे वैशाख मासे वदि ११ श्रीश्रीश्री श्रीमालज्ञातीय श्रे० [illegible]श्रीराम पुत्र [illegible] मेघा भा० [illegible] [illegible] श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं [illegible]गच्छे श्री[illegible] हेमसूरिभिः ॥

अडालज.

७७२. सं. १६३१ वर्षे वैशाख वदि ८ शुक्रे श्रीकाष्ठासंघे नंदीतटगच्छे भ. श्रीसोमकीर्तिभिः शिष्यश्रीवीरसेनयुक्तैः प्रतिष्ठितं हुंबडज्ञातिय बुधगोत्रे श्रे० हिरा भार्या नाई सुत देवा भा० विहिन सिवा भा० जीवणि सहजा भार्या सहनादे सारंग भार्या प्रोहूतिश्रीश्रेया सहितं श्रीपार्श्वनाथबिंबं ॥ *

७७३. सं. ११७८ वर्षे ज्येष्ठ वदि ९ सोमे जिनयुग्मप्रतिष्ठा संजाता । कुंडावरतरग्रामे वीरनाथस्य मंदिरे धर्मशांतितीर्थंकरौ ॥ (१ पाण काउसग्गीया).

अडालज वापीलेख.

सं. १५५५ वर्षे माघमासे पञ्चमीदिने पादसाहश्रीमहीमुदराज्ये ।
ॐनमो....विनायकाय नमः ॥

यस्यान्वये मोकलसिंह आसीद्, दण्डाहिदेशाधिपतिर्नरेन्द्रः ।
वाघेल आसन्दलजुस्पधामा, योऽदाहियो भाग्यउभयातनश्च ॥१॥
तस्यात्मजः सुजरतुल्यवीर्यः, कर्णो नृपः कर्ण इव क्षितीशः ।
सद्ग्रामभूमि महर्ती हि लब्ध्वा, हत्वा विपक्षांश्च यदुप्सता वै ॥२॥
उन्मूलयिता येषां, मूलराजाऽवनीधरः ।
तस्मादुमात्यत नृपाः, रैलिकेयो यथा भृगोः ॥३॥

महीवर्तिनां प्रवरो, महीप इति विश्रुतः ।
तस्य सूनुरभूत् पाण्डोर्युधिष्ठिर इवापरः ॥ ४ ॥
महीपतनयो ह्यासीत्, वीरसिंहो धराधिपः ।
लीलाद्वहीनदेहोऽसौ, रामो दशरथादिव ॥ ५ ॥
अभूतां तनयौ तौ तु, भ्रातरौ रामलक्ष्मणौ ।
नरसिंहश्चानैरश्च, महीपतनयावुभौ ॥ ६ ॥
[illegible] सिंहो धराधिप ।
कल्पवल्ली समासाद्य, [illegible] पुंदर ॥ ७ ॥
तस्य श्रीवीरसिंहस्य, राज्ञी राज्ञी [illegible] या ।
[illegible], रूडादेवी [illegible] ॥ ८ ॥
[illegible],
[illegible] ।
[illegible],
[illegible] ॥ ९ ॥
[illegible],
[illegible] ।
[illegible],
[illegible] ॥ १० ॥
[illegible] ।
[illegible] ॥ ११ ॥
[illegible],
[illegible] ।
[illegible],
[illegible] ॥ १२ ॥

अपांसुलानां प्रथमाभिधेया, या रूडराज्ञी कलिकल्पवल्ली ।
श्लाघ्यैश्चरित्रैः स्वकुलं च पत्युर्विभासयन्ती किल मैथिलीव ॥ १३ ॥
कोटीधनं तृणमिव प्रसभं यया तु,
क्षिप्तं नृपेषु विबुधेषु तुला तु तस्या ।
या नाम राजदयिता न च कामधेनु–
र्नाप्येति कल्पलतिका किल रूडराज्याः ॥ १४ ॥
टंककानां तु लक्षाणि, पञ्च कोटानि काशन. ।
वापीकृतेऽनया राज्या, रूडादेव्येति संस्तुतम् ॥ १५ ॥
अडालिजे वरग्रामे, वीरसिंहस्य वल्लभा ।
रूडाराज्ञी व्यधाद् वार्पी, भूषितां बहुभीशतै ॥ १६ ॥

स्वस्तिश्रीमन्नृपविक्रमसमयातीत—आषाढादिसंवत् १५५५ वर्षे शाके १९२० प्रवर्तमाने उत्तरायणगते श्रीसूर्ये शिशिरर्तौ माघमासे शुक्लपक्षे पञ्चम्यां तिथौ बुधवासरे उत्तराभाद्रपदनक्षत्रे सिद्धिनाम्नि योगे बवकर्णे मीनराशिस्थिते चन्द्रे पादशाहश्रीमहमुदविजयराज्ये दण्डाधिदेशाधिपतिर्नृपतिचक्रचूडामणिवाघेलश्रीमहीपतनयराजश्रीवरसा धर्मपत्नी राणीश्रीरूडबाइए भर्तानि परलोकार्थे अडालिज वावी करावी ॥ श्रीमालिज्ञाति० मह० भीमा सुत माम्मण वावी निपजावी ॥ टंका लाख पांच १११ अंके ५००१११ थया. ॥

आचन्द्रार्क स्थिरस्थायिनी भवतु ॥

झुंडाळ.

सं. ११०६ पार्श्वनाथ.

७७४. सं. १२०१ वर्षे नागेन्द्रगच्छे श्रीमानतुङ्गाचार्यसंताने ग्रामे माकितमांकादये तीर्थे कारिता श्रीपार्श्वनाथ ॥

७७५. सं. १९८४ वर्षे वैशाख शुदि ४ शुक्रे श्रीश्रीमाल्ज्ञातीय शा. वमा भार्या वहादे सु० सा० जणीआ भार्या भीमी सु० हांसा हीरा आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआगमगच्छे भट्टारक श्रीशवकमारं (शिवकुमार) सूरिभिः । वटपद्रनगरं ॥

अमदावाद.

हठीभाईनी वाडीना बावन जिनाळयनी प्रतिमानो लेख.

७७६. सं. १५०४ वर्षे ज्येष्ट शुदि १० सोमे श्रीअहिम्मदावादवासि श्रीमाल्ज्ञातीय मं० गेला भा० रयडू तयोः सुतया आपूनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीबृहत्तपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी)

७७७. सं. १५६१ वर्षे चैत्र वदि ८ शुक्रे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० केल्हा भा० काल्हणदे सुत मालु भा० कडू सा० भोगा भा० अनूपदेव पूर्वजनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थ श्रीसुमतिनाथबिंब का० श्रीविमलसूरिभिः प्र० ॥

सोदागरनी पोळना देरासरनी प्रतिमाना लेखो.

सं. ११६६ वर्षे माघ शुदि ९ (पंचतीर्थी.)

७७८. सं. १५०८ वर्षे वै० वदि १ गुरुवारे उकेशज्ञा० नाहर गो० श्रे० देदा पु० समरशा भा० दमादृत पु० सेदिवदर्शन मातृमातृ श्रेयसे श्रीऋषभबिंबं का० प्र० धर्मघोषगच्छे विजयचंद्रसूरिपट्टे भ० श्री साधुरत्नसूरिभिः ॥

७७९. स. १५०३ वर्षे श्रीऊप० ज्ञा० नाहरगोत्रे सोनी देदा सुत सोन पांचशी भा० भांउ पुत्र माल्हेन पितृमातृश्रेयसे श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीराजगच्छे ॥

७८०. सं. १५४४ वर्षे ज्ये. सु. १० श्रीश्रीवंशे श्रे० नरपति भा० मीरिणि पु० श्रे० छगरामकेन निजकुटुंबसहितेन निजश्रेयोर्थ अंचलगच्छे सिद्धान्तसागरसूरीणामुप० शांतिबिंबं का० प्र० अमदावादे॥

सं. १६९१ वर्षे विजयसिंहसूरिभिः तपागच्छे ॥

७८१. सं. १६७० वर्षे माघ सुदि ९ बणोदरा० व्य० श्रीमाली ज्ञा० कान्हा भा० वसबादे सु० रतनजी रूपजीकेन मुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० त० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

७८२. सं. १५७२ वर्षे फा. शुदि ८ सोमे श्रीविद्यापुरवा० श्रीमालज्ञा० मं० हर्षा भा० सांकू सु० मं० हाथीया भा० हीरादे सु० मं० माया मं० मागा मं० कामप्रमुखेन मं० हर्षा स्वनेन स्व० श्रीपद्मप्रभविंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे राजद्रागच्छे ॥

७८३. सं. १५८९ वर्षे वै. शुदि २ शनौ ओ० सं० मीमाकेन भा० कनकाइ पु० ठाकरशी टोकरशी डुंगरशी डुंगरशी पत्रशीप्रमुख-कुटुंबयुतेन भगिनीभवकुश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः वृद्धनगरवा० ॥

७८४. सं. १४९८ वर्षे वै. वदि २ बुधे प्रा० ज्ञा० व्य० कुंदा भा० शांती मातृनिमित्तं सु० गोवलेन श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे शीतलचंद्रसूरिभिः ॥

७८५. सं. १३८६ वर्षे मा० वदि २ श्रीमाल वदि श्रीमाल ज्ञा० पितृ साहल मातृ देउश्रेयसे पु० रुओराकेन श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० नाणगच्छे बुद्धिसागरसूरिभिः ॥

७८६. सं. १९२३ वर्षे वै. वदि ४ शुक्रे प्रा० ज्ञा० श्रे० गांगा भा० रूपीणि सुताबाइ बाडू नाम्न्या....स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपापक्षे जिनरत्नसूरिभिः सहुआलावास्तव्य.... .... ॥

७८७. सं. १९१९ वर्षे मा. शुदि ७ सु. विजापुरनि० ओ० ज्ञा० दो० जेसा भा० जसमादे सु० दो० भावडेन भा० अमादे सु० राघवयुतेन श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० वृ० त० रत्नसिंहसू० ॥

७८८. सं. १३०९ वर्षे ज्ये. शुदि ७ प्रा० ज्ञा० .... नागेन्द्रगच्छे हरिभद्रसूरिशिष्यविनयसेनसूरिपट्टे उदयप्रभसूरिभिः ॥

७८९. सं. १४८१ वर्षे फा. शुदि २ प्रा० ज्ञा० दो० सूरा भा० पोमी सुत दो० आशाकेन भा० रूपिणी सु० सारंगादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० सोमसुंदरसूरिभि ॥

७९०. सं. १५९६ वर्षे मा. वदि २ उपकेशवंशे प्राग्वाटगोत्रे सा० कानड पुत्र सा० बाहड सु० सा० नाथा भा० सांकु पुत्र भीमा भा० करमादे पुत्र मिरा सिहा मातृयुतेन बाघाकेन भा० रत्नादे भा० धामदायुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे जिनचंद्रसूरिपट्टे जिनशीलसूरिभि. ॥

७९१. सं. १६२४ वर्षे मा. शुदि ६ सो० वृद्धकुंकेश सा० गो० रुंओ सा० सुरा भार्या सोहागदे सु० सा० रुडीनाम्न्या निज ... शांतिबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीहीरविजयसूरिभिः ॥

सं. १६२८ वर्षे वै. शुदि ११ ....

७९२. सं. १५४६ वर्षे मा. शुदि २ श्रीमाल्ज्ञा० महेता मांडण भार्या सारु सुत म० टूसा भा० रानु सु० म० ग्दाकेन भा० धर्मिणी सु० पद्मा प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीसंभवबिंबं का० प्र० वृद्धतपागच्छे ज्ञानसागरसूरिपट्टे उदयसागरसूरिभि. ॥

७९३. सं. १५९८ वर्षे वैशाख शुदि ६ शु. श्रीमाल्ज्ञा० श्रे० कडुआ भा० पहुती सुत श्रे० आसनभीमा बीमा अंजन भा० अमारेभीमा भा० रमादे स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसूरिभिः ॥

७९४. सं. १५३० वर्षे मा. शुदि ९ गु. प्रा० ज्ञा० श्रे० परवत भा० संपूरी सु० मोल्हारेन भा० धनी भा० रहिजा सुत नाथा-हाथी सहितेन आत्मश्रेयसे श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीमर्वसूरिभिः ॥

७९५. सं. १५६८ वर्षे मा. शुदि ९ गुरौ उपकेशवंशे श्रीडं-डीआगारशायां सा० चांपा भा० रत्नाइ पु० सा० उत्तागुणावरेण भा० रत्नादे पुत्र० सा० जोगु पुत्र नारिगसहितेन श्रीअणगच्छे भ०श्री गर्षिपरमसुपदेशेन श्रीसुविधिबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

सं. १३९९ वर्षे ....

७९६. १४७९ वर्षे पो. वदि ९ शुक्र ओ० ज्ञा० श्रे० माडु भार्या छाजु सुत पीमड भा० विल्हणदे सु० सुंदाहुंडुंस्महितेन टा० विलेन बिंबं का० प्र० द्विवंदनीकगच्छे देवगुप्तसूरिभि ॥

७९७. सं. १३१० वर्षे चैत्र वदि १० शनाशितिथौ श्री० ज्ञा० श्रे० गुणपाल भा० पाली पु० श्रे० डुंगर सु० मतारन्मा कर्मनिःमल्या मध्येगमे मुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि: ॥

७९८. सं. १३१० वर्षे माघमासे देवतारशीय श्रा० श्रे० मणा भा० सूरी पु० जेसाकेन भा० मदनु पु० माणिक रंगादिपुत्रेन मध्येगमे श्री शंभवनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यरत्नशेखरसू०॥

७९९. सं १३१२ वर्षे महा शुदि १ बुधे उपकेशे सा० वहिणत भा० मदू पुत्र सा० तगानिपुत्रारोण भा० हीरां पु० सा० लषा प्रमुखकुटुम्बसहितेन श्री भगवत्संघश्रीजिनचन्द्रसूरिशिष्यपदेशेन स्वश्रेयोर्थं श्री आदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

८००. सं. १३०९. वर्षे ज्येष्ठ शुदि ०, बुधे श्रीदेवराज० उकेशीय श्रे० आमदा भार्या लिक पुत्र गहुणा भैरवादि रामचन्द्र कान्हलदेवा भा० मदू पुत्र मनोरमा भा० सुतलीन पुत्र वाघा प्रमुखेन सकलकुटुम्बसहितेन सह सूमा भार्या वीर्यलिप श्रीसंघ अनन्तजिनबिंबं का० प्र० , ... सूरिभि । शुभं भवतु ॥

८०१. सं. १३०२ वर्षे कार्तिकि शुदि १० दिने सागर ... ... पुत्र पु० ... भा० ... ... पुत्र ... ... पुत्रेण ... ... श्री ...

दिनाथचतुर्विंशतिपट्टः कारितः प्रतिष्ठित तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे....श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि. । अमदावादनगरे ॥

८०२. संवत् १५०९ वर्षे माघ शुदि ९ रवौ ओसवाल्ज्ञा० महं० सायन भा० नाहीपत डुंगर भा० छुमहि.... ....बलादे समरदास आत्मश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० भट्टारक... ....॥

८०३. संवत् १५३२ वर्षे पोष शुदि ५ उकेश सा० पद्मा भा० लाडी सुत सा० सद्माकेन..........

झवेरीवाडो-संभवनाथजैनदेरासरनी प्रतिमाना लेखो.

८०४. सं. १५३० वर्षे माघ वदि ७ बुधे प्राग्वाटज्ञातीय मंत्रि गांगा भा० रूद्र पुत्र मं० श्रीमाकेन भा० परब्वति सहितेन पि० मा० तथा भ्रा० रंगा भद्रामहिपा नि० आत्मश्रे० श्रीशांतिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्रति० पिप्पलगच्छे त्रिभवीया श्रीधर्मसुन्दरसूरिपट्टे श्रीधर्मसागरसूरिभि । मासूरस्थानवास्तव्य.

पंचतीर्थी.

८०५. सं. १५२४ वर्षे वैशाख शुदि २ रवौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० भूपा भार्या देमति पु० आसि भ० सामणा तत्पुत्र सा० सोमा भा० माणिकि सहितेन श्रीअनंतनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि. ॥

८०६. सं. १५०५ वर्षे वैशाख शुदि ७ दिने उकेशवंशे सा० नापू पुत्र सा० अमराकेन भ्रा० बधा पु० दशरथ पुत्रा कुमरदुर्ग श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभि. ॥

८०७. सं. १५२७ वर्षे वैशाख वदि १० सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० टाहा भा० शाणी सुत पंचायणेन भार्या हीरु सुत वीरा जीवणादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुप० का० प्र० विधिना छात्राग्रामे ॥

८०८. सं. १५०५ वर्षे वैशाख शुदि २ शुक्रे श्रीमालज्ञा० श्रे० प्रथमा भा० जासल्दे सुत श्रे० पोनाहापाभ्यां पितृमातृनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथपंचतीर्थीबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे त्रि० श्रीधर्मशेखरसूरिभि. ॥ उब्क

८०९. सं. १५०८ वै. शुदि ३ प्रा० श्रे० भीम भा० वाजू पु० मं० गोइंद भा० प्रवरूनाम्न्या श्रे० चांपा भा० रूपीपुत्र्या स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । श्रीअहम्मदावादे ॥

८१०. सं. १५८० वर्षे वैशाख शुदि १२ शुक्रे प्रा० ज्ञा० वृद्धसंताने श्रे० अरजन भा० आल्हणदे सु० श्रे० देवराज भा० लखाइ पु० लहूया भा० वीरीसहिताभ्यां स्वश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० आगमगच्छे श्रीविवेकुमारसूरिभिः ॥ वडारा०

८११. सं. १५३० वर्षे माघ वदि ८ सोमे श्रीकोरंटगच्छे उप० ज्ञा० सा० आमा भा० आसल्दे पु० सा० मावेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनन्नाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

८१२. सं. १५५७ वर्षे वैशाख शुदि ४ भोमे ओ० ज्ञा० सा० उदयसी सुत मांडा सा० देऊ सुत ३ पारइ १ कुंदा २ मेहामांडा ३ भा० देऊतिभ्नि श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे म० श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

८१३. सं. १५११ वर्षे फा. वदि ११ प्रा० ज्ञा० मा० पाना भा० नागिणि सु० मा० महिराजमहिराजनाम्नो भा० पमाई आसू पुत्र पुनसी मुणराङ्कंस्सनाम्यां स्वमातृपितृश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपा-श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी)

८१४. सं. १५१९ वर्षे माघ शुदि १२ सो. धरवासि प्रा० श्रे० मूंजा भा० मांजू सुत श्रे० नावाकेन भ्रातृ गोपा देवा भां० रामति धनू नीतू प्र० कुटुंबयुतेन श्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि. ॥ (पंचतीर्थी).

८१५. सं. १५१९ वर्षे माघ शुदि १२ प्रा० श्रे० केल्हा भा० करेणु सुत माम्रद भा० अर्धू सुत सोमाकेन भा० मेघू सुत जसता खेता-दिकुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥ (पंचतीर्थी).

८१६. सं. १५२५ वर्षे माघ शुदि ५ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० मं० माटा भा० प्रमरल्दे सुत हीराकेन भा० मानूसह पितृमातृ-श्रेयोर्थं च आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

८१७. सं. १५०१ वर्षे आषाढ शुदि २ प्रा० ज्ञा० व्य० ऊगम भा० गुरी सुत धर्माकेन भा० लींबीयुतेन स्वभ्रातृदेवाश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिभिः । श्रीमहिगांव्या०

८१८. १५०८ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ श्रीमालज्ञा० श्रे० रायच भा० लाडी सुत भासणवदे रावल भ्रातृ राणा भा० रांभल्दे सुत नानाकेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० पिराद्रगच्छे श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥

८१९. सं. १५०९ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ७ बुधे

८०७. सं. १५२७ वर्षे वैशाख वदि १० सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० ग्रहा भा० शाणी सुत पंचायणेन भार्या हीरु सुत वीरा नंदकादि कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामु० का० प्र० विधिना श्राद्धैः ॥

८०८. सं. १५०२ वर्षे वैशाख शुदि ३ शुक्रे श्रीमालज्ञा० श्रे० प्रथमा भा० नामल्दे सुत श्रे० पोनाहासाभ्यां पितृमातृनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे भ० श्रीधर्मशेखरसूरिभिः ॥ उच्च

८०९. सं. १५०८ वै. शुदि ३ प्रा० श्रे० भीम भा० वाबू पु० सं० गोविंद भा० मक्कूनाम्न्या श्रे० चांपा भा० रूपीसुन्या स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । श्रीअहम्मदावादे ॥

८१०. सं. १५८० वर्षे वैशाख शुदि १२ शुक्रे प्रा० ज्ञा० वृद्धसंताने श्रे० अरजन भा० अहूणदे सु० श्रे० देवराज भा० रूपाई पु० लहूया भा० वीरीनिहिताभ्यां स्वश्रेयोर्थं श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं का० आगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरिभिः ॥ वडाना०

८११. सं. १५३० वर्षे माघ वदि ८ सोमे श्रीश्रीवंशे उ० ज्ञा० मा० आमा भा० आमल्दे पु० सा० माबेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं का० प्र० श्रीनन्नाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

८१२. सं. १५५७ वर्षे वैशाख शुदि ४ सोमे ओ० ज्ञा० सा० दशरथी सुत सांडा भा० देऊ सुत ३ वरद १ कुंदा २ मेहराज ३ मा० देऊनिमित्तं श्रीमुनिसुव्रतनाथबिंबं का० प्र० श्रीसागरगच्छे भ० श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

८१३. सं. १६१३ वर्षे फा. वदि ११ प्रा० ज्ञा० मा० पाना भा० नागिणि सु० मा० महिराजवहिराजाभ्यां भा० पलाई आयु पुत्र पुन्सी प्रमुखकुटुंबयुताभ्यां स्वमातृपितृश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभि ॥ (पचतीर्थी)

८१४. सं. १६१९ वर्षे माघ शुदि ११ सो. वरवासि प्रा० श्रे० मूंजा भा० माजू सुत श्रे० पावाकेन भ्रातृ गोपा देवा भा० रामति पनू नीतू प्र० कुटुंबयुतेन श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥ (पंचतीर्थी)

८१५. सं. १६१९ वर्षे माघ शुदि १३ प्रा० श्रे० केल्हा भा० कोणु सुत लाखड भा० अर्धू सुत सोमाकेन भा० मेघू सुत नरपा नेता दिकुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥ (पचतीर्थी).

८१६. सं. १९२१ वर्षे माघ शुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० मं० माला भा० रमाबाई सुत हीराकेन भा० मचकूर पितृमातृ श्रेयोर्थ च आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणसुंदरसूरिपट्टे श्रीगुणदेवसूरिभि ॥ (पंचतीर्थी).

८१७. स. १९०१ वर्षे आषाढ शुदि २ प्रा० ज्ञा० व्य० उगम भा० पुरी सुत धर्माकेन भा० हर्षाईयुतेन स्वमातृपितृश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिभि । श्रीसिरोहीनगर०

८१८. १९०८ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ श्रीमाल० श्रे० ... पा भा० हासी सुत ... रतन भ्रातृ राजा भा० ... सुत ... नाकेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्री... सूरिभि ॥

८१९. सं. १९०९ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ७ गुरौ अंचलगच्छे श्रीम-

८०७. सं. १५२७ वर्षे वैशाख वदि १० सोमे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० व्य० राहा भा० रागी सुत पंचायणेन भार्या हीरु सुत वीरा जीवादि-कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसुंदरसूरीणामुप० का० प्र० विधिना झांबाग्रामे ॥

८०८. सं. १५०५ वर्षे वैशाख शुदि २ शुक्रे श्रीमाल्ज्ञा० श्रे० पर्वता भा० जासलदे सुत श्रे० पोनाहापाभ्यां पितृमातृनिमित्तं आत्म-श्रेयसे श्रीआदिनाथपंचतीर्थीबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे त्रि० श्रीधर्मशे-खरसूरिभिः ॥ उम्ब

८०९. सं. १५०८ वै. शुदि ३ प्रा० श्रे० भीम भा० वाचू पु० सं० गोइंद भा० मचकूनाम्न्या श्रे० चांपा भा० रूपीपुत्र्या स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः । श्रीअहम्म-दावादे ॥

८१०. सं. १५८० वर्षे वैशाख शुदि १२ शुक्रे प्रा० ज्ञा० वृद्धसंताने श्रे० अरजन भा० आल्हणदे सु० श्रे० देवराज भा० रूपाइ पु० लहूया भा० वीरीसहिताभ्यां स्वश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० आगमगच्छे श्रीविवेककुमारसूरिभिः ॥ वडावा०

८११. सं. १५३० वर्षे माह वदि ८ सोमे श्रीकोरंटगच्छे उप० ज्ञा० सा० आना भा० आसलदे पु० सा० माधवेन स्वश्रेयसे श्रीसुम-तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनन्नाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीसावदेव-सूरिभिः ॥

८१२. सं. १५६७ वर्षे वैशाख शुदि ४ भोमे ओ० ज्ञा० सा० उदयसी सुत मांडा सा० देऊ सुत ३ पारस १ कुंरा २ मेहाजांडा ३ भा० देऊप्रमुखैः श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसागरगच्छे भ० श्रीजिनहंससूरिभिः ॥

८१३. सं. १५१३ वर्षे फा. वदि ११ प्रा० ज्ञा० सा० पाना भा० नागिणि सु० सा० महिराजमहिराजाभ्यां भा० धमाई आम्रु पुत्र पूनसी प्रमुखकुटुंबयुताभ्यां स्वमातृपितृश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपा- श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी)

८१४. सं. १५१९ वर्षे माघ शुदि १३ सो. वरवासि प्रा० श्रे० मूंजा भा० मांजू सुत श्रे० चाचाकेन भ्रातृ गोपा देवा भा० रामति वनू नीनू प्र० कुटुंबयुतेन श्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥ (पंचतीर्थी).

८१५. सं. १५१९ वर्षे माघ शुदि १३ प्रा० श्रे० केल्हा भा० करेणु सुत साजड भा० अर्थू सुत सोमाकेन भा० मेंरू सुत जयता सेता- दिकुटुंबयुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

८१६. सं. १५२१ वर्षे माघ शुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० मं० झाटा भा० झमकल्दे सुत हीराकेन भा० मानूसह पितृमातृ- श्रेयोर्थं च आत्मश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

८१७. सं. १५०१ वर्षे आषाढ शुदि २ प्रा० ज्ञा० व्य० उगम भा० गुरी सुत धर्माकेन भा० लींबीयुतेन स्वभ्रातृदेवाश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिभिः । श्रीमहिगांल्या०

८१८. १५०८ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ श्रीमालज्ञा० श्रे० राघव भा० झाडी सुत मालाखरदे राघव भ्रातृ राणा भा० रांभल्दे सुत नानाकेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीविजयसिंहसूरिभि. ॥

८१९. सं. १५०९ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ७ बुधे अंचलगच्छे श्रीम-—

यकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीमाला० श्रे० पदमसिंह भा० पांई पु० मोजा राजा राणासहितेन निजश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

८२०. सं. १६१६ वर्षे माघ शुदि १ शुक्रे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० महं० मारंग भा० मापरि सुत देवाकेन मातृपितृपितृव्यनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० पूर्णिमा० श्रीविरप्रभसूरिपट्टे.....कलश-प्रभसूरिभिः प्रति० । गगवहाग्रामे वा० ॥

८२१. सं. १६१२ वर्षे माघ शुदि १२ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० हीमाला भा० संमल्दे सु० डूंगरकेन भा० मटी सु० सालिग महिरामकमामहितेन पितृमातृस्वश्रेयसे च जीवित स्वामिश्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीशांतिसूरिपट्टे श्रीगुणरत्नसूरिभिः ॥ कांकरयावा० ॥

८२२. सं. १६११ वर्षे कार्तिक वदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० केल्हा भा० कील्हणदे पुत्र समधरसेन मातृपितृश्रे० श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीविनयप्रभसूरिभिः ॥

८२३. सं. १४६६ वर्षे माह शुदि १३ रवौ श्रीअंचलगच्छे श्रीमेरुतुंगसूरीणामुपदेशेन प्रा० ज्ञा० मं० कडूआ भा० लखी सुत केल्हाआल्हाभ्यां श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

८२४. सं. १६४४ वर्षे फागन शुदि २ शुक्रे श्रीप्रा० ज्ञा० व्य० पेथडमंनाने व्य० गगीआ सु० व्य० सूरजिकेन भा० भा० साधू सु० सत्तवीरदेवादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं श्रीआगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० चेति सुभं ॥ (पंचतीर्थी).

८२५. सं. १६३७ वर्षे मा. शुदि १३ रवौ श्रीओसवंश० श्रीसंघवीया० सा० धीरा भा० रत्नादे सुत सा० जिनदत्तेन भा० इंद्राणी सुत शिवदास प्र० कुटुंबयुतेन सुगंगाश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघसूरिभिः ॥

८२६. सं. १४७० वर्षे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० कर्मसीह भा० कर्मादे सु० श्रे० राउलेन आत्मश्रे० श्रीआगमिगच्छार्यसंताने श्रीमदमर सिंहसूरीणामुपदेशेन श्रीशांतिनाथादिचतुर्विंशतिप ट्ट का० प्र० विधिना॥ (चोवीशी.)

८२७. सं. १५०८ वर्षे माघ शुदि ९ सोमे उपकेशज्ञा० हार्ती सांगा भा० मदोअरिनाम्न्या सुत सोमासहित स्वश्रेयसे श्रीजीविनस्वामि-श्रीसुमतिनाथबिंबं का० पूर्णिमापक्षे भीमपल्लीय .... श्रीजयचंद्रसूरीणा मुपदेशेन ॥ (पंचतीर्थी.)

८२८. सं. १४९१ वर्षे वैशाख शुदि ९ बुधे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० व्य० पासाढ़ा भा० प्रीमल्दे सुत पीमा भा० रंगाल्दे सुत वमलसादीभ्यां पित्रो श्रेयसे श्रीनेमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमज्जग सूरिपट्टे श्रीपजूनसूरिभि ॥ (पंचतीर्थी.)

८२९. सं. १४८९ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ९ सोमे ओसवालगोत्रे सा० पचूणसीह पु० नापू पु० सा० रवालू मेघा निजगणयुतेन श्रीसुमति नाथबिंबं प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमहीतिलकसूरिभि ॥

८३०. सं. १५१३ वर्षे पोष शुदि १० बुधे सूर्यपुरवासि श्रीमाल्ज्ञा० मं० पेथा भा० सेगू पुत्र मं० हराजेन भा० जसी सुत माल्हादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपा .... श्रीरत्नशेखरसूरिगुरुभि ॥

८३१. सं. १५२७ वर्षे पोष वदि ९ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० उगम भा० मरगादि सुत लक्ष्मणेन पितृश्रेयसे आत्मश्रेयोर्थ श्रीकुं-थुनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे श्रीउदयदेवसूरिपट्टे श्रीरत्नदेवसू-रिभि । वडपुरवास्तव्य. ॥

८३२. सं. १५०१ वर्षे वै. वदि ३ बुधे उके० श्रे० धर्मसिंह भा०

यकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रीमाली० श्रे० पदमसेन भा० पोई सु० मोना गना रागामहितेन निजश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

८२०. सं. १५१५ वर्षे माघ शुदि १ शुक्रे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० महं० मारंग भा० मापरि सुत देवाकेन मातृपितृपितृव्यनिमित्तं आत्मश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० पूर्णिमा० श्रीवीरप्रभसूरिपट्टे....कमलप्रभसूरिभिः प्रति० । नगवहाग्रामे वा० ॥

८२१. सं. १५१३ वर्षे माघ शुदि १३ रवौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० व्य० हीमाला भा० संमल्दे सु० डूंगरकेन भा० मटी सु० सालिग्रमहिरामकमामहितेन पितृमातृश्रेयसे च जीवित स्वामिश्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीशांतिसूरिपट्टे श्रीगुणरत्नसूरिभिः ॥ कांकरयावा० ॥

८२२. सं. १५११ वर्षे कार्तिक वदि ९ रवौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० व्य० केल्हा भा० कील्हणदे पुत्र समधरकेन मातृपितृश्रे० श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीविनयप्रभसूरिभिः ॥

८२३. सं. १४६६ वर्षे माह शुदि १२ रवौ श्रीअंचलगच्छे श्रीमेरुतुङ्गसूरीणामुपदेशेन प्रा० ज्ञा० मं० कडूग भा० रूल्ही सुत केल्हाआल्हाभ्यां श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥ (पंचतीर्थी).

८२४. सं. १५४४ वर्षे फागण शुदि २ शुक्रे श्रीप्रा० ज्ञा० व्य० पेथडसंताने व्य० गणीआ सु० व्य० सूरविकेन सा० भा० साधू सु० सववीरदेवादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं श्रीआगमगच्छे श्रीविवेकरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० चेति शुभं ॥ (पंचतीर्थी).

८२५. सं. १५४७ वर्षे मा. शुदि १३ रवौ श्रीओसवंश० श्री स्तंभतीर्थवा० मा० वीरा भा० रत्नादे सुत सा० जिनदत्तेन भा० हेंदाणी सुत शिवदास प्र० कुटुंबयुतेन सुतगंगाश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसर्वसूरिभिः ॥

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] वर्षे [illegible] सुदि ५ [illegible] [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] वर्षे वैशाख सुदि ६ बुधे [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] वर्षे ज्येष्ठ सुदि ९ सोमे ओसवालज्ञातीय सा० [illegible] भा० [illegible] नाम्ना श्रीसुमति बिंबं का० प्र० [illegible] श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

८१०. सं १५१६ वर्षे पौष सुदि १० बुधे गूर्जरज्ञातीय श्रीमाली ज्ञा० म० देपा भा० रंगू पुत्र म० हरराजेन भा० सरती पुत्र [illegible] सहितेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंब का० प्र० तपा .... श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

८११. सं. १५६७ वर्षे पौष वदि ५ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० उगम भा० माल्हू पुत्र सहसाकेन पितृश्रेयसे आत्मश्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंब का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे श्रीउदयदेवसूरिपट्टे श्रीरत्नदेवसूरिभिः । कवरपुरवास्तव्य. ॥

८१२. सं. १५०२ वर्षे वै. वदि ४ बुधे उके० श्रे० धर्मसीह भा०

धर्मादे पुत्र धूनाकेन भा० धांधलदेयुतेन स्वमातृपित्रादिश्रेयोर्थं श्रीशीतल-
नाथबिंबं का० प्र० उ.केशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसंताने भ० श्रीकक्कसूरिभि.॥

८३३. सं. १ ५१२ वर्षे माघ शुदि ५ रवौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा०
मं० महिपा द्वि० भा० देवल्दे सु० लाडनकेन भा० ल्ला(?)दे पितृमातृ-
श्रेयोर्थं आत्मश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्रति० श्रीनागेन्द्रगच्छे
श्रीगुणसमुद्रसूरिभि ॥

८३४. सं. १५२०' वर्षे अहम्मदावादे ऊकेश. सा० सोमा भा०
सोमसिरि पुत्र सा० रत्नपालेन भा० मरगदि पुत्र डुंगर प्रमुखकुटुंबयुतेन
स्वश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्रति० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिश्रीसोम-
देवसूरिभिः ॥

८३५. सं. १५१० वर्षे प्रा० श्रे० पर्वत भा० मनी सुत मान-
सिंह भा० अमरू सुत नरपाल पातुल्यादिकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं
का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

८३६. सं. १५३५ वर्षे ज्येष्ठ वदि १ शनौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा०
श्रे० कुंता भा० मरमी सुत देवा भा० मानू हीरा भा० हांसी मातृपितृ-
श्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्रतिष्ठितं श्रीविमलगच्छे भ० श्रीधर्म-
सुंदरसूरिपट्टे श्रीधर्मसागरसूरिभि. ॥

८३७. सं. १५१० वर्षे माघवदि ५ दिने उ० ककाहडीया
गोत्रे सा० वीसल भा० फाफी पुत्र छाजो भा० छमसही पु० हरराजैः
स्वपुण्यार्थं श्रेयोर्निमित्तं श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपल्लिकीयगच्छे
श्रीयशोदेवसूरिभिः ॥ शुभं भवतु.

८३८. सं. १५३१ वर्षे नीमा ज्ञा० श्रे० पाता भा० अपू
सुत देवा [illegible] प्रमुख पौत्रादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का०
प्र० [illegible] श्रीधर्मसमुद्रसूरिभि ॥

८३९. सं. १५९१ वर्षे माघ शुदि १३ गुरौ गाणिनवासि प्रा० ज्ञा० श्रे० हीरा भा० रूपिणि सुतधर्मसिंहेन निजश्रेयोर्थं श्रीशां-तिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिश्रीरत्नमंडनसूरिभि ॥

८४०. सं. १५०८ वर्षे कार्तिक वदि ५ प्राग्वाटमह० सीना सुत पाता भा० हीम्द सुता अंकी भर्तु श्रेयार्थयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीसाधुपूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यचंद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना पं० मदपुंदरेण कारापितं ॥

८४१. सं. १५१६ वर्षे वै. वदि १२ शुक्रे मल्हिणावासि मा० नडरा भा० रार्णी पुत्र रायवेन भा० मारू सुतसिंहपाल भा० रंगाई प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायक-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

८४२. सं. १५२७ वर्षे ज्येष्ठ वदि ४ भोमे उ० श्रीसार्धवालगोत्रे सा० धीरा भा० धरणू पु० दाहा भा० लाधू पु० मीनाई छातमा सोमा । मातृनिमित्तं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे भ० श्रीसो-मकीर्तिसूरिपट्टे प्रतिष्ठितं श्रीचारुचंद्रसूरिभिः ॥

८४३. सं. १५२४ वर्षे आषाढ शुदि १० गुरौ प्रा० ज्ञा० श्रे० गोरा भा० रामतिनाम्न्या पुत्र भटारहीपासुतया श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीसाधुपूर्णिमापक्षे श्रीपूज्यश्रीपुण्यचंद्रसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धे. ॥

८४४. सं. १५३७ वर्षे वैशाख शुदि १० सोमे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० रत्ना भा० रामति पुत्र अदा भार्या कपूरी सुत कुंरासहितेन श्रीवा-सुपूज्यबिंबं का० प्र० द्विवंदनीकगच्छे भ० श्रीसिद्धसूरिभि. ॥

(एक प्रतिमा उपरना अक्षरो वंचाता नथी. ॥ धर्मनाथजी मूलनाय-कवाळा गभारानी प्रतिमाना लेखो संपूर्ण)... ....

८९१. सं. १५२८ वर्षे वैशाख शुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० माभा सुत श्रे० वर्धा भोजा गदा भा० गुरी भ्रातृठाकुरसीश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्रति० श्रीसोमचंद्रसूरीणामुपदेशेन । मांकुपुरीयाग्रामे ॥

८९२. सं. १४७० वर्षे चैत्र शुदि ८ गुरौ श्रीमाली श्रे० सांमण भार्या सुहागदे सुतेन श्रे० मानाकेन निजश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीमेरुतुंगसूरीणामुपदेशेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० ॥

८९३. सं. १५०९ वर्षे माघ शुदि ९ सोमे प्रा० श्रे० आका भार्या धरणू सुत सं० नरसिंग भा० माकू सुतपासाकेन भा० संपाई भ्रा० मनादिकुटुंबेन निजश्रेयसे श्रीशीतलबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

८९४. सं. १४७८ वर्षे माह वदि ७ शनौ श्रीभावडारगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० धरणा भा० धांधलदे पुत्रपूंनामामणाभ्यां भ्रातृमेहाभीमागजानिमित्तं मातृपित्रोः श्रेयसे श्रीशीतलपंचतीर्थी का० प्र० श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥

८९५. सं. १५४९ वर्षे चैत्र वदि २ गुरौ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीमाल्हज्ञातीय दो० वाडा भा० हरखू सुतहेमा भ्रातृआपर भा० सोमागिणि सं. गणपतिसहितेन स्वपितृमातृनिमित्तं.... .... आत्मश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः श्रीकाल्हरीवा० ॥

८९६. सं. १५४२ वर्षे कार्तिक वदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सांगण भा० नाई सुतदेवाकेन पितृभ्रातृनेताश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे भ० श्रीपद्माणंदसूरिभिः । गोभगजवा० ॥

८९७. सं. १५०९ वर्षे माहा शुदि १० रवौ श्रीप्रा० ज्ञा०

श्रे० आका भा० मेनू सुत जोगा भा० धांइनाम्न्या आत्मश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीजिनचन्द्रसूरिभि ॥

८२८. सं. १५१० वर्षे चैत्र वदि १० शनौ प्रा० ज्ञा० श्रे० सारंग भा० मांकू पुत्र जाजा तनया प्र० मामनादिसुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० श्रीउकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसंताने प्र० श्रीक-क्कसूरिभि ॥

८२९० सं १५०२ वर्षे माघ शुदि ४ गुरौ श्रीश्रीमा० श्रे० [illegible] भा० [illegible] सुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं [illegible] का० प्र० श्रीउपीसादिसा० ॥

८३०. सं. १६९९ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १० दिने श्रीश्रीमाल- [illegible] प्रा० ज्ञा० सं० वेरा भा० अरडू पुत सं० सिवा सं० भाना सं० सिवा भा० [illegible] पुत्रप्रभाष सं० [illegible] सुत [illegible] सुत सं० [illegible] श्रीशांति- [illegible] श्रीआगमगच्छे [illegible] श्री [illegible] सि० नाडु श्रीरस्तु ॥

८३१. सं. १३४० वर्षे माघ शुदि १२ [illegible] श्रीमाल [illegible]- [illegible] …. …. …. . … …
[illegible] भा० [illegible] पुत्र सं० [illegible] भा० [illegible] पुत्र [illegible] ॥

[illegible]
[illegible] …. … …. …. ..

[illegible]

स्वगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरीणां उपदेशादभी श्रावकेश्वराणां श्रे० रोला भा० रोल्हादे पुत्र माणा धर्मसिंह हरिराज नामभिर्निज श्रीअजितनाथबिंब का० प्र० श्रीमाणदेवसूरिपट्टे भ० श्रीजयसूरिभि भ० नागपुण्याय॥

८६३. सं. १५०६ वर्षे वैशाख शुदि ६ शुक्र श्रीश्रीमाल्ज्ञा० पितृ कोरठ मातृ मेल्हादे श्रातृ नागसेन निमित्त सुतलाखाकेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रापूर्णतलिकी महूतलगच्छे भ० श्रीधनप्रभसूरिभि. ॥

८६४. सं. १५१९ वर्षे पोष बदि १३ भोमे श्रीदमीमानगरवृद्धे रघुनाथज्ञा श्र० गीदा भा० हमी सुतपेथा भा० मानू आत्मश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० चैत्रगच्छे श्रीसूरिभि ॥ बाडसमाना. ॥

८६५. सं. १५११ वर्षे ज्येष्ठ बदि ९ रवौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० माना भा० रंगादे सुत सा० रूपा भा० सुहागदे भर्तृश्रेयोर्थं श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीसोमदेवसूरिपट्टे भ० श्रीउदयदेवसूरिभिः॥ कोद्रवपल्लाय. ॥

८६६. सं. १४९७ वर्षे आषाढ शुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० सेलरी भेरव भा० समकूश्रेयोर्थं सुत गांगाकेन श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे धारणपद्रीयश्रीपासदेवसूरिभिः ॥

८६७. सं. १५३४ वर्षे फा. शुदि.... .... भ० श्रीभुवनकीर्तिपट्टे श्रीज्ञानभूषणगुरूपदेशात् हूंबड श्रे० हीरा भा० गांगी सुत नारद भा० तास सुतभाना प्रणमन्ति । गढोडीयाग्रामवा० ॥ *

.... वैशाख शुदि १० बुधे....प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभि ॥ मोरजा ग्रामे.... .... (बाकीनो भूंसी नाख्यो छे.)

८६८. सं. १२०९ जिनमति गमतेभश्रेयोर्थं देववीरेण कारितं ति....

८६९. सं. १५४४ वर्षे वैशाख शुदि ३ सोमे श्रीमालीज्ञा० मं०

सं. १५१५ वर्षे माह शुदि १ दिने श्रीसुमतिबिंब प्र० ॥

८७५. सं. १६८२ वर्षे ज्येष्ठ वदि ९ गुरौ [illegible] श्री [illegible] मालज्ञा० वृद्धशाखायां सा० [illegible] भा० [illegible] श्रीवासुपूज्यबिंब का० प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभि ॥

महापा० श्रीमुनि[illegible]सूरिभि

(उपर [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] अनुं. ॥ महावीर स्वामी [illegible] [illegible] [illegible] शीओना [illegible] पुरा थया.)

श्री[illegible] [illegible] प्रतिमा [illegible] लेख

८७६. सं. १५१५ वर्षे चैत्र शुदि ५ गुरौ [illegible] गोत्रे सा० [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible] भा० [illegible] स्वश्रेयोर्थं पितृपुण्यार्थं श्रीसुविधिनाथबिंब का० प्र० [illegible] गच्छे श्री[illegible]सूरिभि ॥

[illegible]

८७७. सं. [illegible]

[illegible]

राजा भा० जमकू सु० रूपा परता मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपापक्षे भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः नायणिगोत्रदेव्याभूल्डनस्तन्यसापुग्वा० ॥

८७०. सं. १३६९ वर्षे वैशाख वदि ११ रवौ ऊ० ज्ञा० व्य० धरणिग भा० सुहागदेवि पु० व्य० देपालेन पितृमातृश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० ....॥

८७१. सं. १५२३ वर्षे वै. शुदि ३ सोमे प्रा० ज्ञा० श्रे० लापा भा० वइजु पुत्र देवाकेन भा० वानुयुतेन निजश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । प्रासरावा० । श्रीशुभं भवतु ॥

८७२. सं. १५१९ वर्षे मार्ग. शुदि १० गुरौ श्रीओसवाल ज्ञा० कूकडागोत्रे भा० सहमा भा० सोमसिरियुतेन नगराजेन भा० करणू सुत नाथा महजादियुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनसुंदरसूरिभिः ॥ ....

....
प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिभि' ॥

८७३. सं. १५४६ वर्षे वैशाख शुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० जासण भा० साधू सुत आनाकेन....प्रसिनाम तागानाम भा० तामल सुत जिनदास पितृमातृश्रेयोर्थमात्मश्रेयसे....श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिभिः ॥

८७४. सं. १५१८ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ श्रीमाल्ज्ञा० श्रे० सोमा भा० श्रीयादे सुत पितृ वीका भा० माई सु. जूठा–शाणा–मूला एतैः श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन विधिना प्र० श्रीसंघेन जाडडावा० ॥

सं. १५१९ वर्षे माह शुदि ९ दिने श्री[illegible]बिंबं [illegible]

८७५. सं. १६८२ वर्षे [illegible] वदि ९ गुरौ [illegible]
[illegible]० वृद्धशाखायां सा० [illegible] भा० [illegible] श्री[illegible]
का० प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

महोपा० श्री[illegible]

([illegible]
[illegible]
[illegible].)

श्री[illegible] [illegible] मंदिरना [illegible] लेख

८७६. सं. १५११ वर्षे [illegible] शुदि ६ [illegible]
[illegible] सा० [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible]
[illegible] मातृपितृपुण्यार्थं श्री[illegible]
[illegible] श्री[illegible]सूरिभिः ॥

[illegible]

[illegible]
[illegible]

८८१. सं. १५०१ वर्षे ऊकेशवंशे गोत्रे सा० ममली भा० रूपादेवि पु० सा० वीरदेव भार्या मघुनागश्रि भा० वीरमदे पु० सा० वीरपाल मघुनामाभ्यां गहूवाभ्यां स्वपितृश्रेयसे श्रीसुमतिबिंब का० प्र० श्रीदेवसुंदरसूरिभिः ॥

८८२. सं. १५४१ वर्षे फा. शुदि ११ श्रीपार्श्वनाथबिंब प्र० तपागच्छे श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥ (काला भीमुण.)

८८३. सं. १५१९ वर्षे वै. वदि ११ शुक्रे श्रीमालज्ञा० श्रे० पाल्हण सुत कुरुपी भा० सूरी श्रेयसे सुत लाखा वईराभ्यां श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमगच्छे श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन ॥ (पंचतीर्थी.)

८८४. सं. १५४० वर्षे माघ शुदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञातिय श्रे० हरा भा० हरखू सु० नीमा भा० पदू सु० मावड भावड सुता सोभागिणि मावड भा० मरघादे सु० चम्पा भा० सोभागिणि तेन श्रीश्रेयांसनाथ श्रीचिन्तामणिबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । चांद-समीपावासग्रामे ॥

८८५. सं. १५१७ वर्षे ज्ये० व० ९ शुक्रे श्रे० श्रीमालज्ञा० पितृ मेला मातृ गंगादेवि श्रेयोर्थं सुत डोसाकेन भा० हर्षी सुत नरपति नर्मादा सहितेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीसाधुरत्नसूरिपट्टे श्रीसाधुसुंदरसूरीणामुपदेशेन प्र० संघेन पालडीनावास्तव्य ॥

८८६. सं. १५४४ वर्षे ज्ये. शुदि ९ गुरौ ऊकेशज्ञा० मं. सायर भा० संपूर्दे पु० हासिकेन भा० सहदे भ्रातृ हांसा कान्हादियुतेन स्वश्रेयसे पितृश्रेयोर्थं च श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमापक्षे श्रीसोमचंद्रसूरिभिः श्रीधनवर्धनसूरि सदा वंदते ॥ (श्रीगिरिपुरवास्तव्यः)

८८७. सं. १५२८ वर्षे माघ वदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा०

श्रे० सामंत भा० नृरी सुतश्रे० मनाकेन भा० टीबू सुत श्रे० अल्ला नाग्द भा० लहीकू ...लीलूप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वमातृश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० विधिना ॥

८८८. सं. १५२६ वर्षे पोष वदि ५ सोमे श्रीउकेशवंशे सा० सायर भा० महिरी पुत्र सा० गंगाप्रुश्रावकेण भा० कडनिगदेसहितेन वृद्धभा० गउरदेपुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छे गुरुश्रीजयकेसरीसूरीणामुपदेशात् श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

८८९. सं.१५५२ वर्षे माघ सुदि ९ रवौ प्रा० श्रे० मम्मा भा० करमी पुत्र सा० धरणेन भा० महजलदे भ्रातृकरमसीप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वपितृश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीहेमविमलसूरिभि ॥

८९०. सं. १५१२ वर्षे मार्गशीर्ष सुदि १० गुरौ उपकेशज्ञा० वृद्धसंतानीय श्रे० वेना भा० तेजलदे पु० ताना भा० चापलदे तया निज-श्रेयसे श्रीचंद्रप्रभस्वामिबिंबं का० उपकेशगच्छे सिद्धाचार्यसंताने भ० श्रीसिद्धसूरिभिः प्र० पूलग्रामे श्रीशुभं भवतु ॥

८९१. सं. १५०९ वर्षे का. शुदि १२ गुरौ उकेशवंशे बाल्ह-गोत्रे सा० चुणसी भा० जसमादे पुत्र सा० वीरमेण पत्नी देविणि पुत्र सा० जूठा सा० पापा पौत्रकुंरा करणा हर्षा हरिराज सहितेन बहुआदिपरि-वारेण श्रीचंद्रप्रभबिंबं का० खरतरश्रीजिनभद्रसूरिभि प्र० ॥

८९२. सं. १५०८ वर्षे चैत्र वदि १२ सोमे श्रीमूलसंघेन भ० श्रीविजयकीर्तिस्तत्प० भ० श्रीशुभचंद्रगणिगुरूपदेशात् पर्वधगोत्रे हुं० ज्ञा० श्रे० महिराज भा० लाछी सु० श्रे० मारद भा० जीमी सु० वस्ता भा० पूरा भ्रातृसामल एते ॥ *

८९३. सं. १४९९ ज्ये० शुदि १४ दिने उकेशवंशे शाह-

ज्ञातायां शा० मंडलिक सुत सा० डुंगर भा० वृल्हादेव्या पुत्रयोनानी-याभ्यां सहितया श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनसागर-सूरिभि. ॥

८९४. सं. १४९८ वर्षे अहमदावादवासि श्रीश्रीमालज्ञा० सा० जेसिंग भा० माल्ह पुत्र सा० माल्हकेन भा० मगी भ्रात सा० हीरा गण-पति स्वकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं स्वश्रेयसे का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

८९५. सं. १५१२ वर्षे पौष वदि ९ शुक्रे ऊकेशज्ञा० साह-सनीराया भा० रमादे सुत लखमण पितृपोपदनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीशी-तलनाथबिंबं का० प्र० श्रीनरसूरिभि० माडलिग्रामे चैत्रगच्छे श्रीमुनि-तिलकसूरिभि. ॥

८९६. सं. १५०२ वर्षे ज्ये.शुदि ७ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० सा० श्रे० पुनइ भा० मरगइ सु० धरण भा० मेघू सुत कडूआकेन मातृ .... जीवितस्वामिश्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे प० श्रीबुद्धिसागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभि० मडूदृवा०॥

८९७. सं. १५२८ वर्षे आषाढ शुदि २ ऊकेशवंशे साधुशा-खायां सा० देपणा भा० डाही पुत्र सा० देवकेन भा० देवलदे पुत्र समधर सोम सहितेन श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिन-चंद्रसूरिभि ॥

८९८. सं. १४९७ वर्षे ज्ये. शुदि २ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० केल्हा भा० कोडिणी पुत्र लींबाकेन मातृपितृश्रेयोर्थे श्रीसुविधि-नाथबिंबं का० नागेन्द्रगच्छे प्र० श्रीगुणसागरसूरिभि. ॥

८९९. सं. १५२४ वर्षे पै. शुदि २ सोमे उसवालज्ञा० श्रीसंघी श्रे० वाच्छा भा० पुरी पुत्र्या सं० हीरा भा० सहजू सुत सं० सहसा

मा० रांभलदे श्राविकया श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वमातृपितृपुण्यार्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

पार्श्वनाथमूलनायकवाळा गभारामांनी प्रतिमाना लेखो.

९००. सं. १४८४ वर्षे मार्ग. शुदि ५ रवौ श्रीश्रेयांसबिंबं मह० आंबा भा० .. ल्दे पुत्र रेमा भा० लाड पुत्र वरदत्त आत्मश्रेयसा- र्थेन आत्मश्रेयसे आगमगच्छे श्रीअमरसिंहसूरीणां पट्टे श्री ... रत्नसूरी- णामुपदेशेन का० प्र० ॥

९०१. सं. १४७२ वर्षे चैत्र शुदि ११ शनौ श्रा० सोमा भा० मातृश्रेयार्थं सु० श्रा० कडुआकेन श्रीशमनाथबिंबं का० प्र० आगमगच्छे श्रीविशालचन्द्रसूरीणामुपदेशेन ॥

९०२. सं. १४९२ वर्षे वैशाख शुदि ३ गुरौ श्रा० श्रा० प्र० धूंरा भा० ल्हल्दे पुत्र देदा केन पितृमातृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

९०३. सं. १५१० वर्षे उकेशज्ञा० सा० गणा भा० अम रदे पुत्र सा० वीहालेन स्वभा० रहीशिगदे पुत्र देवचन्द्र सहितेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसुमतिसुन्दर सूरिभिः ॥ लिंबोदरा श्री

९०४. सं. १५०६ वर्षे माघ वदि ७ गुरौ उकेशज्ञा० सा० ... भा० ... सुत ... केन पितृमातृश्रेयसे श्री ... बिंबं का० उकेशगच्छे श्रीसिद्धसूरिभिः प्र० श्रीकक्कसूरिभिः ॥

९०५. सं. १५१६ वर्षे आषाढ शुदि २ रवौ उकेशवंशे मं० गोत्रे मं० साद्र भा० सहजलदे मं० देवराज भा० फदू स्वपुण्यार्थं पुत्र धणपति रत्ना गुणीयायुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुंदरसूरिभिः प्र० ॥

९०६. सं. १४९० वर्षे प्रा० ज्ञा० श्रे० कर्णा भा० कर्मी सुत सोमसिंह चांपादिभिः स्वश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंब.... . .
का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

९०७. सं. १४९९ वर्षे ज्येष्ठ वदि ११ रवौ ओसवालज्ञा० सा० मेला पु० गुणसी भा० हासू पु० सा० समलेन पिता पु० श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीनाणगच्छे श्रीशांतिसूरिभिः ॥ शुभम् ।

९०८. सं. १४९३ वर्षे फा. वदि ११ गुरौ प्राग्वटे सा० सेता भा० उमादे सुत भीदाउत्र धरणेकेन श्रीअचलगच्छेशश्रीजयकीर्तिसूरीणामुप० श्रीशीतलनाथबिंबं का० ॥

९०९. सं. १४९२ वर्षे चैत्र वदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सागण भा० माकु (ऊ) पितृमातृश्रेयसे सुतसहसाकेन श्रीकुंथुनाथमुख्यचतुर्विंशतितीर्थं का० पूर्णिमापक्षे श्रीभीमपल्लीयश्रीपासचन्द्रसूरिपट्टे श्रीजयचंद्रसूरीणामुपदेशेन प्र० ॥

९१०. सं. १५०७ प्राग्वटज्ञा० सिवा भा० सिंगारदे पुत्रवच्छ० वसुकेन भा० एल्हू पु. देल्हा....करणादिकुटुंबयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९११. सं. १५११ पोष वदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० देल्ह भा० वल्हू पु० धर्मसीह पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीनेमिनाथबिंबं का० प्र० नागेन्द्रगच्छे श्रीविनयप्रभसूरिभि० । मालपुर ॥

९१२. सं. १४९० वर्षे वैशाख शुदि ७ गुरौ श्रीऊकेश

श्रीश्रीमा० व्य० लाखणसी सुत....मंडलिक भा० मीटगदे सुत हीरा- लेन पित्रो श्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीराजूनसूरिभिः ॥

९१३. सं. १५४० वर्षे वैशाख शुदि ६ गुरौ दिने श्री उपकेश- ज्ञा० गांधीगोत्रे सं. आसराज भा० अहिवदे पु० सं० जगसी भा० नाथी द्वि० भा० नेजू पु० सं० माऊनी तेन स्वश्रेयसे श्रीअजित- नाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे भ० श्रीगुणनिधानसूरिभिः । श्री मडाहडे ॥

९१४. सं. १५२४ वै. शुदि ३ श्रीश्रीमाली सा० कीता भा० मानू पुत्र सा० भीमा भा० वारू पुत्र पि० बनाकेन भा० रमाई पु० [illegible] श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेश- श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । अहम्मदावादे ॥

९१५. सं. १५४२ वैशाख शुदि ९ सोमे [illegible] श्रीमाल- ज्ञा० म० हीरा भा० वारू सुत महिमा भा० [illegible] सुत [illegible] [illegible] श्रीसुमतिनाथबिंब का० प्र० श्रीसिद्धसूरिपट्टे श्रीबुद्धि [illegible] । [illegible] ॥

९१६. सं. १५१३ वर्षे चैत्र वदि ६ गुरौ श्रीश्रीमाल [illegible] श्रे० [illegible] भा० गुरदे सुत सिंधा भा० नेजू....[illegible] का० प्र० पीपलगच्छे त्रिभवीया विबुधी श्रीसंघ[illegible]पट्टे [illegible] । [illegible] ॥

९१७. सं. १५२२ [illegible] श्रे० सीता भा० [illegible] श्रे० [illegible] [illegible] [illegible] का० प्र० [illegible]

[illegible] । [illegible]

९१८. सं. १५१८ वर्षे वैशाख वदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० पु० महिराज भा० पूरी पु० स्लिम भा० रूडी पु० वमा सुता मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे भ० श्रीहेमसिंहसूरिभिः । कावंरेखासमीपाने ॥

९१९. सं. १५४९ वर्षे वै. वदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० माईआ भा० मूदी पु० सोजपुत्रेन श्रीकलिकुंडपार्श्वनाथबिंब का० प्र० निगमाख्यगच्छे श्रीसोमदेवसूरिभि. ॥

सांचोरोह उपरना श्रीमहावीरस्वामिना देरासरना लेखो.

९२०. सं. १५५७ वर्षे फा. शुदि २ शुक्रे अहम्मदावदवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सोम सु० श्रे० मदिम भा० अती तत्पु० भोजा भा० वंगाई तत्पु० धर्मभाम प्रमुखसमस्तकुटुंबसंततिश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीरत्नानंदसूरिभि ॥

९२१. सं. १५२० वर्षे फा. शुदि ७ बुधे उकेशज्ञा० सा० पोमा भ० लीलाई सा० मदन भा० नीकीसुश्राविकया श्रेयसे पु० सा०...प्रमु कुटुंबश्रेयोर्थं श्रंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

९२२. सं. १५१६ वर्षे वैशाख वदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० पेथा भा० गिलादे सु० भीमाकेन पितृव्य गदा भा० गंगादे श्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे भ० श्रीउदयदेवसूरिभिः । अणीमाणावा० ॥

श्रीश्रीमा० ज्ञा० सारंगसी सुत....मंडलिक भा० मीलणदे सुत हीरा-लेन पित्रो श्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीरत्नसूरिभिः ॥

९१३. सं. १५५० वर्षे वैशाख शुदि ५ गुरौ दिनेश्री उकेश-ज्ञा० गांधिगोत्रे स. आमराज भा० अहिवदे पु० सं० जगसी भा० नागी द्वि० भा० नेतू पु० सं० माऊजी तेन स्वश्रेयसे श्रीअजित-नाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे भ० श्रीगुणनिधानसूरिभिः । श्री मंडपाचले ॥

९१४. सं. १५२४ वै. शुदि ३ श्रीश्रीमाली सा० कीता भा० [illegible] पुत्र सा० भीमा भा० वान्हू पुत्र सि० वनाकेन भा० रमाई पु० [illegible] श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेश-श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । मडपमहादुर्गे ॥

९१५. सं. १५४३ वैशाख शुदि ९ सोमे [illegible] श्रीश्रीमा० [illegible] भा० [illegible] पुत्र [illegible] भा० [illegible] पुत्र [illegible] श्री [illegible] का० प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः श्री [illegible] ॥

९१६. सं. १५२६ वर्षे चैत्र वदि ६ गुरौ श्रीश्रीमाल० [illegible] भा० [illegible] पितृ [illegible] भा० नेतू [illegible] श्री [illegible] [illegible] श्री [illegible] ॥

९१७. सं. १५३२ वर्षे [illegible] सा० कीता भा० [illegible] [illegible] [illegible] ॥

[illegible]

९१८. सं. १५१८ वर्षे वैशाख वदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० पु० महिराज भा० पूरी पु० सालिग भा० रूडी पु० वमा हुला मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे भ० श्रीदे-मसिंहसूरिभिः । काकरेवासमीग्रामे ॥

९१९. सं. १५४१ वर्षे वै. वदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० म० माईआ भा० मूरी पु० वीरमुतेन श्रीकलिकुंडपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० चित्रावालगच्छे श्रीसोमदेवसूरिभि ॥

रांधीरोड उपरना श्रीमहावीरस्वामिना देराना लेखो.

९२०. सं. १५१७ वर्षे फा. सुदि ९ शुक्रे अहम्मदावादवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० गोरा सु० श्रे० मदिन भा० अनी तत्पु० भोमा भा० संसाई तत्पु० वर्धमान प्रमुखसमस्तकुटुंबसंतानश्रेयोर्थं श्रीशीतल-नाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीरत्नदेवसूरिभि ॥

९२१. सं. १५१० वर्षे फा. सुदि ७ बुधे उकेशज्ञा० सा० वोमा भ० लीलाई सा० मदन भा० मीनाहिरूपाईमाता धेपने पु० सा०...प्रमुख कुटुंबश्रेयोर्थं अंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीध-र्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

९२२. सं. १५११ वर्षे वैशाख वदि २ गुरौ श्रीश्री[illegible]० व्या० पेथा भा० मीणाई सु० भीम केन पितृभ्रा [illegible] श्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे भ० श्रीउदयदेव-सूरिभि । अडीआलजवा० ॥

श्रीश्रीमा० ज्य० लाखणसी सुत....मंडलिक भा० मीलगदे सुत हीरालेन पित्रोः श्रेयसे श्रीनन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीराजूनसूरिभिः ॥

९१३. सं. १५४० वर्षे वैशाख शुदि ६ गुरौ दिने श्री उपकेशज्ञा० गार्धीगोत्रे सं. आसराज भा० अहिवदे पु० सं० जगसी भा० नाथी द्वि० भा० नेजू पु० सं० माडनी तेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे भ० श्रीगुणनिधानसूरिभिः । श्रीमंडपाचले ॥

९१४. सं. १५२४ वै. शुदि ३ श्रीश्रीमाली सा० कीता भा० माजू पुत्र सा० भीमा भा० वारू पुत्र सि० धनाकेन भा० रमाई पु० मदनकिरणनपुरकेंद्रुयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । अहम्मदावादे ॥

९१५. सं. १५४३ वैशाख शुदि ९ सोमे श्रमागच्छे श्रीमालज्ञा० म० हीरा भा० वाई सुत महिसा भा० रूपिणि पुत्र सूराकेन मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनिमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः । सैरिसाग्रामे ॥

९१६. सं. १५१३ वर्षे चैत्र वदि ६ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० गं हर भा० गुरदे तत्पुत्र मिना भा० तेजू....मीसिंध्याभिधीपगुणान्वंगीनी का० प्र० पीपलाचार्य विमलीमा विजयी श्रीधर्मसुन्दरसूरिपट्टे श्रीधर्मसागरसूरिभिः कंथाकद० ॥

९१७. सं. १५२२ वर्षे प्रा० श्रे० हीरा भा० नीडू पुत्र श्रे० हरू भा० हिरिणि नाम्न्या स्वेयः श्रे० वाघा श्रीग ट्रस्पन देशुगता [illegible] प्र० [illegible] श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० [illegible] [illegible] । श्रीसोमदेवसूरिश्रीगुणानंदसूरि श्रीपासमाद [illegible] दुः । म डीयड ॥

९१८. सं. १५१८ वर्षे वैशाख वदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० पु० महिराज भा० पूरी पु० साल्हि भा० रूडी पु० वसा हला मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे भ० श्रीहे-मसिंहसूरिभिः । काकोवासग्रामे ॥

९१९. सं. १६४१ वर्षे वै. वदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० म० माईआ भा० पूरी पु० पौअपुतेन श्रीकलिकुंडपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० चित्रावालगच्छे श्रीसोमदेवसूरिभि. ॥

रांचीरोड उपरना श्रीमहावीरस्वामिना देराना लेखो.

९२०. सं. १११७ वर्षे फा. शुदि १ शुक्रे अहम्मदावादवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० पोमु० श्रे० मदिन भा० अती तत्पु० भोमा भा० कंताई तत्पु० वर्धमान प्रमुखसमस्तकुटुंबसंततिश्रेयोर्थं श्रीशीतल-नाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीरमानदसूरिभि ॥

९२१. सं. १५२० वर्षे फा. शुदि ७ बुधे उकेशज्ञा० सा० पोमा भ० लीलाई सा० मदन भा० नीकीसुश्राविकया श्रेयसे पु० सा०...प्रमु कुटुंबश्रेयोर्थं गच्छे श्रीमपकेशसूरीणामुपदेशेन श्रीअ-नाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

९२२. सं. १५१६ वर्षे वैशाख वदि २ गुरौ श्रीश्री[illegible]० ०० पेथा भा० गंगादे पु० भीमाकेन पितृव्य गदा भा० गमादे ...र्थ श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे भ० श्रीउदयदेव-...भिः । अणीआणावा० ॥

श्रीश्रीमा० व्य० लारणसी सुत....मंडलिक भा० मीलणदे सुत हीरा-
लेन पित्रो श्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीरत्नसूरिभिः ॥

९१३. सं. १५४० वर्षे वैशाख शुदि ६ गुरौ दिने श्री उपकेश-
ज्ञा० गांधीगोत्रे सं. आसराज भा० अहिवदे पु० सं० नगमी भा०
नाथी द्वि० भा० तेजू पु० सं० माऊजी तेन स्वश्रेयसे श्रीअजित-
नाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे भ० श्रीगुणनिधानसूरिभिः । श्री
मंडपाचले ॥

९१४. सं. १५२४ वै. शुदि ३ श्रीश्रीमाली सा० कीता भा०
मानु पुत्र सा० भीमा भा० वारु पुत्र सि० धनाकेन भा० रमाई पु०
मरमकिशणनगु?कुटुंबयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेश-
श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः । अहम्मदावादे ॥

९१५. सं. १५४३ वैशाख शुदि ९ सोमे [illegible]गच्छे श्रीमाल
ज्ञा० म० हीरा भा० पाई सुत सहिसा भा० रूपिणि सुत सूराकेन
मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे श्रीबुद्धि
सागरसूरिभिः । सेरिसाग्रामे ॥

९१६. सं. १५१३ वर्षे चैत्र वदि १ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे०
[illegible] भा० मुंई तत्पुत्र सिंघा भा० तेजू....[illegible]
[illegible] का० प्र० [illegible]गच्छे त्रिभवीया [illegible] श्री[illegible]सूरिपट्टे
श्री[illegible]सूरिभिः [illegible] ॥

९१७. सं. १५१२ वर्षे [illegible] श्रे० [illegible] भा० [illegible] सुत श्रे०
[illegible] भा० [illegible] श्रे० [illegible]
[illegible] श्री[illegible]बिंबं का० प्र० [illegible]
[illegible] । श्री[illegible]सूरि[illegible]
[illegible] ॥

९१८. सं. १९९८ वर्षे वैशाख वदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० पु० महिराज भा० पूरी पु० साल्हिग भा० रूडी पु० वसा कुला मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे भ० श्रीहेमसिंहसूरिभि. । काकरेवासमीग्रामे ॥

९१९. सं. १५४२ वर्षे वै. वदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० म० माईआ भा० पूरी पु० चौथपुतेन श्रीकलिकुंडपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० चित्रावालगच्छे श्रीसोमदेवसूरिभि ॥

रांधीरोड उपरना श्रीमहावीरस्वामिना देराना लेखो.

९२०. सं. १९६७ वर्षे फा. शुदि २ शुक्रे अहम्मदावदनाम्नाय श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० भोजु० श्रे० मदिन भा० अती तत्पु० भोला भा० मंगाई तत्पु० वर्धमान प्रमुखसमस्तकुटुंबसंतादिश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीरमानंदसूरिभिः ॥

९२१. सं. १५२० वर्षे फा. शुदि ७ बुधे उकेशज्ञा० सा० पोमा भ० हीराई सा० मदन भा० नीकीपुत्राविकया श्रेयसे पु० सा०...प्रमु कुटुंबश्रेयोर्थं उपकेशगच्छे श्रीमत्ककेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

९२२. सं. १९१९ वर्षे वैशाख वदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० पोपट भा० हीराई पु० भीमाकेन पितृव्य गंगा भा० नमाई श्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे भ० श्रीउदयदेवसूरिभि. । भटीभाणावा० ॥

९२३. सं. १६६४ वर्षे माघ शुदि ३ सोमे प्राग्वाज्ञा० मं० वेगड भा० चउहगदे पु० देवजीकेन भ० धनबाई पुत्र मुरारि मुकुंद भागजी प्रमुखसहितेन श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० बृहत्खरतरगच्छाधिप-श्रीजिनमाणिक्यसूरिपट्टे युगप्रधानश्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

९२४. स. १६१९ वर्षे माघ शुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा.... ....श्रेयोर्थं वधुनग्गदेश्रेयसे सीनिम्याभिर्बिंबं श्रीसुमतिनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीमुनितिलकसूरिपट्टालंकारश्रीराजतिल-कसूरीणामुपदेशेन प्र० ॥

९२५. सं. १६३६ वर्षे पौष वदि ९ रवौ श्रीश्रीवंशे सो० सामन्त भा० चांपू सु० सो० सिंहासुश्रावकेण भा० पु० आसपाल पीसा सहि-तेन वृद्धभ्रातृआसापुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरि उप० श्रीअ-भिनंदनस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

९२६. सं. १६७२ वर्षे फाल्गुन वदि ४ गुरौ प्राग्वाज्ञा० श्रे० रत्ना भा० नासू पु० माईआकेन भा० हर्याई पु० माधापुत्रेन श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभि. । श्रीपत्तन-वास्तव्य ॥

९२७. सं. १६७७ वर्षे ज्येष्ठ शुदि ४ अहम्मदावादवास्तव्यश्री प्राग्वाज्ञा० वृद्धशाखायां श्रे० वरसिंग भा० श्रा० रूदि पुत्री श्रा० पूतली नाम्न्या पु० अजा भा० धनाई प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

९२८. सं. १६९९ वर्षे वैशाखशुदि ३ दिने प्राग्वाटवंशे श्रे० कला भा० अमरी पु० श्रे० हीराकेन भा० हीरादे पु० श्रे० रामाभीमादिसहितेन श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्री जिनमाणिक्यसूरिपट्टे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीजिनहर्षसूरिभिः । कडियामे ॥

९२९. सं. १२५० ज्येष्ठ शुदि १० सोमे श्रीनाणकीयगच्छे पानू पु० पोपाकेन मेला श्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा का० श्रीजम्बीरगमह श्रीशांतिसूरिभिः प्र० ॥

९३०. सं. १५१९ माघ शुदि ११ बुधे सूर्यपुरे श्रीश्रीमाली गां० धरसिंग भा० टबकू पु० गां० देवाकेन भा० देवश्रे भ्रातृहेमा क्षमा सहराज मदनयुतेन पु० श्रीरतिश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपापक्षे श्रीउदयवल्लभसूरिभिः ॥

९३१. सं. १५०९ वर्षे माघ शुदि ९ सोमे प्राग्वाटज्ञा० व्य० धरणा भा० रांकू सु० माईयाकेन भ्रातृवीर्धाश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० भीमपल्लीय भ० श्रीजयचन्द्रसूरीणामुपदेशेन ॥

९३२. सं. १५४७ वर्षे वैशाख वदि ८ रवौ श्रीसमगामवासि प्राग्वाटज्ञा० व्य० सिंघा भा० अमरी सु० व्य० माधाकेन भा० टबकू सु० आना शाणा महुआ भ्रातृभावडादिकुटुंबयुतेन श्रीमुनिसुव्रत बिंबं का० ॥

९३३. सं. १५०३ ज्ये. वदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालवंशे सो० सांगा भा० चरजूपुत्र्या सो० सामन्त भा० चांपू पु० सो० आमात्यव्या पन्नसु श्राविकया देवासो० चापा सहितया श्रीअंचलगच्छेशश्रीजय-केसरिसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० श्रीसंघेन प्र० ॥

९३४. सं. १५१९ वर्षे प्रा० ज्ञा० सो० मगनी भा० सोषा गिणी सु० भावदेन भा० गटू पुत्रदेवदत्तयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपार्श्वपक्षे...सूरिभि । अहम्मदाबादे ॥

९३५. सं. १५४७ वर्षे पोष वदि १० बुधे ईडरनगरे उ० ज्ञा० सा० देवा भा० चांपू पु. रामा भा० जयपू पु० सा० राजसिंह भा० नाथीयुतेन स्वपितृमातृश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपापक्षे

श्रीजयचन्द्रसूरिभिः श्रीगांगल्यगोत्रे श्रीगोत्रदेव्या अछोत्रआ० श्रीजयरत्नसूरि उप० ॥

९३६. सं. १४९२ वर्षे ओसवालज्ञा० मूलराज भा० महिगलदे तयोः सु० वीराकेन स्वकुटुंबयुतेन सा० रीनाश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे म० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

९३७. सं. १५१६ वर्षे वैशाख शुदि ९ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० डूंगर भा० लाडी सु० अमरी भा० वाल्ही महिराज भा० कडू स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

९३८. सं. १५१३ वर्षे आषाडशुदि ३ उ० ज्ञा० सा० सहसा भा० सिंगार पु० सा० मलाकेन भा० आल्हदे पु० जिताजिनदत्तादियुतेन सा० वीरा भोजा पर्वत भीमा निजश्रेयसे श्रीसुविधिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९३९. सं. १४९२ वर्षे वैशाख शुदि १० सोमे उपकेशज्ञा० व्य० झांझण भा० कपूरदे पु० धनाकेन भा० धनादे पु० लोला पउलानीमासहितेन भ्रातृशिवानिमित्त श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीमद्बृहद्गच्छे श्रीसोमचन्द्रसूरिपट्टे श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

९४०. सं. १५२० वर्षे वैशाख शुदि १२ बुधे श्रीश्रीमालीज्ञा० श्रे० पासा भा० वाल्ही सु० अखाकेन स्वमातापूनाम्न्या भा० धीमलदे सु० धीमायुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० बृहत्तपापक्षे श्रीजिनरत्नसूरिभिः। अस्तपुरे ॥

९४१. सं. १५१९ वर्षे माघ शुदि ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सिंग भा० सहजलदे सु० श्रे० घोटाकेन पु० पौत्रादिनिजकुटुंबयुतेन निजमातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीनेमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे श्रीउदयदेवसूरिभि. ॥

९४२. सं. १४१९ वर्षे फाल्गुन २ दिने गुरे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सलखण श्रेयोर्थं सु....देवेन श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० नागेन्द्रगच्छे श्रीनागेन्द्रसूरिश्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

९४३. सं. १५२२ वर्षे वैशाख शुदि ६ दिने श्रीश्रीमालज्ञा० सं० गङ्गा पु० सं० गांडा भा० लीलादे पु०....जावडसुतेन श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

९४४. सं. १५२४ वर्षे चैत्र वदि १ शुक्रे वि० लखमा भा० राणी सु० वि० साभा भा० अमकू वि० काकन भा० जासी ग० वरसिंग भा० लाडी तया श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्री सोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९४५. सं. १५६४ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १२ कर्णपुरवास्तव्य प्रा० व्य० फेल्हा भा० धांई पु० धरणाकेन भा० कडूपुत्रपुत्रीयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने गच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे गच्छनायकश्रीमयकल्याणसूरिभिः प्र० ॥

९४६. सं. १४९२ वैशाख वदि १३ शुक्रे दरी सेता सु० लखा तयोः श्रीअंबिका कारिता॥

९४७. सं. १३७४ वर्षे आषाढ वदि ३ सावदेव भा० सार्वाति पु० गोगो प्र० का० ॥

९४८. सं. १४२७ वर्षे वैशाख शुदि १० शुक्रे कासदाह वास्तव्य प्राग्वाटव्य० मगलीहराकार्या वद० मांगा पु० व्य० दिसाकेन निजगोत्रदेवी अंबिका का० ॥

९४९. सं. १६१५ वर्षे पोष वदि ६ शुक्रे श्रीओसवालज्ञा० सेत्रावास्तव्य सा० देवराम भा० अरघाई सुत सा० दिवर भा० देव-

श्रीजयचन्द्रसूरिभिः श्रीनांगल्यगोत्रे श्रीगोत्रदेव्या अछोत्रआ० श्रीजयरत्नसूरि उप० ॥

९३६. सं. १४९२ वर्षे ओसवालज्ञा० मूलराज भा० महिगल्दे तयोः सु० वीराकेन स्वकुटुंबयुतेन सा० रीनाश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे भ० श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

९३७. सं. १५१६ वर्षे वैशाख शुदि ९ गुरौ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० डूंगर भा० लाडी सु० अमरी भा० वाल्ही महिराज भा० वडू स्वकुटुंबश्रेयसे श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

९३८. सं. १५१३ वर्षे आषाढशुदि २ ऊ० ज्ञा० सा० सहजा भा० सिंगार पु० सा० मलाकेन भा० आल्हदे पु० जिनाजिनदत्तादियुतेन सा० वीरा भोजा पर्वत भीमा निजश्रेयसे श्रीसुविधिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छनायकश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

९३९. स. १४९२ वर्षे वैशाख शुदि १० सोमे उपकेशज्ञा० व्य० सांजण भा० कपूरदे पु० धनाकेन भा० धनादे पु० सोजा वडआ नीमामहितेन भ्रातृशिवानिमित्त श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीमड्डाहडगच्छे श्रीसोमचन्द्रसूरिपट्टे श्रीज्ञानचन्द्रसूरिभिः ॥

९४०. सं. १५२० वर्षे वैशाख शुदि १२ बुधे श्रीश्रीमालीज्ञा० श्रे० पाचन भा० वाल्ही सु० [illegible] [illegible] भा० वीमलदे सु० पीनाय्येन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपापक्षे श्रीजिनरत्नसूरिभिः । [illegible] ॥

९४१. सं. १५१९ वर्षे माघ शुदि ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सिंघा भा० [illegible] सु० श्रे० [illegible] पु० [illegible] कुटुंबयुतेन [illegible] श्रीनेमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसिद्धान्तगच्छे श्रीउदयदेवसूरिभिः ॥

९४२. सं. १४१९ वर्षे फाल्गुन २ दिने बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० हांसण श्रेयोर्थं सु....देवेन श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० नागेन्द्रगच्छे श्रीनागेन्द्रसूरिश्रीगुणाकरसूरिभिः ॥

९४३. सं. १५२३ वर्षे वैशाख सुदि ६ दिने श्रीश्रीमालज्ञा० सं० जइ्‌ता पु० सं० गांडा भा० लीलादे पु०....जावडसुतेन श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

९४४. सं. १५२४ वर्षे चैत्र वदि १ शुक्रे वि० रूपमा भा० राणी सु० वि० साभा भा० अमकू वि० काकन भा० मासी सा० बरसिंग भा० लाडी तया श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्री सोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

९४५. सं. १५६४ वर्षे ज्ये० शुदि १२ कर्णपुरवास्तव्य प्रा० व्य० केल्हा भा० चांई पु० धरणाकेन भा० कडू पुत्रपुत्रीयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने गच्छनायक-श्रीकमलकलशसूरिपट्टे गच्छनायकश्रीजयकल्याणसूरिभिः प्र० ॥

९४६. सं. १४९६ वैशाख वदि ११ शुक्रे वरी सेता सु० रत्ना तयोः श्रीअंबिका कारिता॥

९४७. सं. १६७४ वर्षे आषाढ वदि ९ सावदेव भा० सार्वादि पु० गोगो द० का० ॥

९४८. सं. १४२७ वर्षे वैशाख सुदि १० शुक्रे कारटक वास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० जगसीहसुत मार्या ठ० सांता पु० व्य० दिताकेन निजगोत्रदेवी अंबिका का० ॥

९४९. सं. १८१५ वर्षे पोस वदि ६ शुक्रे श्रीओसवाल° रोसाडवास्तव्य सा० देवराज भा० आणंदई सुत सा० दिवा भ० देर-

मदे सु०.सा० महिगज सीनीनाम्ना श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीविजयदानसूरिभिः प्र० ॥

९१०. स. १५०० वर्षे वैशाख सु० ९ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० म. पाल्हणसी भा० मांकु पितृमातृश्रेयोर्थं सु० मं० अखाकेन श्रीकुन्थुनाथबिंबं का० वृद्धतपागच्छे श्रीगुणभद्रसूरिभिः प्र० [illegible]सूरिभिः ॥

९११. स. [illegible] वर्षे माघ वदि २ गुरौ श्रीरिवशो [illegible] [illegible] भा० गउरी पु० अ० नाईभागुश्रेयोर्थं [illegible] पु० [illegible] [illegible] [illegible] श्रीधर्म[illegible] [illegible]सूरि[illegible] [illegible] सुमतिनाथबिंबं का० प्र० [illegible]

९१२. स. १४८८ वर्षे कार्तिक सुदि [illegible] [illegible] श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० [illegible] पु० मे० [illegible] [illegible] [illegible]

९१३. स. १५३१ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥

९१४. स. १५७८ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥

[illegible]

दूल्हा सु० मं० माधा भा० गोमति पु० मं० जाणाकेन भ० प्रहती पु० हर्षासनादिकुटुंबयुतात्मिन मातृपित्रो श्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० श्री कोरंटगच्छे श्रीनन्नसूरिपट्टे श्रीमावदेवसूरिभि. प्र० ॥

९९६. सं. १५२४ वर्षे वैशाख शुदि २ शनौ श्रीमालज्ञा० पितृभरकण भा० धरण सु० कालू भ० कूतीहरमा सु० सहिमायुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० ब्रह्माणगच्छे प्र० श्रीविमलसूरिभिः वटपद्रवास्तव्य॥

९९७. सं. १५३३ वैशाख शुदि १ .... मं. माणिक्य-पुत्रेन .... श्रीपार्श्वनाथप्रतिमा का० प्र० श्रीसिंहसूरिभिः ॥

९९८. सं. १५१७ वर्षे वैशाख शुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सामंत भा० सीरगदे पु० हरीआ कोचार भ० कान्हणदे द्वि० भा० कुतिगदे पु० लखाकेन पितृमातृपूर्वजनिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीशान्तिनाथपंचतीर्थी का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीगुणरत्नसूरिउपदेशेन गुणसागरसूरिभिः ॥

९९९. सं. १५१२ वर्षे वैशाख वदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० महं० वीरम भा० वीजलदे सु० मं० मांडणेन मातृपितृश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामुपदेशेन प्र० सोल्यामवास्तव्य ॥

९९०. सं. १५१६ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे श्रीमालज्ञा० श्रे० षादा सु० उदयसीह भा० छाजु सु० सोमाकेन भा० हहिमलदे-युतेन मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीअजितनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीमतां श्रीगुणधीरसूरीणामुपदेशेन का० प्र० विधिना ॥

९९१. सं. १५६३ वर्षे वैशाख शुदि ६ बुधे प्रग्वाटज्ञा० दृ० पा० हेमपाल सु० पा० सहजपालकेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीविमलसेनसूरिशिष्यश्रीविमलदेवसूरिभि. ॥

९६२. सं. १५४७ वर्षे माघ शुदि १३ श्रीमालज्ञा० श्रे० थांपा भा० पांचू सु० श्रे० हेमा भा० धर्म्माई सु० श्रे० कालिदासेन भा० हर्षाई सहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

९६३. सं. १५२० वर्षे वैशाख शुदि ३ दिने प्राग्वाटज्ञा० सा० अजा भा० धाणू सु० रामाकेन भा० सेतु सु० जाणादिकुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः पं० लक्ष्मसागरगणिउपदेशेन ॥

९६४. सं. १४९२ वर्षे वैशाख शुदि २ प्राग्वाट श्रे० नरसिंह भा० हांसू सु० श्रे० पर्वतेन भ० छूमी सु० धरणादिसुतेन श्रीवर्धमानबिंबं का० प्र० तर गच्छेशश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

९६५. सं. १४६६ वर्षे वैशाख शुदि ३ सोमे श्रीहारीजगच्छे उपकेशज्ञा० व्य० माल्रू भा० प्र० रमादे द्वि० सोनी पु० हांसा संहसा एतेषां आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथपंचतीर्थी का० प्र० श्रीशीलभद्रसूरिभिः ॥

९६६. सं. १४४२ वर्षे ज्ये. वदि १४ शुक्रे श्रीनाणगच्छे ओ० ज्ञा० सा० तीव्हा भा० तारादे पु० मोरा भा० ललतादे पु० देवराजसहितेन पितृमातृश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीरत्नसिंहसूरिपट्टे श्रीपद्माणंदसूरिभिः ॥

९६७. सं. १४९६ मार्ग. शुदि ९ प्राग्वाटव्य० पूना सु० रूदा भा० धांई सु० सं० सहिराजेन भा० रामरयादियुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छीयश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

९६८. सं. १५१६ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे उपकेशज्ञा०

९७६. सं. १३७० वर्षे फागुणशुदि २ रवौ श्रे० धीरा पुत्री नयणू आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वबिंबं का० प्र० श्रीवीरदेवसूरिभिः ॥

९७७. सं. १४७३ ज्ये. शुदि ४ गुरौ प्राग्वाट्य० करणा भा० कस्मीरदे सु० देल्हाकेन मातापित्रोः श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं श्रीलक्ष्मीचन्द्रसूरि उपदेशेन का० प्र० ॥

९७८. सं. १५४८ वर्षे माघ शुदि ९ सोमे पारकरवा० उएसवंशे महाशालीय सा० पादा भा० मेचू पु० ईसरकेन भा० अहिवदे पु० सुहणादगरयकरसीसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन मोरबीग्रामे॥

९७९. सं. १७८३ वर्षे वैशाख वदि ९ गुरौ शवंदरपुरवास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० वृद्धशाखायां सा० वाघजी भा० नाथबाई सु० सा० पासवीर सा० समरसिंगयुक्त बाई नाथीनाम्न्या श्रीनमिनाथबिंबं का० श्री वृद्धतपागच्छे भ० श्रीभुवनकीर्त्तिसूरिभिः प्र० ॥

९८० सं. १३७९ वर्षे आषाढ शुदि ३ गुरौ श्रीमालज्ञा० पितृश्रे० आल्हा मातृ देल्हणदे श्रेयसे सु....श्रीपत्तनउद्धुपेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

९८१. सं. १३७९ वर्षे माघ सुदि ९ शनौ श्रीओसवालज्ञा० श्रे०....भा० पाल्हू श्रेयसे पु० सिंहेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्र० श्रीमाणिक्यसूरिभिः ॥

९८२. सं. १४८९ वर्षे प्राग्वाटश्रे० सांगा भा० षांपू सु० धनाकेन भा० धनदू भ्रातृ गोपालपेथाप्रमुखेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

९८३. सं. १३२० वर्षे माघ शुदि ९ शनौ समधर भा०.... श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० सूरिभिः ॥

९८४. सं. १५१९ वर्षे आषाढ शुदि ४ सोमे श्रीमालज्ञा० पोरवालगोत्रे सा० मामा पु० सा० कन्हू भा० कल्हादेश्राविकया स्वपुण्यार्थं श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीज्ञानसुंदरसूरिभिः ॥

९८५. स. १५६९ वर्षे ज्ये. शुदि ६ शुक्रे पल्हादवास्तव्य श्रीश्रीवंशे मं० ल्या भा० ल्पमादे सु० शाणाकेन भा० ल्खिमादे वृद्ध भ्रातृ भत्ता, महिया, राणा, प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीलब्धिसागरसूरिभिः ॥

९८६. स. १५६४ वर्षे वैशाख वदि १२ बुधे श्रीश्रीवंशे मं० कर्मण भा० गोरी पु० सा० धना भा० गेली पु० सा० गेनासुश्रावकेण भा० दबी पु० पनायणप्रमुखकुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छेशश्रीभावसागरसूरिणामुपदेशेन स्वश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन श्रीअहम्मदावादे ॥

९८७. सं १५८१ वर्षे पोष शुदि ९ दशंदरपुरवास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० व्य० धर्मा भा० धर्मादे पु० व्य० पोपटकेन भा० प्रीमलदे पु० कुंअरजीप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीशंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभि ॥

९८८. स. १५६० वर्षे वैशाख शुदि २ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० वुरा मना भा० माधू सु० करणा भा० हांसी पु० गंगदास पाता मातृपितृआत्मश्रेयोर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीहेमसिंहसूरिभि । कासारिग्रामगुणाग्रामे ॥

९८९. सं. १६८२ वर्षे ज्ये. वदि २ गुरौ श्रीअहमदावादवास्तव्य ओसवालज्ञा० सा० हंसराजेन सु० सा० हरजीयुतेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० च श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयसेनसूरिपट्टालंकार श्रीविजयदेवसूरिवारके उ० श्रीसिद्धिसागरसूरिभि. ॥

९९० सं.१३२१ वर्षे ज्ये शुदि ३ श्रीमितिरिनव[illegible] प्राग्वा- टज्ञा० वृद्धशाखीय श्रा० मेहिता पु० म० [illegible] श्रीनेमिनाथबिंबं का० प्र० म नागेन्द्रे म० श्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टे म० श्रीजिन- [illegible]सूरिभिः ॥

९९१. सं. १३८० ज्ये. शुदि १४ गुरौ [illegible] श्रीमा- [illegible] पु० [illegible] श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीबुद्धि[illegible]सूरिभि ॥

९९२. सं. १३०९ वर्षे वैशाख शुदि ९ [illegible] श्रीश्रीमाल[illegible]० श्रा० [illegible] श्रा० टीबू पु० [illegible] श्रा० [illegible] [illegible] श्रा० [illegible] श्रा० [illegible] श्रा० [illegible] [illegible] [illegible] का० प्र० [illegible] ॥

९९३. सं. १३१० वर्षे माघशुदि ४ गुरौ [illegible] श्री[illegible]० श्रा० [illegible] श्रा० [illegible] पु० [illegible] श्रा० [illegible] पु० [illegible] [illegible] [illegible] का० प्र० श्री[illegible]सूरिभि ॥

९९४. सं. १३०[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible]

(शेखनो पाडो) श्रीअजितनाथजीना देरासरना लेखो.

९९५. सं. १५८३ वर्षे वैशाखसुदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धरणा भा० चांपलदे पु० ५ सु० कोल्हा भा० कमलदे मातृपितृ भ्रातृआत्मश्रेयोर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे भ० श्रीहेमसिंहसूरिभिः कणभाखरवास्तव्य. ॥

९९६. सं. १५२५ वर्षे माघ सुदि १२ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धना भा० वाल्ही सु० नाथा भा० रंगाईनाम्न्या सु० हांसा भा० रामति सु० धीरपालसुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

९९७. सं. १५२६ वर्षे माघ वदि ७ बुधे श्रीओएसवंशे मीठडीयाशाखायां सा० नरपति भा० नायकदे पु० नरबदसुश्रावकेण भा० हीराई सु० कान्हा ठाकुरसहितेन निजश्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

९९८. सं. १५०७ वर्षे वैशाखवदि ११ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० मेला भा० मयगादे सु० नरदेन पित्रो पूर्वजश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० चैत्रगच्छे धारणपद्रीयभ० श्रीलक्ष्मीदेवसूरिभि. कुमारिआग्रामे ॥

९९९. सं. १५१७ वर्षे फागुणसुदि ३ माल्हणग्रामे प्राग्वाटज्ञा० मं० माईआ भा० . .सु० रत्नाकेन भा० रानू प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

१०००. सं. १४७९ वर्षे वैशाखवदि ४ अनंतर ५ शुक्रे श्रीनाणकीयगच्छे श्रीउकेशज्ञा० व्य० सोना भा० मरियादे सु० करमेन पितृव्यमा हासनिउ श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० श्रीशान्तिसूरिभि प्र० ।

रंगा भा० लाडी सु० हरखा हरदास महिराज मणोरसहितेन पूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीमल्धारिगच्छे श्रीगुणसुंदरसूरिभिः ॥

१०१४. सं. १५४९ वर्षे पोषवदि तिथौ उपकेशज्ञा० टाहडीआ-गोत्रे संघवी धणसी पु० सं० सोनपाल पु० सं० पेना भा० कुतिगदे सहितेन....बिंबं का० प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः श्रीउपकेशगच्छे ॥

१०१५. सं. १५२० वर्षे माघवदि ७ रवौ उपकेशवंशे व्य० चांपा भा० चापलदे सु० देवड भा० देवलदेसु० वीराकेन भा० उमि सु० रणवीरस० आत्मश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीमीरापल्ली-यगच्छे भ० श्रीउदयचन्द्रसूरिपट्टे श्रीसागरचन्द्रसूरिभिः ॥

१०१६. सं. १५०४ वर्षे फा० शुदि ११ प्राग्वाटज्ञा० सा. माला भा० रुड़ सु० सांडाकेन भा० देऊ कुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीजयचन्द्रसूरिभिः ॥

१०१७. सं. १५०८ वर्षे ज्ये. शुदि १३ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० म० मेघा भा० मेल्हादे सु० मेरा भा० रूडी सु० सं. हापाकेन भा० देऊ सु० आमदत्त माणिक वहूपासहितेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं पूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरीणामुपदेशेन का० प्र० च विधिना [illegible] ॥

१०१८. सं. १५२३ वर्षे वैशाखशुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० भीमा भा० [illegible] सु० [illegible] निमित्तं श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीश्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणदेवसूरिभिः [illegible] ॥

१०१९. सं. १५२४ वर्षे वैशाखशुदि ३ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० [illegible] पु० श्रे० [illegible] भा० [illegible] श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्री[illegible]......[illegible] ॥

१०२०. सं. १५१३ वर्षे वैशाखशुदि १३ श्रीश्रीमाल ज्ञा० दो० देला भा० गंगादे सु० दो० धांधा [illegible] भा० हीरू सु० सीधा भा० रामति पौत्र जना वर्धमानादियुतेन [illegible] श्रीकुंथुबिंब का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः। श्रीविरमग्राम॥

१०२१. सं. १५३८ वर्षे वैशाख शुदि ३ दिने प्राग्वाट ज्ञा० दो० गिरराज भा० मलीनाम्न्या सु० [illegible] [illegible] सुत [illegible] [illegible] [illegible] पुण्य स्वश्रेयसे श्रीश्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः अहम्मदाबादे॥

१०२२. सं. १५१९ वर्षे वैशाखवदि ११ शुभ श्रीश्रीमाल ज्ञा० श्रे० वर्द्धमान भा० वील्हणदे सु० [illegible] मातृपितृश्रेयसे श्रीनमिनाथ बिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसमुद्रसूरिपट्टे श्रीगुणधीरसूरिणामुपदेशेन का० प्र० च विधिना द्रहग्रीवास्तव्य॥

श्रीशांतिनाथजीना देरासा लेखो.

१०२३. सं. १५३० वर्षे वैशाखशुदि ३ प्राग्वाट ज्ञा० श्रे० [illegible] भा० गांगी पु० हरिश्चंद्र ईल पु० [illegible] श्रीमुनि [illegible] बिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥

१०२४. सं. १५६६ वैशाख शुदि १० [illegible] [illegible] [illegible] श्रीसुमति [illegible] का० प्र० श्रीसूरिभिः॥

१०२५. सं. १५२१ वर्षे [illegible] १ [illegible]

जेसंग भा० जसमादे जना हरदास श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसौभाग्यनंदिसूरिभिः ॥

१०२६. सं. १४६९ वर्षे फागुण वदि २ शुक्रे हुंबडज्ञा० दो० विना भा० वरमल्दे पु० गांगारामाभ्यां पित्रो श्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० निवृतिगच्छे श्रीसूरिभि ॥

१०२७. सं. १४९९ फागणवदि २ गुरौ ओसवालज्ञा० मं० आहड भा० मनू पुत्र वयजा पुत्री माई पुनी म० श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीकोरंटगच्छे श्रीसावदेवसूरिभि ॥

१०२८. सं. १५१० वर्षे माघशुदि ५ शुक्रे श्रीब्रह्माणगच्छे श्री श्रीमालज्ञा० श्रे० नागमी भा० नागलदे हासा भा० पोमी [illegible] बिंबं का० प्र० श्रीविमलसूरिभि ॥

१०२९. सं. १५२३ वर्षे माघशुदि १ शनौ श्रीवीजापुरवास्तव्य श्रीमालज्ञा० सा० सोवति भा० कर्मणि सु० सा० दशाकेन निजश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभि प्र० ॥

१०३०. सं. १४८९ वर्षे वैशाख वदि १० दिने गुरुवारे श्री शान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीउकेशगच्छे ककुदाचार्यसंताने श्रीसिद्ध सूरिभि ॥

१०३१. सं. १५१० वर्षे पोषवदि ५ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० [illegible] भा० रामू सु० [illegible] आत्मश्रेयसे च श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्री[illegible] म० श्री[illegible]सूरिभिः ॥

१०३२. सं. १५०१ वर्षे माघ वदि ७ [illegible] श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० कर्मण भा० कर्मादे सु० हीरा भा० हीरादे [illegible] श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्री[illegible]सूरिभि ॥

१०३३. सं. १५१६ वर्षे वैशाख वदि २ सोमे साीगउद्रवासि-ओसवाल मे० जेसा भा३ सारू पु० मे० पोचाकेन भा० वाल्ही पु० माधा रत्नादिकुटुंबयुतेन श्रीवासुपूज्यबिंब का० प्र० तपाश्रीरत्न-शेखरसूरिभि. ॥

१०३४. स. १८९८ वर्षे फागुण सुदि ७ शनौ श्रीश्रीमाली व्य० सुंदा भा० सूदाई सु० देवसी भा० हीराई तथा माल्हणदेश्राविकया श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयकीर्तिसूरीणामुपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं स्वश्रेयसे का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१०३५.सं. १५६८ वर्षे माघ सुदि ४ शुक्रे सूराणागोत्रे संघवी-राना पु० सहस्रकिरण भा० संभरमादे तत्पु० सं० वस्ता भा० विमलदे पु० ५ तत्माल्हणांत दी सं० मिना सं० श्रीचंद सं० सहसा सं० विजा-महितेन सं० वस्ताकेन स्वश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० धर्मघोषगच्छे श्रीनमिचन्द्रसूरिभिः प्र० ।

१०३६. सं० १४८२ वर्षे वैशाख सुदि ७ सोमे श्रीओसवंशे कतासी गं मा भा० रूपादे सुतः धनारत्नालयमादिभिः श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीबृहत्तपागच्छे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

१०३७. सं. १३८९ मार्ग. वदि ४ शनौ सूराणागोत्रे सा० पाल्हण सु० सा० चिनाकेन कमणशान्हाप्रमुखयुतेन स्वपितुः श्रेयसे श्रीश्रेयांसबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीगुणसमुद्रसूरिभिः ॥

१०३८. सं. १५१२ वर्षे माघवदि श्रीश्रीमाल्ज्ञा० मं० हारंग भा० गांगी तयोः सं० नाऊआ भा० रामदे भ्रा० कुंरा समस्तकुटुंबश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीगुरुभिः ॥

१०३९. सं. १९८७ वर्षे माघवदि ८ गुरौ श्रीवीरमग्रामवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० मं० हर्षा मा० हारकी पु० मई कीका मा०

पुत्री मनाई श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीतप-गच्छे श्रीउदयनन्दसूरिभिः ॥

१०४० सं. १५०८ वर्षे वैशाख सुदि ५ गुरौ श्रे० [illegible] बहिरदे पु० [illegible] [illegible] श्रेयसे [illegible] [illegible] ॥ प्र० श्री [illegible]सूरिभिः ॥

१०४१ सं. १५०९ वैशाख [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible] [illegible] श्री [illegible] का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीपूर्णचन्द्रसूरिभिः ॥

१०४२. सं. १५०० [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] पु० भा० [illegible] भा० [illegible] श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० [illegible] नागेन्द्रीयश्रीजिनसूरिभिः ॥

१०४३. सं. १५३० वर्षे वैशाख सुदि ३ [illegible] [illegible] [illegible] भा० [illegible] [illegible] का० प्र० श्री[illegible] [illegible] [illegible] श्रीदेवचन्द्रसूरिभिः ॥

१०४४. सं. १५०९ वर्षे फागुण सुदि ३ [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] भा० [illegible] [illegible] [illegible] श्री[illegible] का० प्र० [illegible]सूरिभिः ॥

१०४५. सं. १५०० वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ॥

१०४६ सं. १५०८ वर्षे [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] का० प्र० [illegible] ॥

१०४७ सं. १६७१ वर्षे वैशाखसुदि ५ दिने बोहरवंशमानगोत्रे सा० रतन भा० हीरांदे पु० सा० थांता भा० श्रीरतनादेवी इत्यादि पुत्रपौत्रादिसहितेन निजपूर्वजपुण्यार्थं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

१०४८ स. १२०९ वर्षे मार्गशीर्षसुदि ६ दिने ऊकेशवंशे ... गोत्रे सा० गोना पु० हीरा भा० महवई पु० श्रीराजगाम्यां ... कारापितं का० प्र० श्रीजिनराजसूरिपट्टालंकारश्रीजिनभद्रसूरि-खरतरगच्छेश ॥

१०४९ सं. १२०५ वर्षे पोषवदि प्राग्वाट व्य० सेउमी भा० गांगी सु० तेनाकेन भा० कडू सु० मनधरमेघाभादाचांदादिपुत्रेन भ्रातृ-हासीश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीजयचन्द्रसूरिभिः ॥

१०५०, सं. १५१८ वैशाख शुदि ५ गुरौ श्रीअंचलगच्छेश-श्रीगुण....दूरिणामुपदेशेन तेमा राणा सु० व्य० श्रीऊकेशवंशे सा० नरपति भा० धारण सु० पासु भा० पुरी सु० भापू स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअनं-तनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१०५१. सं. १५०५ वर्षे माघशुदि ८ शनौ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० रूदा भा० वा० टाडी सु० देपाकेन आत्मश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षीय म० श्रीदेवाणंदसूरिशिष्यम० श्रीदयासागर-उपदेशेन ॥

१०५२. सं. १५३२ वर्षे वैशाख शुदि ९ सोमे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सहिसा भा० अपू सु० सहिगमाशकेन स्वपूर्वज-निमित्तं मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीविमलसूरिपट्टे म० श्रीबुद्धिसागरसूरिभिः डांगरूआ अ० लीलापुरवास्तव्य ॥

१०५३. सं. १४८३ वर्षे वैशाखशुदि ५ गुरुवारे लोढागोत्रे स. वाला पु० सं० वाछाकेन निजजनकनिमित्त श्रीविमलनाथप्रतिमा का० प्र० तपाभ० श्रीहेमहंससूरिभिः ॥

देवसानो पाडो श्रीपार्श्वनाथजीना देरासरना लेखो.

१०५४. सं. १५७३ वर्षे फागुण शुदि ८ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० देवा भा० देवलदे सु० नरबद भा० लीलादे सु० रंगा सांगा सांदा श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीविनयसागरसूरिभि. प्र. बीजापुरवास्तव्य. ॥

१०५५. सं. १४९० फागुणशुदि ११ प्रा० सह० नरपाल भा० नामलदे सु० वीसलेन भा० वील्हणदे सु० सादाभादाहांसादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवर्द्धमानबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१०५६. सं. १५१६ वर्षे मार्ग. शुदि १ दिने ऊकेशवंशे राका श्रे० गोत्रे श्रे० आसा भा० अमकू पु० सिंघाकमलसिंघा श्रेयोर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे भ० श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे भ० श्रीजिनचन्द्रसूरिभि. ॥

१०५७. सं. १५२४ वैशाख शुदि २ ऊकेश सो० गुरा भा० राणी पु० सा० अमरसी भा० अधू पु० सो० सोनपाल अर्जुनाद्यैः कुटुंबैः निजश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

१०५८. सं. १५२८ वर्षे माघवदि ५ बुधे उकेशवंशहूआणगोत्रे मं० सामंत भा० भोली पु० मं० धर्मसिंह भा० लीलाई पु० परमत प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीश्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि. सीरोहीग्रामे ॥

१०५९. स. १५३२ वैशाखशुदि १५ दिने प्राग्वाट प० देवा भा० रूपिणि पु० प० पूंजा भा० मरगदेनाम्न्या श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि. ॥

१०६०. सं. १५२० आषाढशुदि २ गुरौ अहम्मदावादे डीसावालज्ञा० सा. धर्म्मी भा० सुलेमरि सु० सा. माभाकेन भा० रामति सु० मीधरादिकुटुंबयुतेन श्रीअभिनन्दनबिंबं का० प्र० तपा श्री लक्ष्मीसागरसूरि श्रीसोमदेवसूरिभिः ॥

१०६१. सं. १६१० वर्षे फागुणशुदि २ श्रीओसवालज्ञा० सा० जगा भा० जसलदे पु० हीरराम श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि. ॥

१०६२. सं. १५९८ वर्षे वैशाखशुदि ५ गुरौ श्रीउकेशवंशे दगडागोत्रे सा० द० भीमसी भा० समाई पु० सा० हमीर सा० राजपाल भ्रातृज सा० सचवीर सा० धीरा सा० रतनसी सपरिवारेण सा० षेमपाल भा० वइजलदे पु० सारंगधरादियुतेन श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीजिनमाणिक्यसूरिभिः श्रीखरतरगच्छे ॥

१०६३. सं. १७०५ वर्षे वैशाखशुदि ५ श्रीश्रीमालज्ञा० मं० वर्मा भा० कपूरदे सुतवीरदासेन भा० सनू सु० देवा भ्रातृ धर्मसी धनराजादिकुटुंबयुतेन पितृमातृपितृव्यभ्राताभ्रातृव्यमांगलिकेयोऽर्थं श्रीविमलनाथजिनबिंबं कारापितः का० प्र० भट्टारकश्री श्रीविजयसिंहसूरिभि ॥

१०६४. सं. १५३१ वर्षे आ. शुदि २ सोमे जोटाणावास्तव्य श्रीमाचाल्ज्ञा० श्रे० हीरा भा० नाथी पु० ३ श्रे० हांसाकेन भा० टबकु प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः शिष्यश्रीसोमजयसूरिश्रीजिनहंससूरिश्रीसुमतिसुंदरसूरिपरिवारयुतैः ॥

१०६५. स. १५०२ वर्षे माघ शुदि ३ शुक्रे उ० श्रे० चांदण भा० चांदणदे पु० लाखा भा० लखादे पु० गोरदेन पितृव्य गोवा भा० गंगादे पितृ धर्मसी भा० धर्मादे प्रमृतिमातृपितृश्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० उ० सिद्धाचार्यसंताने प्र० भ० श्रीकक्कसूरिपट्टे श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

१०६६. सं. १५५२ वर्षे फागुणशुदि ६ शनौ सीहुंजग्रामि प्राग्वाट श्रे० बदूआ भा० चमकू पु० श्रे० मीराकेन भा० मनमादे पु० मेघा श्रीकार्नादेभामाईप्रमुखकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंब का० प्र० तपागच्छे श्रीसुमतिसाधुसूरिपट्टे श्रीहेमविमलसूरिभि ॥

१०६७. सं. १५९२ वर्षे वैशाखशुदि ११ श्रीउपकेशज्ञा० मधाउरवेनगोत्रे सा. देवसी पु० सा० धनना पु० सा० हेमा भा० हीमी पु० सा० उदा भा० सुम्ही पु० सा० धनासहितेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० श्रीअंचलगच्छेशश्रीविमलसूरिभि ॥

१०६८. सं. १५६० वर्षे ज्ये. शुदि ९ शुक्रे श्रीनागरज्ञा० मनसा पुत्री सा० हरराज भा० धर्मादे पु० सा० मना भा० हर्षी निजश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारगच्छसूरिभि ॥

१०६९. सं. १५११ ज्ये. शुदि २ प्राग्वाट भा० [illegible] भा० मदू पु० हरपालेन भा० मटकू पितृ देवदास [illegible] [illegible]

माश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिपट्टे श्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः प्रतिं ॥

१०७०. सं. १५८८ वर्षे फागुण शुदि ८ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० धांगा भा० धांपल्दे सु० तेजा भा० तेजल्दे सु० रूपा रामा लखमण रामाकेन भा० रांमल्देसुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीसौभाग्यरत्नसूरीणां पट्टे श्रीगुणमेरुसूरीणामुपदेशेन प्र० ॥

१०७१. सं. १५१० वर्षे माघ वदि ३ श्रीश्रीमालज्ञा० मं० आमा भा० कपूरी सु० मं० माडाकेन भ्रातृजुठानिमित्तं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० गूंदाऊआ म० श्रीहेमचन्द्रसूरिभिः ॥

१०७२. सं. १५०१ वर्षे ज्ये० सु० ओसवंशे सा० हरीआ भा० हेमादे सु० कुरा भा० कामल्दे सु० आंबाकेनआदिकुटुंबयुतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१०७३. सं. १६१७ वर्षे ज्ये० शुदि ९ दिने श्रीपाटणग्रामे ओसवालज्ञा० गोत्रावरसिंग सु० महिराज पुरा वाका भा० जइताल्दे सु० गोइंद सांगा रहीआ श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीविजयदानसूरिभि. ॥

१०७४. सं. १५४७ वर्षे माघ शुदि १३ रवौ श्रीमंडपे श्रीमालज्ञा० सं० ऊदा भा० रहूं पु० सं. धोमा भा० पुरी पु० सं० रूगसी भा० माकू पु० सं० मोल्हा भा० सामा पु० मेरा भा० हाणी लघुभ्रातृ सं० राजा भा० सांगू पु० सं० मलढ भा० धनाइ सींवादे सुहागदे हस्तादे धनाई पु० सं० हीरा भा० रमाई सं० लाडादिकुटुंबयुतेन ४ बिंबं का० निजश्रेयसे श्रीस्वयंप्रभबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिश्रीलक्ष्मीसागरसूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः ॥

१०७५. सं. १४९९ वर्षे ओसवाल्ज्ञा० मं० नमवीर भा० सम्मू पु० मं० नाईआकेन भा० नयणादे पु० पचा जावड काला मेघादि धम्मनादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० तपाश्रीमुनिसुंदरसूरिभिः ॥

१०७६. सं. १३४० वर्षे वैशाख शुदि ३ शुक्रे ऊकेशवंशे श्रे० रावर भा० अमकू पु० आसदेन रायवनिमित्तं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीदेवाचार्यसंताने श्रीदेवचन्द्रसूरिपट्टे श्रीदेवप्रभसूरिभिः ॥

१०७७. सं. १५१२ वर्षे ज्ये. शुदि १० गुरौ श्रीओएसवंशे मीठडी शाखायां व्य० देवा भा० मल्ल्हू पु० व्य० अमराकेन भा० करमादे लघुभ्रातृ व्य० मेला व्य० वीमयुतेन पितुः पुण्यार्थं श्रीअंचलगच्छेशश्रीसिद्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन पारकरवास्तव्य ॥

१०७८. सं. १५७० वर्षे कार्त्तिक वदि ५ गुरौ ओसवाल्ज्ञा० श्रे० धणपाल भा० हलू पु० श्रे० हीरा भा० रूपमादे पु० सा. लखा भा० मानूसहितेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० श्रीविवंदनीकगच्छे सिद्धाचार्यसं. प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः टडाणवास्तव्य ॥

१०७९. सं. १२९७ वैशाख शुदि ६ पल्हाश्रीपार्श्वनाथप्रतिमा पु० सिरीकेन का० प्र० चन्द्रगच्छे श्रीहरिभद्रसूरिभिः ॥

१०८०. सं. १५१५ वर्षे पोष वदि ९ बुधे लाडार० श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० वानर भा० अमकू पु० धना वाछा माडण धना भा० गोरी पु० रंगकेन वाछा भा० हामू पु० हीरा नेमिंग माणिक कुटुंबयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपा० भ० श्रीरत्नसिंहसूरिश्रीआनंदसागरसूरिश्रीउदयसागरसूरिभिः प्र० ॥

१०८१. सं. १९१६ वर्षे वैशाख वदि ११ शुक्रे श्रीब्रह्माण गच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० पितृपासण भा० मातृहांसू सु० महिपाकेन भा० मासूंसुतेन पित्रोः श्रेयोऽर्थं स्वश्रेयोऽर्थं च जीविनस्वामिश्रीशांतिनाथ-बिंबं का० प्र० श्रीबुद्धिसागरसूरिपट्टे श्रीविमलसूरिभि. बारोडीवास्तव्य ॥

१०८२. सं. १९९१ वर्षे वैशाख वदि २ सोमे श्रीमालज्ञा० श्रे० वहूया भा० वाली सु० श्रे० धनाकेन भा० भावल्दे पु० वर्धमा-नादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीवीरचन्द्रसूरिभि· ॥

१०८३. सं. १९८७ वर्षे वैशाख वदि ७ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० हर्षा भा० हर्षादे सु० हापण भा० पूरी सु० नाथावाघाभ्यां युतेन श्रीसद्गुरूणामुपदेशेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन देउलिग्रामे ॥

१०८४. सं. १९२४ वर्षे वैशाखे शुदि ३ सोमे वाडासिणरा-स्तव्यश्रीश्रीमालज्ञा० मं० गंगा भा० गंगादे सु० नाथाकेन भा० नाग-लदे सु० संहिसा रहिया प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभि· ॥

१०८५. सं. १९७१ वर्षे वैशाख वदि ९ दिने श्रीओसवंशे सा. तुला भा० टीबू सु० सा. भगवान भा० टबकू पु० सा. समरा भा० श्रीयादे सा. परबत भा० पाल्हणदे सा. नरसिंह भा० सम्पू सा. परब-तेन स्वभ्रातृणां श्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० श्रीद्विवंदनीकगच्छे प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

१०८६. सं. १९०७ ज्ये. शुदि ९ दिने श्रीप्रागवाटज्ञा-त्या० व्य० वर्धमा भा० वर्मादे सु० वाघाकेन भा० चम्पू सु० होला वानरादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपाश्रीलक्ष्मी-सागरसूरिभिः ॥

१०८७. सं. १५२१ वर्षे चैत्र वदि ९ शुक्रे श्रीब्रह्मगच्छे श्रीमालज्ञा० श्रे० डाम्हा भा० धरणू सु० नीला भा० माणिकदे सु० मलाकेन पितृश्रेयसे श्रीअभिनंदननाथबिंबं प्र० श्रीविमलसूरिभिः मारद्ग्रामे ॥

१०८८. सं. १५४७ वर्षे माघ शुदि १३ श्रीसंडेरवालगूर्जर- ज्ञा० सा. अमरसी भा० रामी सु० सा. पदमकेन भा० नीराई प्रमुखकुटुंबयुतेन निजश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसुमति- साधुसूरिभिः ॥

१०८९. सं. १५१७ वर्षे वैशाख शुदि १२ सोमे श्रीश्रीमाल- ज्ञा० श्रे० उदा भा० रामी सु० श्रे० धना भा० संपू सु० रामाकेन भा० संपूरीयुतेन स्वपितृमातृश्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीआ- गमगच्छे श्रीआणंदसूरिभिः बुधआणाग्रामस्य ॥

१०९०. सं. १४९३ वर्षे वैशाख शुदि ३ शनौ उकेशज्ञा० श्रे० सामल भा० रामी पु० गोसल भा० गुरदेवी भ्रातृपालादियुतेन पितृश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० मलधारगच्छे श्रीगुणनिधानसूरिभिः ॥

१०९१. सं. १६११ वर्षे माघशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० सं. नरसिंह भा० सुहेमदि द्वि० संपू सु० छाडा भा० मानू सु० सा. सं० सूरा भा० रादे द्वि० भा० वाल्ह सु० सहजपालयुतेन स्वश्रेयसे० श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीआगमगच्छे श्रीआणंदरत्नसूरिभिः ॥

१००२. सं. १५०९ वैशाख वदि ११ शुक्रे श्रीश्रीमाल श्रीस्तंभतीर्थवास्तव्य सा. धर्मसिंह भा. रत्नादे भा० पांचू पु० कर्मादिकुटुंबयुतेन पितृश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारसूरिभिः ॥

१०९३. सं. १५९९ माघ वदि २ सोमे ओसवालज्ञा० [illegible]

ठ० वीजपालश्रेयोऽर्थं सु० मामड प्रमुख आमसिंहेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीचित्रगच्छे श्रीमानदेवसूरिभिः ॥

१०९४. सं. १५१९ माघ वदि ९ बुधे ओसवालज्ञा० पा० सीमसी भा० कुन्ही पु० जेसिंग नाथा भ्रातृगोविंदेन भा० इन्द्राणीयुतेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीऊकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसंताने श्रीदेवगुप्तसूरिभि ॥

१०९५. सं. १५३६ वर्षे माघ वदि ९ गुरौ दीसावाल श्रे० जत्रा भा० अनदू सु० मं० मोनाकेन भा० मडुआ स्व० भा० मघदू सु० नाथादिकुटुंबश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरि तपाश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

१०९६. सं. १४९२ वर्षे श्रीमालज्ञा० फासदीयागोत्रीय सा. रधामा सु० धारणेन पु० वीरपालनगपालसहितेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

१०९७. सं. १५११ प्राग्वाट श्रे० महिराज भा० धनूं पु० श्रे० आचारेन भा० संपूरी सु० हेमा दसजादिपुत्रेन ध[illegible] भा० सिन्हणदे श्रेयोऽर्थं श्रीशंभुपुन्यबिंब का० प्र० तपाश्रीसोमसुन्दरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः श्रीवीसलनगरे ॥

१०९८. सं. १५५० वर्षे वैशाख शुदि १ रवौ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० गुणीया भा० धर्माई सु० लाला भा० सीमई श्रीनमिनाथबिंब का० श्रीसाधुपूर्णिमापक्षे प्र० श्रीविनयचन्द्रसूरि तत्पट्टे श्रीउदयचन्द्रसूरिभिः विधिना ॥

१०९९. सं. १४७९ वैशाख वदि ९ रवौ श्रीमाल[illegible] पिता-मह श्रे० सोना पितृव्य सोमा पितृ महिरा [illegible]

श्रेयोऽर्थं मु० पर्वतेन श्रीपार्श्वनाथपंचतीर्थी. का० प्र० सुदर्शनित्यश्री गुणप्रभसूरिभिः ॥

११०० सं. १५२६ मार्ग. शुदि १० प्राग्वाट मं० गांगा भा० गंगादे पु० देवदासेन भा० पूरी पु० दादादिकुटुंबयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे लक्ष्मीसागरसूरिभिः अहमदावादे ॥

११०१. सं. १५४९ वर्षे ज्येo वदि १ दिने उकेशवंशे सा० अमरा भा० कउतिगदेपुण्यार्थं सा० कामाकेन पु० पहिराजकेन रामादिपरिवारयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० बृहत्श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ॥

११०२. सं. १६१७ वर्षे ज्येष्ट शुदि ९ सोमे श्रीनमिनाथबिंबं श्रीविनयदानसूरिभिः प्र० बाईकामा का० ॥

११०३. सं. १५१३ वर्षे पोष वदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० सा० वाछा भा० रही पु० महणसिंहेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० नागेन्द्रगच्छे भट्टारकश्रीपद्मानंदसूरिपट्टे श्रीविनयप्रभसूरिभिः गुरुकारकेवास्तव्य ॥

११०४. सं. १५०२ आषाढशुदि २ गुरौ इन्द्रुर्गीयश्रीश्रीमालज्ञा० मं० पानाकेन भा० माल्हणदे पुत्री रमाई श्रेयोऽर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनसागरसूरिभिः ॥

११०५. सं. १५३२ वर्षे माघवदि १० प्राग्वाटज्ञा० व्य० नाथा भा० सुलेमरी पु० व्य० पदाकेन निजश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

११०६. सं. १६२७ वर्षे वैशाख शुदि २ शुक्रे उकेशवंशे पित छीयागोत्रे सा० गटिया भा० वसा लघुभ्रातृ सा० सांगा पु० सा०

मीरमी स्त्रेयार्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीबृहत्खरतरगच्छे श्रीजिनसिंहसूरिभिः प्र० ॥

श्रीधर्मनाथजीना देरासरना लेखो. (उपलो गभारो).

११०७. सं. १६९७ वर्षे शाके १५६२ प्र० पोष वदि ६ रवौ श्रीकलपुरे श्रीओसवंशे वृद्धशाखायां मं० धावर भा० बाई भीमाई सु० मं० भाणजीकेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीवृहत्तपागच्छनायक भ० श्रीधर्मरत्नसूरिपट्टे भ० श्रीविमलमंडनसूरिभिः ॥

नीचेना गभारना लेखो.

११०८. सं. १५७९ वर्षे वैशाख शुदि ६ सोमे श्रीरत्नपुरवास्तव्य श्रीमालज्ञा० श्रे० दो० नारद भा० नारी सु० हेमा भा० रूकी सु० धर्मसी भा० धनाकेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंब का० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीधनरत्नसूरि श्रीसौभाग्यसागरसूरिभिः प्र० ॥

११०९. सं. १५५१ वर्षे वैशाख .... भा० भावल्दे आत्मादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० तपागच्छनायकश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीहेमविमलसूरिभिः प्र० ॥

१११०. सं. १५१९ वर्षे वैशाख शुदि २ रवौ ओसवालज्ञा० भंडारी सुधन भा० रत्नादे पु० रत्नाकेन भा० रत्नादे पु० देराज वाछा आत्मीयपरिवारसहितेन स्वपितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० संडेरगच्छे प्र० श्रीसूरिभिः अहम्मदावादनगरे ॥

१११९. म. १२६४ माघ शुदि २ नाणगच्छे शान्तिसूरिगुण-समुद्रसू० पुनानिमित्तं श्रीपार्श्वनाथ का० ॥

१११२. सं. १९२० वर्षे वैशाख शुदि ९ सोमे अहमदावाद वास्तव्यश्रीमाल्ज्ञा० दो० धर्मा भा० रामू सु० नमवर भा० जडू सु० लखराजलटकणवीमराजयुतेन श्राविका जडू स्व० श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० विधिना श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टे श्रीधर्मशेखरसूरि उपदेशेन ॥

१११३. स. १४७४ वर्षे फागण शुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सामा भा० पाल्हणदे पितृव्य पासण सु० कुंपाकेन निजपूर्वज-श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंब का० प्र० श्रीचित्रगच्छे श्रीपार्श्वचन्द्रसूरीणां शिष्यश्रीमलयचन्द्रसूरिभिः ॥

१११४. सं. १५१९ वर्षे वैशाख वदि २ गुरु श्रीहूंबडज्ञा० खेर गोत्रे दो० नरपाल भा० हरगू सु० दो० आमा नाम्ना श्रीआदि-नाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१११५. सं. १६९९ वर्षे शाके १४९९ प्र० ज्ये० वदि २ रवौ उकेश श्रे० मूग भा० पुरबी पु० नीसल भा० पूगी पु० देवराज-युतेन श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० ऊकेशगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसंताने विवंदनीक-पक्षे म० श्रीदेवगुप्तसूरिभि० प्र० श्रीइडुरवास्तव्य. ॥

१११६. सं. १५१६ पोष वदि १२ गुरौ उपकेशज्ञा० बहुरन-गोत्रे व्होरा माला भा० माल्हणदे पु० रांका स्वपुण्यार्थे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीबृहद्गच्छे श्रीरामचन्द्रसूरिसंताने श्रीदेवचन्द्रसूरिभिः नगराद्यवास्तव्य ॥

१११७. सं. १५२५ वर्षे फागण शुदि ७ शनौ प्राग्वाटज्ञा० सं० देवराज भा० सरजू सु० वाच्छा भा० राजू सु० कान्हाकेन भा०

रत्नासुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१११८. सं. १९९६ वर्षे वैशाख सुदि ९ दिने पेथापुरवास्तव्य वृद्धप्राग्वाटज्ञा० दो० वाला भा० अमरादे सु० भा० हेमादे सु० नाथासुतेन स्वश्रेयसे श्रीअरनाथबिंबं का० प्र० श्रीसाधुपूर्णिमापक्षे श्रीमुनिचन्द्रसूरिपट्टे श्रीविद्याचंद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

१११९. सं. १४०० वर्षे.... ....
शकेन स्वभ्रातृनिमित्तं श्रीशान्तिनाथमुख्यपंचतीर्थी का० प्र० चैत्रगच्छे धरणपद्रीयश्रीरामदेवसूरिभिः पिराद्रवास्तव्य. ॥

श्रीशान्तिनाथजीना देरासा लेखो.

११२०. सं. १५२२ वर्षे ज्ये. वदि ७ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० वीरा भा० लाडी सु० साईयाकेन भा० राडू पु० पसानिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीवीरसूरिभिः वडुद्रवास्तव्य. ॥

११२१. सं. १५२० वर्षे माघ शुदि १३ रवौ श्रीओएसवंशे सा० रूदा भा० देल्ही पु० सा० सहसा भा० करमिणिपुत्रश्राविका पुत्रीनाउसहितया निजश्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरिसूरिउपदेशात् श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

११२२. सं. १५०४ वर्षे वैशाख शुदि ६ शनौ श्रीश्रीमाल०

श्रे० नाना भा० वाम्व तयोः सु० मेनाकेन भा० माईमदिवेन भ्रातृनेमा दस्यश्रेयोर्थं श्रीचन्द्रप्रभर्बिबं का० प्र० श्रीसुविहितसूरिभिः ॥

११२३. सं. १५१९ वर्षे पोस वदि ९ शुक्रे श्रीमाली श्रे० मेघा भा० मेघल्दे सु० शाणा भा० रावू पु० वना प्रमृतिस्वकुटुंब-युतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीविविधसिद्धसुस्थैः श्रीसूरिभिः विधिना ॥

११२४. सं. १५७७ वर्षे माघ वदि १० दिने उमयम श्रे० कीका भा० मनी पु० श्रे० शाणा भा० पनी स्वश्रेयसे स्वपुण्यार्थं श्री आदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

११२५. सं. १४६६ वर्षे वैशाख वदि ६ गुरौ ओसवालज्ञा० मं० करमा भा. ....मातृ पाल्हण पितृव्य रूपमण भा. जयसिंह भा. देवसीनिमित्तं सु० सारंगेन श्रीआदिनाथ-बिंबं का० प्र० सद्गुरुश्रीचतुर्दशीपक्षे ॥

११२६. सं. १५१२ वर्षे वैशाख शुदि ३ गुरौ श्रीमालज्ञा० श्रे० मादा भा० वीनी सु० २ श्रे० मोला मटुउ वृद्धभा० रूडीसहितेन पितृमातृश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं प्र० श्रीसोमचन्द्रसूरिपट्टे श्रीउदयदेव-सूरिभिः पीपलगच्छे ॥

११२७. सं. १४३३ वर्षे वैशाख शुदि ९ शनौ .... भा० आल्हणदे.... ....समधर पूर्वजनिमित्तं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० माधुपूर्णिमापक्षीयधर्मतिलकसूरीणामुपदेशेन ॥

११२८. सं. १४३४ वर्षे वैशाख वदि २....गोत्रे सा. वना पु० सत्तण भा० सलखणदे पु० नरदेव पनाश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० रुद्रपल्लीयश्रीअभयदेवसूरिभिः ॥

११२९. सं. १५१० वर्षे ज्ये. शुदि ९ शनौ उप. सा० भेमा भा० लाछल्दे पु० गांदि गोसा भा० धारू पु० रतना राणा साहितेन आत्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीज्ञानकीयगच्छे श्रीशान्तिसूरिभिः ।

११३०. सं. १५०९ वर्षे माघशुदि १३ रवौ श्रीश्रीमाल सं० भामा भा० राजु सु० पीकाश्रेयोऽर्थं भ्रा० वाच्छाकेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन का० विधिना कारावास्तव्य ॥

११३१. सं. १५१७ वर्षे माघशुदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमाल मं० गाहिआ भा० सूपसिरि द्वि० भा० मानू सु० साभा कुंदा रोमा कुदा भा० कुंअरदे सु० जयता भा० गाहूसुतेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० अगमच्छे श्रीपूर्णदेवसूरिभिः ॥

११३२. सं. १४९६ वैशाखशुदि १३ ऊकेशश्रे० धना भा० धनादे सु० वीमलेन भा० रामल्दे पु० कान्हादिकुटुंबयुतेन भ्रातृसांगाश्रेयोऽर्थं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

११३३. सं. १५१९ वर्षे वैशाखशुदि ३ गुरौ ओसवालवृद्ध ज्ञा० ठाकुरगोत्रे सा० पर्वत भा० पोमाईनाम्न्या पु० सा० मलखमापदमगोरादिपुत्रयुतया मातृश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० पु० भा० श्रीधर्मधरसूरिभिः तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने प्र० श्रीसूरिभिः डालिआग्रामे ॥

११३४. सं. १६९७ वर्षे फा. शुदि ५ दिने ऊकेशवृद्ध सा० गला भा० सरूपदे सु० दो० श्रीवंतनाम्ना श्रीअजितबिंबं का० प्र० श्रीविजयदेवसूरिपट्टे श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥

११३५. सं. १६७८ वर्षे का. शुदि ९ बुधे श्रीआदिनाथबिंबं का० [illegible]भिधानेन ॥

११३६. सं. १५९३ वर्षे श्रीश्रीमत्[illegible] श्री[illegible]गच्छे सं० [illegible] मा० [illegible] श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्री[illegible]सूरिभि[illegible] मु० [illegible] ।

११३७. सं. १५०३ वर्षे का. वदि २ बुधे श्रीओसवाल ज्ञा० म० [illegible] मा० [illegible] सु० [illegible] मा० [illegible] मा० [illegible] श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्री[illegible]सूरिभिः [illegible] ॥

११३८. सं. १५९० वर्षे मा. शुदि ९ [illegible] दो० [illegible] भा० [illegible] सु० दो० [illegible] श्री[illegible]बिंबं का० प्र० [illegible]गच्छे श्री[illegible]सूरिपट्टे श्री[illegible]सूरिभि ॥

११३९. सं. १५०९ [illegible] श्रे० [illegible] भा० [illegible] सु० [illegible] भा० [illegible] श्री[illegible]बिंबं का० प्र० श्री[illegible]सूरिभिः ॥

११४०. सं. १५०४ वर्षे माघशुदि ४ श्रे० [illegible] [illegible] सु० [illegible] श्री[illegible] [illegible] का० [illegible] सूरिभि ॥

११४१. सं. १२१६ वर्षे [illegible] ११ [illegible] प्र० [illegible] [illegible] [illegible] सु० [illegible] श्री[illegible] का० प्र० श्री[illegible]सूरिभि ॥

११४२. सं. १५२८ वर्षे [illegible] ४ [illegible] [illegible] [illegible] सं० [illegible] भा० [illegible] सु० सं० [illegible] [illegible]

भा० फमादे पु० श्रीपालसहितेन जाहरबाल्यादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीसूरिभिः उगमग्रामे ॥

११४३. सं. १९६७ वर्षे ज्ये. शुदि १३ सोमे राजाधिराज-श्रीमद्देसेन माता श्रीलक्ष्मणा तत्पुत्र श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीचन्द्रप्रभस्य बिंब का० मल्हाई अभियानेन कर्मक्षयार्थं ॥

११४४. सं. १४९१ वर्षे ज्ये. शुदि १० शुके श्रीश्रीमाल-ज्ञा० पितृ टापर मातृ गउरदे सु० मेलकेन पितृ पितृव्य गतुर्थनिमित्तं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे श्रीउदयचन्द्रसूरिभिः ॥

११४५. सं. १५०७ वर्षे ज्ये. शुदि १० सोमे प्रभापुरीय-श्रीमाल्ज्ञा० मं० हडाकेन भा० राणी सु० मेघा राजादिकुटुंबयुतेन सुतासाहश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपारत्नसिंहसूरिभिः ॥

११४६. सं. १४३९ वर्षे पोषवदि ८ सोमे छोडागोत्रे सा० दाद्धा भा० लर्ष्द पुत्रेण पन्हुकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीरुद्रपलीयगच्छे श्रीसिंहतिलकसूरिभिः ॥

श्रीसीमंधरस्विमनना देरासा लेखो.

११४७. सं. १९१७ वर्षे मागशुदि १० सोमे श्रीउपकेश श्रीसुराणागोत्रे सं० सिंहर भा० लाच्छि पु० सा० राजा भा० गंगादे पु० सा० कुरपाल श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीपद्म-शेखरसूरिपट्टे श्रीपद्मानंदसूरिभिः ॥

११४८. सं. १९११ माघशुदि ५ गुरौ श्रीकोरंटगच्छे श्रीनन्ना-चार्यसंताने श्रीमाळज्ञातौ सामत भा० रानू अपरनाम कुतिगदेव्या आत्मपु-ण्यार्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसावदेवसूरिभि ॥

११४९. सं. १५१९ वर्षे आ. सुदि ६ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० लींबा भा० पांचू सु० श्रे० धर्मसी भा० धापूनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः विद्यापुरवास्तव्य. ॥

११५०. सं. १५२० वर्षे ज्ये. शुदि १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० संग्रामसी भा० मांदू सु० मं० देवाकेन भा० देमाई सु० भोजा कुटुंबयुतेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० सूरिणासुपदेशेन ॥

११५१. सं. १५०७ वर्षे वैशाखवदि १२ बुधे उकेशवंशे व्य० भीमड सु० मारमल तद्भार्या भरमाई तयोः पु० व्य० वाला भा० अमरी नाम्ना श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि ॥

११५२. सं. १५०९ वर्षे आषाढशुदि ९ बुधे उकेशज्ञा० श्रे० हापूणसी भा० देल पु० हरदासेन पि[illegible]श्रेयोर्थं म० श्रीर-त्नसूरिउपदेशेन श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

११५३. सं. १५२९ वर्षे चैत्रवदि १० गुरौ हुंबडज्ञा० [illegible] [illegible] भा० हेमाई सु० [illegible] भा० मांदू सु० [illegible] [illegible] श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० [illegible] ॥

११५४. सं. १५१६ वर्षे माघवदि ९ बुधे श्री[illegible] उकेशज्ञा० [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible] श्री[illegible]बिंबं का० प्र० [illegible] ॥

११९५. सं. १५४८ वर्षे वैशाखशुदि गुरौ प्रा० ज्ञा० वृह-स्मजने गां. सा. हेमराज भा० हेमाईनाम्न्या स्वश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथ-बिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरि ग० वि० श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः अहम्मदावादनगरे ॥

११९६. सं. १५२१ वर्षे माघशुदि ९ बुधे उपकेशज्ञा० श्रे० माला भा० माकुं सु० श्रे० सहिसाकेन भा० लाछी सु० समधर देवा सहितेन आत्मश्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीसर्वसूरिभिः देलवा-डाग्रामस्य. ॥

११९७. सं. १५११ वर्षे वैशाखमासे फल्हधियाग्रामवासि प्राग्वाटज्ञा० व्य० सोहण भा० पूंजी पु० वेलाकेन भा० वींमल्दे पु० वेला टाकुर प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुं-दरसूरिश्रीमुनिसुंदरसूरिपट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिगच्छाधिराजवरैः ॥

११९८. सं. १५११ वर्षे श्रीप्राग्वाटज्ञा० मं० भीमा भा० रङकू रामू तयोः पु० मं० वछराज भा० रामू पु० जिनदास प्रमुखकुटुंब-युतेन मातृपितृभ्रातृश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीगुरुभि. ॥

११९९. सं. १५४९ वर्षे वैशाखशुद्ध ९ ऊकेशवंशे भणशाली-गोत्रे भ० सादा पु० भ० माला भा० श्रा० जैती पु० भ० हरपति भ० सुरपतियुतेन भ० नरपतिकेन भा० श्रा० सोनाई पु० भ० सूरचन्द भ० सोमचन्द श्रीसुमतिनाथबिंबं का० श्रीखरतरगच्छेशश्रीजिनवर्द्धन-सूरिपट्टे श्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टे श्रीजिनसागरसूरिपट्टे श्रीजिनसुंदरसूरिपट्टे श्रीश्रीश्रीजिनहर्षसूरिभिः प्र० ॥

१२००. सं. १५११ वर्षे आषाढशुदि ९ शुक्रे शांतिनदवासु व्य० श्रे० कांधा भार्यया तद्भ्रातृविरया सु० सालिग मधुसुदनदेव्याः

श्रेयसे श्रीशान्तिनाथपंचतीर्थी आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन श्रा० श्रीसंघेन प्र० ॥

११६१. सं. १५१० वर्षे माघशुदि ५ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० सहसू भा० पांची पु० श्रे० हीरा भा० पुरी पु० श्रे० गुदा सुश्रा- वकेण भा० मणिकिसहितेन श्रीअंचलगच्छे गुरुश्रीजयकेसरिसूरिउपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

११६२. सं. १५११ वर्षे माघशुदि ९ रवौ रायपुरवास्तव्य- प्राग्वाट० व्य० सोढा भा० कपूरी पु० व्य० डाहाकेन भा० जीवा भ्रातृ कुंपा भा० कामलदे प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रातृश्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीरत्नशेखर- सूरिपट्टे श्रीसुमतिसाधुसूरिपट्टे श्रीहेमविमलसूरिभि. ॥

११६३. सं. १५१५ वर्षे वैशाखशुदि १ गुरौ श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० धोमा भा० टीबू तयोः पु० देपाल भा० बहुनाम्न्या स्वमातृश्रेयो- र्थोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० आगमगच्छे श्रीहेमरत्नसूरीणामुप- देशेन अमरावत्यां ॥

११६४. सं. १५४८ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० संग्राम भा० जासू पु० श्रे० तेजाकेन भा० मीना हांसी पु० श्रे० कान्हा श्रे० नाथा श्रे० राजा श्रे० धनादि प्रमुखपरिवारयुतेन स्व- श्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० देवकुलिकासहितं प्र० श्रीतपागच्छे श्र० श्रीसुमतिसाधुसूरिपट्टे भट्टारकश्रीहेमविमलसूरिभि श्रीवीरपुरग्रामे ॥

११६५. सं. १५६८ वर्षे माघशुदि ५ गुरौ श्रीश्रीमाली श्रे० हीरा भा० रमाई पु० श्रे० श्रीवंतेन भातृश्रीपालयुतेन श्री अंचलगच्छे श्रीभाव- वर्धनसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन सूरिभिः ।

११६६. सं. १५७० ज्येष्ठशुदि ५ श्रीश्रीमालज्ञातीय भा०

हेमा भा० तपणीपुत्र्या सा० देईआ भा० देवलदे सु० सा० महिगा भार्यया श्राविकाममाईनाम्न्या स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीलक्ष्मीसागरसूरिश्रीसोमदेवसूरिभिः ॥

११६७. सं. १५१२ ज्ये. वदि १ गुर्जरज्ञा० वडलीवा० मं० नरपाल भा० सूरी सुतया मं. गोपाभार्यया श्रा० रमाईनाम्न्या सं० हरपति महूआ वरजांग भ्रातृयुतया श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपा सोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

११६८. सं. १५२४ वर्षे वैशाखवदि ७ शुक्रे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० जेहिग भा० पनू सु० पूनाकेन भा० हर्षू पु० गणपत्यादियुतेन श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

११६९. सं. १५११ वर्षे वैशाखसुदि ६ प्रा० ज्ञा० व्य० मेघा भा० धरणू सु० व्य० मतिगेन भा० सिरियादे भ्रातृ व्य० सामा(?) सुत कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० वृद्. तपागच्छे श्री.... पट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः निकामपुरे वा० सिंगा ॥

११७०. सं. १५२४ वर्षे वैशाखसुदि ६ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० नरपाल भा० चमकू(?) सु० वरूआ भा० चमकू सु० धर्मसिंहा-केन भ्रा० वरणा भीम.... युतेन स्वपितृश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं श्रीपूर्णिमा० श्रीगुणधीरसूरि.... का० प्र० विधिना ....॥

११७१. सं. १५०४ वर्षे ज्ये. सुदि ९ रवौ श्रीश्रीमाल० श्रे० .... भा० धानू सु० पचा(?) भा० देषू सु० .... श्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं पूर्णिमापक्षे श्री.... का० प्र० विधिना ॥

११७२. सं. १५०८ ....ज्ञा० श्रे० देपाल भा०

सु० जेमा भा० लाछी सु० समधरेण स्वश्रेयोर्थं श्रीवर्धमानबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकैः श्रीरत्नशेखरसूरिभिः इहिम्मदावादे ॥

११७३. सं. १५२३ वर्षे वैशाखशुदि ३ बुधे प्राग्वाटज्ञा० व्युमंत्रि....भा० वडी सु० महिराज भा० अमकू पु० जावडादिसहितेन श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० द्विवंदनीकगच्छे सिद्धाचार्यसंताने भ० श्रीसिद्धसूरिभिः कुणगिरग्रामवास्तव्य. ॥

११७४. सं. १५४७ माघशुदि १३ रवौ श्रीश्रीमालछाजडगोत्रे सा० साल्हा भा० सरसति पु० सा० कुंरा भा० बडू पु० सा० हेमा भा० हांसी हर्षदे प्रमुखयुतेन श्रीअभिनंदनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिपट्टालंकारश्रीजिनचन्द्रसूरिपट्टे श्रीजिनसमुद्रसूरिभिः ॥

११७५. सं १४८१ वर्षे आषाढशुदि २ रवौ उपकेशज्ञा० चेचटगोत्रे सा० श्रीमोनपाल पु० सदयराज भा० विमलादे पु० सा० सुभकरण मातृ श्रेयसे श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीउपकेशगच्छे ककुदाचार्यसंताने श्रीसिद्धसूरिभिः ॥

११७६. सं. १४९२ वर्षे श्रीऊकेशवंशे कांकरीयागोत्रे सा० मोहड भा० हीरादे तत्पुत्रेण साधुधारेण श्रीपार्श्वनाथमूर्तिः का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः फागुणवदि १० ॥

११७७. सं. १५६९ वर्षे फागुणवदि २ शुक्रे उपकेशज्ञा० ठ० घना भ० पूनादे पु० ठ० वरसिंहेन पितृमातृश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

११७८. सं. १४८३ वर्षे फागुणशुदि १० गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० वनराज भा० मची पु० टोला श्रेयसे व्य० सहजा श्रीशांतिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीगुणसागरसूरीणामुपदेशेन का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

११७९. सं. ११४३ श्रीनाणकीयगच्छे स्वगुरुभ्रातुपननतः श्रेयेः श्रीवीरनाथबिंबं चापणसुदेवऊल्भदेवडमनि ॥

११८०. सं. १५२० वर्षे ज्ये. शुदि २ दिने ऊकेशवंशेचोपडागोत्रे सा० वरसिंह भा० मोपू पुत्रेण सा० गणपतियुतेन सं० धणपतिना भा० मं० हर्षू पु० पूनसिंहायुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीश्रीजिनसागरसूरिभि खरतरगच्छेश्वरैः ॥

११८१. सं. १५२४ वैशाखशुदि ३ सोमे श्रीश्रीमाली सा० रत्ना भा० संपविनीपूरीनाम्न्या स्वश्रेयसे देवीश्रीपद्मावतीमूर्त्ति. का० प्र० श्रीसूरिभि. ॥

११८२. सं. १५८० ज्ये. शुदि १४ व्य० अभयसिंह पु० रूपा व्य० लोला पु० सामंतउभाभ्यां श्रीअंबिका कारिता श्रीहारिज्यगच्छे ॥

११८३. सं. १५६१ वर्षे वैशाख शुदि १३ शुक्रे आगुलिकान्वयश्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० मूजर भा० मावल्दे सु० श्रे० रामण भा० देमति प्रमु कुटुंबसहितेन श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपगच्छे श्रीउदयसागरसूरिभि. ॥

११८४. सं. १५६४ वर्षे वैशाखवदि १२ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० वर्धमान भा० गोरी पु० सा० धना भा० गेली पु० सा० श्रीराजसुश्रावकेण भा० पनी पु० नाथर प्रमुखकुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छेशश्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन श्रीअहम्मदावादनगरे ॥

११८५. सं. १५६७ वैशाखशुदि १० बुधे श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० मं. धना सु० पोमा भा० हीरू सु० डूंगर रंगाकेन भ्रातृ मांडण सहितेन मातृपूर्वजश्रेयोऽर्थं आत्मश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० भ० श्रीगुणचन्द्रसूरिभिः श्रीमरोडाग्रामस्य ॥

११८६. सं. १४३६ वैशाखसुदि ३ रवौ श्रीमालज्ञातीय राजा मातृ छाडी भ्रातृ गोराकमाल्हणप्रमुख मांडणश्रेयोऽर्थं श्रे० जांवृकेन श्रीराम-प्रभबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणाकरसूरिभि. ॥

११८७. सं. १६३२ वर्षे वैशाखसुदि ३ सोमवारे प्राग्वाटज्ञा० वृद्धशाखायां दो० श्रीपाल सु० हरनाकेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० वृद्ध-तपापक्षे भट्टारकप्रभुश्रीहीरविजयसूरिभि ॥

११८८. सं. १५२१ वर्षे मार्ग.सुदि १० भृगौ प्राग्वाटज्ञा० व्य० देवराज भा० अवकू पु० सं० हरराजेन भा० चंगाई पु० सहसमल्ल-रत्नपाल प्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीचन्द्रप्रभबिंब का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखर-सूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि गन्धारे ॥

११८९. सं. १४२१ वर्षे ज्येष्ठसुदि ११ शनौ गूर्जरज्ञा० दोसी माला भा० माल्हणदे सु० रत्नाश्रेयसे श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीदेवचन्द्रसू-रीणां पट्टे श्रीरामचन्द्रसूरीणामुपदेशेन ॥

११९०. सं. १३४९ वर्षे कार्त्तिकवदि १ सोमे [illegible] श्रीमालज्ञा० सो० गोईयाकेन भा० फल्हू श्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० सु० सो० देदा सो० वीरा सो० हांसा आना सूरा मालादिसुतेन का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिशिष्य श्रीउदयसागरसूरिभि ॥

११९१. सं. १५१८ ज्येष्ठवदि १ दिने [illegible] प्राग्वाटज्ञा० आसा भा० मरुदेवी सु० सं० राउलेन भ्रातृ [illegible] भा० [illegible] वरजू [illegible] सु० [illegible] [illegible]युतेन सु० सं० [illegible]श्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० [illegible] [illegible]सूरिभि ॥

११९२. सं. १५७१ वर्षे माघवदि १ सोमे श्रीमल्लनगरवास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० व्य० महिता भा० लीली सु० रूपाकेन भा० रामदे सु० वर्धमान भा० नाथी भ्रा० भा० राणी सु० धमलसी प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथचतुर्विंशतिपट्ट का० प्र० तपागच्छे श्रीसुमतिसाधुसूरिपट्टे परमगुरुगच्छनायकश्रीहेमविमलसूरिभि ॥

११९३. सं. १५०२ वर्षे पोषवदि वडलीग्रामे प्राग्वाटज्ञा० व्य० उमा भा० उमादे सु० मं० कोल्ह भा० भीविणि सु० राजानो दारतना वधूवानूपाणिकिलकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्रीजयचन्द्रसूरिभि ॥

११९४. सं. १५१९ वर्षे मार्ग.शुदि १५ त्रिगंगासारगिनागरवाव० श्रे० वरण भा० रूपिणी पु० व्य० अमरेन भा० धांपायुतेन निज श्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिपट्टालंकार श्रीरत्नशेखरसूरिभि ॥

नोंढापोळ श्रीजगवल्लभपार्श्वनाथजीना देरासा लेखो.

११९५. सं. १५२१ वर्षे माघशुदि ११ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रीउकेशवंशे वारुकायोवैवे सा० विमराज भा० माङ् पु० मेरुद भा० भदू पु० राणा भा० राजादे पु० मारुदन सोहन रूपदन कुल्ह सहि० पूर्वजश्रेयसे श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० चन्द्रगच्छीय श्रीदेव चन्द्रसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि प्रतिष्ठिताम्नाय ॥

११९६. सं. १५६० वर्षे वैशाखवदि १२ बुधे श्रीओसवाल

ज्ञा० व्य० लीबा भा० रत्नी सु० राजा भा० माकू सु० घना मंगलदास सहितेन पूर्वजश्रेयोऽर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीचैत्रगच्छे चांद्रसमीयश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

११९७. सं. १४९४ वैशाखवदि ११ रवौ प्राग्वाटज्ञा० व्य० लोला भा० बा० रूपू तयोः सु० व्य० पूना भा० बा० मल्हणदे तेषां श्रेयोऽर्थं सु० रूदाकेन श्रीशान्तिनाथबिंबं पंचायतेन का० प्र० श्रीसूरिभिः मातुपू० श्रीजिनसिंहसूरीणामुपदेशेन ॥

११९८. सं. १४७२ वर्षे फागणशुदि ९ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० धंता सु० श्रे० टुंडा भा० नांतादे सुतेन श्रे० आल्हाकेन स्वकुटुंबसमेतनिमित्तं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीदेवचन्द्रसूरिभिः ॥

११९९. सं. १५०२ वर्षे माघशुदि १० रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० जोगा भा० गंगादे सु० जमा रत्ना वीरा भा० पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० नागेन्द्रगच्छे श्रीरत्नाकरसूरिपट्टे श्रीविनयप्रभसूरिभिः ॥

१२००. सं. १५५३ वर्षे वैशाखशुदि १३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० रामा भा० सोही सु० सा० पहिराजकेन भा० अनी सु० राजा हरदास लखराज रविदास प्रमुखकुटुंबयुतेन निजपूर्वजमातृपितृश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे सं० श्रीपुण्यरत्नसूरीणामुपदेशेन का० प्र० च विधिना ॥

१२०१. सं. १४६९ वर्षे फागुणशुदि २ ऊकेशवंशे सं० सोहिया सु० सं० सं० दिवा भा० सांतु पुत्रेण सम रीणा निजपितुः श्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीदेवसुन्दरसूरिशिष्यश्रीकुलरत्नसूरिभिः ।

१२०२. सं. १५१२ वैशाखवदि ५ शनौ श्रीओसवंशे सा० देवसी भा० हेमाई पुत्रेण संघपतिगुणराजेन भा० सोमाई प्रमुख

कुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छगुरुश्रीजयकेसरिसूरिउपदेशेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१२०३. सं. १५२१ वर्षे ज्येष्ठ० शुदि ९ शुक्रे उपकेशज्ञा० सहदेव पु० सूरा भा० राभू पु० धीमाकेन आत्मश्रेयसे श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीकोरंटगच्छे श्रीककसूरिपट्टे श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

१२०४. सं. १४२९ वर्षे माघवदि ७ बिंबप्रतिष्ठायां सं० पूर्णपालप्रासादे श्रीमहम्मदशाहभार्यया नयणादेव्या आत्मश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० ककुदाचार्यसंतानीयदेवप्रभसूरिभिः ॥

१२०५. सं. १५११ वर्षे आषाढशुदि २ रवौ प्राग्वाटज्ञा० षा० तेजा भा० मनी पु० रूपा भा० धनी पुत्र परिवृ(ता) स्वश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसिद्धाचार्यसंतानीयदेवप्रभसूरिभिः ॥

१२०६. सं. १५६४ वर्षे वैशाखवदि १२ बुधे श्रीश्रीमाली मं० कर्मण भा० गोरी पु० सा० धना भा० गेरी पु० सा० श्रीराजगुआदेशेन सा० धनापुण्यार्थं अंचलगच्छेशश्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन श्रीभट्टनगरवास्तव्ये ॥

१२०७. सं. १५०९ वर्षे श्रीमालज्ञातीय श्रे० रत्ना भा० लिलू सु० श्रे० हेमराजेन भ्रातृ हर्षा भा० बा भा० हर्षी सु० हेमादिकुटुंबयुतेन सकुलदेवताश्रेयसे० श्रीवासुपूज्यजिनबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१२०८. सं. १५७७ वर्षे फाल्गुनशुदि ८ सोमे श्रीमालज्ञा० दो० माधव भा० मनादे पु० सा० वीरपालेन उ० श्रीविवेकसागरउपदेशात् श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीपत्तनगच्छेशश्रीरत्नदेव० श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

१२०९. सं. १५९९ वर्षे फाल्गुनशुदि ११ बुधे श्रीउपकेशज्ञा०

मा. कूरपाल मा० कमलादे सु० कर्मसी श्रीआदिनाथबिंबं का० तपागच्छे श्रीआणंदविमलसूरिभिः प्र० नित्यं प्रणमन्ति ॥

१२१०. सं. १४६९ वर्षे फा. वदि २ शुक्रे प्राग्वाटज्ञा० ठ. नीनी भा० हीमादे पु० ठ० हीराकेन पित्रोः श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० पूर्णिमाप० श्रीसूरीणामुपदेशेन ॥

१२११. सं. १४५९ चैत्र वदि १ श्रीश्रीमालज्ञा० मांडण भा० पूनउ सु० तिहुणाकेन पितृमातृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णिमापक्षीयश्रीसुमतिसिंहसूरीणामुपदेशेन ॥

१२१२. सं. १५१६ वर्षे कार्तिकवदि १ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० भीमा सु० श्रे० पांचा भा० लापू सु० श्रे० समधर भा० मरगदे तया स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरिगुरूपदेशेन का० प्र० च ॥

१२१३. सं. १३१० माघे देकावाटकीय श्रे० सारंग भा० नागी पु० कर्माकेन भा० मकी पु० माटेयादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीवर्द्धमानबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१२१४. सं. १५१६ वर्षे फागुणशुदि १२ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० चउर भा० चांपलदे सु० डूंगरेन भा० जाणी पु० मेलामहितेन पितृमातृभ्रातृ थांपा स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथमुख्यचतुर्विंशतितीर्थी का० प्र० पिप्पलगच्छे भ० श्रीउदयदेवसूरिभिः कोनरवाडावास्तव्य ॥

१२१५. सं. १५१२ वर्षे पोषशुदि १० बुधे वीरवाडासिश्रीश्री-मालज्ञा० श्रे० मेगा भा० हेमाइ पु० श्रे.........भा० फूदी भ्रा० वेगा भा० वउदे सु० कोरा भा० तिरि सु० आंपादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥ अं० श्रीआणंदसूरि.

१२१६. सं. १५८७ वर्षे माघवदि ८ गुरौ श्रीवीजापुरवास्तव्य श्रीश्रीमाल्ज्ञा० मं. तीपा भा० जमाई सु० मं० रीडाकेन भा० सहजल्दे प्रमुखयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीआगमगच्छे श्रीउदयरत्नसूरिभिः ॥

१२१७. सं. १५०८ वर्षे आषाढशुदि २ सोमे अहम्मदावादवास्तव्य ओसवालज्ञा० दो० धीरण भा० हीरू सु० दो० जोगा पद्मसीभगिनी रोहिणीनाम्न्या भ्रातृमराणानरजावडवडूयादियुतया श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभि ॥

१२१८. सं. १५१९ वर्षे ज्येष्ठशुदि ९ शुक्रे श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० वीमन भा० प्रथमा रत्नू द्वि० भा० मनी सु० घुघाकेन गृहीतप्रदर्जेन भ्रातृरत्ना हरीआ नरीया मरवणसहितेन स्वमातृपितृश्रेयसे श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीविमलसूरिभिः ॥

१२१९. सं. १५१३ वर्षे माघशुदि ९ रवौ ऊ० ज्ञा० अहमदावादवास्तव्य सा० रूपा भा० रूपादे सु० फूयाकेन भा० रमाई सु०धउलादियुतेन भा० मूलश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

१२२०. सं. १६९६ वर्षे वैशाखमासे शुक्लपक्षे ६ तिथौ सोमवारे श्रीअहिम्मदावादवास्तव्य श्रीऊकेशज्ञा० सा० वेवाराईसुहादिनिपुरसर.....................आत्मश्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीविजयदेवसूरिभि. ॥

१२२१. सं. ११२४ फागुणशुदि ३......................श्रीऋषभदेवबिंबं का०.प्र० श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

१२२२. सं. १५१६ वर्षे का० व० २ सोमे दामीग्रामे श्रीश्री-

माल व्य० कान्हा भा० राजू सु० गदिमा भोजा गजा भ्रातृ चांपाकेन भा० चांपाईसुतेन पितृश्रेयसे श्रीधर्मनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीमतितिलकसूरिपट्टे श्रीराजतिलकसूरीणामुपदेशेन प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१२२३. सं. १५१६ वर्षे वैशाखसुदि ५ शुक्रे ओसवालज्ञा० श्रे० माल्हा भा० गांगी सु० मीवर भा० मिरियादे सु० भीमा निज-कुटुंबश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसिंहसूरिभिः ॥

१२२४. सं. १५०४ वर्षे ज्ये.शुदि ९ रवौ श्रीकोरंटगच्छे उपकेशज्ञा० सा० मालिग भा० मुलेसरि पु० ऊदाकेन भा० मीमीसहि-तेन पितृमातृनिमित्तं श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीसावदेवसूरिभिः ॥

१२२५. सं. १४७३ वर्षे फागुणवदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० पितृमहिपा मातृमीमीश्रेयसे सु० ठाकुरसिंहेन श्रीआदिनाथबिंबं का० पूर्णिमाप० श्रीजयतिलकसूरीणामुपदेशेन प्र० सूरिभिः ॥

१२२६. सं. १४८७ वर्षे माघशुदि ९ गुरौ देवराजपुरवास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० श्रे० मामंन भा० गुरदेवी सु० श्रे० देवाकेन आत्मश्रेयसे श्रीपार्श्वनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० आगमगच्छेशश्रीअमरसिंहसूरिपट्टे श्रीहे-मरत्नसूरीणामुपदेशेन प्र० विधिना श्रीसंघेन ॥

१२२७. सं. १४२९ वर्षे ज्ये. वदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० ठ० गोपाल भा० सूदे सु० ठ० श्रामलेन निजमातृपितृश्रेयसे श्रीआदि-नाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभि ॥

१२२८. सं. १५२९ वर्षे फागुणसुदि ७ शनौ प्राग्वाट श्रे० लांब भा० चमकू सु० श्रे० तेजाकेन भा० मांगदे सु० हांसादि-कुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायकश्री-लक्ष्मीसागरसूरिभि. ॥

१२२९. सं. १५२१ वर्षे ज्ये. मासे टीमावास्तव्य० प्र० गिरा भा० सहमल्दे सु० श्रे० मूलाकेन भा० सोहा सु० धर्मसी श्रीमत् भातृमेलादिकुटुंबयुतेन निजश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपा- पक्षे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१२३०. सं. १४९५ वर्षे वैशाखसुदि २ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० कडूया भा० कामल्दे पितामही माणू श्रेयोऽर्थं सु० आसाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० त्रिभवीयाश्रीधर्मचंद्रसूरिभिः ॥

१२३१ सं. १४८४ वर्षे वैशाखसुदि ९ शुक्रे श्रीपत्तनवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० आका भा० गांगी सु० श्रे० मूलाकेन स्वपि० श्रीरत्न श्रेयोऽर्थं श्रीआगमगच्छेशश्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन श्रीसुमति- नाथादिपंचतीर्थी का० प्र० च विधिना ॥

१२३२. सं. १५१२ वर्षे पोषवदि २ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० पितृ श्रीपा मातृवील्हणदे सु० मागिणि स्वश्रेयसे श्रीविमलनाथमिश्रीमुनि- सुव्रतस्वामिबिंबं का० श्रीपूर्णि० श्रीसाधुरत्नसूरीणामुपदेशेन प्र० ।

१२३३. सं. १५०१ वर्षे ज्ये. वदि १० श्रीश्रीमालज्ञा० दो० महिपा भा० वारू सु० दो० नरपाल भा० नागल्दे सु० कर्मणकेन स्वमातृश्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१२३४. सं. १५८७ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० दो० वडूआ भा० रमाई सु० दो० सिंहा भा० धनी सु० दो० जीवा- केन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० पूर्णि० श्रीमुनिचंद्रसूरी- णामुपदेशेन प्र० ॥

१२३५. सं. १५११ वर्षे आषाढ सुदि ९ शनौ ब्रह्म० दूदा भा० हीरू सु० रत्न भा० अमरीकेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीश्रीविमलधर्मसूरिभिः ॥

१२३६. सं. १३६० वर्षे वैशाखशुदि ३ बुधे श्रीश्रीवंशे मं० हरपति भा० रतनू पु० मं० वाघाप्रुश्रावकेण भा० वहाली पु० मं० श्रीराजश्रीनमहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन मंडलीनगरे ॥

१२३७. सं. १३८७ वर्षे फा. शुदि १० गुरौ श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीजिनेश्वरसूरिसंताने मं० जयतसिंहा मई० श्रे०....आत्मश्रेयोर्थं वीणाकेन मूलनायकश्रीमहावीरस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः का० ॥

१२३८. सं. १३१० वर्षे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० जीवा भा० वडु सु० मनाकेन भा० मनकू सु० वेलादिकुटुंबयुतेन पितृव्य० श्रे० गोमा श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० ब्रह्माणगच्छे श्रीविमलसूरिभिः ॥

श्रीशान्तिनाथजीना देरासरना लेखो.

१२३९. सं. १५११ वर्षे माहशुदि ८ बुधे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० सीपा भा० हर्षू पु० धर्मसी....भा० गउरीकअरीयुतेन पितृमातृ हर्षेण श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० उकेशगच्छे सिद्धाचार्यसंताने श्रीककसूरिभिः ॥

१२४०. सं. १४९२ वर्षे चैत्रवदि ९ शुक्रे उपकेशज्ञा० व्य० सीहा भा० सीहादे पितृमातृश्रेयसे सुतशिवाकेन श्रीअनंतनाथमुख्यपंचतीर्थी कारापिता पूर्णिमा० श्रीभीमपल्लीयश्रीपासचन्द्रसूरिपट्टे श्रीजयचन्द्रसूरीणामुपदेशेन प्र० ॥

१२४१. सं. १९८७ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीओसवंशे सा० नरपाल भा० मरगाई स्वश्रेयोर्थं पु० सा० जगा सा० धना सा० देवदास

पौत्र रायमल सा० जगवीर पासवीर प्रमुखकुटुंबसहितेन श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंब का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१२४२. सं. १५६६ वर्षे वैशाखवदि ११ ओसवालज्ञातीये महेतागोत्रे सा० सारंग पु० सा० पाल्हा भा० देउ पु० धीरा भा० लही आत्मश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंब का० श्रीचन्द्रगच्छे भ० श्रीअमरचन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीदेवचन्द्रसूरिभि प्र० ॥

१२४३. सं. १५१२ वर्षे वैशाखसुदि २ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० सहसवीर भा० अमरादे पु० धर्मसी भातृ मेघराज भातृ हेमराज स्वकुटुंबआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभि ॥

१२४४. सं. १५४२ वर्षे वैशाखवदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० सागा भा० मानल्दे पु० मं० धीमसेन भा० धर्माई पु० सहित सहितेन भातृहेमाश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० मडुवरगच्छे श्रीमुनिप्रभसूरिभि. प्र० सार्णेश्वरग्रामे ॥

१२४५. सं. १५०७ वर्षे माघसुदि ११ बुधे श्रीमाल० श्रे० आसा भा० तेजू पु० पारदा भा० पारहणदे पु० लखा प्र० देवासहितेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० भ० श्रीजिनरत्नसूरिभि ॥

१२४६. सं. १५१९ वर्षे वैशाखसुदि १ प्राग्वाटज्ञा० व्य० देल्हा भा० वालू पु० देवादेन भा० देवलदे भातृ व्य० वासा प्रमुख कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपागच्छे श्रीज्ञानसागरसूरिभि ॥

१२४७. सं. १५१६ वर्षे आषाढसुदि ९ गुरौ सा० हरदेवेन भा० धुरीमदे सपरिवारेण श्रीशीतल का० ॥

१२४८. सं. १५७९ वर्षे ज्येष्ठवदि ७ व्य० देवा भा० लखम पु० सा० वहूला प्रमुखैस्तेन भा० रामदे पु० हरा आत्म श्रेयसे श्री-

१२३६. सं. १५१० वर्षे वैशाखसुदि ३ गुरौ श्रीश्रीवंशे मं० हरपति भा० रतनू पु० मं० पासासुश्रावकेण भा० वसाही पु० मं० श्रीरामश्रीरंगसहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीजयकेसरसूरिगुरूपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन मंडलीनगरे ॥

१२३७. सं. १३८७ वर्षे फा. सुदि १० गुरौ श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीजिनेश्वरसूरिसंताने मं० जयतसिंह मह० श्रे०....आत्मश्रेयोर्थं वीरा- केन मूलनायकश्रीमहावीरस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः का० ॥

१२३८. सं. १५१० वर्षे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० श्रे० जीवा भा० वहु सु० मनाकेन भा० मनकू सु० वेलादिकुटुंबयुतेन पितृव्य० श्रे० पोमा श्रेयोर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० ब्रह्माणगच्छे श्रीविमलसूरिभिः ॥

श्रीशान्तिनाथजीना देराना लेखो.

१२३९. सं. १५११ वर्षे माहसुदि ८ बुधे श्रीश्रीमाल्ज्ञा० सीधा भा० हर्षू पु० धर्मसी....भा० गउरीकुअरीयुतेन पितृमातृ हर्षेण श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० उकेशगच्छे सिद्धाचार्यसंताने श्रीककसूरिभिः ॥

१२४०. सं. १४९२ वर्षे चैत्रवदि ९ शुक्रे उकेशज्ञा० व्य० सीहा भा० सीहादे पितृमातृश्रेयसे सुतशिवाकेन श्रीअनंतनाथमुख्यपंचतीर्थी कारापिता पूर्णिमा० श्रीभीमपल्लीयश्रीपासचन्द्रसूरिपट्टे श्रीजयचन्द्रसूरी- णामुपदेशेन प्र० ॥

१२४१. सं. १५८७ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीओसवंशे सा० नाथाल भा० मरगाई स्वश्रेयोर्थं पु० सा० जगा सा० धना सा० देवदास

पौत्र रायमठ सा० जसवीर पासवीर समस्तकुटुंबसहितेन श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१२४२. स. १९३३ वर्षे वैशाखवदि १३ ओसवालान्वये महेतागोत्रे सा० मारंग पु० सा० काला भा० देउ पु० धीरा भा० राही आत्मश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० श्रीचन्द्रगच्छे भ० श्रीअमरचन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीदेवचन्द्रसूरिभि प्र० ॥

१२४३. सं. १९१२ वर्षे वैशाखशुदि २ शनौ श्रीप्राग्वाटज्ञा० व्य० सहसवीर भा० अमरादे सु० वनंगी भ्रातृ मेघराज भ्रातृ संघराज स्वकुटुंबआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभिः॥

१२४४. सं. १५४३ वर्षे वैशाखवदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० नागा भा० नागलदे सु० मं० पीमाकेन भा० चंपाई सु० सहिजासहितेन भ्रातृहेमाश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० मड्डाहडगच्छे श्रीमुनिप्रभसूरिभिः प्र० साणंदग्रामे ॥

१२४५. सं. १५०७ वर्षे माघशुदि ११ बुधे नागरज्ञा० श्रे० आसा भा० तेजू सु० पाल्हा भा० पाल्हणदे सु० मुक्ता सा० देवासहितेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० भ० श्रीजिनरत्नसूरिभिः ॥

१२४६. सं. १९१६ वर्षे वैशाखशुदि ३ प्राग्वाटज्ञा० व्य० वेला भा० धरणू सु० देवाकेन भा० देवलदे भ्रातृ व्य० धानर हल्प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० बृहत्तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१२४७. सं. १९१६ वर्षे आषाढशुदि ९ शुक्रे सं० कान्हाकेन भा० कुतिगदे ऋणीयुतेन श्रीगौतम का० ॥

१२४८. सं. १५४९ वर्षे ऊकेशवंशे सा० पोपा भा० सारू पु० सा० मडूया सुश्रावकेण भा० कपूराई पु० हदा अदा श्रीपाल्ह परि-

१२३६. सं. १६९० वर्षे वैशाखशुदि ३ बुधे श्रीश्रीवंशे मं० हरपति भा० रतनू पु० मं० वाघामुथावरूंग भा० वहाली पु० मं० श्रीराजश्रीवंतसहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन मंडलीनगरे ॥

१२३७. सं. १३८७ वर्षे फा. शुदि १० गुरौ श्रीनागगच्छे श्रीजिनेश्वरसूरिसंताने मं० जयपतिना महं० श्रे०....आत्मश्रेयोऽर्थं वीणाकेन मूलनायकश्रीमहावीरस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः का० ॥

१२३८. सं. १५१० वर्षे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० जीवा भा० वहु सु० मनाकेन भा० मनकू सु० वेलादिकुटुंबयुतेन पितृव्य० श्रे० पोमा श्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० ब्रह्माणगच्छे श्रीविमलसूरिभिः ॥

श्रीशान्तिनाथजीना देराना लेखो.

१२३९. सं. १५११ वर्षे माहशुदि ८ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० सीपा भा० हर्षू पु० धर्मसी....भा० गउरीकुअरीयुतेन पितृमातृ हर्षेण श्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० उकेशगच्छे सिंहाचार्यसंताने श्रीककसूरिभिः ॥

१२४०. सं. १४९२ वर्षे चैत्रवदि ९ शुक्रे उपकेशज्ञा० व्य० सीहा भा० सीहादे पितृमातृश्रेयसे सुतशिवाकेन श्रीअनंतनाथमुख्यपंचतीर्थी कारापिता पूर्णिमा० श्रीभीमपल्लीयश्रीपासचन्द्रसूरिपट्टे श्रीजयचन्द्रसूरीणामुपदेशेन प्र० ॥

१२४१. सं. १५८७ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीओसवंशे सा० नरपाल भा० मरगाई स्वश्रेयोऽर्थं पु० सा० जगा सा० धना सा० देवदास

पौत्र रायमल सा० जमवीर पामवीर प्रमुखकुटुंबसहितेन श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंब का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१२४२. सं. १५११ वर्षे वैशाखवदि ११ ओसवालान्वये मद्देतागोत्रे सा० सारंग पु० सा० काला भा० देउ पु० धीग भा० रही आत्मश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंब का० श्रीचन्द्रगच्छे प० श्रीअमरचन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीदेवचन्द्रसूरिभि प्र० ॥

१२४३. सं. १५१९ वर्षे वैशाखसुदि २ शनौ श्रीप्राग्वाटज्ञा० व्य० सहसवीर भा० अमराई सु० वर्जगी भ्रातृ मेघराज भ्रातृ संघराज स्वकुटुंबआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंब का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभि ॥

१२४४. सं. १५४५ वर्षे वैशाखवदि १० बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० नागा भा० नागलदे सु० मं० धीमाकेन भा० धनाई सु० सहिसा सहितेन भ्रातृहेमाश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० मडूहडगच्छे श्रीमुनिप्रभसूरिभि प्र० सांगरपालं ॥

१२४५. सं. १५०७ वर्षे माघसुदि ११ बुधे प्राग्वाट० श्रे० आमा भा० हेजू सु० पाल्हा भा० पाल्हणदे सु० मूंजा सा० हिरा० सहितेन श्रीविमलनाथबिंब का० प्र० भ० श्रीजिनरत्नसूरिभि ॥

१२४६. सं. १५१६ वर्षे वैशाखसुदि १ प्राग्वाटज्ञा० .श्रे० वेना भा० भरमू सु० देवाकेन भा० देवलदे भ्रातृ श्रे० वच्छा प्रमुख कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० वृद्धतपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभि ॥

१२४७. सं. १५१८ वर्षे आषाढसुदि ९ बुधे सं० वच्छाकेन भा० कुतिगदे भर्तृपुत्रेन श्रीनेमि का० ॥

१२४८. सं. १५२८ वर्षे ज्येष्ठवदि ४ श्रे० देपा भा० जाक पु० सा० वडूआ पुत्रवरेन भा० वरजाई पु० हापा वला श्रीचन्द्रप्रभ०-

१२१६. सं. १५९० वर्षे वैशाख सुदि २ बुधे श्रीश्रीवंशे सं० हरखी भा० राजू पु० सं० [illegible] भा० [illegible] पु० सं० श्री[illegible] स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्री[illegible] श्री[illegible]बिंबं का० प्र० श्रीगच्छेश [illegible] ॥

१२१७. सं. १५८० वर्षे फा. सुदि १० बुधे श्री[illegible] श्री[illegible] सं० [illegible] भा० [illegible] श्री[illegible] [illegible] का० ॥

१२१८. सं. १५१० वर्षे श्रीश्रीमाल० सं० [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible] भा० [illegible] सं० [illegible] श्री[illegible] का० [illegible] श्री[illegible] ॥

श्रीशान्तिनाथजीका देरासर लेख

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पौत्र रायमल सा० जसवीर पासवीर प्रमुखकुटुंबसहितेन श्रीगुणनिधानसूरीणामुपदेशेन श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१२४२. सं. १५३३ वर्षे वैशाखवदि १२ ओसवालान्वये महेतागोत्रे सा० सारंग पु० सा० काला भा० देउ पु० धीरा भा० हरी आत्मश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० श्रीचन्द्रगच्छे भ० श्रीभमरचन्द्रसूरिपट्टे भ० श्रीदेवचन्द्रसूरिभि. प्र० ॥

१२४३. सं. १५१२ वर्षे वैशाखसुदि ३ शनौ श्रीमालज्ञा० व्य० सहस्रवीर भा० अमरादे सु० वर्जंगी भ्रातृ मेघराज भ्रातृ संघराज स्वकुटुंबआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभि ॥

१२४४. सं. १५४३ वर्षे वैशाखवदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० नागा भा० मागलदे सु० मं० पीमाकेन भा० चपाई सु० सहिजा सहितेन भ्रातृहेमाश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० मड्डाहडगच्छे श्रीमुनिप्रभसूरिभि: प्र० साणंदग्रामे ॥

१२४५. सं. १५०७ वर्षे माघसुदि ११ बुधे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० आसा भा० तेजू सु० पाल्हा भा० पाल्हणदे सु० सुरा सा० देवसहितेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० भ० श्रीजिनरत्नसूरिभि: ॥

१२४६. सं. १५१६ वर्षे वैशाखसुदि ३ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० वेला भा० वानू सु० देवादे भा० देवलदे भ्रातृ व्य० वनार हद प्रमुख कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभि: ॥

१२४७. सं. १५१६ वर्षे आषाढसुदि ९ शुक्रे सं० [illegible] भा० [illegible] [illegible] श्रीशीतल का० ॥

१२४८. सं. १५४९ वर्षे [illegible] सा० देपा भा० [illegible] पु० सा० वरूता [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible] श्री[illegible]

१२३६. सं. १६६० वर्षे वैशाखशुदि ३ बुधे श्रीश्रीवंशे मं० हरपति भा० रतनू पु० मं० वाछाप्रुश्रावकेण भा० वहाली पु० मं० श्रीराजश्रीवंतसहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छे श्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन मंडलीनगरे ॥

१२३७. सं. १३८७ वर्षे फा. शुदि १० गुरौ श्रीनागरगच्छे श्रीजिनेश्वरसूरिसंताने मं० जयपतिना महं० श्रे०....आत्मश्रेयोऽर्थं वीणाकेन मूलनायकश्रीमहावीरस्वामिचतुर्विंशतिपट्टः का० ॥

१२३८. सं. १५१० वर्षे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० जीवा भा० वडू सु०: मनाकेन भा० मनकू सु० वेलादिकुटुंबयुतेन पितृव्य० श्रे० धोमा श्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० ब्रह्माणगच्छे श्रीविमलसूरिभिः ॥

श्रीशान्तिनाथजीना देराना लेखो.

१२३९. सं. १५११ वर्षे माहशुदि ८ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० सीधा भा० हर्षू पु० धर्मसी....भा० गउरीकुअरीयुतेन पितृमातृ हर्षेण श्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० उकेशगच्छे सिंहाचार्यसंताने श्रीकक्कसूरिभिः ॥

१२४०. सं. १४९२ वर्षे चैत्रवदि ९ शुक्रे उपकेशज्ञा० व्य० सीहा भा० सीहादे पितृमातृश्रेयसे सुतशिवाकेन श्रीअनंतनाथमुख्यपंचतीर्थी कारापिता पूर्णिमा० श्रीभीमपल्लीयश्रीरामचन्द्रसूरिपट्टे श्रीजयचन्द्रसूरीणामुपदेशेन प्र० ॥

१२४१. सं. १५८७ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीओसवंशे सा० नरपाल भा० मरगाई स्वश्रेयोऽर्थं पु० सा० जगा सा० धना सा० देवदास

पौत्र रायमल सा० जगवीर पामवीर प्रमुखकुटुम्बसहितेन श्रीपुण्यनि-
धानसूरीणामुपदेशेन श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंब का० प्र० श्रीगच्छेन ॥

१२४२. सं. १५११ वर्षे वैशाखशुदि ११ ओसवालान्वये मह-
तागोत्रे सा० सारंग पु० सा० काल्हा भा० देउ पु० धीरा भा० हरी
आत्मश्रेयसे श्रीशीतलनाथबिंबं का० श्रीचन्द्रगच्छे भ० श्रीअभयचन्द्र-
सूरिपट्टे भ० श्रीदेवचन्द्रसूरिभि प्र० ॥

१२४३. सं. १५१२ वर्षे वैशाखशुदि ७ शनौ श्रीप्राग्वाटज्ञा०
व्य० सहजवीर भा० अमरादे सु० धर्मसी भ्रातृ मेघराज भ्रातृ सीधराज
स्वकुटुंबआत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंब का० प्र० श्रीहेमविमलसूरिभि ॥

१२४४. सं. १५४१ वर्षे वैशाखवदि १० बुधे. श्रीश्रीमालज्ञा०
मं० नागा भा० नागलदे सु० म० पीमाकेन भा० चपाई सु० हरिया
सहितेन भ्रातृहेमाश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० पूर्णिमागच्छे श्रीमुनि-
प्रभसूरिभि. प्र० साणंदग्रामे ॥

१२४५. सं. १५०७ वर्षे माघशुदि ११ बुधे श्रीमाल० श्रे०
आसा भा० सेतु सु० पारहा भा० पारहणदे सु० गुरा सा० हेम-
सहितेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० भ० श्रीजिनरत्नसूरिभि ॥

१२४६. सं. १५१८ वर्षे वैशाखशुदि ३ प्राग्वाटज्ञा० व्य०
खेता भा० धारू सु० देवाकेन भा० देवलदे भ्रातृ व्य० कान्हा प्रमुख
कुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्न-
शेखरसूरिभिः ॥

१२४७. सं. १५१८ वर्षे आषाढशुदि ९ बुधे सा० कान्हाकेन
... हीरादे श्रेयोऽर्थं श्रीनेमि का० ॥

१२४८. सं. १५२९ वर्षे ज्येष्ठशुदि सा० देवा भा० हरख
सा० वरदा पुण्यार्थं भा० माणिक पु० हरदास प्रमुख कुटुंबसहि-

दास्मर्सीकेन श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० स्वश्रेयसे प्र० श्रीआगम० श्रीजिनचंद्रसूरिपट्टे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

१२८९. सं. १६१४ वर्षे वैशाखवदि ९ सोमे ओसवाल० मं० जीवा भा० अषू सु० नारद भा० हरांनादेविन निजभ्रातृ श्रे० पार्श्वनाथबिंबनीयां का० पूर्णिमा० श्रीरत्नतिलकसूरिउपदेशेन प्र० ॥

१२९०. सं. १६११ वर्षे आषाढवदि ६ शुक्रे ओसवाल प्राग्वाट० श्रे० आसा भा० मनकू सु० वस्ताकेन भा० गोरी ... युतेन स्वश्रेयसे श्रीसुमतिनाथादिचंवर्नीयां आगमगच्छे श्रीदेवरत्नसूरीणामुपदेशेन का० श्रीसंघेन प्र० ॥

१२९१. सं. १६६४ वर्षे पोषवदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालीय० गूणा भा० मनकू सु० पदू० पहिराजेन भा० अमरादे सु० गोईया विद्याधर मंगल प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे ... का० प्र० श्रीबृहत्तपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभिः श्रीअहम्मदावादे ॥

१२९२. सं. १६२९ वर्षे ज्ये. शुदि १० बुधे ओसवाल्ज्ञा० श्रे० साल्हा सु० रामसी भा० शाणी सु० पाता भा० मणिादे हरषेन भा० हीरादे गागा भा० तेजदे एभिर्मातृनिमित्तं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० श्रीचित्रगच्छे श्रीगुणदेवसूरिसंताने प्र० श्रीरत्नदेवसूरिभिः ॥

१२९३. सं. १६३४ वर्षे पोषवदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० देवा भा० अमकू सु० मादाकेन पितृमातृश्रेयोर्थं आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीवीरसूरिभिः सवाकूवासी वास्तव्य. ॥

१२९४. सं. १६०६ वैशाख शु० ११ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा मं०

मूलराज भा० शारू पु० मं० पंचायणसुश्रावकेण भा० सल्षू पु० सूरा शिवदास हरिचन्द्रसहितेन श्रीअंचलगच्छेशश्रीमयकेसरिसूरीणामुपदेशेन पत्नीश्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० श्रीसंघेन प्र. ॥

१२९५. सं. १५७२ वर्षे वैशाखशुदि ३ शनौ दिने घडाउला-गोत्रे उ० ज्ञा० पदमा भा० रुपिणि सु० बीना भा० हेमी द्वि. विम-लादे सु० सोनी लाभ सोनी भा० धनल्दे सु० संघहज लाला भा० लीलादे का० शवकर श्रीधर्मनाथबिंबं श्रीदेवरत्नसूरिभिः प्र० ॥

श्रीशान्तिनाथजीनी पोळ—श्रीशान्तिनाथजीना देराना लेखो.

१२९६. सं. १४०८ वैशाखशुदि ९ गुरौ....ज्ञा०........... वास्तव्य प्रपितामहश्रे०..........रूपिणी....नागपति पितृ छाहड भ्रातृ भीमसीह पितुः नरसिंह पितृव्य नरपाल....श्रेयसे सु० सुदाकेन श्रीआ-दिनाथबिंबं कां० विद्याधरगच्छे प्र० श्रीउदयदेवसूरिभि ॥

१२९७. सं. १६१२ वर्षे शा. १४७७ प्र० ज्ये. सुदि ११ शनौ छाहडगोत्रे सा. अमीपाल पु० मानापुत्रेन श्रीआदिनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० श्रीखरतरगच्छे प्र० श्रीविद्यारत्नसूरिभिः सर्वसंघार्थ ॥

१२९८. सं. १९२० अहमदाबादे ऊकेश कहडिआगोत्रे सा. सना भा० सूराई पु० सा० समरा अमरा पत्नसिंहैः सा० वंगाई गुराई पमाई प्रमुखकुटुंबयुतैः सा.अमरा भा० श्रेयसे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिशिष्यश्रीसोमदेवसूरिभिः ॥

१२५९. सं. १५१२ ऊकेश सा० लीवा भा० लीलादे सु० सा० राजा भा० राजलदेव्या श्रेयोर्थं श्रीसुविधिबिंबं का० प्र० तपाश्री सोमसुंदरसूरिशिष्यश्रीरत्नशेखरसूरिशिष्यश्रीउदयनंदीसूरिभिः सिद्धपुरे ॥

१२६०. सं. १५३१ वर्षे ज्ये. शुदि ३ ऊकेशज्ञा० श्रे० धणपाछ भा० मनी सु० लासी भा० फडू सु० वानर देवर धर्मा मांडण भ्रातृ हेमाकेन भा० वर्जू प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीककसूरिभिः श्रमग्रामे ॥

१२६१. सं. १३६८ वर्षे ज्ये. वदि १२ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० सोवीरसंताने मह. साहण पु० आदा आंबड भा० प्रीमलश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं पु० देवडेन का० प्र० पिप्पलाचार्यश्रीककसूरिभिः ॥

१२६२. सं. १५१६ वर्षे वैशाखवदि २ गुरु उपकेशज्ञा० पितृ सारंग मातृ सारू सु० पद्माश्रेयोर्थं भ्रातृ सूराकेन श्रीअभिनंदननाथबिंबं का० रुद्रपल्लीयगच्छे श्रीजिनराजसूरिभिः प्र० श्रीसंघेन वडुदावास्तव्य.॥

१२६३. सं. १५२४ वैशाखशुदि ३ ऊकेश सा० लाखा भा० हर्षू प्रमुखकुटुंबयुताभ्यां पितृव्य सं० कर्मसीश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

१२६४. सं. १५९१ वर्षे वैशाखवदि २ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० हरदेव भा० अरधू सु० श्रे० सहिसा भा० सहिजलदे पु० माला रांका भाणा वछा भा० वनादे आत्मश्रेयोर्थं श्रीश्रेयांसबिंबं का० श्रीवृद्धतपापक्षे भट्टा० श्रीजिनरत्नसूरिभिः प्र० मागडवास्तव्य. ॥

१२६५. सं. १५३२ वर्षे ज्ये. वदि १३ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० जयता सं० सहेज भा० कांऊं सु० जिणदासादियुतेन श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीअमरचन्द्रसूरिभिः ॥

१२६६. सं. १४६२ वर्षे वैशाखशुदि ९ शुक्रे *श्रीहारीजगच्छे* ओसवालज्ञा० श्रे० लाडा भा० लीलादे सु० धर्मादेवाभ्यां श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीशीलभद्रसूरिभि ॥

१२६७. सं. १४९६ वर्षे वैशाखशुदि ९ सोमे कुमलागोत्रे सा० चेता पु० सा० हरिया तत्पुत्र सा० लखमहिराजाभ्यां माता वीरू पुण्यार्थं श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० खरतरगच्छे श्रीजिनभद्रसूरिभिः ॥

१२६८. सं. १४०६ वर्षे वैशाखशुदि ३ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० तेजपाल भा० तेजल्दे सु० सहजा भा० धाईनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे श्रीगुणसागरसूरीणामुपदेशेन का० प्र० च विधिना ॥

१२६९ सं. १४९१ वर्षे द्वि० ज्ये.वदि ७ शनौ श्रीपत्तनवास्तव्यश्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० धरमा भा० धाधल्दे सु० समाकेन तदात्म श्रेयसे श्रीकुंथुनाथादिपंचतीर्थी आगमिश्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन का० प्र० च ॥

१२७०. सं. १५६६ वर्षे वैशाखवदि ११ शनौ मा० रतना मा० कुंअरि सु० मा० वर्णा भा० मइनू पु० मा० वदा भा० हीरू कुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छे श्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीचन्द्रप्रभस्वामिबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१२७१. सं. १५१८ वर्षे ज्ये.शुदि २ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० गां० देवाइत सु० गां० वनूआ भा० कुतिगदे पु० सहसेन *पितृमातृश्रे*योऽर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० पूर्णि० प० प्रधानश्रीजयचन्द्रसूरीणामुपदेशेन प्र० ॥

१२७२. सं. १५२० वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० देपा भा० देवल्दे सु० रामाकेन भा० गोमतीसह पितृमातृश्रे०

आत्मश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे श्रीगुणसमुद्रसूरि-उपदेशेन आचा० श्रीगुणदेवसूरिभिः वावडीवास्तव्य ॥

१२७३. सं. १५२२ वर्षे पोषवदि ५ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० धांगा भा० मिलू सु० रामाकेन आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० नागेन्द्रगच्छे भ० श्रीविनयप्रभसूरिभिः ॥

१२७४. सं. १५२५ मार्ग.शुदि १० प्राग्वाट मं० मेघा भा० मूँजी पु० वदाकेन भा० लाली भ्रातृ हरदास भा० धनी भ्रातृ व्य० धरकणादिकुटुंबयुतेन सरवण सारंग मांडण पाता ठूमादिश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० तपागच्छेशश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१२७५. सं. १३४६ वर्षे ज्ये.वदि १ शुक्रे श्रे० जगा श्रेयोऽर्थं पु० पद्मसिंहेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१२७६. सं. १५६६ वर्षे माघवदि २ रवौ श्रीऊकेशवंशे लघुशाखायां वि. महिपाल भा० मरगदे सा० महुणा भा० लीली पु० सा० नाथासुश्रावकेण निजकुटुंबसहितेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० श्रीश्राद्धेन श्रीपत्तननगरे ॥

१२७७. सं. १४४० वर्षे पोषशुदि १२ बुधे प्राग्वाटज्ञा० व्य० श्रीकर्मा भा० सहजलदे पु० मदनेन भा० माल्हणदेसहितेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीपूर्णचन्द्रपट्टे श्रीहरिभद्रसूरिभिः॥

१२७८. सं. १५९८ वर्षे वैशाखशुदि ६ पोरुआडज्ञा० श्रे० शाणा भा० कुअरि सु० सिवा स्वसाबाई सामाईपुण्यार्थं भर्तृज कीका भागा रत्नपालश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीजिनसाधुसूरिपट्टे श्रीजिनकीर्त्तिसूरिभिः श्रीसहुआलीआगच्छे ॥

१२७९. सं. १५१२ वर्षे माघसुदि ५ बृ. श्रीसांडेरगच्छे ऊ० ज्ञा० जुहाणेनागोत्रे सं० भीमसी पु० जयंता भा० देई पु० ४ सं० वाल्हा भा० बहुसिरि पु० चांदा वाल्हा रत्नादियुते. श्रीविमलनाथबिंबं आत्मश्रेयसे का० प्र० श्रीशालिभद्रसूरिभिः ॥

१२८०. सं. १५२५ वर्षे का. शुदि ७ शनौ ऊकेशज्ञा० व्य० सोमा भा० वीरू सु० वीरा भा० दूबीनाम्न्या स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीलक्ष्मीसागरसूरितपागच्छेशैः ॥

१२८१. सं. १९२० वर्षे ज्ये. शुदि १० बुधे श्रीमालज्ञा० श्रे० भीमाकेन भा० मानू पु० जीवणसहितेन पुत्रीहीराईश्रेयोर्थं श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नदेवसूरिभिः ॥

१२८२. सं. १५५१ वर्षे आषाढवदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० हांसा भा० हांसलदे तत्पुत्री श्रे० मागा श्रे० जीवाभ्यां श्रे० मागा भा० चंपाईनाम्न्या स्वश्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीउदयसागरसूरिभि शिष्यउ० श्रीमुनिसिंहगणिउपदेशेन का० ॥

१२८३. सं. १५४३ वर्षे गूर्जरज्ञा० मं० रामा भा० चमकू सु० मं० सामल भा० सारीनाम्न्या पुत्री नाथी सु० धनासुतया स्वभर्तृश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिसंताने श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

१२८४. सं. १५१७ वर्षे माघसुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० मं. अर्जुन भा० उमादे पु० सामंत भार्या सही सामंत भा० राणी द्वि० माणिकदे सु० जांटा धीरा मामा भा० मानू सीता भा० सोही सु० मुख्यसमस्तकुटुंबेन स्वभर्तृश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० आगमगच्छे श्रीदेवेन्द्रसूरिभि. ॥

१२८५. सं. १५७८ वर्षे ज्ये. सि० १० शुक्रे श्रीश्रीमाल

व्य ऊकेशज्ञा० दो० सरचंद भा० श्रीघर्माई सु० हाकां हानुआनाम्ना श्रीमहावीरबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयसेनसूरिपट्टे श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

१२८६. सं. १७०५ वर्षे वैशाखवदि ७ बुधे राजनगरवास्तव्य ऊकेशज्ञा० वृद्धशाखीय सा० मानसिंघेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीविजयदेवसूरिभिः श्रीविजयसिंहसूरिभिः ॥

१२८७. सं. १४५४ वैशाखवदि ९ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० परी. देवल भा०देवलदे पु० परी. मांडणसुश्रावकेण श्रीअंचलगच्छे श्रीमहेन्द्रसूरीणामुपदेशेन पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का०प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१२८८. सं. १५६४ वर्षे ज्ये.शुदि १२ शुक्रे प्राग्वाटज्ञा० कटीवास्तव्य श्रे० महिराज भा० जीविणि सु० गांगाकेन भा० गांगाई सु० मेला प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्री उदयचन्द्रसूरिभिः ॥

१२८९. सं. १५२५ वर्षे मार्ग.शुदि १० ऊकेशज्ञा० सो० रत्ना भा० रत्नादे पु० सो० नागराज भा० नयणादे पु० सो० मांकाकेन भा० धनाई पु० कमलसी वच्छराजहांमादिकुटुंबयुतेन श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिराजपट्टे श्रीतपागच्छनायकश्रीलक्ष्मीसागरसूरिराजैः अहम्मदावादे ॥

१२९०. सं. १५२२ वर्षे फागुणशुदि २ सोमे श्रीप्राग्वाटज्ञा० सा० पामा भा० वल्हादे धर्मपुत्री शृंगारदे सुश्राविकया समस्तकुटुंबसहितया निजश्रेयोऽर्थं श्रीअंचलगच्छेश्वरश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन मंडपमहादुर्गे ॥

१२९१. सं. १५१५ वर्षे माघशुदि ७ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सिद्धराजेन सं. सूरा भा० सामदे सु० सं. हेमा भा० राजी सु० सं. वत्सकेन भा० कुंअरि सु० सिवदासप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वभार्या-

योर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे .त्रिभवीया श्रीधर्मसागरसूरिभिः ॥

१२९२. सं. १५१६ मार्ग.वदि १ अहमदाबादवासि प्रा० सा० नाथा रूडी पु० डूगरानुजेन सा० मेघराज भा० मणिल्दे पु० पर्वतेन भा० सांकू भ्रातृ महिपति हर्पति भ्रातृजाया धमकू अथकू मटी पु० पुनसी-भूभव राजपाल देपाल चोंकसी जयतसिंह टाकुआ मटकल महादेव कौसादिकुटुंबयुतेन भ्रातृ शिवा भा० सरस्वतीश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभि ॥

१२९३. सं. १५२७ वर्षे पोषवदि ५ शुके प्राग्वाट्ज्ञा० व्य० सहदेव भा० धनू सु० व्य० देवा भा० देवलदेनाम्न्या सु० अमा हेमा प्रमुखकुटुंबयुतया श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि. ॥

१२९४. सं. १५४६ वर्षे आषाढवदि द्वितीयातिथौ [illegible] ....सुरासरिजनयपिधे श्रीभंडाबियागोत्रे सं० मेहासंताने सं० डूंगर श्रीवंत भा० सहीरदे पु० रत्ना.. ....श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० श्रीमलधारिगच्छे श्री. ......सूरिभिः ॥

१२९५. सं. १५२० वर्षे फागणशुदि ७ बुधे [illegible] सं० नरपाल भा० धा० मूल्हानाम्न्या सु० [illegible] सं० डूंगर महसेनस्वपुण्यार्थं श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० [illegible] निधानसूरिभिः ॥

१२९६. सं. १२६९ वर्षे [illegible] पु० महेन पितृ सल्ला गोपालदेवीश्रेयोऽर्थं [illegible] का० प्र० श्री विमलसूरिभि. ॥

१२९७. सं. १२२२ [illegible] पु० विहरेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० [illegible]

१२९८. सं. १४८४ वर्षे वैशाखशुदि ३ दिने उकेशज्ञा० ... भार्या आल्हणदेनाम्न्या सु० डूंगर पांचा गोना पासा जिल्हणदि-कुटुंबयुतया स्वश्रेयोऽर्थं श्रीसम्भवबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१२९९. सं. १४४२ वर्षे..................दि अमेगी भार्या अहिवदेवी..................श्रीशान्तिनाथबिंबं का० नागेन्द्रगच्छे श्रीगुणाकरसूरिभिः प्र० ॥

१३००. सं. १३११ वैशाखवदि २ शनौ मा० नगराज सु० ....सुश्राविकया आत्मश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१३०१. सं. १४७७ वर्षे माघशुदि १० दिने श्रीश्रीमालज्ञा० सं० पासड सु० मांडण भा० मेघू सु० उजलेन श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० साधु० पू० भ० श्रीरामचन्द्रसूरीणामुपदेशेन विधिना श्राद्धैः ॥

१३०२. सं. १५९० वर्षे वैशाखशुदि ६ रवौ प्राग्वाटज्ञा० सा० देवदास भा० रूपिणि पु० दो० धावर साषा धावर भा० चंगी पु० दो० पासा भा० रहि तया श्रेयोऽर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० कुतुबपुरागच्छे श्रीसौभाग्यनंदिसूरिभिः प्र० ॥

१३०३. सं. १५६८ वर्षे वैशाखवदि १२ बुधे श्री ७ श्रीअजितनाथप्रतिमा सेवक रहीआ हेमा का० सुलक्षणपुरग्रामे ॥

१३०४. सं. १३७२ श्रीमालश्रे० वीरड श्रे० श्रीशान्तिनाथबिंबं सु० मंडलकेन का० प्र० श्रीदेवानंदसूरिभिः ॥

१३०५. सं. १५०६ वर्षे चैत्र शुद ऊ० ल० श्रे० गोना भा० चमकू पु० हेमा पौमा भा० देमतिनामनी स्वभर्तृश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० ऊ० ग० सिं० भ० कक्कसूरिभिः ॥

१२०६. सं. १४२४ वैशाखवदि १ श्रीब्रह्माणगच्छे श्रीश्रीमाली पितृ भीमा मातृ जासलदे पंचायण लाडण श्रेयसे सु० पूनाकेन श्रीशान्तिनाथ प्र० का० प्रतिमा श्रीज० ग० सूरिभि. ॥

१२०७. सं. १५०९ वर्षे वैशाखशुदि ७ शनौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० विनु भा० करमादे सु० सत्पालेन मातृपितृश्रेयोर्थं श्रीकुंथुनाथ बिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीतिलकसूरिभिः ॥

१२०८. सं. १४६१ वर्षे माघशुदि १० बाणिवटगोत्रे सा० ठ० कउडिया भा० स० कमलश्रीपुत्रेण सा० रामाकेन पितृमातृपितृव्यभ्रातृश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीधर्मघोषगच्छे श्रीमलयचन्द्रसूरिभि. ॥

१२०९. सं. १५०४ वर्षे श्रीश्रीमाली सा० मेघा भा० चंगाइ सु० जीवण भा० जीवादे सु० रूपरान श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० आगमगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

१२१०. सं. १४८९ वर्षे वैशाखशुदि ३ बुधे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० साल्हा भा० सिरिआदे पु० हीरा आशा वडूआ हीरा भा० लखादे पु० डूंगरदेवाभ्यां शिवानिमित्तं श्रीधर्मनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे श्रीशान्तिसूरिपट्टे श्रीमुनिशेखरसूरिभिः ॥

१२११ सं. १५७९ वर्षे माघमासे ९ शुदि गुरुवासरे प्राग्वाटज्ञा० श्रे० हरपति भा० दूमी पु० श्रे० जाना भा० रंगी पु० श्रे० रामा भा० रतनादे द्वितीयाभ्रातृश्रे० श्रीमादिवकुंवरपुत्रेण श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे कुतुबपुरीयसाखायां पूज्यश्रीसौभाग्यनंदिसूरिभिः. श० स्वश्रेयसे अवलपुरे पं. श्रीसुंदरविशालगणिनामुपदेशेन ॥

१२१२. सं. १५०४ वर्षे फाल्गुनशुदि ११ गुरु श्रीश्रीमालज्ञा० दो० [illegible] भा० करादे पु० [illegible] [illegible] [illegible]

अहिमदावादवास्तव्य श्रीविमलनाथचतुर्विंशतिपट्टः आगमगच्छेशश्री-अमरसिंहसूरिशिष्यश्रीहेमरत्नस्वगुरूपदेशेन का० प्र० विधिना ॥

१३१३. सं. १५०९ वर्षे माघशुदि १० रवौ प्राग्वाट सा० नाथा भा० रूडी सु० डूंगरकेन भ्रातृ सा० भीमाश्रेयोऽर्थं श्रीसुविधिनाथ-चतुर्विंशतिपट्टः का० मलधारिगच्छे श्रीविद्यासागरसूरिशिष्यश्रीगुणसुंदर-सूरिभिः प्र० ॥

१३१४. सं. १५१७ वर्षे फागुणशुदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० सं० सरवण भा० सिंगारदे सु० मं० रामा भा० रमादे पुत्रेण सं० कर्मणेन भा० चमकू भ्रातृ सं० भीमा भा० पम्राई पुत्रादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीनमिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० मलधारिगच्छे श्री-विद्यासागरसूरिपट्टे श्रीगुणसुंदरसूरिभिः प्र० श्रीअहमदावादनगरे ॥

१३१५. सं. १६६७ वर्षे ज्ये० शुदि ९ दिने पत्तनवास्तव्य श्रीप्राग्वाटज्ञा० सं० ठाकर भा० श्रीमाउ श्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्री-विजयदानसूरिभिः तपागच्छे ॥

१३१६. सं. १५१६ वर्षे ज्ये. शुदि १३ सोमे पेथापुरवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० कला भा० हर्षू सु० श्रे० ईसरेण भा० रत्नाईयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० वृहत्तपागच्छेशश्रीसोमसुंदरसूरि-पट्टे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१३१७. सं. १५२७ वर्षे पोषवदि १ सोमे पढनगरवासि उकेश मं० देवराज सु० मं० जेसिंग भा० धाई सु० वरनांगेन भा० वत्तादे पु० श्रीचन्द्रादिकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथबिंबं कार० प्र० तपागच्छे श्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१३१८. सं. १६२८ वर्षे शाके १४९४ प्र. वैशाखशुदि ११ बुधे उग्रानक्षेत्रे ओसवालज्ञा० उस्मान सोनी श्रीवेन भा० सुहवदे पु०

सो० श्रीचंद द्वि० नाम सो० कीकजी समस्तकुटुंबेन श्रीपार्श्वनाथपंच तीर्थीबिंबं का० तपागच्छे भ० श्री ५ श्रीहीरविजयसूरिभि. प्र० ॥

१२१९. सं. १५२० वर्षे ज्ये. वदि १ भोमे पलाडागोत्रे ऊ० सा० देवराज भा० देवलदे पु० लेना भा० कडू पु० मालासुतेन मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

१२२०. सं. १६६९ वर्षे माघशुदि १५ गुरौ अहिमदावादवास्तव्यश्रीश्रीमालीज्ञा० पं० सादा भा० चमकू सु० वजागेन भा० होमी भ्रातृ भोला वृद्ध सु० गोमादिकुटुंबयुतेन स्वमातृश्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृहद्गच्छे श्रीकमलप्रभसूरिभिः ॥

१२२१. सं. १५१२ वर्षे अहम्मदावादवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० दो० अल्हणसी भा० चमकू सु० दो० माला दो० जिनदास दो० पासवीरसुतैः जीवितस्वामिनमिनाथादिचतुर्विंशतिपट्टः स्वमातृश्रेयसे श्री आगमगच्छेशश्रीहेमरत्नसूरिगुरूपदेशेन का० प्र० विधिना ॥

१२२२. सं. १५१३ वर्षे वैशाखसुदि १० बुधे श्रीमूलसंघे आचार्यश्रीविद्यानंदिदेवोपदेशात् श्रीहुंबडवंशे ठ० पेता भा० करणू तयो. पु० जेता भ्रातृ देवसी भा० माजू जेता भा० लाडू पु० मिना भा० अमकू द्वितीयभा० देऊया भा० कर्माई भ्रातृमिहराम भा० नाथी ४ भ्रातृनेमिदास भा० करमाई एतेषां श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० ॥ *

१२२३. सं. १५५२ वर्षे माघवदि ९ रवौ ओसवालज्ञा० दो० भैसा भा० मटकू सु० दो० होमा भा० अरघाई पितृमातृश्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीमीराउलगच्छे भ० श्रीदेवरत्नसूरिभि. ॥

१२२४. सं. १५१६ वैशाखसुदि ३ प्राग्वाटज्ञा० श्रे० उधरण भा० वनू सु० श्रे० डिसाकेन भा० गटी भ्रातृ धर्मसी मनसा प्र०

रणमगणुनेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीअभिनंदनबिंबं का० प्र० तपाश्रीरत्नशेखर-
सूरिभिः ॥

१३२५. सं. १५८८ वर्षे ज्ये.शुदि ९ गुरौ श्रीप्राग्वाज्ञा०
श्रे० गोरा भा० रपिमणि पु० वर्धमान भा० मराइ पु० पीमा भा०
वजादे प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीविमलनाथबिंबं का० कुतुबपुरापक्षे
श्रीसौभाग्यनंदिसूरिभिः प्र० श्रीअहमदावादवास्तव्य ॥

१३२६. सं. १५४६ माघशुदि ३ प्रा० श्रे० सहजाकेन भा०
जालू पु० ममधर सान्गि तेजा पंचायणादियुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं स्वश्रे-
यसे का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिसंताने श्रीसुमतिसाधुसूरिभिः निजामपुरे॥

१३२७. सं. १५२९ वर्षे ज्येष्ठवदि ७ गुरौ श्रीश्रीवंशे महं० नगा
भा० रत्नू पु० महं०आशा भार्यया पद्मतिसुश्रीविरूयास्वश्रेयसे श्रीअंच-
लगच्छाधिराजश्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र०
श्रीसंघेन ॥

१३२८. सं. १५४२ वैशाखशुदि १० गुरौ प्राग्वाज्ञा० व्य०
रामा भा० मांजू अरघू पु० व्य० मागाकेन भा० रेडं पु० पनापप्रादिवृद्ध
भ्रातृ व्य० महिराज जीवादिकुटुंबयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं स्वश्रेयसे
का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः सिद्धपुरे धांधल्देश्रेयसे च ॥

१३२९. सं. १५०५ वर्षे माघवदि ९ सोमे श्रीओएसवंशे
मीठडीआशाखायां सा० मेघा भा. माणिक्दे पु० सा० तिलासुश्राव-
केण भा० दुल्हादे प्रमुखसमस्तकुटुंबसहितेन श्रीअंचलगच्छेशश्रीजयके-
सरिसूरीणामुपदेशेन मातृपित्रोः श्रेयसे श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन॥

१३३०. सं. १४३७ वर्षे वैशाखवदि ११ सोमे ऊपकेशज्ञा०
पादा भा० आल्हणदे पु० लखाकेन पित्रोःश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का०
प्र० मडाहडश्रीसोमचन्द्रसूरिभिः ॥

१३३१. सं. १४१७ वर्षे ज्ये. शुदि १० शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० पं० जेसलभा० नयणादे पु० तेजाकेनवीदा........गहदा श्रे० मेरमी-निमित्तं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीपिप्पलाचार्यगच्छे श्रीपद्मप्रभसूरिभिः

१३३२. सं. १३७६ वैशाख................ श्रीपाल्हणश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० ॥

१३३३. सं. १५४७ माघ श्रीओसवालज्ञा० सा० थाहाभा० आल्ही सु० कान्हाकेन भगिनी बाई धांधीयुतेन श्रीअंचलगच्छे श्रीसि-द्धान्तसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० ॥

१३३४. सं. १५२० वर्षे वैशाखवदि १ बुधे ऊकेशज्ञा० चांटर-गोत्रे मं० नीसलभा० आल्हसु० पाल्हाभा० प्रीमलदे पितृमातृ श्रेयोऽर्थं श्रीसंभवनाथबिंब का० प्र० भावडारगच्छे श्रीभावसागरसूरिभिः ॥

१३३५. सं. १५६० वर्षे मार्ग. शुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० राहाभा० टीपू पुत्र लीपाराणामाडणसहितैः भ्रातृ कुंदानिमित्तं आत्मश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० ब्रह्माणगच्छेभ० श्रीजाज्जगसू-रिभिः थीरापद्रवास्तव्य ॥

श्रीअजितनाथजीना देरासरना लेखो (सुतारनी खडकी).

१३३६. स. १४८९ वर्षे ज्ये. वदि १० शुक्रे श्रीओसवालज्ञा० सा० नाईया भा० नानादे तयोसुताभ्यां ....भ्यां निजभ्रातृ कान्हा श्रेयोऽर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१३३७. सं. १५०१ माघवदि ९ प्राग्वाटज्ञा० कूंराभा० वसु-

रदेशु० व्य० मूलूनाम्नाभा० सीलूसहितेन निजश्रेयसे श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्य श्रीजयचन्द्रसूरिभिः ॥

१३३८. सं. १५७७ ज्ये. शुदि ९ सरखिवास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० श्रे० नरदेवभा० मचूसुतेश्वरभा० सिरिआदे पु० कसाकेन भा० सपू पु० रीडादिकुटुंबयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपा श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

१३३९. सं. १५१८ वर्षे माघ. शुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० मं० वीसलभा० लाडी पु० आसाभा० जसमादे पु० तेजाकालाभा० टबीनमकूसहिताभ्यां श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० वृहद्गच्छे श्रीनयमंगलसूरिसंताने श्रीपुनमचन्द्रसूरिपट्टे श्रीकमलप्रभसूरिभिः ॥

१३४०. सं. १९७६ वर्षे वैशाखशुदि ३ प्राग्वाटज्ञा० मं० धरणभा० लाडी सु० जयसिंहेननिजपितृ मं० धरणश्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१३४१. सं. १५१९ वर्षे वैशाखशुदि १२ दिने अहम्मदावादवासि प्रा० सं० जिणदत्त पु० सं० बजाकेनभा० डाही द्वि० कटूपुत्रेन श्रीचन्द्रप्रभबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१३४२. सं. १५०० वर्षे वैशाखशुदि ९ गुरौ श्रीश्रीमालज्ञा० सा० साल्हाभा० श्री० राणी सु० देवराजभा० रत्नूनाम्न्या श्रे० धीराभा० वांपू पुत्रास्यश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्ध तपापक्षे श्रीरत्नसिंहसूरिभिः ॥

१३४३. सं. १५०९ वर्षे आषाढशुदि २ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० मोटाभा० बापूसुतधारत्नूनाम्न्या श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नसिंहसूरिभि ॥

१३४४. सं. १५१० वर्षे वैशाखशुदि ९ वरनग्रामे सा० सा०

भरताभा० नबपुत्र० सा० गोपाकेनभा० दर्पु० एदा कुंवरगपाप्रमादि-कुटुंबयुतेनात्मश्रेयसे श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीरत्नशेखरसूरिभिः ॥

१३४५. सं. १५२१ वर्षे माघ शुदि ११ ऊकेशज्ञा० सोना-सिराति ऊदाभा० बीजुसु० भरमाकेनभा० भरमादेसु० कडु आदि कुटुंबयुतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपा श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि ॥

१३४६. सं. १५८९ वर्षे श्रीपत्तनवास्तव्य श्रीमाल्ज्ञा० श्रे० जांटाभा० रत्नसु० हीरा मातृपितृश्रेयोऽर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं श्रीमद्रा-गमगच्छेश श्रीअमरसिंहसूरिपट्टे श्रीहेमरत्नसूरीणामुपदेशेन का० वि-धिना प्र० ॥

१३४७. सं. १५४६ वर्षे आमलेश्वरग्रामे प्राग्भा श्रीमालीज्ञा० श्रे० धर्मसीभा० तेजूसु० श्रे० गदाकेनभा० बीजूसु० एवा पोपट हीरा प्रमुख परिवार श्रेयोऽर्थं श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीहेमविमल-सूरिभि. ॥

१३४८. सं. १५२० वर्षे फागुणवदि ३ सोमे श्रीअहम्मदावाद वास्तव्य प्राग्वाटज्ञा० मं० मउलसीभा० बीजलदेसु० मं० सहसाभा० मरगादेसु० धीराकेनमा० जीविणिसु० तेमावइना भ्रातृ पासणभा० वाली सु० हर्षासुतेनस्वश्रेयसे श्रीसंभवनाथचतुष्पट्टः का० प्र० वृद्धतपा-पक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिभिः पं. माणिक्यरत्नउपदेशतः ॥

१३४९. सं. १५०८ वर्षे वैशाखवदि १२ रवौ श्रीगूर्जरज्ञा० पितृ मं० वयरा मातृ बाई रांकू श्रेयसे सु० पेता वाजाकेन श्रीशान्ति-नाथबिंबं का० आगमिक श्रीजिनरत्नसूरीणामुपदेशेन प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१३५०. सं. १५६८ वर्षे माघशुदि ५ गुरौ श्रीश्रीवंशे [illegible] महिराजभा० माल्हणदेपु० सा० श्रीराजभा० देनाईपु० सा० [illegible]

भा० लल्नादेसु० उदयकिरणमा० सा० रतारीडाबावामित्रा भ्याछा प्रमुख कुटुंबसहितेन स्वश्रेयसे श्रीअंचलगच्छेश श्रीभावसागरसूरीणामुपदेशेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेनअहम्मदावादे ॥

१३९१. सं. १९३२ वर्षे पोषवदि १० वरहडीयागोत्रे ऊके० सा० नरसिंहसु० सा० महिराजसु० सा० आमाभा० नंनाईसु० सा० कपनीकेनमा० कउतिगदेसु० सहसकिरणसंसारचन्द्रादिकुटुंबयुतेन स्वमातृश्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतस्वामिबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरीश्वरैः॥

१३९२. सं. १९१७ वर्षे पोष वदि १ गुरौ ओसवालज्ञा० सा० सहसवीरभा० सिरियादेपु० सा० सकलचन्द्र ल्पामसारतापुतेन स्व श्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनसिंहसूरिभि.॥

१३९३. सं. १९३० वर्षे माघवदि २ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० दो० नरपालभा० नागलदेपु० वर्धमा० समकु सहितेन पितृश्रेयसे संभवनाथ का० प्र० पूर्णि० पं० श्रीधर्मशेखरसूरिपट्टे श्रीविशालराजसूरीणामुपदेशेनविधिना ॥

१३९४. सं. १९२८ वर्षे आषाढसुदि ९ रवौ प्राग्वाट देवा मा० अमरीपु० श्रे० महिराजमा० महूद्वितीया हीराईपु० रपातरवरजांगसहितेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० प्र० श्रीमागपूर्णिमापक्षे श्रीसूरीणामुपदेशेन ॥

१३९५. सं. १९८० वर्षे वैशाखसुदि २ शुक्रे श्रीमालज्ञातीय प्रा० सा० वृद्धशाखायां सं० नारदभा० दाडीपु० सं० हरदासभा० हीराईपु० आंबासहितेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० आगमपुण्यार्थ प्र० श्रीगंगकुमारसूरिभिः ॥

(पताशाहनी पोळ) श्रीश्रेयांसनाथजीना देरासरना लेखो.

१३५६. सं. १५२९ वर्षे वैशाखशुदि ५ नांइउ० सा० पूना भा० अमरीपु० छापाभा० सौभीपु० सहितेन आत्मश्रेयोर्थं साधु पु० श्रीहीराणंदसूरि वा० प्रज्ञाभिलक उपदेशेन श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० श्रीजयशेखरसूरिभिः ॥

१३५७. सं. १५१७ वर्षे वैशाखशुदि ९ शनौ प्राग्वाटज्ञा० मणी० देपालभा० बाई सोहासणिपु० मणी० शिवदासेन श्रीअंचलगच्छेश श्रीजयकेसरिसूरीणामुपदेशेन स्वमातृश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० ॥

१३५८. सं. १५६९ वर्षे वैशाखवदि ५ सोमे श्रीश्रीमालीज्ञा० मं० देवराजभा० अमीदेसुतकान्हभा० कामलदेसु० अमिपाल राजपाल सुताभ्यां पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० पूर्णि० प० वडपद्रीय श्रीलब्धिसुंदरसूरिभिः प्र० वडामगवास्तव्य ॥

१३५९. सं. १५१७ वर्षे फागुणशुदि ३ शुक्रे शालापतिज्ञा० सं० धूणाभा० हलीसु० समराभा० हीरूसु० देवापाधारामासहितेन श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीसिद्धान्तीयगच्छे श्रीसोमचन्द्रसूरिभिः प्र० ॥

१३६०. सं. १४७२ वर्षे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० गुणपालसु० श्रे० साहभा० श्रे० साहभा० रूडीसु० मांइआसोमाभ्यां श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० तपाश्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१३६१. सं. १५११ वर्षे माघ शुदि ९ गुरौ उकेशवंशे टीकगोत्रे मं० शिवाभा० हर्षूपु० मंहधीराकेनभा० राणीपु० माल्हासरवणसहितेन निजश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छे श्रीजिनचन्द्रसूरिभिः ॥

१३६२. सं. १५१२ वर्षे वैशाखशुदि ९ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० गलाभा० मटूसु० नागरकनाम्ना पितृमातृश्रेयोर्थं श्रीचन्द्र-प्रभबिंबं का० प्र० अञ्चलगच्छे श्रीमुनिचन्द्रसूरिः खमरसरनगर ॥

१३६३. सं. १५६१ वर्षे माघ शुदि ९ गुरौ प्राग्वाट० श्रे० नागाभा० नाकूदेसु० श्रे० नीताभा० उत्राईनाम्ना का० श्रीअनं-तनाथबिंबं प्र० तपागच्छे श्रीइन्द्रनंदिसूरिभिः पं० विनयहंसगणिभि. ॥

१३६४. सं. १५२१ वर्षे आषाढशुदि ७ गलग्रामे प्रा० ज्ञा० सारंगभा० धाकूसु० हामाभा० मेघूसु० हाकेन भार्यायुतकुटुंबयुतेन पितृ-श्रेयोर्थं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः श्रीआदिनाथबिंबं॥

१३६५. सं. १२७८ वर्षे वैशाखवदि ९ गुरौ श्रीवायटज्ञा० ठ० मोहिणसीभा० सलखणदे पितृमातृश्रेयसे सु० तहुणाख्येन श्रीपार्श्व-नाथबिंबं का० प्र० श्रीरासिलसूरिभिः ॥

१३६६. सं. १७२१ वर्षे कार्तिक वदि ९ दिने अहमदावाद-वास्तव्य श्रीश्रीमालीवृद्धशातीय सा० पा० तियाभा० बाई फूली नाम्न्यास्वश्रेयोर्थं श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छेभ० श्री विजयदेवसूरिभिः दक्षिणदेशे विद्यापुरे ॥

१३६७. सं. १७०१ वर्षे फागुणवदि ९ दिने राजनगरवास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञा० वृ० शा० सायनियासु० सा० ईमाकेन स्वपितृश्रेयोर्थं श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिभि० दक्षिणदेशे विद्यापुरे ॥

१३६८. सं. १५२६ वर्षे ज्ये.वदि ९ शुक्रे श्रीमालज्ञा० श्रे० खीमाभा० अरघूसु० छाछाकेनभा० सारू भ्रातृ रत्नाभा० चांपू-

कुटुंबयुतेन श्रीश्रीआदिनाथादि पंचतीर्थी का० प्र० च श्रीउदयदेवसूरिभिः विधिना दीयाणवास्तव्य ॥

१२६९. सं. १५६९ वर्षे ज्ये. शुदि १२ शुक्रे विद्यापुरवास्तव्य श्रीओसवंशे ठाकुरगोत्रे दो० पिहिरामभा० मंदोयरि सु० दो० कडूया भा० लीलाईसु० दो० राउलकेनभा० सहिजलदेसु० अमिपाल महिपाल वीरप्रमुखकुटुंबयुतेन श्रीशीतलनाथचतुर्विंशतिपट्टः का० प्र० श्रीमारुद्रसूरिभिः नाणायालगच्छे ॥

१२७०. सं. १४९० वर्षे वैशाखशुदि ६ गुरौ.............. घेरणपितृश्रेयसे श्रीवासुपूज्यबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः सीसाणाग्रामवास्तव्य ॥

१२७१. सं. १४७२ प्राग्वाटज्ञा० मं० कडूआभा० कामलदे पु० वल्हाकेनभा० महडू सु० हमारवाला भ्रातृ मांमा श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीदेवसुंदरसूरिशिष्य श्रीसोमसुंदरसूरिभि ॥

१२७२. स. १५८१ वर्ष ज्ये. वदि ९ गुरौ राजपुरवासि प्राग्वाटवंशे श्रे० मांगाभा० पूहतीपु० श्रे० लटकणभा० लपमादे सु० लाघाकेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीश्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छनायक श्रीहेमविमलसूरिभिः ॥

१२७३. सं. १४१८ वर्षे वैशाखवदि ३ शुक्रे श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० अर्जुनभा० अहिवदे श्रेयसे सु० मेघाकेनभा० मेघलदे सहितेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० पू० पं० श्रीविद्याशेखरसूरीणामुपदेशेन ॥

१२७४. १४३६ वर्षे फागुणशुदि २ शुक्रे श्रीमाल पितृ जगा मातृ हीरादे श्रे० सु० काळाकेन श्रीसुमतिनाथबिंबं श्रीधर्मतिलकसूरि श्रीधनतिलकसूरीणामुपदेशेन का० प्र० ॥

१३७५. सं. १४९७ वैशाखशुदि ३ शनौ प्राग्वाटज्ञा० व्य० खेतसीसु० व्य० छीडाभा० पोमादेपु० भोमाकेनपितामहखेतसीश्रेयसे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० साधु पु० श्रीधर्मतिलकसूरिउपदेशेन प्र० ॥

१३७६. सं. १४८२ वर्षे प्रा० व्य० महिपा भा० हापा भा० रांऊसु० नरसिंहभा० सोनीसुतेन पितृ श्रेयसे श्रीनिमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१३७७. सं. १३६७ वर्षे पोषवदि ९ श्रीमालज्ञा० श्रे० भीमा सु० नउलापूल्हकेन पिताश्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० वाचनाचार्य-उपदेशेन मकणपुरवास्तव्य ॥

१३७८. सं. १९३६ वर्षे महनीआणज्ञा० वाइडागोत्रे सा० भूराभा० साल्हीपु० रत्नपालकेनभा० संसारदेपु० नाथा श्रीचन्द्रसुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीखरतरगच्छेश० श्रीजिनहर्षसूरिभिः ॥

१३७९. सं. १४०९ वर्षे वैशाखशुदि २ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० सांडी............पितृ पेता मातृ भावलदे पितृव्य मदन भ्रातकुरा सु० सलखाश्रेयोऽर्थं पंचायुतेन श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१३८०. सं. १४४९ वर्षे ज्ये. शुदि २ श्रीश्रीमालज्ञा० श्रे० जोकाभा० सोमलसु० देवाभा० राजू भ्रातृ जदेवाकेन स्वपितृव्य श्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपा श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१३८१. सं. १९२४ प्रा० श्रे० खेताभा० रत्नीसु० श्रे० गनिआ अमरा कर्मसीकरणाराउलरीणाखीमातेषु श्रे० कर्मसिंहेनभा० अर्चू पु० लांपा लालादिकुटुंबयुतेन श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१३८२. सं. १६९७ वर्षे फा. शुदि ९ दिने प्राग्वाटज्ञा० ल्घुशाखीय सा० वीरा भा० वयजल्दे पु० सा० वच्छराननाम्ना स्व भा० वाई मनरंगदे स्वकीयसहोदर सा० गदाधर प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयोऽर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० च तपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिपट्टे श्रीविजयसिंहसूरिभिः श्रेयसे भवतात् सदा ॥

१३८३. सं. १६२९ वर्षे माघमासे शुक्लपक्षे १२ तिथौ बुधवासेर श्रीअंचलगच्छे श्रीश्रीमालज्ञा० सो० जसा भा० बाई जसमादे तयो पु० सो० अभा भा० बा. मनकाई पुत्राभ्यां रामजाभ्यां सुताभ्यां स्वपुण्यार्थं श्रीधर्म्ममूर्त्तिसुरीश्वराणामुपदेशेन श्रीपार्श्वनाथस्यबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन ॥

१३८४. सं. १६३२ वर्षे पोषवदि १ सोनंपत्तने श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० कालू भा० हीसू सु० मदाकेन भा० ममडू सु० माणिकजेमा महिराजि प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्षे श्रीज्ञानसागरसूरिपट्टे श्रीउदयसागरसूरिभिः ॥

इडर.

१३८५. सं. १७०५ वर्षे ज्येष्ठ शुदि १० शुक्रे शा. श्रीपाल सुत शा. रुपजी भार्या रुपादे भ्रातृ शा. उदयसिंघ भार्या काटुबाई प्रमुख श्रीशांतिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीभुवनकीर्त्तिसूरिभिः ॥

१३८६. सं. १६९३ वर्षे वै. शुदि ६ गुरु बा० सहजानाम्न्या कुंथुनाथबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे भ० श्रीविजयदेवसूरिपट्टे आचार्यश्री विजयसिंहसूरिभिः श्रीरस्तु ॥

१३८७. सं. आलाई ३६४२ वर्षे माघवदि १ रवौ दिने श्री अकबरसुल्तानराज्ये ओसवंशे बो० पचा भार्या तत्पुत्र बो० कीका भार्या लाषणदे तत्पुत्र बो० हेमराज बंधव बो० तेना भार्या तेजलदे पुत्री तोल-बाइ श्रीश्रेयांसनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठितं तपागच्छे पातसाहीश्रीअकबर महाराजाधिराजप्रदत्तजगद्गुरुबिरुदधारिश्रीहीरविजयसूरिपट्टे संप्रति विद्यमान श्रीविजयसेनसूरिभिः ॥

मूलनायक सन्मुख.

१३८८. सं. १८८८ वर्षे माघशुदि ९ चन्द्रे श्रीईडरगढे पच महाजनसमस्तेन श्रीअजितनाथजिनबिंबं काराषितं महाराजाधिराज-श्रीगंभीरसिंहजिविजयराज्ये भट्टारकश्रीविजयदेवेन्द्रसूरीश्वरजि आदेशात् प्र० श्रीतपागच्छे श्रीसाधुदेवो श्रीरस्तु सर्वेषां जनानां ॥

१३८९. सं. १६८१ ज्येष्ठ शुदि ३ रवौ तपागच्छे० ....

समतिनो लेख.

१३९०. सं. १६९१ वर्षे माघ वदि ९ सोमे श्रीमूलसंघे भ० श्रीगुणकीर्ति सू० भ० श्रीवादिभूषणगुरूपदेशात् इडरवास्तव्य हो०

दो० पासा भा० सोभागिन सुत दो० श्रीअरघादे श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्रतिष्ठितं ॥

१२९१. सं. १८९२ वर्षे वैशाखशुदि २ शुक्रे इडरनगरे श्रीमहाराजाजीश्रीयुवानसिंघजिविजयराज्ये श्रीतपागच्छे श्रीऋषभजिनबिंबं प्र० ॥

१२९२. सं. १८४२ वर्षे माघ वदि १ रवौ दिने श्रीअकबर सुल्तानराज्ये हुंबडज्ञातीय शा० ठाकर भा० कीबाइ सुत गा० जीवराज बांधव गा० पोपट भा० सपमादे श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० श्रीतपागच्छे पातसाहीश्रीअकबरमहाराजाधिराजप्रदत्तजगद्गुरुबिरुदधारिश्रीहीरविजयसूरिसंप्रतिविजयमानविजयसेनसूरिभि ॥

१२९३. सं. १६९६ वर्षे वै. वदि ६ शुक्रे इडरदुर्गेवास्तव्य हुंबडज्ञातीय....

१२९४. सं. १८९२ वर्षे वै.शुदि १२ शुक्रवासरे श्रीइडरनगरे श्रीमन्महाराजाधिराजमहाराजाजिश्रीश्रीयुवानसिंहजीविजयराज्येश्री आदिनाथजिनबिंबं प्रतिष्ठितं भ० श्रीश्रीविजयदेवेन्द्रसूरीश्वरादेशात् प० रामविजय प० सूरराज्या ऌगुआरवाट शा. रेमचंद हेमचद भार्या हेमकुंवर तेन बिंबं कारितं श्रीरायदेशे शुभं भूयात् सर्वेषां जनानाम् ॥.

१२९५. सं. १८८० वर्षे माघशुदि ९ चन्द्रे श्रीइडरनगरे पंच समस्तमहाजनयुतेन श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० भ० विजयदेवेन्द्रसूरीश्वरादेशात् महाराजाधिराज श्रीगंभीरसिंहविजयराज्ये श्रीरायदेशे श्री तपागच्छे महामहेन स्थापितं कल्याणमस्तु सज्जनानाम् ॥

१२९६. सं. १८९२ वर्षे वैशाखशुदि ११ इडरनगरे महाराजाधिराजमहाराजश्रीयुवानसिंहविजयराज्ये श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० भ०

श्रीश्रीविजयदेवेन्द्रसूरीश्वरादेशात् प० राजवि प० रूप० श्रीतपागच्छे श्रीविजयदेवसूरिगच्छ्यसंघसमस्तेन कारितं शुभं भूयात् सर्वसज्जनानां ॥

१३९७. सं. १८९२ आषाढि वर्षे वैशाख शुदि. १३ शुक्रे इडरगढे महाराजाधिराज महाराजाश्री युवानसिंहजिविजयराज्ये श्रीचंद्र प्रभजिनबिंबं शा. रेखामिरणछदास भा० बाइ हेती तया काराप्रितं लघुप्राग्वाटज्ञातीय प्र० श्रीतपागच्छे भट्टारकश्रीविजयदेवेन्द्रसूरीश्वरादेशात् ॥

धातुप्रतिमा.

१३९८. सं. १३१४ र्वर्षे वैशाख वदि १ ....
इडरगामना मूल नायकश्री चिंतामणजी.

१३९९. सं. १८५४ शा० १७२१ प्र० ज्येष्ठ शुद १६ गुरौ उशवंशज्ञातीय वृद्धशाखायां फो० श्रीकुशला ज्ञाण भार्या पुत्र शाली सुत आहलचंद भार्या कुशलीतेन श्रीपार्श्वनाथजिनबिंबं कारापितं श्रीविजयजिनेन्द्रसूरिराज्ये प्रतिष्ठितं श्रीमहाराजा श्रीगंभीरसिंहजी तत् श्रीइडरगढे श्रीतपागच्छे विजयदेवसूरिगनेन ॥

१४००. सं. १८५४ ज्येष्ठसुदि ९ गुरौ संघवीकुशलीमोडणतेन श्रीसहस्रफणापार्श्वनाथबिंबं कारापितं म० श्रीविजयजिनेन्द्रसूरिराज्ये प्र० श्रीतपागच्छे महाराजा गंभीरसिंहजीराज्ये इडरनगरे ..

एक सरखा पांच लेख.

१४०१. सं. १८९९........श्रीअमितनाथ

१४०२. सं. १९०३ माघसुदि ९ शुक्रे अहिमदावाद वास्तव्य ओसवालज्ञातीय वृद्धशाखायां नेमचंदभाइ नानीभार्या जेकोर तत्पुत्र दलसुखभाई स्वश्रेयोर्थं महावीरजिनबिंबं कारापितं श्रीशान्तिसागरसूरिपट्टे श्रीतपगच्छसागरशाखा ॥

पुत्र वयरामदन खेताप्रभृति कुटुंबश्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीसुमतिसूरिभिः ॥

१४१०. सं. १३७९ वर्षे आषाढशुदि ६ खडायतिज्ञातीय श्रे० वनदेव भार्या लाच्छिपुत्र धिणीकेन पित्रोःश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० सूरिभिः ॥

१४११. सं. १३७० वर्षे आषाढशुदि ६ खडायतिज्ञातीय विदेजमतशाह श्रेयसे श्रे० धीणाकेन श्रीनमिबिंबं कारितं ॥

१४१२. सं. १२८९ फाल्गुनवदि २ रवौ ठ० जगपालभार्या ठ० आल्हणदेव्या कारितं श्रीवज्रसेनसूरिशिष्य श्रीरत्नचंद्रसूरिभिः प्र० ॥

१४१३. सं. १३२६ वर्षे माघवदि २ रवौ ठ० मलहाकेन पितृपराश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं कारि० श्रीराजगच्छे श्रीमाणक्यसूरिशिष्य श्रीहेमसूरिभिः ॥

१४१४. सं. १५०९ वर्षे वै.शुदि ७ रवौ श्रीश्रीमालीज्ञातीय श्रेष्ठिमुरा भार्या धुनी सुता डुंगर माकुआ सुपाला भार्या वरणु सुता देराज सहीजु हालुकाखु देराउ भार्या साहपुत्री जलकुश्रेयोर्थं श्रीश्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० मडगच्छे श्रीउदिचंद्रसूरिभिः बालसागरस्तव ॥

१४१५. सं. १५२९ वर्षे का.शुदि ७ शनौ प्रा० ज्ञा० मं० धनसिंह भा० वाकु पु० हासानरसिंहभर्या श्रीआदिनाथबिंबं का० उएसगच्छे श्रीसिद्धाचार्यसंताने प्र० श्रीसिद्धसूरिभिः हासा भा० अकु नारसिंग भा सहजु श्रीवर्द्धमान ॥

१४१६. सं. १५८० वर्षे वै.शुदि १२ शुक्रे श्रीश्रीमालीज्ञातीय मंत्री हीरा भा० सती सुत मं० हेमा भा० हमीरदे सु० मं० तेगाकेन भा० नीति सुर डुंगर डुंगर भाणायुतेन स्वश्रेयसे श्रीसुविधिनाथबिंबं श्रीपूर्णिमापक्षे० श्रीसुमतिरत्नसूरिणा भो० का० प्र० सुविधिना ॥

१४१७. सं. १५२१ वर्षे माघसुदि ८ दिने उकेश ज्ञा० कान्हा भार्या कपूरदे पुत्र कुंभामाताभ्यां भ्रातृ ठाकुर भा० अमरादेपुत्राई प्र० कुटुंबयुताभ्यां श्रीआदिनाथबिंबं कारितं प्र० कोरंटगच्छे श्रीनन्नसूरिभिः ॥

१४१८. सं. १२२० वर्षे ज्येष्ठसुदि ९ श्रीकोरंटकीयगच्छे श्रीव [illegible]सिंह भा० बिन्दु पुत्र पुण्यसिंह बिजयसिंह मातृपितृश्रेयसे बिंबं का० प्र० श्रीसर्वदेवसूरिभिः ॥

घोघुलजीनी बे प्रतिमाओ कुवावाला देरासरे.

१४१९. सं. १४९१ आषाढ [illegible] प्राग्वाटवंशे [illegible] श्रे० [illegible] पुत्र [illegible] प्रमुख [illegible] युतेन स्वश्रेयसे श्री [illegible] कारित प्रतिष्ठित श्री सोमसुंदरसूरिभिः ॥

१४२०. सं. ११९४ वर्षे श्रीनागेन्द्रगच्छे [illegible] पितृ [illegible] श्रे० [illegible] श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीदेवेंद्रसूरिभिः ॥

१४२१. सं. १५११ वर्षे चैत्र. सुदि १० गुरौ [illegible] श्रीनारदेवी [illegible] श्रीआदिनाथबिंबं का० [illegible] प्र० [illegible] ॥

१४२२. सं. ८१ वर्षे वै. वदि ८ गुरौ श्री[illegible]गच्छे [illegible]

मेरालातीय श्रे० पामड भार्या माल्णदेवी पुत्र नागसिंह वगसिंह देरसिंहम्यां मातृपित्रोः श्रेयसे का० श्रीमहावीरबिंबं प्र० श्रीतारादेवसूरिभिः सत्यपुरे ॥

१४२३. सं. १३०२ वर्षे चै. सुदि २ रवौ श्रे० गंगा० श्रे० सिहुणागच्छे कारितं प्रतिष्ठितं श्रीआमदेवसूरिभिः ॥

१४२४. सं. १५१३ वर्षे माघसुदि १ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय श्रे० चंगा मा० नापलदेव सुत लाला केशवरामा ए श्रीसंभवनाथबिंबं का० प्र० श्रीव्रलाणगच्छे भ० श्रीश्रीमुनिचंद्रसूरिभिः गाहलावास्तव्य सर्वपूर्वमानां प्रसादात् सिद्धिभवतु ॥

१४२५. सं. १४५८ चै. शुदि १५ शनौ श्रीश्रीमालज्ञातीय महावीरधवल सुत नापा भार्या बाइ लाडीश्रेयोर्थं सुत गांगाकेन श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० श्रीहरिभद्रसूरीणामुपदेशेन ॥

१४२६. सं. १४८३ माघशुदि १० बुधे प्राग्वटज्ञातीय श्रे० परमा भार्या सारु सुत गीनाकेन भार्या अमकुयुतेन श्रीचंद्रप्रभबिंबं स्वश्रेयसे का० प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिभिः ॥

१४२७. सं. १५५२ ज्ये. वदि ७ सोमे श्रीश्रीमालज्ञातीय सं० पंचा भा० राजू पु० सागा भा० कुबी जीवितस्वामि आत्मश्रेयसे सुत पला सागण माइसी पा० श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीपूर्ण० श्रीदेवसुंदरसूरिभिः प्रतिष्ठितं विधिना जामलीवास्तव्यैः ॥

१४२८. सं. १३४४ ज्ये. वदि ४ श्रीमालज्ञातीय श्रे० पाल्हणेन पितृ धरणिग मातृ नायकदेवि श्रेयोर्थं श्रीनेमिनाथबिंबं का० प्र० सूरिभिः ॥

१४२९. सं. १३२७ माघशुदि ९ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय श्रे० जसचंद्रेण माल्हे कुरी श्रेयोर्थं श्रीनमिनाथबिंबं कारितं प्र० ॥

१४३०. सं. १२९९ माघशुदि ५ सोमे थारापद्रीयगच्छे श्रे० नायकसुत श्री०.................महावीरबिंबं का० प्र०

१४३१. सं. १५२५ पौषशुदि १५ गुरौ प्राग्वाट ज्ञातीय डो० वाहड भार्या कर्मणी पु० हीरा भा० हांसलदे पु० डो० पर्वतेन पितृस्वश्रेयसे श्रीअजितनाथबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः पेथापुर वास्तव्य साधपूर्णिमीयागच्छे ॥

पाषाण प्रतिमा.

१४३२. सं. १८०४ आषाढशुदि ३ गुरौ श्रीईडरवास्तव्य ओशवाल........पार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीहेमसूरिभिः ॥

१४३३. १५५४ वै.शुदि ३ श्रीपार्श्वनाथबिंबं प्र० श्रीचंद्रसूरिभिः उकेशगच्छे ॥

पंचतीर्थि प्रतिमा.

१४३४. सं. १६७० वै.शुदि ८ दिने श्रीमालीज्ञातीयवृद्धशाखीय शा० हरदासनाम्ना श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० च श्रीतपागच्छे भ० श्रीविजयसेनसूरिभिः पुरागरे ॥

१४३५. सं. १५५६ फाल्गुनवदि २ बुधे २ श्रीमलधारगच्छे उपकेशज्ञातीय राटडगोत्रे मंत्री धर्मा भा० सेतुपुत्र मं० वाच्छा भा० पितु पु० मीरा राना मासाकेन भ्रा० मालणदेपुत्रेन स्वपुण्यार्थं श्रीसुपार्श्वबिंबं का० श्रीराजगच्छसंताने भ० विनयतिलकसूरिभिः प्र० प्रीतिजयाख्यः ॥

१४३६. सं. १८२७ शाके ७२७ वर्तमाने मसोत्तमनामे मास मासे फाल्गुने ७ गुरौ दुल्लभ उनीमपुर शाखाये वंशी पुरासीया कपूर हीरादन भोमाई रुपाबाई श्रीआदिनाथबिंबं का० कोहारीपोरवाडगच्छे भ० ९०८ श्रीराजविमलसूरिभिः प्र० इडरनगरे ॥

१४३७. सं. १३०४ वैशाखवदि ३.........

१४३८. सं. १६०० ज्ये.वदि १२ गुरौ प्रा० रा० धारमी भा० साहु पु० काहा भा० कामलदे पुत्र साहु वारहा हीदासहितेन स्वश्रेयसे श्रीपद्मप्रभबिंबं का० प्र० कच्छोलीवालगच्छे भ. श्रीसकलचंद्रसूरिभिः माकुरादेशे ॥

१४३९. सं. १६७२ फा.शुदि ८ सोमे सोदलाइ ग्रामे वास्तव्य नागरज्ञातीय श्रे० शा० द्रामा० हीरसुतलघमा० पुतली सुत कोक पोपट भा० हासीकेन भा० हासनदे सुत राजीमवापत्ती कन्या सारिंगदेवाप्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीश्रेयांसनाथबिंबं का० प्र० श्रीवृद्धतपापक्ष भट्टारक श्रीधनरत्नसूरिभिः ॥

पाषाणप्रतिमा लेख.

१४४०. सं. १८१७ वै. शुदि ७ गुरौ श्रीइडरगढवास्तव्य हुंबड ज्ञातीय वृद्धशाखायां गांधी वांजि तत् भार्या नियरगदे हेमसुत गांधी बाइ कुंवरका ऋषभदेवजिनबिंबं का० श्रीजिनेन्द्रसोमसूरिभिः प्रतिष्ठितं ॥

१४४१. सं. १८९९ शाके १७३० प्र० माघमासे शुदि १० भृगुवासरे श्रीलघुपोषधशालायां उपकाराय श्रीसहस्रफणीनाम्ना श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० पंचतीर्थी० ॥

१४४२. सं. १५७३ वै.शुदि ३ गुरौ श्रीश्रीमालिवंशे संघवीनरपालभार्या सुल्ही पुत्र संघवी जिनदासेन भा० रूपाही सहितेन लाछु सुश्राविका श्रेयोर्थे श्रीशीतलनाथबिंबं का० प्र० श्रीमलधारगच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः अहमदावादे ॥

१४४३. सं. १६३३ वर्षे चैत्रवदि २ गुरौ प्राग्वाटज्ञातीय व्य० तेजा भा० पोमी पु० जादडनगाभी पितृ मा० श्रे० पुत्र वदेहलानमित्रं

आत्मश्रेयोर्थं श्रीसुपार्श्वबिंबं का० प्र० नागेन्द्रगच्छे श्रीविनयप्रभसूरिपट्टे श्रीसोमरत्नसूरि भावकेषा गुरु ॥

१४४४. सं. १९ वर्षे श्रीराजगच्छे श्रीराकेनवावडज्ञातीय मे० माल्दा भा० माणिका पु० लाच्छाराणमानीहीराधनापत्य श्रीपार्श्वनाथबिंबं कारापितं प्र० (चैत्र वदि ८ बुधे) श्रीपाल्ल्याख्या ॥

ईडरालेख प्रतिमा.

१४४५. सं. १६७८ वर्षे ज्ये. शुदि ६ सोमे इलादुर्गवास्तव्य हुंबडज्ञातीय श्रे० दो० वाच्छा सुत दो० हांसा भा० सपराणदे सुत दोसी वर्धमान भा० केसरदे सुत दो० देवचंद दो० रायचंद इंद्रजियुतेन श्रीनेमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे भ० विजयदेवसूरिभिः ॥

१४४६. सं. आलाई १६४२ वर्षे माघवदि १ रवौ श्रीअकबर सुरुतान राज्ये ओसवाले पिताडगोत्रे भोजा भार्या कपुरदे सुत अकबर राजपालस्वकुटुंबयुतेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीअकबर महाराजाधिराज जगद्गुरुबिरुदधारि हीरविजयसूरिप्रतिबिंबयमान श्रीविजयसेनसूरिभि.॥

१४४७. सं. ६४६ वर्षे इडर वास्तव्य........................

१४४८. सं. १६९३ चैत्र दि ० गुरौ क ० उकेश० श्रीसुमतिनाथबिंबं प्रतिष्ठित तपागच्छे श्री पट्टे आचार्यश्रीविजयसिंहसूरिभिः॥

१४४९. सं. १६८१ वर्षे ज्ये. वदि १ इडर का० वृ० ज्ञा० दो० वाकु भार्या.... ....

१४५०. सं. आलाइ १६४२ वर्षे माघ वदि १२ दिने श्रीआलाइराज्ये हुंबडज्ञातीय गांगीवराज भार्या जोविदे सुत जादुराभार्या श्री संभवनाथबिंबं का० प्र० ॥

१४५१. सं. १६६० वैशाखशुदि ३ रवौ श्रीमूलसंघे भ० वादिभूषण उपदेशात् का०

१४९२. सं. १५५६ वैशाखवदि ६ गुरौ हु० श्रीटगादेवृद्धतपागच्छे श्रीजयसूरिभिः प्र० ॥

१४९३. सं. आलाई १६४२ माघवदि १२ रवौ श्रीअकबर सुलतान राज्ये हुंबडज्ञातीय गा० ठाकर भार्या कीबाइ सुत गांधी जीवराज भार्या जीवादे सुत लालजी भार्या अजाइ श्रीमहावीरबिंब का० प्र० तपागच्छे बादशाही श्रीअकबर महाराजाधिराज प्रदत्त जगद्गुरु बिरुदधारि श्रीश्रीश्रीहिरविजयसूरिपट्टे संप्रतिविजयमान श्रीविजयसेनसूरिभिः पंडित श्रीमुनिचन्द्रगणिभिः ॥

१४९४. सं. १६९२ माघशुदि ९ गुरौ श्रीमूलसंघयुतेन भट्टारक श्रीपद्मनंदिगुरूपदेशात्...............सं० पंचतीर्थी ॥

१४९५. सं. १५०९ वै. वदि ११ शुके ऊकेश शा० धरणसि भा० धवलदे पुत्र शा० रत्ना भा० देमाइ पुत्र शा० श्रीनाजिणीया भा० मेलाई संघुराइ पु० धना भ्रातृ देवा भा० धवल्दे पु० प्रमुखकुटुंबयुताभ्यां मुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः संचर्तीर्थं ॥

१४९६. सं. १५५२ वै. वदि ८ गुरौ ईलुली वास्तव्य हुंबडज्ञातीय ऊकेशगोत्रे फ० उज्ञापरम भार्येन दडिपोरधनरसूरिशसितपट्टे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः हुंबडगच्छे श्रीसंघदत्तसूरयः ॥

१४९७. सं. १५२१ मा. शुदि १ गुरौ पैनगच्छे उकेशवंश धारुयागोत्रे शाह विजयपाल भार्या धणु सुत गोल्हा मदु सुत लिंबा भा० लिंबादे सुत हावदसी हादहान हे० पूर्वजश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० विद्रमसीय श्रीमलचंद्रसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः कुयारकोवाड़ाव्य ॥

१४५८. सं. १५२५ श्रीमूलसंघे भ० श्रीभुवनकीर्तिस्तु० भ० श्रीज्ञानभूषणगुरूपदेशात्तज्ञा० गोत्रश्रीनीतिप्रणमति ॥

फेसरीयाजी पादुका लेख.

१४५९. सं. १८७२ वर्षे शाके १७२९ प्रवर्त्तमाने मासोत्तममासे शुभकारि ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे चतुर्दशी तिथौ गुरौ उपकेशज्ञातीय वृद्धिशाखायां कोठारीगोत्रे सुश्रावक पुण्यप्रभावक श्रीदेवगुरु भक्तिकारक श्रीजिनाज्ञा प्रतिपालक शाह श्रीशंभुदास तत्पुत्र कुलोद्धारक कुलदीपक शिवलाल अंबावीदास तत्पुत्र दोलतराम रूपभदास श्रीउदेपुर वास्तव्य श्रीआदिनाथ पादुका कारापिता प्रतिष्ठिता श्रीतपागच्छे सकलभट्टारक शिरोमणि *भट्टारक श्रीश्रीविजयजिनेन्द्रसूरिभिः उपदेशान्मोहनविजयेन* श्रीधूलेवपंडारि दलिचंद आंगुच्छइ ॥

१४६०. सं. १०४२ वर्षे वैशाखसुदि ९ सोमे भट्टारक श्री मसराम श्रीवत्स भार्या सोनबाइ विजिराम हेमराजश्रीमायात तपटो शा. भा० हासणदेन सा पत्रकारेवराइ माता भ्रात पगुमत भ० छी भ्रात साथा भा० पीथी सानेन.धः देशग.श श्रीशाह संघे विरचावत सत्तं.श्रे क श्रीयारीमानंदन ॥

डुंगरपुर पार्श्वनाथजिनालये लेख.

१४६१. ॐ नमः श्रद्धेयश्रेयोदिव्य श्रीविजे वर्धमुदीर महाराज मनोवृत्ति कार्यकाम: लिखेश्रु ॥ १॥ संवत्सरे संवत् १७६१ वर्षे

१४५२. सं. १५५६ वैशाखवदि ६ गुरौ पु० श्रीउपकेशवृद्धतपागच्छे श्रीजगसूरिभिः प्र० ॥

१४५३. सं. अल्लाई १६४२ माघवदि १२ रवौ श्रीअकबर सुल्तान राज्ये हुंबडज्ञातीय सा० ठाकर भार्या कोनाई सुत गांधी जीवराज भार्या जीवादे सुत लालजी भार्या अजाइ श्रीनमिनाथबिंब का० प्र० तपागच्छे पादशाही श्रीअकबर महाराजाधिराज प्रदत्त जगद्गुरु बिरुदधारि श्रीश्रीश्रीहिरविजयसूरिपट्टे संप्रतिविजयमान श्रीविजयसेनसूरिभिः पंडित श्रीमुनिचन्द्रगणिभिः ॥

१४५४. सं. १६९२ माघशुदि ९ गुरौ श्रीमूलसंघमुनेन भट्टारक श्रीपद्मनंदिगुरूपदेशात्...............सं० पंचतीर्थी ॥

१४५५. सं. १५०९ वै. वदि ११ शुक्रे ऊकेश शा० घरणसि भा० धवलदे पुत्र शा० रत्ना भा० देमाइ पुत्र शा० श्रीवाछिणीया भा० मेलाई संपुराइ पु० धना भ्रातृ देवा भा० धवलदे पु० प्रमुखकुटुंबयुताभ्यां मुनिसुव्रतबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः संघस्तीर्थे ॥

१४५६. सं. १५९२ वै. वदि ८ गुरौ हेलुली वास्तव्य हुंबडज्ञातीय ऊकेशगोत्रे फ० उआपरम भावेन वडिपोपधरसूरिविलितपट्टे श्रीविमलनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपागच्छे श्रीहेमविमलसूरिभिः हुंबडगच्छे श्रीसंघदत्तसूरयः ॥

१४५७. सं. १६२१ मा. शुदि १ गुरौ चैत्रगच्छे ऊकेशवंश धारुयागोत्रे शाह विजयपाल भार्या वणु सुत नोलुमा मटु सुत लिंबा भा० लिलादे सुत हापटसी हाउदास हे० पूर्वजश्रेयसे श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० विद्रसमीय श्रीमलचंद्रसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः कुयारको वाहतव्यः ॥

१४५८. सं. १९२६ श्रीमूलसंघे भ० श्रीभुवनकीर्तिगु० भ० श्रीज्ञानभूषणगुरूपदेशात्‌ज्ञा० गोत्रश्रीनीतिप्रणमति ॥

केसरीयाजी पादुका लेख.

१४५९. सं. १८७२ वर्षे शाके १७३९ प्रवर्त्तमाने मासोत्तम-मासे शुभकारि ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे चतुर्दशी तिथौ गुरौ उपकेशज्ञातीय वृद्धिशाखायां कोठागोत्रे सुश्रावक पुण्यप्रभावक श्रीदेवगुरु भक्तिकारक श्रीजिनाज्ञा प्रतिपालक शाह श्रीशंभुदास तत्पुत्र कुलोद्धारक कुलदीपक शिवलाल अंबावीदास तत्पुत्र दोलराम वृषभदास श्रीउदेपुर वास्तव्य श्रीआदिनाथ पादुका कारापिता प्रतिष्ठिता श्रीतपागच्छे सकलभट्टारक शिरोमणि भट्टारक श्रीश्रीविजयजिनेन्द्रसूरिभिः उपदेशात्मोहनविजयेन श्रीधूलवेभंडारि दलिचंद आंगुच्छइ ॥

१४६०. सं. १०४२ वर्षे वैशाखसुदि ९ सोमे भट्टारक श्री जसराज श्रीकल्ला भार्या सोनबाइ जिजिराज ईश्वरचन्द्रीप्राग्वाट सघवी शा. भा० हासणदेव सा पत्रकादेवताइ मारा धाप चगुभर भा० टी धाप साधा भा० चीची गणवेन.थः दे.रस ए श्रीराए संघे विन्दावस स्वर्गे वै एक श्रीयादीशानंदन ॥

डुंगरपुर पार्श्वनाथजिनालये लेख.

१४६१. ॐनमः स्वर्लोकरत्नेदेव स्वोभितं कर्मदुर्वि मधुरल मनोवृत्ति पार्श्वनाथः पिपेश्रु व. ॥१॥ स्वस्तिश्री संवत्‌ १५६१

वैशाख कृष्णपक्षे पञ्चमीसोमे श्रीमद्वागडदेशे गिरिपुरे महाराउलश्री-
शिवसिंहविजयराज्ये प्राग्वाटज्ञातौ वृद्धशाखायां महेता हीरजी भार्या
हीरादे सुत महेता रायसिंघ भा० रायमती सु० म० सुरजी भार्या सुर-
मदे सुत म० जादवजी सुत करणजी म० माधवजी म० मदनजी मं०
गुलालजी मथभार्या गंभीरदे सुत राजमान्य म० श्रीदयालजी भार्या रंग-
रूपदे सुत सदाशिव पुत्री नाथी नाम्नी तथाच लघुमाता महीबाई लाडी
नाम्नी तथाच भगिनीबाई गोकुल नाम्नीप्रमुखकुटुम्बान्वितेन संघेन श्रीगं-
भीरपार्श्वनाथस्य चैत्यालये देवकुलिकायां सुवर्णकलशं ध्वजारोपणं कीर्ति-
स्तंभं तथा समस्तसंघ ज्ञाति भोज्यंदत्वा....महोत्सवेन पीतलमयश्रीसुरा-
संगतिपार्श्वनाथस्यबिंबं स्थापितं तपगच्छे पूज्यभट्टारक श्रीविजयदयासूरि-
आदेशात् पन्यासकेसरसागरेण प्रतिष्ठितं देवेदाने गुरौ संघे भक्तिः शक्तिः
स्तुतिः रतिः ॥ यावज्जीविषये अथवाहर्शीवादशीभवः ॥ १ ॥

१४९२. सं. १६७१ वर्षे वैशाखवदि ९ रवौ श्रीवागडदेशमण्डने
भूभामिनीभालतिलकायमान सर्वनगर शिरोमणि श्रीगिरिपुरे वागडमहारा-
उलश्रीपुंजराजजीविजयराज्ये प्रवर्त्तमाने गांधी राघव रतन गांधी
श्रीजोगीदास [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] श्रेष्ठी [illegible] [illegible] नाम्नी
[illegible] [illegible] धर्मधुर
धुरंधर [illegible] भार्या [illegible] प्रथम भार्या जोईमदे द्वितीया [illegible]
[illegible] प्रथम भार्या [illegible] [illegible] भार्या [illegible] सुत
[illegible] [illegible] श्रीविजय[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]

ध्याय श्री ५ आनंदप्रमोदगणि शिष्य पं० श्रेणी शिरोमणि पं० श्रीलक्ष्मीमोदगणिशिष्य पं० तेजप्रमोदगणि प्रतिष्ठाकृता ॥

१४६३. सं. १४४४ वर्षे पुर्णिमागच्छे श्रीहेमचन्द्रसूरिशिष्य श्री लक्ष्मीचंद्रसूरि श्रीमहावीरप्रसाद कारापितं गुरुश्रेयोर्थं ॥

पोसीना पार्श्वनाथी देरीओना लेखो.

१४६४. सं. १७८८ ना वर्षे माघशुदि ५ चंद्रे श्री[illegible]ज्ञातीय वृद्धशाखायां पारग सोव रामचंद भ र्या अमृत माता नाथीपुत्रेन श्रीनिमीनाथबिंबं का० प्र० श्रीविजयदेवेन्द्रसूरिसंदेशात् तपागच्छे माहाराजानी श्रीगंभिरसिंहजी राज्ये श्रीपोसीनानिर्षे. ॥

१४६५. सं. १८८८ वर्षे माघशुदि ५ चंद्रे श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं प्र० भ० वि[illegible] ॥

१४६६. १८८८ वर्षे माघशुदि ५ चंद्रे श्रीसारंगीनगरवास्तव्य उकेशज्ञातीय प्राग्वाट समस्त श्रीसंघपुत्रेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारितं प्रतिष्ठीतं भट्टारक श्रीविजयदेवेन्द्रसूरिसंदेशे श्रीपोसीणातीर्थे महाराजाधिराज श्रीगंभीरसिंहजीविजय राज्ये पीताम्बर आत्मा पुरुषेण कारापीतं श्रीतपगच्छे ॥

१४६७. सं. १८८८ वर्षे माघशुदि ५ चंद्रे श्रीपार्श्वनाथजिन बिंबं कारापीतं प्रतिष्ठितं विजयदेवेन्द्रसूरि राज्ये स[illegible] करापितं पोसीनातीर्थे ॥

१४६८. सं. १९०० वर्षे वैशाखशुदि ६ [illegible] वास्तव्य उकेशज्ञातिय वृद्धशाखा श्रीअजितनाथबिंबं करापितं प्रतिष्ठितं [illegible]

पालना मुलनायकनो पाषाण.

१४६९. सं. १९११ वर्षे ज्येष्टवदि ९ गुरौ प्र० सामभामलसी भा० धर्म सु० म० देवी म० हेसा ओगीय म० देवा भार्या जक्क सु० तागाइयोग नायादीकुटुम्बयुतेन श्रीशान्तिनाथबिंबं कारापितं ॥

-मु० सावलीश्वेतांबरी लेख.

१४७०. सं. १९६३ वर्षे वैशाखशुदि ११ गुरौ दिने श्रीश्रीमालज्ञातीय नाणुटी अमरसिंह भार्या वाल्ही सुत नाणुटी सोमाकेन भार्या सूरद पुत्रपौत्राणांश्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं तपागच्छ नायक श्रीश्रीहेमविमलसूरिभिः प्रतिष्ठितं चतुर्विंशतिपट्ट कारापितं विजापुर वास्तव्य श्रीरस्तु ॥

१४७१. सं. १९१८ माघशुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० व्य० प्रथम भार्या मेघू सुत रुदकेन भा० माणिकी सहितेन पुत्रपागर भार्या वरही युतेनस्वश्रेयोर्थ श्री५नि[illegible]ब्र स्व मिबिंबं कारा० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे श्रीउदयदेवसूरिपट्टे श्रीरत्नदेवसूरिभिः पाडवाला व ए.व्य शुभंभवतु श्रीः॥

१४७२. सं. १६३७ वर्षे श्रीअहिमतनगर वास्तव्य श्रीओशवाल ज्ञा० दे.पी लहुवराई लल्तादे दोषी वासणवदुआ श्रीकुंथुनाथबिंबं कारापितं प्र० श्रीहीरविजय सूरिभिः ॥

१४७३. सं. १९२२ व. मा.शुदि ९ शनि रोहिण्यां पाहणपुरवासि उके० श्रे० सिवा भा० यमकू सु० गदाकेन भा० कर्मादि भ्रा० प्रमु० कुटुंबयुतेन स्वश्रे० श्रीसुविधिनाथबिंबं का० प्र० श्रीतपा० श्रीसोमसुंदरसूरिशिष्य श्रीश्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१४७४. सं. १३१८ वर्षे ज्येष्ठशुदि ८ बुधे श्रे० धनपाल सुत रतनसिंह भार्या रतनदेवि श्रेयसे जगसिंहने .श्रीशांतिबिंबं का० प्र० श्रीमानदेवसूरिभिः

१४७६. सं. १५१२ वर्षे मा.वदि १० गुरौ उकेशज्ञा० शा० देवा भा० रामती सुत जसाकेन भा० पोहती सुत नगराजादी कुटुंबयुतेन श्रीधर्मनाथबिंबं का० प्र० तपा० श्रीश्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१४१६. सं. १३०२ वैशाखसुदि १० पांगवास्तव्य प्राग्वाट ज्ञा० स्वपितृव्यवस्तुपाल मातृमूलदेवीश्रेयोर्थं सुत ठा० वरसिंहने श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीनागेन्द्रगच्छे विजयसेनसूरिशिष्य श्रीयशो... सूरिभिः ॥

१४७७. सं. १५८७ वर्षे माघवदि ०) गुरौ श्रीविजापुर वास्तव्य श्रीश्रीमालज्ञातीय मं० वस्ता भा० विमलदे सुत श्रीशरेन श्रीविमलनाथबिंबं का० श्रीआगमगच्छे श्रीउदयरत्नसूरिभि प्र० श्रीरस्तु. ॥

१४७८. सं. १५११ वर्षे माघवदि १० उ० दो० सिधा भा० सुहवदे सुत दो० सिहाकेन भा० सिंगारदे सुत वरसिंग अमादि कुटुंबयुतेन निज भ्रातृ दुदा श्रेयसे श्रीमुनिसुव्रतबिंबं कारितं प्र० तपागच्छे श्रीरत्नशेखरसूरिपट्टे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभि· श्रीलघुनगरे ॥

१४७९. सं. १५८७ वर्षे वैशाखवदि ७ सोमे श्रीश्रीवंशे मे० पांचा भार्या हीरु पु० हाला भा. चउथु पौत्र भा० श्रीजलदे पु० अमरा श्रावकेण भा० रमाद पु० मका सहितेन स्व पुण्य श्रेयोर्थं श्रीअंचलगच्छे श्रीगुणनिधानसूरिणामुपदेशेन श्रीशांतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीसंघेन अहमदनगरे ॥

१४८०. सं. १५११ व. उ० ज्ञा० श्रा० सुमाम भा० वरजू पु० महणसिंह सिवाकेन भा० मदोदरी पु० पूंजा प्रमुख कुटुंबयुतेन ॥

तेन भ्रातृ लोहट श्रेयोर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० बृहत् तपागच्छे श्रीसोमसुंदरसूरि सं० श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः ॥

१४८१. सं. १५०१ वर्षे पौषवदि ६ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० मं० आमू० शाखायां मं० गोवल भार्या उमादे सु० सोढाकेन पितृमातृ आत्म श्रे० श्रीआदिनाथबिंबं का० श्रीपूर्णिमश्रीवीरप्रभसूरीणामुपदेशेन प्रतिष्ठितं ॥

१४८२. सं. १४८१ माघशुदि १० प्राग्वाटज्ञा० शा० शापा भा० सुल्ही सुत सा० मोकलेन भा० पावि सु० श्रीज्ञान० उद्यापने श्रीश्रेयांसबिंबं का० श्रेयसे प्र० श्रीसोमसुंदरसूरिभि. ॥

१४८३. सं. १२९८ वर्षे भाद्रपदशुदि १ गुरौ नागेन्द्रगच्छे श्रीविजयसिंहसूरिसंताने भा० गालाकेन पितृमातृ श्रेयोर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० ॥

पाषाणप्रतिमा लेख.

१४८४. सं. १६७८ वर्षे ज्ये. वदि ६ सोमवासरे शास्त्री- वास्तव्य प्राग्वटज्ञातीय लघुशाखीय दो० नानासुत दो० हंसराजकेन श्रीशांतिनाथबिंबं कारापितं श्रीतपागच्छनायक श्रीविजयदेवसूरिभिः ॥

१४८५. सं. १६७८ वर्षे शास्त्रवदि कोटिडीयहीर महाराज श्रीकल्याणमल्लजी राज्ये सो० रतनसिंहकेन श्रीसंभवनाथबिंबं कारापितं प्रति० भट्टारक श्रीशांत श्रीविजयसेन सूरीश्वरपट्टप्रदीपभट्टारक श्रीविजय- देवसूरीश्वर तपागच्छे ॥

वीरमगाम.

श्रीअजितनाथजीना देराना लेखो.

१४८६. सं. १२४१ ज्ये. शुदि १९ रव श्रेयोऽर्थं श्रीमोहणेन श्रीवीरबिंबं का० प्र० (ल) नागरगच्छे श्रीप्रद्युम्नसूरिभिः ॥

१४८७. सं. १२७६ फा. शुदि २ शनौ मातृ राजू श्रेयोऽर्थं सु० देपरेण श्रीमहावीरबिंबं का० ॥

१४८८. सं. १२९६ वर्षे वैशाखशुदि १० गुरौ बाकीना अक्षरो वांची शकाता नथी. श्रीनरचन्द्रसुरिशिष्यश्रीमाणिक्यचन्द्रसूरिभिः ॥

१४८९. सं. १३९१ वर्षे..........श्रीब्रह्माणगच्छे नउल्देउल पु० लीलाकेन पित्रोः श्रेयसे सुमतिनाथबिंबं का० प्र० श्रीगुणाकरसूरीणामुपदेशेन ॥

१४९०. सं. १४१४ वर्षे ज्ये. वदि १३ रवौ ओसवालज्ञा० श्रे० लषमण भा० लषमादेनिमित्तं पु० रूदाकेन आत्म श्रेयसे श्रीनमिनाथबिंबं का० श्रीबृहद्गच्छे श्रीसत्यगुरु श्रीअमरचन्द्रसूरिभिः प्र० ॥

१४९१. सं. १४४८ पोसशुदि १२ श्रीडूकटगोत्रे शा........ भा० माल्हणदे पु० रतनेन मातृपितृ श्रेयोऽर्थं श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीदेवगुप्तसूरिभिः ॥

१४९२. सं. १५२५ वर्षे वैशाखवदि ११ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा० व्य०............सु० भादाकेन भा० रूपी सु० ३ केल्हसीमुखाघासहितेन श्रीमीविनस्वामि श्रीनयप्रभबिंबं का० प्र० प्रधानपूर्णिमापक्षे भ० श्रीनयप्रभसूरीभिः मगराडाग्रामे ॥

१४९३. सं. १३९६ वर्षे वैशाखवदि १२ रवौ श्रीश्रीमालज्ञा०

पितृ देवचन्द्र श्रेयोऽर्थं सु० धयसाकेन श्रीसुपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीथारापद्रियगच्छीय श्रीशान्तिसूरिशिष्य श्रीसर्वदेवसूरिभिः ॥

१४९४. सं. १३९७..........................श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० श्रीरत्नदेवसूरिभिः ॥

१४९५. सं. १३४६ वर्षे फागणशुदि १० मोढज्ञा० ठ० जाल्हा सु० पद्मेनआत्मनः श्रेयोऽर्थं श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० श्रीहरिप्रभसूरिभिः॥

१४९६. सं. ....चैत्रवदि ९ गुरौ भावदेवाचार्यगच्छे श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० भावदेवसूरिभिः ॥

१४९७. सं. १२७८ वर्षे मातृ सम्पूपदमिणिश्रेयोऽर्थं सो० तेजपाल श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० ॥

१४९८. सं. ११९८ वर्षे वैशाखवदि ९ बुधे श्रीथारापद्रीयगच्छे श्रीशान्तिसूरिसंताने पंचासरग्रामे ठ० वास० सुतया जसमत्या प्रतिमा कारिता. . .....निगमप्रभावक श्रीआणंदसागरसूरिभिः ॥

१४९९. सं. १५७३ वर्षे वैशाखशुदि ९ सोमे श्रीश्रीमालज्ञा० सिवा भा० रही पु० कर्णा सुश्रावकेण भा० साधु पु० अजा भा० अहिवदे पु० राणा तथा भ्रातृ मूया प्रमुखकुटुंबसहितेन श्रीनागेंद्रगच्छे-सुगुरुणामुपदेशेन मं० सिवा पुण्यार्थं श्रीनमिनाथबिंबं का० प्र० संघेन विठ्ठलापरग्रामे ॥

श्रीशांतिनाथजीना देराना लेखो.

१५००. सं. १५९२ वर्षे मार्गसिरशुदि ९ रवौ श्रीनाणावालगच्छे उपकेशगोत्रे पु० गोया भा० गंगादे पु० हरा भा० हीरादे पु० याभ्यां स्वश्रेयसे श्रीआदिनाथबिंबं का० प्र० भट्टा० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

१९०१. सं. १५१६ वर्षे आषाढशुदि २ शनौ श्रीमाल्ज्ञा० श्रे० सोला भा० लीलू उभयोःश्रेयार्थं सु० पाताकेन पार्श्वनाथबिंबं का० प्र० श्रीधनेश्वरसूरिभिः ॥

१९०२. सं. १५१९ वर्षे ज्ये. शुदि ९ रवौ श्रीमाल्ज्ञा० श्रे० हीरा भा० हर्षू सु० पता भा० मनी सु० देवा प्रमुखसकुटुंबयुतेन मातृ पितृ श्रेयोर्थं स्व श्रेयसे च श्रीसंभवनाथबिंबं का० चन्द्रगच्छे श्रीसूरिभि मदासराग्रामे ॥

दसाडाना देराना प्रतिमाना लेख.

१९०३. सं. १६६१ वर्षे माघ. शुदि १० बुधे ओसवंशे सा० मेला भा० पूराइ सु० रत्नकर्णेन भा० पमाई सुतारूडी प्रमुखकुटुंबयुतेन स्व श्रेयोर्थं श्रीशान्तिनाथबिंबं का० प्र० बिलरसगच्छे श्रीपुण्यवर्धन सूरिभिः स्तंभतीर्थे ॥

श्रीसंखेश्वर पार्श्वनाथजीना देराना लेखो.

१९०४. सं. १२१९ माघ शुदि ११ बधस्वमुरेवाम्बांवदुदेवि मातृ श्रेयोर्थं ....बिंबं कारितमिति ॥

१९०५. सं. १५२२ वर्षे वैशाखवदि ४ गुरौ प्रा० श्रे० धर्मस भा० कपूरी पु० श्रे० कडूआ भा० मातू पु० धर्मसी भा० बहू अदि.

कुटुंबयुतेन श्रीकुंथुनाथबिंबं का० प्र० श्रीपिप्पलगच्छे श्रीधर्मदेव-सूरिपट्टे श्रीधर्मशेखरसूरिभिः शुभंभवतु श्रीसंघस्य ॥

१५०६. सं. १५०० वै. शुदि ९ प्राग्वाट० सं० उदयसी भा० धांधलदे पु० सं० नागा भार्यया वडी नाम्न्या पु० समधर सीधर आसधर देवदत्त पुत्री कपुरी कीबाई पुराणादि कुटुंबयुतया स्वश्रेयसे श्रीवर्धमानबिंबं का० प्र० श्रीसूरिभिः ॥

१५०७. सं. १४७८ वैशाखशुदि १३ सोमे श्रीश्रीमाल० श्रे० भेमा भा० भरमादे ति० माल्हणदे श्रे० सु० गोदाकेन श्रीपार्श्वनाथबिंबं का० प्र० पिप्पलगच्छे श्रीरत्नकीर्तिसूरिपट्टे श्रीप्रभाणंदसूरिभिः ॥

१५०८. सं. १४९८ वर्षे कार्तिकवदि २ सोमे श्रीऊकेशवंशे श्रे० कडूआकेन श्रे० वेजलदे भा० आल्हणादेप्रमुखपितृभ्रातृश्रेयोऽर्थं श्रीधर्मनाथबिंबं श्रीसिद्धसूरिणामुपदेशेन का० प्र० च श्रीसूरिभिः ॥

१५०९. सं. १४८१ वर्षे माग. शुदि ९ सोमे अंचलगच्छेश श्रीजयकीर्तिसूरिणामुपदेशेन ऊकेशवंशे सा० पूना भा० मेघू तत्पुत्रेण सा० [illegible] श्रेयोऽर्थं श्रीसुमतिनाथबिंबं का० प्र० च [illegible] ॥

१५१०. सं. १५३१ [illegible] शुदि ९ सोमे श्रीश्रीमाल० सं० [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible] भा० [illegible] पु० [illegible] भा० [illegible] श्रीकुंथुनाथ [illegible] बिंबं का० प्र० [illegible] ॥

१५११. सं. १५१५ वर्षे [illegible] सोमे प्राग्वाट० सं० [illegible] ॥

श्रीसंखेश्वरजीना जुना देरासरनी छुटी गयेली देरीओ उपरना लेखो.

दक्षिणदिशानी देरिओ उपरना लेखो.

१९१२. सं. १६६३ वर्षे कार्तिकशुदि ११ शंकरसाहेन भा० खरीसमग बई दीवारीबाई ॥

१९१३. सं. १६६६ वर्षे पोषवदि ८ रवि राजनगरना सुत वृद्धशाखीय ॥

१९१४. सं. १६६१ श्रे० सीराज बा० बा० दांउनी देहरी पटणीनी ॥

१९१५. सं. १६६२ वर्षे महं जेचंद सवचन्द प्रनाहोवनी देहरी पाटणनी ॥

१९१६. सं. १६६२ वर्षे पोषवदि २ दणीदोवरजपढंल ॥

उत्तर तरफ देरीना लेखो.

१९१७. स. १६६२ ना वर्षे माघवदि १३ शनौ साणंदना संघ समस्तनी देरी. ॥

१९१८. सं. १६६६ वर्षे माघवदि ८ रवौ श्रीपद्मवास्तव्य श्रीश्रीमालीज्ञा० वृद्धशाखीय प० जावड भा० जसमादे सु० प० बाघजीकेन मा० सवरदे प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीसंखेश्वरग्रामे श्रीपार्श्वनाथमुख्यमामादे............प्रासादः शतशोरूप्यकव्ययेन का० ॥

दक्षिण तरफनी मोटी देरीनो लेख.

१९१९. सं. १६६८ वर्षे पोषवदि ८ रवौ राजनगर वास्तव्य वृद्धशाखीय ओसवाल्ज्ञा० मीठडीयागोत्रीयसा० समरसिंह भा० हंसाई सु० सा० श्रीपालकेन भा० हर्षाईद्वि० भा० सुखमादेव्या सुपुत्रसा० वाघजी प्रमुखकुटुंब. आगळना अक्षरो वांची शकाता नथी.

पाटण—कोटावाळा वाडानी देरासरना लेख.

१५२०. श्रीजैनस्तूप सं १५६१ [illegible] ॥

पाटण—कोटावाळा वाडो श्रीनेमिनाथना देरासरना लेखो.

१५२१. सं. १५२२ वैशाखसुदि ३ बुधे प्राग्वाट० ज्ञा० [illegible] भा० [illegible] श्रीनेमिनाथबिंबं का० प्र० तपागच्छे श्रीलक्ष्मीसागरसूरिभिः॥

१५२२. सं. १५६४ वर्षे ज्येष्ठसुदि १० सोमे प्राग्वाट० व्य० महिता भा० देऊ पु० चतुर भा० नारी पु० श्रीवत्सनाम्ना पूर्वजश्रेयसे द्वितीयपत्नी श्रीजिनधर्मसूरिप्रतिष्ठितः श्री० प्र० कच्छोलीवालगच्छे पूर्णिमापक्षे भ० श्रीचन्द्रप्रभसूरिपट्टे भ० श्रीसौभाग्य सूरीणामुपदेशेन ॥

पाटण कोटावाळा वाडानी पंचासरामां देरासरो लेख.

१५२३. सं. १५७३ वर्षे वैशाखसुदि २ गुरौ प्राग्वाट ज्ञा० वृद्धशा० सा. वनाकेन भा० रैगू पु० जीवा जगमाल जीवा भा० आसू प्रमुखकुटुंबयुतेन स्वश्रेयसे श्रीअभिनंदनबिंबं का० श्रीपूर्णिमापक्षे भ. ठो-शीयाक श्रीविनयरत्नसूरिपट्टे श्रीविद्याप्रभसूरीणामुपदेशेन प्र० [illegible]वास्तव्य ॥